कैंडिडे

कैंडिडे

फ्रांस के प्रसिद्ध उपन्यासकार वाल्टेयर के
उपन्यास 'कैंडिडे' का अनुवाद

अनुवादक
प्रताप नारायण टण्डन

१९५९
साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।

प्रकाशक
साहित्य प्रकाशन,
माली वाड़ा, दिल्ली।

मूल्य
तीन रुपया

मुद्रक
निरंजन स्वरूप सक्सैना
डिलाइट प्रेस, चूड़ीवालान,
चावड़ी बाज़ार, दिल्ली।

: १ :

थंडरटेन ट्राँक का महल

एक समय में, वेस्टफेलिया के एक प्रांत में, हिज लार्डशिप बैरनवान थन्डर टेन-ट्राँक के महल में एक बहुत मधुर प्रकृति का लड़का रहता था। उसका मस्तिष्क उसके चेहरे द्वारा पढ़ा जा सकता था। वह बहुत कुशाग्र बुद्धि था। तब भी उसका साधारण व्यवहार बड़ा सादा था। शायद इसी कारण उसको कैंडिडे का नाम मिला था।

घराने के पुराने नौकर यह शक करते थे कि वह हिज लार्डशिप की बहन का लड़का था। उसका पिता एक सम्मानित ज़मींदार था। बहन ने उसकी शादी कराने से इंकार कर दिया था। वह एक योग्य व्यक्ति था क्योंकि उसके कोट में केवल इकहत्तर क्वार्टरिंग्स थे—और सब समय के तूफान में गायब हो गये थे।

बेरन वेस्टफेलिया के बहुत शक्तिशाली सज्जनों में से था, जैसा कि इस सत्य से साबित होता था कि उसके महल में बहुत बड़ी-बड़ी खिड़कियाँ, दरवाजे और उसके हाल में बहुत से चित्र निर्मित वस्त्र लटके थे। कुत्ते जो उसके खेत में भागा करते थे, शिकार के लिये एक ही बार में जमा किये जा सकते थे, जिसमें उसका साईस कड़े-कोड़े लगाता था, सब उसको माई लार्ड कहते थे और उसकी कहानियों पर हँसते थे।

हर लेडीशिप, बेरौनस का वजन पच्चीस स्टोन था। यह उसके सम्मान को अधिक बढ़ाता था, जो उसके घर के सम्मान में योग था, पुत्री, जिसका नाम क्यूनीगांदे था, सत्रह वर्ष की थी, ताजे रंग की, गोल और आकर्षक। घर का पुत्र 'ए चिप आफ दि ओल्ड' नाम से प्रसिद्ध था।

परिवार में एक घरेलू व्यक्ति था, एक अध्यापक, जिसका नाम पैन्गलौस था। युवा केंडिडे अपनी शिक्षा को अपनी आयु और खुले दिल की सामान्यता में डुबाये था। ये शिक्षाएँ धार्मिक—नैतिक—नक्षत्र-विज्ञान की थीं। पैन्गलौस हर एक के संतोष के लिए यह प्रामणित कर सकता था कि कोई भी प्रभाव बिना कारण के नहीं है और इन संसारों में सर्वश्रेष्ठ इस संसार में बैरन का महल सर्वोत्तम है, और बैरोनस सब बैरोनसों से अच्छी है।

"यह प्रमाणित किया जा सकता है" पैन्गलौस कहता था कि, "वस्तुएँ जैसी हैं उसके अतिरिक्त नहीं हो सकतीं, क्योंकि प्रत्येक वस्तु किसी प्रयोजन के लिए बनी है, तो प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम प्रयोजन के लिए होनी चाहिए।" नाकें आप देखिये ऐनकों को रोकने के लिए बनाई गई थीं, और हमारे पास ऐनकें हैं, टाँगें, यह साफ है, पतलून पहनने के लिए बनाई गई थीं, और हमारे पास वे हैं, पत्थर खोदने और महल बनाने के लिए बनाये गये थे, और तभी हिज लार्डशिप का महल इतना अच्छा है—क्योंकि प्रान्त के सबसे महान बैरन के लिए सबसे अच्छा घर चाहिए था। सूअर खाने के लिए बने थे, तभी हम साल भर सुअर का मांस खाते हैं। इसका यह मतलब हुआ कि जो यह कहते हैं कि प्रत्येक वस्तु अच्छी है, वे मूर्ख हैं, उनको यह कहना चाहिए कि प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम के लिये है"[1]

केंडिडे इन सब को गौर से सुनता था, और इसमें विश्वास करता था। उसके सम्बन्ध में वह मिस्ट्रेस क्यूनिगांदे को अत्यधिक सुन्दर मानता था, यद्यपि वह कभी उससे ऐसा कहने का साहस नहीं करता था। उसने यह परिणाम निकाला कि सुख के लिए बैरनवान थन्डर-टेन-ट्रॉंक का पैदा होना पहली वस्तु है और दूसरी मिस्सेज क्यूनिगांदे का होना, तीसरी उसको रोज देखना, चौथी डा० पैन्गलौस

---

[1]फ्रांसीसी में "टाउट एस्ट बायन" और "टाउट एस्ट आ मायुक्स" केवल यही गद्यांश है जहाँ वॉल्टेयर यह बताता है कि इन दो मुहावरों में कोई असमानता है, और कई जगहों पर पैन्गलौस दोनों का अपने मत को प्रकट करने के लिए भेद स्पष्ट करता है।

द्वारा शिक्षा पाना, जो प्रांत में सबसे महान् दार्शनिक था और इसीलिए सारे संसार में उसका नाम था।

एक दिन क्यूनिगांदे महल के पास घूम रही थी, एक छोटे बाग में। वह एक पार्क था। जब उसने झाड़ियों के बीच से अपनी माँ की दासी को डा० पैन्गलोस द्वारा भौतिक शास्त्र में शिक्षा दिये जाते सुना। वह एक सुन्दर और आज्ञाकारी की प्रकृति-विज्ञान के लिये पैदाइशी दिलचस्पी होने के कारण अपनी उपस्थिति का ज्ञान कराने के बाद डाक्टर के द्वारा किये गये प्रयोगों को देखने लगी, उसे ठीक कारण को समझने में कोई कठिनाई नहीं पड़ी—एक मुहावरा जो अधिकतर प्रयोग में आता था—या कारणों और प्रभावों को समझने में। वह दुःखी मुद्रा में घर लौटी—ज्ञान की चाह से भरी हुई और सोचती हुई कि वह स्वयं युवक कैंडिडे का "कारण" बन सकती है और वह उसका।

महल लौटते हुए राह में उसे कैंडिडे मिला। वह शर्म से लाल हो गई और सकुचाती आवाज़ में उसका स्वागत किया। कैंडिडे भी शर्मा गया और बिना जाने हुए कि वह क्या बोल रहा था, बोला।

दूसरे दिन, जबकि वे रात्रि के भोजन के बाद मेज़ पर से उठ रहे थे, क्यूनिगांदे और कैंडिडे ने अपने आपको पर्दे के पीछे पाया। क्यूनिगांदे ने अपना रुमाल गिरा दिया और कैंडिडे ने उसे उठा लिया। उसने अकृत्रिम रूप से उसका हाथ पकड़ लिया, और युवक ने अकुशलता के साथ उसका हाथ चूमा, देखने योग्य और सम्मान पूर्वक। उनके अधर मिले, उनकी आँखें चमकीं, उनके घुटने कांपे, उनके हाथ थरथराये...............

बेरन वान थन्डर-टेन-ट्राँक ने, जो कि पर्दे के पीछे से संयोगवश निकला, कारण और प्रभाव का यह नाटक देखा। उसने कैंडिडे को महल से बाहर निकाल दिया, पीछे से जोर की लातें मारते हुए। क्यूनिगांदे बेहोश हो गई और चेतना में आने पर बैरोनेस द्वारा डाँटी गई। महल में भय छा गया।

: २ :

नेता

पृथ्वी के स्वर्ग से निकाले जाने के बाद, कैंडिडे अंधा सा होकर और आँसुओं के साथ इधर-उधर घूमता रहा, अपनी आँखें स्वर्ग की ओर लगाये हुए, या फिर सर्वोत्तम महल की ओर, जहाँ बैरन की सबसे अधिक सुन्दरी रहती है। वह घास की एक खाई में सोने के लिए लेट गया; यहाँ खूब बर्फ पड़ रही थी।

दूसरे दिन, सर्दी से सुन्न होकर वह अपने को पास के एक गाँव में खींच ले गया धन रहित और थकान और भूख से बेहोश वह एक सराय के द्वार के चारों ओर निराश चक्कर काटने लगा।

उसको दो नीली वर्दी वाले पुरुषों ने देखा। "कामरेड," उनमें से एक ने कहा, "तुम एक स्वस्थ युवक हो—और अच्छी ऊँचाई के।" वे कैंडिडे के पास आये। "सज्जनो" कैंडिडे ने कहा, "मैं बहुत इज्जतदार हूँ, परन्तु मेरे लिए धन मेरे पास नहीं है।"

"मेरे प्रिय युवक सज्जन" नीले कोटों में से एक ने कहा, "तुम्हारे जैसे आकार और गुण के पुरुष को कुछ नहीं देना पड़ता। मुझे देखने दो, अब, मैं सोचता हूँ कि तुम पाँच फीट पाँच इंच ऊँचे हो!"

"हाँ जनाब, मेरी ठीक यही ऊँचाई है", कैंडिडे ससम्मान झुका। "अच्छा, तब, युवक सज्जन, कृपया हमारे साथ बैठ जाओ। हम तुम्हारे कष्टों को ही केवल दूर नहीं करेंगे, वरन् तुम्हारे जैसे मनुष्य को धन की आवश्यकता भी नहीं पड़ने देंगे। मनुष्य एक दूसरे की सहायता करने के लिए ही पैदा हुआ था।"

"तुम ठीक कहते हो" कैंडिडे ने कहा। "यही डा० पेन्गलौस सदा कहते हैं। मैं अब स्पष्ट देखता हूँ कि प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम के लिए है।"

उसके साथियों ने उसको अनुरोधपूर्वक कई क्राउन देने चाहे। उसने स्वीकार किया, बदले में 'एक आई, ओ, यू'[1] देना चाही जो उन्होंने लेने से इन्कार कर

[1] पैसा चुका देने के लिए एक इक़रारनामा।

दिया। "तुम, मुझे मानना पड़ेगा, त्यागी और वफादार पुरुष हो।" उसमें से एक ने कहा। "हाँ सचमुच, मिस्ट्रेस क्यूनिगांदे मेरा सब......।"

"नहीं, नहीं, हमारा मतलब यह है कि तुम बल्गेरिया के राजा के प्रति वफादार नहीं हो?"

"क्यों, बिल्कुल नहीं, जबकि मैंने उसको कभी देखा भी नहीं।"

"लेकिन यह सब राजाओं से अधिक अच्छा है। आओ, हमें उसके स्वास्थ्य के लिए पीना है।" और कैंडिडे ने स्वास्थ्य के लिये पिया।

"यही हमको करना था," उसको तब बताया गया, "तुम अब बल्गेरियन जनता के सिपाही, रक्षक और नेता हो। तुम्हारा भाग्य बन गया। अब तुम प्रतिष्ठा के ऊँचे पद पर हो।"

इसके बाद दो नीले कोट वालों ने कैंडिडे को हथकड़ियों में बाँध लिया और अपनी रेजीमेंट की ओर ले गये। उसको दायें घूमना, बायें घूमना, अपनी छुरी खींचना, छुरी वापस रखना, गाड़ी चलाना और दौड़ना सिखाया गया। और उसे बेंत की तीस चोटें मिलीं। दूसरे दिन उसने ज़रा कम खराब ड्रिल की, और केवल दस बेंत मिली। तीसरे दिन केवल दस चोटों के साथ उसको कामरेडों की प्रशंसा मिली।

कैंडिडे भौंचक्का रह गया और नहीं जान सका कि वह नेता कैसे था। पतझड़ की एक सुहावनी सुबह उसने घूमने जाने का तय किया—किसी विशेष स्थान पर नहीं—इस सिद्धान्त पर कार्य करते हुए कि मनुष्य, जानवरों की भाँति अपने पैरों का अपनी इच्छानुसार प्रयोग करने का अधिकार रखता है। वह दो फर्लांग से कम ही गया होगा कि वह दो दूसरे नेताओं द्वारा पकड़ लिया गया। वे छः फीट लम्बे थे, जिन्होंने उसको बाँध लिया और उसे कैदखाने में ले गये।

कोर्ट-मार्शल में, कैंडिडे से पूछा गया कि वह पूरी रेजीमेंट द्वारा छत्तीस बार लड़ना पसन्द करता है या एक दर्जन गोलियों से अपना सिर छिदवाना। उसको चुनना था, तब उसने दैवी उपहार जिसका नाम, स्वतन्त्र इच्छा है, छत्तीस बार लड़ना पसन्द किया। उसने इनमें से दो बार घुड़सवारी पूरी की। लेकिन

चूँकि रेजीमेंट में दो हजार आदमी थे, इसका मतलब था चार हज़ार कड़े आघात, जिसने गर्दन से लेकर कमर तक की सब नसों और मांसपेशियों को निकाल दिया।

जब वे तीसरी बार के लिये तैयार होने जा रहे थे, कैंडिडे ने तो यह करना छोड़ दिया और उसने कहा, दया के लिये उसका सिर उड़ा दिया जाय। उसकी प्रार्थना स्वीकार कर ली गई। उसकी आँखों पर पट्टी बाँध दी गई और उससे घुटने के बल बैठने के लिए कहा गया।

इस समय संयोग से बल्गेरियनों का राजा उधर से निकला और पूछा कि बन्दी ने क्या किया था। बताने पर और बुद्धिमान राजा होने के नाते उसने यह सोचा कि कैंडिडे एक युवक, एक असांसारिक आत्म-विद्या का विद्यार्थी था, और उसे क्षमा कर दिया—जिस दया के कार्य के लिए इस राजा की अखबारों में और प्रत्येक युग में प्रशंसा होती रहेगी।

एक योग्य सर्जन ने कैंडिडे के घावों को तीन हफ्ते में ठीक कर दिया। इस समय तक उसकी पीठ में कुछ खाल आ गई थी और वह चलने योग्य था, जबकि बल्गेरियना का राजा अरब के राजा के साथ लड़ाई में व्यस्त था।

: ३ :

हालैंड भाग कर पहुंचना

ये दोनों सेनाएँ शानदार परेड, वर्दी और उत्कृष्ट हथियार, तथा सुरक्षा के श्रेष्ठ प्रबन्ध में अद्वितीय थीं। इनका बिगुल, तुरही, ढोल तथा तोपों आदि के स्वरों ने ऐसा संगीत उत्पन्न किया, जैसा कि स्वयं नरक में भी कभी नहीं सुनाई पड़ा।

प्रारम्भ से चलते हुए सेना में दोनों तरफ कई हजार सैनिक थे। इसके बाद उनकी तोपों की गोलाबारी ने इस सर्वोत्तम संसार की सतह से नौ या दस हज़ार निम्न लोगों को मुक्त कर दिया था। अन्त में संगीनें करीब हजारों की मृत्यु का कारण बनीं।

केंडिडे के हृदय में यह सब देख कर एक सिहरन सी उठी, जैसी कि एक दार्शनिक सोच सकता था, और उसने नायकोचित हत्याकांड के दौरान में अपने को भरसक छिपाना चाहा। आखिरकार—जबकि, दोनों राजाओं की आज्ञाओं पर "टी० डियुम" नामक गान दोनों ओर के शिविरों में गाया जा रहा था—उसने यह निश्चय किया कि वह संसार के किसी अन्य स्थान में जाकर इस कारण-प्रकृति की समस्या पर अपनी विचारधारा अटूट रखे।

मरणासन्न और मृतकों के ढेरों को पार करता हुआ, वह निकट के एक गाँव में पहुँचा। यह गाँव एक अबेरियन ग्राम था। अतः बल्गेरियन लोगों ने अपने युद्ध के नियमों के अनुसार उसे जला कर राख कर दिया था। कुछ वृद्ध पुरुष अपने गले के घावों से मरती हुई पत्नियों की रक्षा कर रहे थे जो कि अपने बच्चों को अपने लोहू-लुहान सीने से लगाये थीं। इन मरते हुए लोगों में कुछ ऐसी लड़कियाँ भी थीं जिन्हें नेताओं ने अपनी स्वाभाविक पाशविक वृत्ति की संतुष्टि के लिए शिकार बनाया हुआ था, और फिर उन्हें कराहते हुए मरने को छोड़ गये थे। कुछ अन्य स्त्रियाँ, आधी जली, परन्तु जीवित, अपने संकटों से छुटकारा पाने के लिए अन्य लोगों से याचना कर रही थीं। सारी पृथ्वी हाथों-पैरों और मुण्डों से ढकी हुई थी।

जितना तेज भागना उसके लिए संभव था, उतनी तेज़ी से केंडिडे दूसरे गाँव में भाग गया। यह बल्गेरियन ग्राम था और इसे भी अबेरियन सैनिकों ने उसी प्रकार नष्ट कर दिया था।

अपने निर्जीव और काँपते हुए हाथ-पैरों से केंडिडे आखिरकार इस युद्ध-नाटक से अपने को दूर हटा ले जाने में सफल हुआ। उसके विचारों में अभी तक कुमारी क्यूनिगांदे घूम रही थी।

उसके खाने के झोले में बहुत कम भोजन शेष था, और यह भी हालैंड पहुँचते-पहुँचते समाप्त हो गया। उसने सुना था कि इस गाँव के सभी निवासी धनी थे और उनसे वह वैसे ही अच्छे व्यवहार की आशा करता था, जैसे कि

उसने हैरन की गढ़ी में पाया था, जहाँ से वह क्यूनिगांदे के सौंदर्य के कारण निकाल दिया गया था।

उसने अनेक धनी दिखाई देने वाले आदमियों से सहायता की प्रार्थना की, जिन्होंने बताया कि यदि वह अपना यह पेशा जारी रखेगा तो उसे एक सुधार-गृह में भेज दिया जायगा, जहाँ उसे यह शिक्षा दी जायगी कि किस प्रकार उचित रूप से रहना चाहिए। संयोगवश उसे एक ऐसे आदमी से बातचीत करने का अवसर मिला, जो कि एक घंटे से अधिक देर से दान देने के विषय में कुछ आदमियों में भाषण दे रहा था। वक्ता ने उस पर एक तिरछी नज़र डाली और पूछा—"तुम अपने साथ यहाँ क्या लाये हो ? क्या तुम यहाँ किसी अच्छे कारण से आये हो ?"

"हाँ जनाब"—कैंडिडे ने शरमा कर जवाब दिया—मेरी यह धारणा है कि बिना किसी कारण के कोई भी प्रभाव नहीं होता है। प्रत्येक वस्तु आवश्यकताओं की जंजीर से जकड़ी हुई है और वह अपने सर्वोत्तम के लिए ही होती है। यह आवश्यक था कि मैं कुमारी क्यूनिगांदे के पास से दूर भगा दिया जाऊँ और इस प्रकार से भागता फिरूँ। अब मेरे लिये आवश्यक है कि मैं खाने के लिए मांगूँ, जब तक कि मैं स्वयं न कमाने लगूँ। यही होना था, अतः और कुछ हो ही नहीं सकता था।"

"ए दोस्त ? क्या तुम पोप को ईसामसीह के सिद्धान्तों के विरुद्ध समझते हो।"

"मैंने किसी को ऐसा कहते नहीं सुना। चाहे वह ऐसा हो या न हो, मैं भूखा हूँ।"

"तुम खाना दिये जाने योग्य नहीं हो। भाग जाओ, बदमाश ! दूर हो जाओ, अलग हटो। यदि अपना जीवन चाहते हो तो मेरे निकट न आओ।"

वक्ता की पत्नी ऊपर खिड़की से यह सब देख रही थी। पोप के, ईसामसीह के, सिद्धान्तों के विरुद्ध होने में संदेह करने वाले व्यक्ति को देख कर उसने एक घड़ा पानी उसके सर पर फेंक दिया; जो कि स्त्रियों की सामर्थ्य का एक उदाहरण था, जिसमें धर्मभावना से प्रेरित काम देखने को मिलता है।

एक ऐसा व्यक्ति, जिसका कोई नामकरण संस्कार नहीं हुआ था, एक उदार नाम वाला व्यक्ति जेम्स, यह सब क्रूर और निंदनीय व्यवहार अपने साथी का देख रहा था—वह दो पैरों और एक आत्मा वाले गरीब व्यक्ति कैंडिडे को अपने घर ले गया। उसको स्नान कराके उसे भोजन और शराब दी। इसके बाद उसने उसे दो "फ्लोरेंस" दिये, और साथ ही उसे परशियन बुनाई के व्यापार की भी शिक्षा दी—जो कि जैसा कि बहुधा हालैंड आदि में भी होता है।

कैंडिडे जेम्स के पैरों पर गिर पड़ा और निवेदन करने लगा—"मेरा मास्टर पैंग्लास ठीक कहता था। इस संसार में प्रत्येक वस्तु अपने सर्वोत्तम के लिए ही है। ऐसा होता ही है। क्योंकि मैं तुम्हारी उदारता से अधिक प्रभावित हुआ हूँ, उस व्यक्ति की रुखाई की अपेक्षा, जो काला लबादा ओढ़े था, और उसकी पत्नी से।"

: ४ :

पैंग्लास "पॉक्स" पर

दूसरे दिन जब कैंडिडे घूमने के लिए बाहर जा रहा था, उसे रास्ते में एक ऐसा भिखारी दिखाई दिया जो चिथड़ों से ढका हुआ था। उसकी आँखें सिर में धँसी हुई थीं। उसकी नाक में कुछ रोग था। उसका मुँह बहुत भोंडा सा था। उसके दाँत काले थे। वह बहुत कंपित स्वर में बोलता था। उसे खाँसी भी बहुत आती थी। खाँसी के प्रत्येक दौर पर ऐसा ज्ञान पड़ता था, मानो उसका एक दाँत बाहर गिर पड़ेगा।

कैंडिडे को इस व्यक्ति पर क्रोध आने की अपेक्षा दया आई। उसने इस भयानक भिखारी को वे दोनों फ्लोरेंस दे दिये, जो उसे दूसरी जगह से मिले थे। इसके बाद वह निराश सा हो गया। वह भूत सी छाया उसकी ओर देखते हुए उसके गले से लिपट गई। उसकी आँखें आँसुओं से भर गईं। "अफ़सोस"—उस गरीब व्यक्ति ने कहा "क्या तुम अपने गरीब पैंग्लास को नहीं पहचानते ?"

"क्या तुम वही हो ? मेरे प्यारे मास्टर—तुम ऐसी भयानक अवस्था में ? तुम्हारे ऊपर क्या विपत्ति आ गई ? तुमने वह सर्वश्रेष्ठ गढ़ी क्यों छोड़ दी ? कुमारी क्यूनिगांदे का क्या हुआ, जो कि सुन्दरियों में सर्वश्रेष्ठ थी, और प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ सृष्टि थी ?"

"मैं पूरी तरह से खत्म हो चुका हूँ",—पैंग्लास ने उत्तर दिया। वह उसे उस ऐनाबेपिस्ट के यहाँ ले गया जहाँ पर उसने उसे खाने को दिया। जब पैंग्लास स्वस्थ हुआ तब कॅंडिडे ने फिर प्रश्न करने शुरू कर दिये "अब कृपा करके यह बताओ कि क्यूनिगांदे का क्या हुआ ?"

"वह मर चुकी है।"

कॅंडिडे बेहोश हो गया। उसके दोस्त ने उसके माथे को सहलाया। एक पुरानी बूटी उसके माथे पर रखी, जो संयोग से उसी घर में मिल गई, और उसने अपनी आँखें खोल दीं। "क्यूनिगांदे मर गई ? आह ! अब संसार की वह सर्वश्रेष्ठ वस्तु कहाँ है ? लेकिन वह किस बीमारी से मरी ? क्या इस दुःख से कि उसके पिता ने मुझे ठोकर मारकर घर से बाहर निकाल दिया ?"

"बल्गेरियन सैनिकों ने उसके साथ बलात्कार किया और उसके बाद उसके पेट को फाड़ दिया। उसके पिता ने उसको बचाना चाहा तो उन्होंने उसका भी सिर फाड़ दिया। उन्होंने बैरन की पत्नी के टुकड़े-टुकड़े कर दिये। मेरे बेचारे शिष्य के साथ भी वैसा ही व्यवहार किया गया, जैसा कि उसकी बहन के साथ। जहाँ तक गढ़ी का सम्बन्ध है, एक भी पत्थर दूसरे पर नहीं है। एक भी भेड़ नहीं बची तथा कोई भी अन्न की खत्ती नहीं बची, कोई भी बत्तख, कोई भी पेड़ न बचा।"

"किन्तु हम लोगों का प्रतिशोध अभी बाकी था। क्योंकि अबेरियन लोगों ने भी अपने पड़ोसी ग्रामवासियों के साथ वैसा ही बर्ताव किया, यह गाँव जो कि बल्गेरियन जमींदार का था।"

कॅंडिडे फिर बेहोश हो गया। जब वह फिर होश में आया तो उसने यह पूछ-ताछ की कि वह कौनसा ऐसा कारण है जिसने कि पैंग्लास को इस दयनीय अवस्था में परिवर्तित कर दिया।

"अफसोस"—पैंग्लास ने कहा "यह प्रेम था। प्रेम-भावना मनुष्य-जाति की, सुख-संसार की, पालक-सभी जीवों की आत्मा, प्रेम जो प्रेरणा है।"

"आह"—कैंडिडे ने कहा—"मैंने भी इस प्रेम का अनुभव किया है, हृदयों का सम्राट, आत्माओं की आत्मा। जो कुछ उसने मुझको दिया वह एक चुंबन था, और दर्जनों ठोकरें, जो कि मेरी पीठ पर पड़ीं। लेकिन इतनी सुन्दर वस्तु का तुम पर इतना बुरा प्रभाव क्यों पड़ा?"

"अच्छा प्रिय कैंडिडे, तुम पैक्वेटे को याद करोगे—वह सुन्दर लड़की जो कि हमारी स्वामिनी की सेविका थी। उसकी बाहों में मैंने स्वर्ग का वह सुख प्राप्त किया जिसने कि ऐसा नारकीय पीड़ा देने वाला प्रभाव डाला। जिसके कारण तुम मुझे इस गिरी दशा में देख रहे हो। उसे एक छूत का रोग हो गया था और जिससे संभवतः वह अब तक मर चुकी होगी। एक फ्रांसीसियन फारमर से उपहार-स्वरूप मिला था, जब कि उसने उसे एक बूढ़ी काउंटेस से पाया था, जिसने कि इसे घोड़ों के एक कप्तान से पाया था, जिसने उसे एक मारक्योनस से पाया था, जिसने कि उसे एक पेज़ (नौकर) से लिया था, जिसने कि उसे एक जीसू से पाया था, जिसने कि उसे सीधे क्रिस्टफर कोलंबस के एक सहयात्री से पाया था। जहाँ तक मेरा संबन्ध है मैं इसे किसी को नहीं दे सकूंगा क्योंकि मैं अब मर रहा हूँ।"

"आह पैंग्लास यह जो वंशावली तुमने बताई है कितनी दुःखदायी है, सच-मुच कोई शैतान इसके मूल में रहा होगा।"

"ऐसी कोई बात नहीं"—उस श्रेष्ठ पुरुष ने उत्तर दिया—"यह एक ऐसी वस्तु थी जिसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती थी और जो सब संसारों में श्रेष्ठ इस संसार का सर्वश्रेष्ठ का सम्मिश्रण था क्योंकि यदि कोलंबस ने इसको एक अमेरिकन द्वीप से न पाया होता तो यह रोग जो कि आने वाली पीढ़ियों के यौवन को विषैला कर देता है और बहुधा वंशवृद्धि तक बन्द कर देता है और इस प्रकार यह स्वयं प्रकृति के उस महान् नियम के विरुद्ध है। हमें कभी चाकलेट नहीं खानी चाहिए।

यह भी ध्यान में रखने वाली बात है कि अब तक यह रोग हमारे देश में उसी प्रकार साधारण है, जैसी कि धार्मिक-विरोधी-भावनायें। तुर्की, भारतीय, फारसी, चीनी, साइमीज और जापानी आदि अभी तक इससे परिचित नहीं हैं। इस में संदेह का कोई कारण नही है कि वे भी अपनी बारी में इससे कुछ ही शताब्दियों में परिचित न हो जायेंगे।"

"इसी बीच में, यह हम में आश्चर्यजनक उन्नति कर रहा है और विशेष रूप से उन महान् और गौरवपूर्ण सेनाओं में जो कि राष्ट्रों के भाग्य का निर्णय करती हैं, कोई भी यह निर्भीक होकर कह सकता है कि जब दो सेनाएँ—जिनमें प्रत्येक में तीस हजार सैनिक हों—युद्ध-भूमि में मिलती हैं तब उनमें से लगभग बीस हज़ार में दोनों ओर यह रोग होता है।"

"यह सब बड़ा रोचक है।"—कैंडिडे ने कहा—"लेकिन हमें तुम्हारा रोग दूर करना चाहिये।"

"लेकिन कैसे? मेरे पास एक पाई भी नहीं है, मेरे दोस्त? और सारे संसार के किसी भी भाग में किसी भी व्यक्ति का कोई भी इलाज नहीं किया जा सकता जब तक कि या तो वह स्वयं पैसा न खर्च करे और या उसके लिये कोई और न करे।"

कैंडिडे ने अपने आप को एनाबेपिस्ट जेम्स की दया पर छोड़ दिया और उसके सामने अपने मित्र का ऐसा करुण चित्र खींचा, कि उस अच्छे आदमी ने डाक्टर पैंग्लोस को अपने घर में रख लिया, और इसके इलाज के लिए खुद रुपया दिया। परिणाम यह हुआ कि पैंग्लोस को एक आँख और एक कान से हाथ धोना पड़ा। चूंकि उसकी लिखावट अच्छी थी और वह एक अच्छा गणितज्ञ था, जेम्स ने उसे अपना मुनीम बना लिया।

दो महीने बाद जेम्स को किसी काम से लिस्बन जाना पड़ा और उसने अपने साथ दोनों दार्शनिकों को ले-लिया।

समुद्र-यात्रा में पैंग्लोस ने जेम्स को अपने कार्यक्रम की समस्त विधियाँ बताईं। जेम्स उससे सहमत नहीं हुआ। "मनुष्य अवश्यमेव अपनी मौलिक अज्ञानता से

दूर रह गया है" उसने कहा। "वे पैदा होते समय भेड़िये नहीं थे, लेकिन अब भेड़िये बन गये हैं। ईश्वर ने न तो उसे चौबीस पाउंडरस (जानवरों का भोजन रखने का स्थान) दिए थे और न उसे संगीनें दीं थीं। लेकिन उसने अपने ही नाश के लिए ये सब वस्तुएँ बनालीं। मैं उन दिवालियों के सम्बन्ध में और उस क़ानून के सम्बन्ध में भी कहना चाहता हूँ जो साहूकारों से दूर रखने के लिए उनकी संपत्ति को हड़प कर लेते हैं।"

"यह सब होना ही था।"—एक आँख वाले डाक्टर ने उत्तर दिया—"निजी बुराइयाँ दूसरों के लिए अच्छाइयाँ बन जाती हैं। इस लिए यह कहा जाता है कि जितनी अधिक व्यक्तिगत हानि होगी, उतना ही अधिक सामूहिक लाभ होगा।"

जब वह यह कह रहा था तो आसमान में अंधेरा छा रहा था और तेज़ हवायें उठ रहीं थीं। जहाज़ जो कि अब लिस्बन बन्दरगाह के निकट ही था, एक बड़े ही भयानक तूफ़ान में फँस गया।

: ५ :

एनाबेपिस्ट की मृत्यु

आधे से अधिक यात्री इतने निर्बल थे जिनकी तूफान के हिलने-डुलने से नसें बेकार सी हो गई थीं। वे आपस में एक दूसरे से टकराने लगे। कोई भी यह न समझ पाया कि आखिर खतरा क्या है। शेष आधे यात्री या तो भय से दुबके रहे और या ईश्वर से प्रार्थना करने लगे। पतवार बेकार हो चुके थे, मस्तूल नष्ट हो चुके। जहाज़ में बड़े-बड़े छेद हो गये थे। सारे प्रयत्न बेकार थे, क्यों कि शोर इतना अधिक था कि न तो कोई आज्ञा दी जा सकती थी, न सुनी जा सकती थी।

एनाबेपिस्ट, जो कि डेक पर दूसरों की सहायता करने की कोशिश कर रहा था, एक सैनिक के धक्के से गिर पड़ा, जो स्वयं भी भय से व्याकुल इधर-उधर

दौड़ रहा था—एनावेपिस्ट उसके घूंसे से सर के बल गिरा, उसकी ब्रिचिस एक टूटे हुए मस्तूल में फंस गई; जिससे कि वह तब तक छुड़ाता रहा जबतक कि जेम्स ने पीछे से आकर उसकी मदद न की। जेम्स के भी कठिन परिश्रम के कारण बदन से पसीना चूने लगा। वह नाविक के सामने पीछे गिर पड़ा, जिसने उसे शांतिपूर्वक डूब जाने दिया।

केंडिडे इस अवसर पर डेक पर आगया। जब अपने उपकारी को तीसरी बार समुद्र में गिरते देखा, तो उसने उसके पीछे कूद कर उसे बचाना चाहा, लेकिन उसकी यह प्रतिक्रिया डाक्टर पैंग्लौस द्वारा रोक ली गई, जिसने कि उसके सामने यह तर्क रखा कि लिस्बन की सड़कें विशेष रूप से इसी लिए तैयार की गई थीं कि एनावेपिस्ट यहाँ डूब कर मर जाय।

पैंग्लौस इसी विषय पर तर्क-वितर्क कर रहा था कि जहाज़ टूट गया। प्रत्येक व्यक्ति सिवाय पैंग्लौस, केंडिडे और दैत्याकार शरीर वाले नाविक के सब डूब गये। नाविक तैर कर उस किनारे तक पहुँच गया, जहाँ कि पैंग्लौस और केंडिडे एक लकड़ी के तख्ते पर ले जाये गये।

जब वे कुछ स्वस्थ हुए तब लिस्बन के आस-पास घूमने लगे। इन लोगों के पास अब भी कुछ धन शेष था और उन्हें यह आशा थी कि वे इस तूफान से बच जायेंगे। उन्होंने इसीलिए कुछ धन अपने पास रख लिया था कि उन्हें भूखा न मरना पड़े। अपने उपकारी के लिए शोक प्रकट करते हुए ये लोग शहर के पहाड़ी भाग में पहुँच गये। उसी समय ज़मीन हिली[१]। समुद्र में फेने के साथ एक ज्वार सा आया, जिसने कि किनारे पर लंगर डाले खड़े हुए सभी जहाजों के टुकड़े-टुकड़े कर दिये। सड़कें और गलियाँ आदि बाढ़ के पानी से भर गईं, मकान गिर पड़े, छतें टूट गईं, नावों पर ढह गईं। इन खंडहरों से तीस

[१] लिस्बन में १० नवम्बर १७५५ में एक भूकंप आया था जिसमें कि लगभग बीस सहस्त्र आदमी मर गये।

हजार आदमी दब कर मर गये। नाविक ने सीटी बजाई और कसम खाते हुए कहा, "यहाँ पर कुछ प्राप्त होने की आशा है।"

"ऐसे भूकंप आने का सही-सही कारण क्या हो सकता है?" पैंग्लौस ने आश्चर्य से कहा।

"आज क़यामत का दिन है।" कैंडिडे ने चिल्ला कर कहा।

मौत को हथेली पर रखे हुए नाविक उन खंडहरों में घुस पड़ा। उसने वहाँ वह पाया जो वह ढूंढ रहा था। उसने डटकर शराब पी और वहाँ से वे वस्तुएँ लीं जिन्हें उसने उस युवती को देने का वादा किया था जिससे वह सबसे पहले मिला था—उसने उन्हें खंडहरों में मरते हुए और मृत आदमियों के पास से इकट्ठा किया। पैंग्लौस ने उसकी बाँह के कफ को पकड़ कर घसीटा। "मित्र" उसने कहा "यह ठीक नहीं है। तुम प्राकृतिक नियम के विरुद्ध चल रहे हो, और अपने ऊपर एक पाप ले रहे हो।"

उसने उत्तर दिया, "मैं एक नाविक हूँ और मेरा जन्म बटाविया में हुआ था। जापान की चार समुद्री यात्राओं में चार दफा मैंने अपने को इसाई होने से इनकार किया।[1] तुम को और तुम्हारे प्राकृतिक नियम को धिक्कार है।"

कैंडिडे गिरते हुए पत्थर से घायल हो गया था और सड़क पर टूटेफूटे कंकड़ों-पत्थरों से ढका पड़ा था। "आह!" उसने पैंग्लौस से कहा—"मेरे लिये थोड़ी सी शराब और तेल लाओ।"

"पृथ्वी का इस तरह काँपना कोई नई वस्तु नहीं है।"—पैंग्लौस ने कहा—"गत वर्ष जैसी घटना अमेरिका के लीमा शहर में घटी थी। वही कारण और वे ही प्रभाव। निस्संदेह गंधक की एक लाइन लीमा से लेकर लिस्बन तक नीचे बिछी हुई है।"

---

[1] सत्रहवीं शताब्दी में अगर कोई कप्तान जापानी बंदरगाह में जाता था तो उसे यह घोषित करना पड़ता था कि वह ईसाई नहीं है।

"यह बहुत ही संभव है—लेकिन ईश्वर के लिए थोड़ी शराब और तेल लाओ"

"संभव ! मुझे विश्वास है कि यह सिद्ध हो चुका है।"

कॅंडिडे अचेत हो गया और पैंग्लौस ने निकट के ही सोते से उसे पानी लाकर दिया।

दूसरे दिन उन्हें खंडहरों में खाने का सामान मिला। बदन में कुछ अधिक ताकत महसूस करते हुए उन्होंने मरते हुए लोगों की सहायता की। कुछ लोगों ने जिनकी उन्होंने मदद की थी, उन्होंने रात के खाने पर आमंत्रित किया। परिस्थितियों के अनुसार भोजन अच्छा था। भोजन करने वाले अपनी तश्तरियों के सामने बैठे रो रहे थे जब कि पैंग्लौस ने उन्हें सांत्वना दी और समझाया—"यह सब होना ही था। सब कुछ अपने सर्वोत्तम के लिये है। उसने कहा जैसा कि भूकंप लिस्बन में आना था वैसा लिस्बन में आया। यह असम्भव है कि जहाँ जो होना हो वह अन्यत्र हो, क्योंकि प्रत्येक वस्तु अपने सर्वोत्तम के लिए है।"

एक ठिगना आदमी, काले कपड़े पहने हुए, जो कि संयोग से इस जाँच-पड़ताल का एक कर्मचारी था, पैंग्लौस की बगल में बैठा था। "महोदय ऐसा जान पड़ता है," उसने नम्रता से कहा, "कि आप मूल पाप में विश्वास नहीं करते, क्योंकि यदि प्रत्येक वस्तु अपने सर्वोत्तम के लिए है, तो उसके लिए दंड-विधान नहीं होता।"

"मैं आप से सविनय प्रार्थना करता हूँ कि आप अपनी बात दोहरायें। मनुष्य का पतन और दंड-विधान सभी श्रेष्ठ संसारों के लिए एक आवश्यक वस्तु है।"

"तब महाशय आप स्वतंत्र इच्छा में विश्वास नहीं करते!"

"आप महानुभाव मुझे क्षमा करेंगे। स्वतंत्र इच्छा नितांत आवश्यकता के साथ रह सकती है, क्योंकि यह सचमुच इच्छा का संकल्प......"

उस कर्मचारी ने अपने आदमी को संकेत किया, जो कि उसके लिए एक गिलास में शराब उडेल रहा था।

: ६ :

एक आतोदाफी

भूकम्प के बाद, जिसने तीन चौथाई लिस्बन को बरबाद कर दिया, देश के प्रमुख विचारकों ने निश्चय किया कि बरबादी को दूर करने का सर्वोत्तम उपाय यह है कि लोगों को आतोदाफी दिया जाय। क्वायंबरा विश्वविद्यालय की राय थी कि भूकंप को रोकने का एक मात्र उपाय यह है कि कुछ लोगों को हल्की आग के[1] ऊपर धीरे-धीरे चलाया जाय।

जो आदमी गिरफ्तार किये गये थे उनमें से एक बिस्कियन था, जो कि अपनी देवी स्वरूपा माँ के साथ विवाह करने का दोषी ठहराया गया था, और दो पुर्तगालियों ने जब कि मुर्गी के बच्चे को खा रहे थे, सूअर का मांस तश्तरियों के किनारे पर रख दिया था। रात के भोजन के बाद डा० पैंग्लौस और उनके शिष्य कैंडिडे के हथकड़ियाँ डाल दी गयीं। पहले को उसके पूर्व कथन के कारण और दूसरे को यह सब सुनने के अपराध में, जिसमें उसने अपनी सहमति दी थी। उन लोगों को अलग-अलग कमरों में ले जाया गया। वे बहुत ठंडे थे, जहाँ उन्हें सूर्य की रोशनी मिलने का कोई प्रबन्ध न था।

एक सप्ताह बाद इन लोगों को वेंडक टीन नामक लंबा चोंगा पहना दिया गया जो कि ऐसे अवसरों के लिए एक रीति थी, और कागजों की लंबी टोपियाँ उन लोगों के सिर पर पहना दी गयीं। कैंडिडे के चोंगे और टोपी में आग की लपटें चित्रित की गई थीं। नीचे की ओर जिनका रुख था और राक्षस चित्रित किये गये, जिनके दुम और नाखून नहीं थे। और दूसरी ओर पैंग्लौस के राक्षसों के दुम भी थी और नाखून भी, और उसकी आग की लपटों का रुख ऊपर की ओर था। उन्हें एक

१. एक आतोदाफी लिस्बन में २० जून १७५६ में की गई थी।

जलूस में ले जाया गया और उसमें अनेक उपदेश हुए जिनके बाद एक उत्सव-गान गाया गया जो कि "फाम्सबुआइन" की शैली में था। कैंडिडे को गाने के समय में गाने की लय पर कोड़े लगाये गये। बिस्कियन तथा वे दो आदमी जिन्होंने सुअर के मांस को पसंद नहीं किया था, जला दिये गये। पैंग्लोस को फाँसी हो गई—ऐसे अवसरों के लिए यह एक साधारण विधि थी।

उसी दिन एक और भयानक भूकंप आया।

भयभीत गूँगे से, सम्मोहित और बदन से खून बहते तथा हाँफते हुए कैंडिडे ने अपने आप से पूछा, 'यदि यह सब संभव संसारों में श्रेष्ठ संसार है तो अन्य कैसे होंगे?' वह अपने ऊपर पड़ी मार को सह न सका। बल्गेरियनों का भी वही व्यवहार उसे सहना पड़ा था। लेकिन उसके प्रिय पैंग्लोस को बिना किसी कारण फाँसी पर लटकाना, जो कि दार्शनिकों में सर्वश्रेष्ठ थे, और उसी बन्दरगाह में एनाबेपिस्ट जेम्स को डुबाना जो कि सब मनुष्यों में सर्वश्रेष्ठ था और कुमारी क्यूनिगांदे की आंतों का निकालना जो कि सब सुन्दरियों में मोती के समान थी, ये ऐसी घटनाएँ थीं कि जिनकी आवश्यकताओं को वह नहीं समझ सका।

जब कि वह, जहाँ पर कि उसे उपदेश दिया गया था, निर्बलता के कारण काँप रहा था और जहाँ उसे कोड़े लगे थे और उसे सभी तरह की यातनायें दी गई थीं और जहाँ उसकी भलाई के लिए उसको समझाया गया था, एक औरत उसके पास आई और उसने कहा, "बच्चे उठो और प्रसन्न हो और मेरा अनुसरण करो।"

: ७ :

क्यूनिगांदे फिर मिली

कैंडिडे प्रसन्न तो नहीं था, लेकिन फिर भी उसने बूढ़ी औरत का अनुसरण किया। वह उसे एक झोंपड़ी में ले गई। जहाँ उसने उसे एक बर्तन दिया। खाने और पीने को दिया और उसे एक छोटा सा सफेद बिस्तरा दिखाया, जिस

के पास ही कपड़ों के सूट लटक रहे थे। "खाओ-पिओ और सो जाओ।" उसने कहा। अटोका की लेडी और हिज लार्डशिप सेंट एंथोनी पादुआका और कम्पोस्टला के सेंट जेम्स तुम्हारी रक्षा करें। मैं कल फिर लौट कर आऊँगी।"

केंडिडे, जो कि अभी तक उस सब से चकित सा था, जो उसने देखा और सहा था और जो कि इस औरत की उदारता से और भी चकित हो गया था, उसके हाथ को चूमने के लिये बढ़ा। "मेरा हाथ तुम्हें चूमना नहीं चाहिये।" उसने कहा—"मैं कल लौट आऊँगी। तब तक तुम खाओ-पिओ, सोओ और अपनी पीठ पर इस मरहम को मलो।"

अपने सब दुःखों के बावजूद भी केंडिडे ने खाया, और सोया। दूसरे दिन सवेरे वह बूढ़ी औरत उसके लिए नाश्ता लाई। उसकी पीठ की परीक्षा की और उस पर एक दूसरा मरहम लगाया। इसके बाद उसने उसे दोपहर और रात का खाना दिया। एक दिन के बाद वह फिर उसके लिए रात का खाना लाई। केंडिडे ने उससे प्रश्न पूछना बराबर जारी रखा कि वह कौन थी? उसकी इस उदारता का क्या कारण था? वह किस तरह से अपनी कृतज्ञता प्रकट कर सकता था? किन्तु उसने कोई उत्तर नहीं दिया।

दूसरे दिन शाम को वह केंडिडे के कमरे में आई। लेकिन इस बार वह खाना नहीं लाई। "मेरे साथ आओ" उसने कहा और एक शब्द भी न बोली। उसका हाथ पकड़े हुए वह गाँव के अन्दर एक चौथाई मील पर अकेले घर ले गई, जो कि बागों और नहरों से घिरा हुआ था।

एक छोटा सा दरवाज़ा उसके खटखटाने से खुल गया। केंडिडे को वह किसी पीछे की सीढ़ी से एक छोटे से कमरे में, जहाँ पर मुलम्मा होता था, ले गई और वहाँ उसने उसे एक कामदार सोफे पर बिठाकर छोड़ दिया। केंडिडे को ऐसा मालूम हुआ मानों उसका पिछला जीवन एक दुःख के सामान था और वर्तमान एक स्वप्न, लेकिन वह सुखमय था।

कुछ देर में वह बूढ़ी औरत एक काँपती हुई सुडौल चेहरे वाली युवती

को सहारा देती हुई लौटी। वह युवती बहुत मूल्यवान आभूषण और एक नक़ाब पहने थी।

"उसका नक़ाब उतार दो।" बूढ़ी औरत ने कहा, और केंडिडे ने शरमाते हुए ऐसा ही किया। उसके आश्चर्य को और बढ़ाने के लिए सचमुच ही वह थी—हाँ, सचमुच कुमारी क्यूनिगांदे। वह यह देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि वह सचमुच ही कुमारी क्यूनिगांदे थी। वह बिना एक शब्द बोले हुए ही उसके पैरों पर गिर पड़ा और वह पीछे सोफे पर गिर पड़ी। उस बूढ़ी औरत ने आत्माओं से सम्बन्धित मंत्र उच्चारित करने प्रारम्भ कर दिये और उनमें बोलने के लिए फिर शक्ति आ गई। पहले वे टूटे-फूटे वाक्य ही बोल सके और वे एक दूसरे के प्रश्नों को काट कर अपनी बात कहना चाहते थे। हाँफ रहे थे, रो रहे थे और आश्चर्य से चिल्ला रहे थे। उस बूढ़ी औरत ने कम शोर मचाने को कहा और उन्हें अकेले छोड़ दिया।

"तो सचमुच तुम ही हो" केंडिडे ने कहा, "जिंदा और यहाँ पुर्तगाल में। तो उन्होंने तुम्हारे साथ बलात्कार नहीं किया और तुम्हारी आँतें फाड़ कर बाहर नहीं निकालीं?"

"सचमुच उन्होंने ऐसा ही किया।" क्यूनिगांदे ने कहा, "लेकिन ये दुर्घटनायें मानवीय नहीं हैं।"

"लेकिन क्या तुम्हारे माता-पिता मार डाले गये थे?"

"आह? यह वास्तव में बिल्कुल सच है।" उसने रो कर कहा।

"और तुम्हारा भाई?"

"हाँ, वह भी।"

"और तुम पुर्तगाल कैसे आयीं? तुमने कैसे जाना कि मैं यहाँ पर था और किस प्रकार से तुमने मुझे इस घर में लाने का प्रबन्ध किया?"

"मैं तुम्हें पूरी कहानी बताऊँगी। लेकनि पहले तुम यह बताओ कि तुम्हारे ऊपर, उस दिन से जब कि तुमने मुझे वह मधुर चुम्बन दिया था और मेरे पिता ने तुम्हें लात मारकर घर से बाहर निकाल दिया था, क्या-क्या बीती?"

कॅंडिडे ने उसकी आशा-पालन में विलंब न किया। वह अभी तक सम्मोहित सा था और अभी तक उसकी पीठ का दर्द मिटा न था, जिसके कारण वह काँपते हुए स्वर में फुसफुसा सा रहा था। उसने जुदाई के बाद का सारा हाल उसे कह सुनाया। क्यूनिगांदे भय से अपनी आँखें इधर-उधर फेरती रही। एनाबेपिस्ट की मृत्यु को सुन कर वह रोई। तव उसने अपनी स्वयं की कहानी बताई और कॅंडिडे ने बहुत ही रुचि से उसे सुना।

: ८ :

क्यूनिगांदे की कथा

"जब मैं अपने बिस्तर पर गहरी नींद में सो रही थी, तब विधि की इच्छा ने बल्गेरियनों को हमारी गढ़ी के अंदर भेजा। उन्होंने मेरे माता-पिता का गला काट दिया और माता के टुकड़े-टुकड़े कर दिये। इस दृश्य को देखकर ही मैं बेहोश हो गई। एक छः फुट लम्बे बल्गेरियन ने मेरे साथ बलात्कार करने का मौका पा लिया।"

"इसने मुझे होश में ला दिया। मैं चिल्लाई, मैंने हाथ-पैर मारे और खुरचें मारे। मैं चाहती थी कि उस बल्गेरियन की आँखें बाहर निकाल लूँ। लेकिन मुझे यह नहीं मालूम था कि मेरी गढ़ी में यह सब जो कुछ हो रहा था वह लड़ाई के नियमों के अनुसार ही हो रहा था। इस जंगली ने मेरे बाईं ओर चाकू घुसेड़ दिया, उसका अभी तक निशान है।"

"आह! मुझे दिखाओ!"—कॅंडिडे ने कहा।

"तुम देखोगे, लेकिन मुझे आगे कहने दो।"

"मैं प्रार्थना करता हूँ कि आगे कहो?"

"तभी एक बल्गेरियन कप्तान कमरे के अन्दर आया। उसने मुझे लेटे हुए और खून बहते देखा, और सिपाही को जो अपना काम खामोशी से कर रहा था कप्तान ने उसे मेरे शरीर पर ही मार दिया। तब उसने मेरे घाव पर पट्टी बँधवाई और मुझे युद्ध-बंदियों के साथ अपने कुटीर में ले गया।"

"मैंने उसकी कुछ कमीजें धोयीं और उसका भोजन बनाया। मैं यह भी अवश्य कहूँगी कि वह मुझे बहुत खूबसूरत समझता था। मैं यह भी कहने से नहीं चूकूँगी कि वह स्वयं भी सुन्दर था। उसकी खाल चिकनी और सफेद थी। वैसे वह साधारण आदमी था और उसे दर्शन का बहुत कम ज्ञान था—डा० पैंग्लोस के किसी भी शिष्य से कम।"

"तीन महीने बाद वह कप्तान मुझसे ऊब गया।"

"अपना सारा धन इस खेत में खो देने के बाद उसने मुझे एक यहूदी के हाथ बेच दिया, जिसका नाम डान इसाचर था, वह पुर्तगाल और हालैंड में व्यापार करता था और औरतों का बहुत शौकीन था। इस यहूदी ने मुझे बहुत पसंद किया, किन्तु अधिक दिन तक ऐसा न कर सका। मैंने उसे हटाने की उससे भी ज्यादा कोशिश की, जितनी कि बल्गेरियनों के साथ की थी। एक कुमारी के साथ एक बार बलात्कार किया जा सकता है, लेकिन उसके सद्‌गुण अधिक शक्तिवान होते हैं।"

"अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए वह यहूदी तब मुझे इस स्थान पर ले आया। मैं यह विश्वास करती थी कि कोई भी वस्तु थंडर-टेन-ट्रॉक के सौंदर्य की समानता नहीं कर सकती, लेकिन तब मेरी आँखें खुल गईं।"

"एक दिन एक बड़े उत्सव में मुझे एक बड़े इंक्विजिटर ने देखा। वह उत्सव भर में मुझे तिरछी नजर से देखता रहा। उसके बाद उसने मुझे एक सूचना भेजी कि वह मुझसे किसी निजी विषय पर बातें करना चाहता है।

उसने मुझे यह समझाया कि मेरा एक इसरायली के साथ रहना सम्मान से कितना नीचे गिर जाना है और उसने डान इसाचर के पास एक प्रस्ताव भेजा कि उसे जल्दी-से-जल्दी मुझे उसके हाथों में सौंप देना चाहिए। डानइसाचर ने, जोकि एक कचहरी का खजानची था और एक प्रभावशाली व्यक्ति था, वैसा कोई भी काम करना अस्वीकार कर दिया। तब उसे इंक्विजिटर ने एक आतोदाफी की धमकी दी। इसका यह परिणाम हुआ कि उसने एक ऐसा उपाय निकाला कि जिससे मैं और यह घर दोनों के सम्मिलित भाग में आ गया। मंगल

वार को तथा बृहस्पतिवार को वह यहूदी उस मकान का मालिक था और सप्ताह के अंतिम दिनों में वह इंक्विजिटर।"

यह संधि छ: महीने तक रही, किन्तु बिना किसी झगड़े के नहीं, क्योंकि वे बहुधा यह बात मानने से इनकार कर देते थे कि शनिवार से लेकर रविवार तक की रात पुराने नियमों में आती है या नये नियमों में। जहाँ तक मेरा सवाल था मैं इन दोनों के साथ ही रहती थी और जहाँ तक मेरा खयाल है यही वह कारण है कि दोनों अभी तक मुझे प्यार करते हैं।

बाद में ऐसा हुआ कि उन भूकंपों का प्रकोप रोकने के लिए और उस डान इसाचर से समझौता करने के लिए मेरे इंक्विजिटर ने एक आतोदाफी करने का निश्चय किया। उसने मुझे वहाँ निमंत्रित करने का सम्मान दिया। मुझे बहुत ऊँचा स्थान दिया गया। उस उत्सव और कत्ल के बीच में स्त्रियों को जलपान कराया गया।"

"मैं तुम्हें विश्वास दिलाती हूं कि मैं उन दो यहूदियों के जलाये जाने पर बहुत बुरी तरह भयभीत हो गई थी और उस बेचारे बिस्कियान पर, जिसने कि अपनी देवी स्वरूपा माँ के साथ विवाह कर लिया था। लेकिन उस समय मेरे आश्चर्य और भय का ठिकाना न रहा जब मैंने बेंडिक्टाइन की, जो कि अपनी वेषभूषा में खड़ा था, पैंग्लौस की एक शक्ल सी देखी। मैंने अपनी आँखें मलीं और उसे निकट से देखा और उसे फाँसी पर लटका हुआ देखा। मैं बेहोश हो गई।

"मुश्किल से मैं होश में आई थी कि मैंने तुमको नंगे कोड़े खाते पाया। यह मेरे डर की, दु:ख की और निराशा की चरम सीमा थी। मैं यह तुमसे स्वीकार करूँगी कि तुम्हारी खाल मेरे उस बल्गेरियन कप्तान से ज्यादा सफेद और लाल है। यह दृश्य देखकर मैं दु:ख से पीड़ित हो उठी। मैं काँपी और मैंने यह चिल्लाना चाहा "दुष्टो ठहरो" लेकिन मेरी आवाज़ नहीं निकली और यह किसी भी हालत में मेरे लिए लाभदायक सिद्ध नहीं होती।

"तुम्हारे कोड़े खाने के बाद मैंने अपने आप सोचा कि मेरा प्यारा केंडिडे और बूढ़ा पैंगलौस यहाँ लिस्बन में हैं। जिनमें से एक को सौ कोड़े पड़े और दूसरा फाँसी पर लटका दिया गया। और यह सब मेरे इंक्विज़िटर और उस यहूदी के हुक्म से हुआ। यह एक कटु सत्य है जो कि मुझे पैंग्लोस ने बताया कि दुनियाँ की प्रत्येक वस्तु अपने सर्वोत्तम के लिए होती है।"

"क्रोध और आश्चर्य से भरी हुई कमजोर अशक्त मैं अपने पिता, माता, और भाई के कत्ल के बारे में और उस नीच बल्गेरियन सिपाही के और उस घाव के बारे में जोकि उसने मेरे कर दिया था, सोचती रही और मेरा एक खाना बनाने वाली खानसामिन की तरह नौकर होना और अपने उस बेचारे डानइसाचर और भयानक इंक्विज़िटर और उस गाने के बारे में जोकि जब तुम पीटे जा रहे थे, तब गाया जा रहा था, और खासतौर से बार-बार उस चुंबन के बारे में जो तुमने पर्दे के पीछे दिया था, जिस दिन कि मैंने तुम्हें अन्तिम बार देखा था।"

"मैंने ईश्वर से तुम्हें इतनी परीक्षाओं के बाद वापस पाने की प्रार्थना की और मैंने अपनी बूढ़ी नौकरानी को तुम्हारी फ़िक्र रखने और तुम्हें यहाँ जल्दी-से-जल्दी लाने का हुक्म दिया। उसने मेरी आज्ञाओं का ठीक-ठीक पालन किया और मुझे तुम्हें देखने पर अकथनीय प्रसन्नता हुई।"

"लेकिन तुम भूख से व्याकुल होगे और मुझे भी काफी भूख लगी है, चलो पहले हम लोग खाना खालें।"

वे टेबुल पर बैठ गये और खाने के बाद उस सोफे पर लेट गये, जिसका कि पहले जिक्र किया जा चुका है। अभी लेटे ही थे कि डान इसाचर कमरे में दाखिल हुआ। यह उसका दिन था और वह अपने अधिकारों को कार्य में लाने के लिए और उत्तेजित वासना को पूरा करने आया था।"

: ६ :

यहूदी और इंक्विजिटर की मृत्यु

बेबीलोन के अधिकार में आने के समय से अब तक इसाचर सबसे फुर्तीला यहूदी था। "क्या बात है ऐ रोलीलियन कुतिया ?" उसने कहा "क्या तुम्हारे लिए यह इंक्विजिटर काफी नहीं है ? मुझको भी इस बदमाश का साथ देना पड़ेगा ?" उसने एक बड़ी सी कटार खींची, जो कि वह हमेशा अपने पास रखता था, और कैंडिडे को निशस्त्र समझकर उसकी ओर झपटा। किन्तु उस जवान वेस्टफेलियन ने उस बूढ़ी औरत से सफेद कपड़ों के सूट के साथ ही एक बढ़िया तलवार भी प्राप्त की थी। अपने साधारण और शांतिपूर्ण प्रकृति के होने पर भी उसने तलवार खींची और उस इज़राइल को मूली की तरह क्यूनिगांदे के पैरों पर मारकर गिरा दिया।

"पवित्र कुमारी क्यूनिगांदे ! अब हम लोगों का क्या होगा ? एक मनुष्य की मेरे कमरे में हत्या ? अगर शांति के अफसर आ जायँगे तो हम लोग भी मारे जायँगे।"

"क्या पैंग्लौस को फांसी पर लटका नहीं दिया गया ?"—कैंडिडे ने उत्तर दिया, "वह बड़ा दार्शनिक हमें इस तात्कालिक मामले में सलाह दे सकता था, लेकिन चूँकि वह हमारे बीच नहीं है, हम लोगों को उस बूढ़ी औरत से परामर्श लेना चाहिये।"

वह एक बहुत चतुर बूढ़ी स्त्री थी और राय देने के लिए तैयार थी। जबकि वह ऐसा कर रही थी, दरवाज़ा फिर से खुला। इस समय आधी रात बीते एक घंटा हो चुका था। इसलिए यह दिन जो कि शुरू हो रहा था इंक्विजिटर वकील महोदय का था। अब उसका सामना कैंडिडे से हुआ, जिसको उसने हाल ही में कोड़े लगवाये थे। वह तलवार खींचे खड़ा था। एक लाश जमीन पर पड़ी थी, जिसको कि क्यूनिगांदे भय के साथ देख रही थी और वह बूढ़ी औरत उसे सलाह दे रही थी।

कैंडिडे के मस्तिष्क में जो विचार तेज़ी से साफ़-साफ़ आ रहे थे वे इस प्रकार थे: 'अगर यह पवित्र आदमी मदद के लिए चिल्लाता है तब मुझे अवश्य ही जलवा देगा और शायद क्यूनिगांदे को भी। इसने मुझे बड़ी निर्दयता से कोड़े लगवाये हैं, यह मेरा शत्रु है। मैंने एक का बध पहले ही कर दिया है और इस समय हिचकिचाहट का कोई अवसर नहीं है। इससे पहले कि वह इंक्विजिटर अपने आश्चर्य को दूर कर पाता, कैंडिडे ने उसके शरीर में तलवार घुसेड़ दी और उसे भी उस यहूदी के साथ लिटा दिया।

"और सब उनमें से एक और हैं।" क्यूनिगांदे ने कहा "यह अक्षम्य है। हम लोग निकाल दिये गये हैं और हमारा आखरी समय आ गया है। लेकिन तुम कैसे—तुम जो कि ऐसे सीधे स्वभाव के हो—एक यहूदी को और एक चर्च के अधिकारी को दो मिनट में मारने में सफल हो सके?"

"सुन्दर कुमारी!" कैंडिडे ने कहा "जब एक आदमी प्यार करता है और ईर्ष्या करता है और जो कोड़े खा चुका है, वह अत्यन्त आश्चर्यजनक कार्य कर डालता है।"

"अस्तबल में तीन अंदालूजियन घोड़े हैं।" उस बूढ़ी औरत ने कहा—"जो कि लगाम और जीन से सुसज्जित हैं। कैंडिडे को उन्हें तैयार करने दो, श्रीमती जी! उसके पास कुछ हीरे और जवाहरात हैं। हम लोगों को शीघ्र घोड़ों के पास चलना चाहिये, यद्यपि जहाँ तक मेरा सवाल है मुझे बैठने में तकलीफ़ होती है—और जल्दी से कैडिस भाग चलना चाहिये। "मौसम जितना अच्छा हो सकता है उतना अच्छा है और रात की ठंडक में सफ़र करना अत्यन्त आनन्दप्रद है।"

कैंडिडे ने तीनों घोड़े तैयार किये। और उन्होंने बिना रुके हुए तीस मील का सफर तय कर लिया। इसी बीच में पवित्र ब्रदरहुड ने इसाचर के मकान में प्रवेश किया और इसाचर को एक पहाड़ी पर फैंक दिया।

उस समय तक कैंडिडे, क्यूनिगांदे और बूढ़ी औरत एराकिना नामक एक छोटे नगर की एक सराय में पहुंच चुके थे, जो कि सीरिया मोग्रेना में था, जहाँ पर कि वे लोग बहुत ही गम्भीर वार्तालाप में व्यस्त हो गये।

: १० :

नवीन संसार के लिए प्रस्थान

क्यूनिगाँदे रोई, कौन उनको लेजा सकता है ? उसने कहा—"हम लोग किस पर निर्वाह करेंगे ? हम लोग क्या करेंगे ? उसके हीरे जवाहरात खत्म हो चुके थे । क्या मुझे वहाँ पर यहूदी या इंक्विजिटर मिलेगा जिससे कि मैं और ले सकूं ।" उसने सिसकते हुए कहा ।

"मुझे एक फ्रांसीसी फ्रायर के ऊपर पूरा शक है ।" बूढ़ी औरत ने कहा—"पिछली रात को वह बादाजोज में हम लोगों के साथ एक ही सराय में ठहरा था ।"

"भगवान् मुझे जल्दी फैसला देने से बचाये, लेकिन वह हमारे कमरे में दो बार आया, और हमारे बहुत पहले ही सराय छोड़कर चला गया ।"

"आह !" कैंडिड ने कहा, "पैंग्लॉस अक्सर यह समझाने का प्रयत्न किया करता था कि दुनियाँ में हर चीज़ हर एक आदमी के लिए है और हर एक को उसे बराबर इस्तेमाल करने का हक़ है । लेकिन इस सिद्धान्त के अनुसार भी फ्रायर को हम लोगों के लिए उसे छोड़ देना चाहिये था, जिससे कि हम लोग अपनी यात्रा पूरी कर सकें । प्रिय क्यूनिगांदे ! क्या तुम्हारे पास अब कुछ भी नहीं बचा ?"

"एक स्टाइबर भी नहीं !"

"तब फिर हम लोगों को अब क्या करना चाहिये ?"

"एक घोड़ा बेच दो ।" बूढ़ी औरत ने कहा—"मैं क्यूनिगांदे के पीछे बैठ जाऊँगी, और हम लोग कैंडिस पहुंच जायेंगे ।"

"एक बेंडिक्टाइन, जो कि सराय के अन्दर रह रहा था, ने घोड़े को सस्ते दामों में खरीद लिया । तब वे लोग लूसीना, चिलास और लेब्रिजा होते हुए कैंडिस पहुंचे ।

यहाँ पर एक जहाजी बेड़ा तैयार हो रहा था, और दल बँध रहा था जो कि पैराग्वे के पादरियों की अक्ल ठिकाने लगाने जा रहे थे। ये लोग स्पेन और पुर्तगाल के राजाओं के विरुद्ध स्थान सेक्रामेरो नामक प्रदेश में कुछ भारतीय जातियों को भड़काने के लिए दोषी ठहराये गये थे।

अपने स्वभाव से बल्गेरियनों को लाभ पहुँचाते हुए कैंडिडे ने उस फौज की सारी कवायदें उसने स्पेनी सेनापति की उपस्थिति में सीखीं। उसने इतना प्रभावशाली व्यक्तित्व, फुर्ती, नैतिकता और कार्य-क्षमता दिखाई कि उसको टुकड़ी का अधिकारी बना दिया गया। इस प्रकार एक कप्तान की हैसियत से कैंडिडे क्यूनिगांदे, बूढ़ी औरत, दो नौकरों और इंक्विजिटर के बढ़िया घोड़ों को अपने साथ ले जाने में सफल हुआ। यात्रा के समय में उन्होंने अधिकतर समय बेचारे पैंग्लौस के सिद्धान्तों पर विचार करने में बिताया। "हम लोग एक दूसरी दुनियाँ में जा रहे हैं" कैंडिडे ने कहा। "और बिना किसी संदेह के उस दुनियाँ में प्रत्येक वस्तु अच्छी है क्योंकि यह मुझे स्वीकार करना पड़ेगा कि वे भौतिक और आत्मिक घटनाएँ जो कि अभी तक हम लोगों ने अपनी परिचित दुनियाँ में देखी हैं, एक आदमी को कँपा देने भर के लिए काफी हैं।"

"मैं तुम्हें अपने सम्पूर्ण हृदय से प्यार करती हूँ" क्यूनिगांदे ने कहा। "लेकिन तब भी तुमने जहाँ देखा और अनुभव किया है मैं अपनी आत्मा की गहराई में अभी तक पवित्र हूं।"

"सब कुछ ठीक होगा, क्योंकि इस नई दुनिया के समुद्र यूरोप के समुद्रों से अच्छे हैं। ये शांत हैं और इनकी हवाएँ भी शांत हैं। क्योंकि अवश्य ही यह नई दुनियाँ और सब नई दुनियाओं से सर्वश्रेष्ठ सिद्ध होगी।"

"भगवान् ऐसा ही करे। लेकिन जहाँ तक कि दुनियाँ से मैं परिचित हूं इतनी डर गई हूं कि मेरे दिल में कोई भी उम्मीद नहीं बची।"

"तुम शिकायत करती हो और शोर करती हो।" उस बूढ़ी औरत ने कहा—"लेकिन तुमने अभी तक मुझसे आधा भी नहीं भुगता है।"

"क्यूनिगांदे कठिनाई से ऐसी हास्यजनक बात पर अपनी हंसी रोक पाई "मेरी अच्छी औरत," उसने कहा "जब तक कि दो बल्गेरियनों द्वारा तुम्हारे साथ बलात्कार नहीं किया गया और पेट में दो बार चाकू नहीं भोंके गये और महल नष्ट नहीं किये गये, माँ और बाप के गले नहीं घोटे गये और दो प्रेमियों को आतोदाफी में कोड़े नहीं लगाये गये, मैं नहीं सोचती कि तुम किस प्रकार दावा कर सकती हो कि तुमने मुझसे दूने दुःख सहे हैं, जैसे कि मैं सह चुकी हूं और इसके साथ ही मैं एक राजकुमारी की तरह पैदा हुई, जिसके बहत्तर मकान थे और तबसे एक खाना बनाने वाली नौकरानी हूं।

"मिस्ट्रेस मैंने तुम्हें अपनी कहानी कभी नही बताई । और अगर मैंने तुमको अपना पिछला भाग दिखाया होता तो तुम कभी इतनी जल्दी ऐसा नहीं कहतीं।"

क्यूनिगांदे और कैंडिडे इस बात को जानने के लिए उत्सुक थे कि बूढ़ी औरत का इससे क्या तात्पर्य था। उन्हें उसने अपनी कहानी इस प्रकार सुनाई।

: ११ :

बूढ़ी औरत की कथा

"मेरी आँखें हमेशा से खून जैसी लाल डोरे वाली नहीं रही हैं। मेरी आँखें सदा ठोढ़ी को नहीं छूती थीं और न मैं हमेशा से नौकरानी ही हूँ।

"मैं पोप अरबन दशम[1] और पैलस्ट्रीना की राजकुमारी की लड़की हूँ। जब मैं चौदह वर्ष की हुई तो मुझे एक महल में ले जाया गया, जो कि तुम्हारे जर्मन

[1] लेखक का विस्तृत ज्ञान को देखिए। अभी तक वहाँ पर अरबन दशम नामक कोई पोप भी नहीं था। लेखक किसी भी दोगले को पोप माने जाने से इनकार करता है।

राजकुमारों के ठहरने लायक नहीं था। मेरे कपड़ों में से कोई भी एक कपड़ा तुम्हारे वेस्टफेलिया के सारे खजाने से अधिक क़ीमती था।"

"मैं खूबसूरती में, सम्मान में और बुद्धिमानों में पैदा हुई, ऐश्वर्य और महत्वाकांक्षाओं के बीच पली। मुझे देख कर बहुत से आदमी प्रेम करने लगे। मेरी छातियाँ बढ़ रही थीं—और कैसी छातियाँ? सफेद, कड़ी और इस प्रकार बनी थीं, जैसी कि मेडिसी वीनेस की थीं। मेरी भौंह काली थीं, मेरी आंखें सितारे से अधिक चमकीली थीं—जैसा कि कवियों ने मुझे बताया, जो औरतें मुझे कपड़े पहनाती-उतारती थीं और मुझे आगे-पीछे घुमाती थीं, सब देख कर चकित हो जाती थीं। सभी आदमी उनकी जगह पर आना पसंद करते थे।

"प्रिंस ऑफ मस्साकरारा से मेरी सगाई हो गई। राजकुमार, मेरे ही समान सुन्दर, मधुरता और सुन्दरता से भरा हुआ, बहुत ही वाक्-पटु और और प्रेमपूर्ण था। मैंने उसे इस प्रकार से प्यार किया जिस प्रकार कोई किसी को पहली बार प्यार करता है—मैं उसकी पूजा करती थी।

"हम लोगों के विवाह के दिन बहुत ही उत्सव संगीत और बहुत ही शान शौकत से मनाये गये। सारे इटली ने मेरी प्रशंसा में कवितायें बनाईं, जिनमें से प्रत्येक बहुत श्रेष्ठ थी। मेरी अधिक प्रशंसा का समय बहुत निकट था, जब कि एक बूढ़ी मारकेसा को, जो कि मेरे राजकुमार की सेविका थी, मैंने अपने साथ चाकलेट खाने के लिए बुलाया। वह पति विवाह से दो घंटे पहले ही बहुत खतरनाक दौरे से मर गया।"

"लेकिन यह एक मामूली घटना थी। मेरी माँ अभी तक शोक में थी यद्यपि उसका दुःख मुझसे कम था। मेरी मां ने अपने आप को थोड़ी देर के लिए इस दुःखपूर्ण दृश्य से हटाने का निश्चय किया। गेटा के पास ही उसकी एक जागीर थी, जिस के लिए हम लोग एक ऐसे जहाज़ पर रवाना हुए जो हमारे देश के फैशन के अनुसार, रोम के सेंटपीटर्स की तरह ऊँचा था। हम लोगों के ऊपर मार्ग में एक समुद्री डाकुओं के जहाज़ ने हमला कर दिया। हमारे आदमी पोप के सैनिकों के समान लड़े—कहने का मतलब है कि वे अपने घुटनों के सहारे

झुक गये, और अपने हाथ आगे बढ़ा दिये और उन डाकुओं से आर्टी स्यूलों मार्टिस में जगह देने की प्रार्थना की।

"उसके बाद उन लोगों ने वनमानुषों की तरह हमें नंगे करके धारियाँ बनाईं। उनमें मेरी माँ, मेरी नौकरानी और मैं भी शामिल थी। यह आश्चर्य की बात है कि ये आदमियों को नंगे करने में कितने कुशल हैं, लेकिन जिसने मुझे आश्चर्य में डाल दिया वह यह था कि उन लोगों ने अपनी उँगलियाँ हमारे उस हिस्से में डाल दीं जिसमें कि औरतें नियमानुसार सिर्फ''ही डालने की इजाजत देती हैं। पहले मुझे यह सब बहुत आश्चर्यपूर्ण लगा। यह बात ध्यान में रखने की है कि यात्रा आदमी को कितना अनुभव दिलाती है—लेकिन बाद में हम लोगों को यह पता लगा कि इस कार्य का उद्देश्य यह था कि यदि हम लोगों ने हीरे आदि छिपा कर रखे हों तो उन्हें मिल जायें। यह प्रथा बहुत पुराने समय से बहुत ऊँचे राष्ट्रों में, जो कि समुद्री यात्राएँ करते हैं, प्रचिलत थीं। मुझे यह बताया गया कि माल्टा के धार्मिक नाइट्स जब कभी भी तुर्कों की जाति का, चाहे वे किसी भी लिंग के हों लूटा करते थे, तो यह कार्य करने में नहीं चूकते थे। यह राष्ट्रों के कानून का एक अंग है, जिसकी कि कभी वे उपेक्षा नहीं करते।

"तुमसे यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि एक युवती राजकुमारी और उसकी माता के लिए मोरेक्कों में दासी का जीवन व्यतीत करना कितना कठिन है। तुम अच्छी तरह इस बात की कल्पना कर सकते हो कि हम लोगों को उन डाकुओं के जहाज़ ने कितना तंग किया होगा। मेरी माता अब भी सुन्दरी थीं और हमारी ऊँची जाति की नौकरानियाँ और नीची जाति की साधारण नौकरानियाँ भी अफ्रीका की सब स्त्रियों से अधिक सुन्दर थीं। और जहाँ तक मेरा सवाल था मैं तो मनमोहक थी। मैं स्वयं ही रूप और यौवन की प्रतिमा थी। मैं सदा एक ही नहीं रही। मसाकारा के राजकुमार के लिए जो फूल सुरक्षित था वह मुझसे एक कप्तान द्वारा छीन लिया गया था, जो कि बहुत ही बदसूरत हब्शी था, और जो यह सोचता था कि उसने ऐसा करके मेरी इज्जत की है।

"सचमुच पैरिस्ट्रीना की दोनों राजकुमारियों और मेरा स्वयं का बहुत ही स्वस्थ शरीर होगा जिससे कि हम लोग मोरक्को पहुँचने तक के सब कष्ट सहन कर सके, लेकिन मैं इन छोटी-छोटी बातों का वर्णन करने में आगे समय नष्ट नहीं करूँगी।

हमारे पहुँचने पर मोरक्को में खून की नदियाँ बहाई जा रही थीं। शाहंशाह मूली इस्माइल के पचास बेटे अलग-अलग दलों के नेता थे। इस प्रकार से पचास गृह-युद्ध होने को थे। काले कालों के विरुद्ध मिश्रित जाति वाले कालों के विरुद्ध और मिश्रित जाति वाले मिश्रित के विरुद्ध पूरा साम्राज्य लगातार कत्ल का मैदान बना हुआ था।

जैसे ही हम लोग किनारे पर लगे, एक काला दल जिसका कि नेता हमारे कप्तान के विरुद्ध था, हम लोगों पर अपनी लूट का माल लेने आया। उसके लिए हीरे और जवाहरातों के बाद उनके पास जो कुछ था उसमें सबसे अधिक मूल्यवान हम लोग थे। एक ऐसी लड़ाई सी छिड़ गई जैसी कि तुमने यूरोप में कभी नहीं देखी होगी। उत्तरी आदमी का खून ही गरम होता है। वे अफ्रीकनों की तरह औरतों के भूखे रहते हैं। ऐसा मालूम होता है कि यूरोपियन नसों के अन्दर दूध बहता है, उनके मुकाबले में जो कि माउन्ट एटलेस्ट तथा उसके आस पास के स्थानों में रहते हैं, जिनकी नसों में तेज शौर्य और आग सी बहती रहती है। वे लोग अपने देश के सिंह-चीतों और साँपों के क्रोध के समान भयानकता से लड़े। इसलिये कि उनमें से कौन हम लोगों के रखने का अधिकारी है। एक मूर ने मेरी मां का दहिना हाथ पकड़ा और मेरे कप्तान के लेफटीनेन्ट ने उसका बांया हाथ। एक दूसरे मूरने उनको दहिनी टाँग से पकड़ा और एक दूसरे डाकू ने बाँये पैर से। करीब-करीब हमारी सभी औरतें चार-आदमियों के बीज में फाड़ डाली गयीं।

मेरे कप्तान ने मुझे अपने पीछे छिपा रखा, और वह नंगी तलवार लिए रहा और जो भी उसके सामने आया उसे उसने मार डाला। उसका अंत इस प्रकार हुआ कि मेरी माँ और हमारे साथ की सभी औरतों के टुकड़े-टुकड़े इन राक्षसों

द्वारा कर डाले गये, जो कि उनके लिए लड़-झगड़ रहे थे। कैदी और कैद करने वाले, सिपाही और काले मल्लाह, गोरे और मिश्रित जाति वाले और अंत में मेरा कप्तान स्वयं भी सब कत्ल कर डाले गये और मुझे अधमरी अवस्था में कूड़े के ढेर पर छोड़ दिया गया।

इस प्रकार के दृश्य उन्तीस सौ लीग की लंबाई के क्षेत्र में दोहराये जा रहे थे, किन्तु तब भी नित्य पाँच प्रार्थनायें, जिनमें कि महोमत भाग लेता था, देखने में आती थीं।" मैंने अपने आप को बड़ी कठिनाई से खून से सनी लाशों के बीच से हटाया और अपने आप को पास के एक नारंगी के पेड़ के नीचे एक चश्मे के किनारे के निकट खींच कर लेगई। यहाँ मैं डर, थकावट, आतंक, निराशा और भूख से गिर पड़ी और मेरी समाप्तप्राय चेतना विस्मृत हो गई जो कि एक प्रकार की नींद के बजाय बेहोशी थी।

"इस प्रकार की कमज़ोर और अचेतन अवस्था में जीवन और मरण के बीच मैंने अपने ऊपर किसी चीज़ का दबाव पड़ते हुए अनुभव किया, जो कि मेरे शरीर के ऊपर और नीचे होता रहा। आंखें खोलने पर मैंने अच्छी शक्ल सूरत के एक सफेद आदमी को देखा, जो कि सिसक रहा था, और बड़बड़ा रहा था, "ओयो सिक्यागुरा डिसरे सेंज़ा कोरालिभोनी।"

: १२ :

बूढ़ी स्त्री की कथा—२

"अपने देश का व्याख्यान उनका और उस आदमी के शब्द सुन कर मुझ को बहुत ही आश्चर्य और प्रसन्नता हुई। और तब मैंने उसे बताया कि वहाँ पर जो तकलीफें हम लोग बरदाश्त कर रहे हैं उससे अधिक दुर्भाग्य वहाँ पर था। मैंने उसे संक्षेप में वे खौफ़नाक चीजें बताईं, जो मुझ पर गुज़री थीं। मैं फिर अचेतन अवस्था में गिर पड़ी।

"वह आदमी मुझे अपने घर ले गया, और उसने मुझे बिस्तर पर लिटा दिया और खाना दिया। उसने मेरी सेवा की, मुझे आराम पहुँचाया, मेरी चापलूसी की और उसने मुझसे शपथ खाई कि उसने मेरे जैसी खूबसूरत चीज़ कभी नहीं देखी थी। वह कभी भी किसी ऐसे नुकसान पर इतना दुःखी नहीं हुआ था, जिसको कि कोई भी पूरा नहीं कर सकता था।"

"मैं नेपल्स में पैदा हुआ था," उसने कहा "जहाँ वे दो या तीन हज़ार लड़कों को हर साल बधिया कर देते थे। कुछ मर जाते थे और कुछ औरतों से भी सुरीली आवाज़ प्राप्त कर लेते थे और अन्य स्टेट के गवर्नर हो जाते थे। जहाँ तक मेरा सम्बन्ध था, आपरेशन पूर्ण सफल हुआ और मैं पेलिस्टीना की राजकुमारी के गिरजे का एक गायक हो गया।"[1]

"क्या?" मैं चिल्लाई "मेरे माता के गिरजे में।"

"क्या...क्या पैलिस्टीना की राजकुमारी तुम्हारी माता है?" वह आश्चर्य में चिल्लाया और आँसुओं से फूट पड़ा। "तब तुम वही छोटी राजकुमारी हो जिसकी मैंने छः साल तक रखवाली की। उस आयु में वह तुम्हारे समान ही सुन्दर थी, जैसी कि अब तुम हो।"

"हाँ मैं वही हूँ। मेरी माँ यहाँ चार टुकड़ों में फटी हुई एक मुर्दे के ढेर के नीचे पड़ी है।"

हम लोगों ने अपने-अपने अनुभव एक दूसरे को बताये। किसी ईसाई स्टेट ने उसे मोरेको के राजा के पास एक दूत के रूप में भेजा, जिसका उद्देश्य एक ऐसे राज्य के साथ संधि का अन्त करना था, जहाँ पर उसे बारूद, बंदूकों और जहाज़ों की सहायता दूसरे ईसाईयों के व्यापार को नष्ट करने के लिए मिली।[2]

---

[1] फर्डिनेंड छठे ने निपुलटन के एक हिजड़े को जिसका कि नाम फेरीनली था स्पेन का गवर्नर नियुक्त किया।

[2] पुर्तगाल के राजा ने स्पेन के उत्तराधिकार की लड़ाई के दौरान में मोरक्को में एक दूत भेजा था।

"मेरा मिशन बहुत उन्नति कर चुका है" उस हिजड़े ने कहा "मैं क्यूटा पर जहाज़ लेने जा रहा हूँ और तुमको फिर इटली ले चलूँगा।

मा ची सीक्यागोरा डिसरे सेंजा कोगलियोनी।"

मैंने उसे हर्ष के आँसुओं के साथ धन्यवाद दिया। पर वह मुझे बजाय इटली लेजाने के एलगेरियर्स ले गया जहाँ पर उसने मुझे एक डे के हाथ बेच दिया।

उसके बाद ही प्लेग, जिसने कि अफ्रीका एशिया और यूरोप का दौरा किया, एलगेरियर्स में फैलना शुरू हो गया। कुमारी तुमने भूकम्प देखे हैं लेकिन मुझे यह बताओ, क्या तुम्हें कभी प्लेग देखा है?"

"नहीं" क्यूनिगांदे ने कहा।

"अगर तुमको होता तो तुम यह स्वीकार करतीं कि भूकंप इसके सामने मामूली चीज़ है और यह अमरीका में बहुत होता है।"

"मैं उनमें से एक थी, जिसको यह हुआ। अपने सामने एक पोप की पुत्री का चित्र खींचो, जिसकी आयु पंद्रह वर्ष हो और जिसने तीन मास के अन्दर ही दासता और आवश्यकताओं का कष्ट उठाया और जिसके साथ करीब-करीब रोज़ ही बलात्कार होता रहा और जिसने अपनी माता को चार टुकड़ों में कटे हुए देखा और जो अकाल और युद्ध के बीच रह चुकी हो और जो अब एलगि-यर्स में प्लेग से मर रही हो।"

"और अंत में मैं नहीं मरी। लेकिन मेरा वह हिजड़ा और यहाँ तक कि एलगियर्स का पूरा रनिवास उसमें साफ़ हो गया।"

"जबकि प्लेग का पहला प्रकोप समाप्त हो गया, डेकीदासी की बिक्री की गई। एक सौदागर ने मुझे खरीद लिया और वह मुझे टेनिस लेगया। वहाँ उसने मुझे एक और व्यापारी के हाथ बेच दिया, जिसके द्वारा फिर मैं त्रिपोली में बेच दी गई। त्रिपोली से मैं एलेक्जेंड्रिया में बेच दी गई। वहाँ से स्मिरन और वहाँ से कांस्टेटिनोपुल, जहाँ पर मैं जेनीसीरीज के एक आगा की सम्पत्ति बन गई।

"इस आशा को एजोव की रक्षा का आदेश हुआ जो रूसियों द्वारा जीत लिया गया था[१]। औरतों का बहुत प्रेमी होने के कारण एजोव को रूसियों ने १७३६ में जीत लिया था। वह अपने सारे रनिवास को रणक्षेत्र में अपने साथ ले गया। हम लोगों को मियोटिक्स स्वाम्य पर छोटे से किले में दो काले हिजड़ों और बीस सैनिकों की निगरानी में रखा गया।

हमारी फौज ने रूसियों में बहुत कत्लेआम मचाया, लेकिन उन्होंने भी हमें खूब जवाब दिया। एज़ोव को खून और राख में बदल दिया गया। किसी भी उम्र या लिंग के प्राणी को कोई भी जगह रहने को नहीं दी गई।"

"आखिरकार केवल हम लोगों का छोटा सा क़िला बाकी बचा। शत्रु ने इसे अकाल से खत्म कर देने की टान ली। बीस जेनिसराज, जिन्होंने कभी की समर्पण करने की कसम खाली थी, दो हिजड़े खाने को बाध्य हुए, बजाय इसके कि वे अपनी कसम तोड़ते। कुछ दिनों के बाद उन्होंने औरतों को खाने का निश्चय किया।

हम लोगों के साथ एक बहुत ही पवित्र इमाम था, जिसने कि बहुत ही प्रभावशाली उपदेश से उन्हें हम लोगों को न मारने पर बाध्य किया। "सिर्फ प्रत्येक स्त्री का एक-एक नितम्भ काटलो" और उसने कहा "तुम्हें बहुत शानदार भोजन प्राप्त हो जायगा। यदि आवश्यकता हो तो थोड़े दिनों के बाद दूसरा भी काट सकते हो। ईश्वर तुम लोगों के ऐसे उदार कार्य पर प्रसन्न होगा और तुम लोग छुटकारा पा जाओगे।"

"उस वाक् चतुर ने उन्हें बाध्य कर दिया। और हम लोग ऐसे भयानक आपरेशन के लिए विवश हो गये। इमाम ने हम लोगों के वही मरहम लगाया जो एक ताजे किये गये बच्चे पर लगाया जाता है। हम लोग सब मौत के द्वार पर थे।

"जैसे ही जेनीसीरोज ने हम लोगों का दान किया हुआ भोजन समाप्त किया,

---

[१] एज़ोव रूसियों द्वारा १७३६ में जीत लिया गया था।

रूसियों ने चपटे सतह वाली नावों पर आक्रमण कर दिया और प्रत्येक जैनेसीर मार डाला गया।

रूसियों ने हमारी ऐसी अवस्था पर कोई ध्यान नहीं दिया, लेकिन उनके साथ एक फ्रांसीसी सर्जन था—ऐसे आदमी हर जगह पाये जाते हैं—जो कि बहुत ही निपुण था। जिसने हम लोगों की देखभाल की और हम लोगों को ठीक कर दिया। मैं हमेशा याद रक्खूँगी कि जैसे ही हमारे जख्म भरे, वह मेरी ओर बढ़ा। उसने हम लोगों को यह समझा कर खुश करने की कोशिश की कि ऐसा बहुत सी गिरफ्तारियों में हो चुका है और यह युद्ध के नियमों के बिल्कुल अनुकूल था।

जैसे ही मेरे साथी चलने लायक हो गये हम लोग मास्को भेज दिये गये। मैं एक बोयर की किस्मत में पड़ी, जिसने मुझे बाग में काम करने को भेज दिया और मुझे एक दिन में बीस कोड़े लगाये। दो साल बाद वह महाशय तीस और आदमियों के साथ एक कचहरी के झगड़े के मामले में खत्म कर दिया गया। मैंने इस घटना की सहायता से भाग निकलने का लाभ उठाया।

"रूस से बाहर निकल आने पर मैंने रीगा, रास्टाक, विस्मार, लिपज़िक, केसल, उट्रेक्ट, लिडिन, हॉग और राटरडम की सरायों में एक दासी का काम किया। मैं ऐसी गरीबी और पतन की अवस्था में बूढ़ी हो गई। न मेरे एक ही नितम्भ था और न मैंने हमेशा इस बात को याद रखा कि मैं एक पोप की लड़की थी। लगभग एक सौ वार मैंने अपने को मार डालना चाहा, लेकिन मेरा जो जीवन के प्रति प्रेम था, उसने मुझे ऐसा करने से रोका। यह हास्यप्रद कमज़ोरी शायद हम लोगों के सबसे बड़े दोषों में से एक है। क्योंकि इससे बढ़ कर क्या बेवकूफी हो सकती है कि हम लोग ऐसा बोझ अपने साथ ले जायें जिसको कि हम लोग एक तरफ रखने की कोशिश करते हैं। घृणा करने और फिर भी जीवित रहने के लिए लालसा करना? संक्षेप में ऐसे साँप को पालना है जो हम लोगों को धीरे-धीरे समाप्त करता रहता है।

उन देशों में जहाँ मेरी तकदीर ले गई और सराओं में जहाँ मैंने नौकरी की, मैंने बहुत से ऐसे आदमियों को पाया जो अपने आप से घृणा करते थे। तब भी उनमें से केवल बारह ने अपने आप को खत्म किया। उदाहरणार्थ तीन रूसी, चार अंग्रेज, चार जिनेवंश और एक जर्मन प्रोफेसर जिसका नाम राबेक था।"

"मेरी अन्तिम जगह एक यहूदी डानइसाचर के यहाँ थी। जिसने मुझे तुम्हारी सेवा के लिए नियुक्त किया। मेरी प्रिय लेडी, मैंने अपने आपको तुम्हारी किस्मत के साथ छोड़ दिया है और तब से मैं बजाय अपने, तुम्हारे अनुभवों से अधिक संबन्ध रखती हूं। यदि तुमने मुझे ज़रासा भी उत्तेजित न किया होता तो मैं तुम को कभी अपना दुर्भाग्य न बताती और अगर जहाज़ के ऊपर यह लंबी कहानी सुनाकर समय बिताने का रिवाज़ नहीं रहा होता।"

"संक्षेप में, श्रीमती जी! मैं संसार को तुम से अधिक जानती हूँ। प्रत्येक यात्री को अपनी कहानी सुनाने के लिए तुम अपनी ओर आकर्षित करो और उसमें से यदि एक भी ऐसा है जिसने कि कई बार अपने जीवन को धिक्कारा न हो, और यह क़सम न खाई हो कि वह सबसे अधिक नीच है, मैं तुम्हें यह अधिकार देती हूँ कि मेरा सिर समुद्र में फेंक दो।"

: १३ :

ब्यूनर्स आयर्स का गवर्नर

वृद्धा स्त्री की कहानी सुनने के बाद क्यूनिगांदे ने उसे अपने ही वर्ग में समान होने के नाते सम्मान प्रदान किया। उसकी सलाह पर उसने एक-एक करके सब यात्रियों को अपने अनुभव बताने का निश्चय किया। उसको और कैंडिडे को यह मानना पड़ा कि बूढ़ी औरत ठीक कहती थी।

"यह दुःख की बात है" कैंडिडे ने कहा कि "बुद्धिमान बूढ़ा पैंग्लोस फाँसी पर लटका दिया गया और एक आतोदाफी में यह चीज कैसे हो सकती थी। मैं नहीं

जानता—उस समय से जब कि उसने हम लोगों से प्रशंसापूर्वक उन शारीरिक और नैतिक बुराइयों पर बहस की जो कि समुद्र और जमीन पर फैलती हैं, और मुझे इस बात के लिए साहस के साथ सम्मानपूर्वक विरोध करना चाहिये था।

ब्यूनर्स आयर्स पहुँचने पर क्यूनिगांदे कप्तान कैंडिडे और बूढ़ी औरत गवर्नर के पास गये। उसका नाम डानफरनैंडो, उसका व्यवहार ऐसा ही था जैसा कि ऐसे नाम वाले आदमियों का होता है। आदमियों के साथ वार्तालाप में घृणारहित ऊँची उठी नाक, और बहुत ही प्रभावित आवाज़ और सभ्य व्यवहार प्रत्येक आदमी को उसे मारने पर बाध्य कर देता था। स्त्रियों के लिए उसमें अत्यधिक प्रेम था।

"गवर्नर के लिए क्यूनिगांदे सबसे अधिक सुन्दर थी, जितनी कि अब तक देखी थीं। उसने पूछा कि क्या वह कप्तान की पत्नी थी? उसके ढंग ने कैंडिडे को सावधान कर दिया, जो यह कहने का साहस न कर सका कि वह उसकी पत्नी है, जो कि वह नहीं थी, और न ही वह उसकी बहन थी। क्योंकि वह इन दोनों में से कुछ भी नहीं थी, यद्यपि ऐसा लाभदायक झूठ बहुत सी ऐसी ऐतिहासिक घटनाओं में मिलता है। कैंडिडे ऐसा धोखा देने के लिए बहुत ही खुले दिल वाला था। "श्रीमती क्यूनिगांदे" उसने कहा—"मुझसे शादी करने का विचार कर रहीं हैं और हम आपसे यह प्रार्थना करते हैं कि आप अपनी उपस्थिति में हमारे उत्सव की शोभा बढ़ावें।"

डानफरनैडो ने अपनी मूछों पर ताव दिया और बड़ी भेद पूर्ण मुस्कान हँसा। कप्तान कैंडिडे को उसकी टुकड़ी को देखने का हुक्म दिया। क्यूनिगांदे के साथ अकेले रह जाने पर उसने अपना प्रेम प्रकट किया और यह कसम खाई कि वह उससे दूसरे दिन शादी दर लेगा—गिरजाघर या और कहीं, उसकी सुन्दरता ऐसी थी कि वह उसके लिए सब कुछ थी।

क्यूनिगांदे ने पन्द्रह मिनट विचार करने के लिए माँगे। उसने बूढ़ी औरत की सलाह लेने का विचार किया।

"श्रीमती जी" बूढी औरत ने कहा "तुम्हारे पास बहत्तर क्वार्टरिंग हैं, लेकिन एक भी पेनी नहीं हैं। यदि तुम पसन्द करो तो तुम दक्षिणी अमेरिका के सबसे अधिक प्रतिष्ठित व्यक्ति की पत्नी हो सकती हो, जिसकी कि बहुत अच्छी मूँछें भी हैं। यह तुम्हारे लिए गर्व की बात है कि तुम इस पर अटल रहो। क्या तुम्हारे लिए यह गर्व की बात है कि तुम एक अडिग विश्वासी रहो, तुम्हारे साथ बल्गेरियनों ने बलात्कार किया है, एक वकील और एक यहूदी ने तुम्हारे साथ आनन्द लूटा है। दुर्भाग्य भी कुछ-न-कुछ अच्छा ही होता है। यदि मैं तुम्हारी जगह होती तो मैं गवर्नर से शादी करने में कोई हिचकिचाहट नहीं करती, और कप्तान के भाग्य के लिए प्रयत्न करती।"

उसी दिन एक छोटा-सा जहाज ब्यूनर्स आयर्स के बन्दरगाह में प्रविष्ट हुआ। वह अपने साथ अलकेइड और अल्गुजिलस का एक दल लाया था। उन लोगों के यहाँ पहुँचने का कारण यह था—

जैसा कि बूढी औरत ने अनुमान लगाया कि बदाजोज में क्यूनिगांदे के धन और जवाहरातों का चोर एक फ्रांसीस्कन फ्रायर था। इस व्यक्ति ने उनमें से कुछ जवाहरातों को एक जौहरी के यहाँ बेचने का प्रयत्न किया, जिसने कि उन्हें एक ग्रैंड इंक्विज़टर की सम्पत्ति होने के नाते पहचान लिया। फांसी पर लटकाये जाने से पहले फ्रायर ने अपनी चोरी स्वीकार कर ली और उन लोगों का वर्णन किया जिनको उसने लूटा था और जहाँ-जहाँ वे लोग थे। इस समय तक क्यूनिगांदे का भागना मालूम हो चुका था। कैडिस तक उनका पीछा किया गया और बाद में समुद्र के पार पीछा करने पर वह दल ब्यूनर्स आयर्स के बन्दरगाह पर आ चुका था और यह खबर फैल चुकी थी कि इसमें एक आलकैड सवार था और वह उस इंक्विज़िटरके खून के लिए आया था।

बुद्धिमान बूढ़ी औरत ने परिस्थिति को तुरन्त भाँप लिया। "तुम भाग नहीं सकती हो" उसने क्यूनिगांदे से कहा "और तुम्हें कोई डर की बात भी नहीं और तुमने हिज़ लार्डशिप को नहीं मारा। इसके बजाय गवर्नर तुम से प्रेम करता है

और वह तुम्हारे सा बुरा व्यवहार सहन नहीं कर सकेगा। तुम अपनी जगह पर खड़ी रहो।"

तब वह तुरन्त कैंडिडे के पास भागी गई। "भागो, नहीं तो तुम अभी एक घंटे के अन्दर जला दिये जाओगे।"

उसके पास एक क्षण भी बर्बाद करने को नहीं था, लेकिन वह अपने आपको क्यूनिगांदे से अलग कैसे कर सकता था, और उसको जाना कहाँ था?

: १४ :

पैराग्वे को भागना

कैंडिडे अपने साथ कैडिस से एक नौकर लाया था; उस प्रकार का जैसे कि स्पेन के किनारे की बस्तियों में होते हैं। वह केवल एक चौथाई स्पेनी था, क्योंकि वह टुकमान में एक मेस्टिजो बाप से पैदा हुआ था। वह बहुत बार एक क्वैर, और एक ब्वाए, एक नाविक, एक मॉक, एक दुकान का नौकर, एक सिपाही, और एक सेक्रिस्टान लैक्वी रह चुका था। उसका नाम ककाँबो था और वह कैंडिडे के प्रति बहुत प्रेम रखता था, जिसका वास्तव में कैंडिडे अधिकारी था।

ककाँबो ने जल्दी से दो अन्दालूजियन घोड़ों को जीनें चढ़ाकर तैयार किया, "आइये स्वामी।" "उसने कहा "चलिये बूढ़ी औरत की सलाह ले लें, और बिना कुछ अधिक किये-धरे यहाँ से भाग चलें।"

"मेरी प्रियतमे क्यूनीगांदे।" कैंडिडे ने रोते हुए कहा "क्या मुझे तुम्हें इसी समय छोड़ना पड़ेगा, जब कि गवर्नर हम लोगों के विवाह का उद्घाटन करने जा रहा था। घर से इतनी दूर तुम्हारा क्या होगा?"

"जितना भी अच्छा वह कर सकती है, करना चाहिए" ककांबों ने कहा, "औरतें अपने आप हमेशा अपनी देखभाल कर सकती हैं। ईश्वर उनकी सहायता करता है। चलिए, हम लोग भाग चलें।"

"लेकिन तुम मुझे कहाँ ले जाओगे ? हम लोग कहाँ जा सकते हैं ? हम लोग क्यूनीगाँदे के बिना क्या कर सकेंगे ?"

"कंपोस्टेला के सेंट जेम्स की कसम ? तुम जीज्विटों से लड़ने जा रहे हो। हम लोगों को उनकी ओर से लड़ना चाहिए। मैं सड़कें जानता हूं और तुम को उनकी राजधानी में ले जा सकता हूँ। वे लोग ऐसे कप्तान को रखकर प्रसन्न होंगे जो बल्गेरियन ड्रिल और दाँव-पेंज जानता है। तुम अपनी बड़ी क़िस्मत बनालोगे, जब कि एक आदमी एक ही दुनियाँ के साथ समझौते नहीं कर सकता तो वह दूसरी के साथ हमेशा कर सकता है। नई चीजों का करना और देखना बहुत आनन्द-दायक है।"

"तब तुम पेरिग्वे में रहे होगे ?"

"हाँ सचमुच ! मैं एक एजेम्पशन के कालेज में स्काउट था और मैं लासपा-ड्रेस की राजधानी को उतनी अच्छी तरह जानता हूँ जितना की कैंडिस की सड़कों को। वहाँ की प्रशंसनीय तीन जगह हैं। राजधानी तीन सौ मील के क्षेत्र में है और तीस प्रान्तों में विभक्त है। वहाँ प्रत्येक वस्तु है, किन्तु जंगली जातियों के पास कुछ भी नहीं है। यह न्यायपूर्वक शासन में सबसे बढ़कर है। क्योंकि मैं सर्व शक्तिमान लासपाड्रेस के समान किसी वस्तु को कहीं मानता। वहाँ ये लोग पुर्तगाल और स्पेन के बीच में युद्ध करते रहे हैं, और यूरोप भर में वे इन दोनों बादशाहों को ही मानते हैं। यहाँ ये स्पेन पुर्तगाल को मारते हैं, और वहाँ वे उन्हें स्वर्ग के मार्ग पर पहुँचाते हैं।"

"लेकिन हम लोगों को शीघ्रता करनी चाहिए। तुम्हारे लिए सौभाग्य शायद ही बचा हो। लासड्रेस कितने प्रसन्न होंगे कि वे लोग एक ऐसा कप्तान पा रहे हैं जो बल्गेरियन ड्रिल और दाँव पेंच जानता है।"

जब ये लोग सीमा के प्रथम भाग में पहुँचे, तब ककाँबो ने ड्यूटी पर नियुक्त सिपाही को बताया कि एक कप्तान उनके कमाण्डर से बातें करना चाहता है। मुख्य गार्ड बाहर निकला और एक अफसर कमांडर के सामने झुककर उसे सूचना देने को दौड़ गया। कैंडिडे और ककांबो से हथियार

ले लिए गये और उनके घोड़े पकड़ लिये गये। और उनको दो कतारों में कमांडर के सामने ले जाया गया। जो कि तीन कोनों वाली एक टोपी पहने था और कठोर व्यक्ति था और उसकी तलवार एक तरफ लटक रही थी। उसने एक संकेत किया। नवागंतुकों को चौबीस आदमियों ने घेर लिया। एक सार्जेंट ने उनसे बताया कि उन्हें इंतजार करना चाहिए। कमांडर उनसे बातें नहीं करेगा। प्रांत का पादरी किसी भी स्पेनियार्ड को बिना अपनी उपस्थिति के बोलने की इजाजत नहीं देता और न ही देश में किसी को तीन घंटे से अधिक रहने देता है।"

"प्रांतीय पादरी कहाँ है?" ककांबो ने पूछा।

"परेड पर है। तुम उनके हाथों को अगले तीन घंटों तक नहीं चूम सकते।"

"लेकिन मैं और कप्तान भूख से मर रहे हैं और कप्तान स्पेनियार्ड्स नहीं बल्कि एक जर्मन हैं। क्या हम लोग जब तक आप पादरी का इन्तजार कर रहे हैं, कुछ खा नहीं सकते?"

सार्जेंट ने उसे वही बताया जो कि उसे कांमडर ने बताया था। "भगवान् की जय हो।" दूसरे ने कहा "अगर वह जर्मन है तो मैं उससे बातें कर सकता हूं, उसे मेरे खेमे में आने दो।"

कैंडिडे को एक धनुष बनाने वाले के यहाँ सुन्दर, पीले संगमरमर के खंभों के बीच में ले जाया गया, जहाँ कि पिंजड़ों में तोते बन्द थे और चिड़ियों की आवाजें सुनाई दे रही थीं, जिनमें गिनी फाउल और अन्य असाधारण प्रकार की चिड़ियाँ थीं। और एक बहुत ही उत्तम जलपान सोने के बर्तनों में उनकी प्रतीक्षा कर रहा था। जब कि उसकी पैराग्वेन टुकड़ियों ने लकड़ी की झाड़ियों में से कड़कती धूप में मक्का निकालकर खाया, पवित्र पादरी प्रविष्ट हुआ। वह बहुत ही सुन्दर युवा पुरुष था। गोल मुँह वाला सफेद और ताजे रंग का। जिसकी भवें धनुषाकार थीं। चमकती हुई आँखें, नारंगी कान और लाल ओठ थे। वह वीरता के साथ आया जो कि न स्पेनी था और न जीज्विट। उसकी

आज्ञा से कैंडिडे और ककांबो को उनके हथियार और घोड़े वापस कर दिये गये। ककांबो को जानवरों के लिए चारा दिया गया और उसने पास ही उन्हें बाँध दिया जहाँ पर वह किसी चालाकी के डर से उन पर आँखें लगाये रहें।

कैंडिडे ने कमांडर के हाथ को चूमा और वे लोग एक मेज पर बैठ गये। "तो तुम एक जर्मन हो," उसने कहा।

"जी, रेवरेंट फादर!" दोनों आदमियों ने एक दूसरे की ओर आश्चर्य और संवेदना से देखा, "तुम जर्मन के किस भाग से आये हो?"

"वेस्टफेलिया से। मैं थंडर-ट्रेन-ट्राँक की गद्दी में पैदा हुआ था।"

"आह ईश्वर, क्या यह संभव है?"

"क्या आश्चर्य की बात है?"

"क्या तुम वह हो सकते हो?"

"यह असंभव नहीं।" वे दोनों पीछे की ओर बढ़े और एक दूसरे को रोते हुए आलिंगन किया।

"तो तुम रिवरेंट फादर क्यूनिगांदे के पवित्र भाई हो? "लेकिन मैं सोचता था कि तुम बल्गेरियनों द्वारा कत्ल कर दिये गये हो, लेकिन तुम कैसे, बैरन के पुत्र होकर पैराग्वे में जीवित हो गये? कितना आश्चर्यजनक संसार है!"

"आह पैंग्लास? अगर तुम फासी पर लटकाये न गये होते तो तुम्हें यह कितनी प्रसन्नता देता!"

नीग्रो और पैराग्वान दास जो कि जड़ित बर्तनों में शराब दे रहे थे, कमाण्डर के आदेश से चले गये! ईश्वर की ओर सेंट इगनाटियस की प्रार्थना करते हुए उसने कैंडिडे को अपनी बाहों में बाँध लिया। उन दोनों के मुँह आँसुओं से भीग गये।"

"तुम और भी खुश होगे," कैंडिडे ने कहा, "जब मैं तुम्हें बताऊँगा कि श्रीमती क्यूनिगांदे, तुम्हारी बहिन, उस प्रकार से नहीं समाप्त हो गई जैसा कि तुम सोचते हो, बल्कि वह पूर्ण स्वस्थ है।"

"वह कहाँ है?"

"यहाँ से बहुत दूर नहीं। ब्यूनर्स आयर्स के गवर्नर के घर पर। मैं तुमसे यहाँ लड़ने आया था।"

बातचीत के दौरान में वे लोग एक दूसरे को चकित करते रहे, बहुत ही बड़ी-बडी बातें और एक दूसरे के शब्दों पर चमकती हुई आंखों से गोर करते रहे। जर्मन फैशन में वे लोग मेज़ पर लंबे लटक गये और प्राविंशियल रेवरेंट फादर की प्रतीक्षा करते रहे। इसी बीच में कमाण्डर ने अपनी कहानी बताई।

: १५ :

जीज़्विट बैरन

"मैं वह भयानक दिन कभी नहीं भूलूँगा, जब मैंने अपने माता पिता को कत्ल होते और बहन के साथ बलात्कार होते देखा। जब बल्गेरियन चले गये, तो मेरी बहिन का पता नहीं लगा। मेरे माता पिता का मेरा और उन सेविकाओं और तीन छोटे लड़कों के शरीर जिनका गला काट दिया गया था, एक गाड़ी पर फैंक दिये गये। जीजिवट गिरजे में गाड़ने के लिए, जोकि गढ़ी से दो मील पर है।"

"एक जीज़्विट ने हम लोगों पर पवित्र जल छिड़का जो कि भयानक रूप से नमकीन था। और कुछ बूंदें मेरी आँखों में चली गईं। बिशप ने मेरी पलकें फड़कती हुई देखीं, उसने मेरे हृदय पर हाथ रखा, और उसे धड़कता हुआ अनुभव किया। मेरी निगरानी की गई और तीन सप्ताह में मैं पूर्णतया स्वस्थ्य हो गया।"

"जैसा कि तुम याद रखोगे, मेरे प्यारे कैंडिडे, मैं बहुत ही सुन्दर लड़का था। मैं और भी सुन्दर हो गया। और रिवरेंट फादर क्रास्ट, जो उस घर में सबसे बड़ा था, मेरी तरफ बहुत ही आकर्षित हुआ। उसने मुझे नोसोखियों की सी आदत डाली और थोड़े ही समय में रोम भेज दिया। हमारा जनरल जर्मन जीजिवट्स की भर्ती कर रहा था। पैरागवे के शासक जितने संभव हो सकते हैं

उतने कम स्पेनी जीजिवट्स भरती करते हैं। वे लोग दूसरे देश वालों को पसन्द करते हैं क्योंकि वे सरलता से शासित किये जा सकते हैं। जनरल ने मुझे इस काम के लिए योग्य समझा। मैं एक पोल और एक टायरोलेसे के साथ बाहर चला गया और पहुंचने पर एक लेफ्टिनेंट का और एक पादरी का पद मुझे दिया गया। मैं अब एक पादरी और कर्नल हूं।"

"हम लोग स्पेन के राजा की टुकड़ियों का शानदार स्वागत करेंगे। यह मैं तुम्हें विश्वास दिला सकता हूं। वे लोग पहले पीटे जायेंगे और फिर बाहर निकाल दिये जायेंगे। ईश्वर ने तुम्हें यहाँ मेरी मदद के लिए भेज दिया है।"

"लेकिन क्या यह सच है कि मेरी बहिन क्यूनिगांदे क्यूनर्स आयर्स के गवर्नर के साथ है ?" केंडिडे ने उसे नम्रतापूर्वक विश्वास दिलाया कि ऐसा ही था और फिर उसके गालों पर आँसू लुढ़क पड़े। बैरन ने केंडिडे को बार-बार अपना भाई संदेशवाहक कहकर गले से लगाया।"

"शायद प्यारे केंडिडे," उसने कहा "हम लोग साथ-साथ विजेता की हैसियत से वहाँ दाखिल होंगे और अपनी बहिन को पालेंगे।"

"यह मेरी भी इच्छा है, क्योंकि मेरा भी उससे विवाह करने का इरादा था और अब भी वैसी ही आशा करता हूं।"

"क्या मूर्ख आदमी ? क्या तुम मेरी बहिन से विवाह करने का दुस्साहस करोगे जिसके कि बहत्तर कोर्टियंस हैं ? सचमुच तुम को इसके लिए विश्वास है ? तुम मेरे सामने भी ऐसे दुस्साहस से बोल सकते हो ?"

"केंडिडे भौंचक्का सा रह गया" "रिवरेंड फादर" उसने कहा—दुनिया के सब कोर्टियंस क्या हैं ? मैंने तुम्हारी बहिन को यहूदी और इंक्विजिटर के पंजे से छुड़ाया है, वह मेरी आभारी है, और मुझसे शादी करना चाहती है। मास्टर पैंग्लौस ने हमेशा मुझसे यह बताया है कि सब आदमी बराबर हैं। मैं उससे विवाह करूँगा, इस पर इतमिनान रखो।"

"हम लोग इसके बारे में देखेंगे, बदमाश !" जीजिवट बैरन ने कहा और केंडिडे को उसके मुँह पर अपनी तलवार के चौड़े हिस्से से चोट की।

कैंडिडे ने भी तलवार खींच ली और उसने अपनी तलवार जीर्जिवट के पेट में घुसेड़ दी। तब उसको गर्म खून से टपकते हुए खींचकर आँसुओं में फूट पड़ा।" "हे भगवान्" मैंने अपने पुराने मास्टर को, दोस्त को, और साले को मार डाला। मैं संसार में सबसे बड़ा अहिंसक हूं। तब भी मैंने तीन व्यक्तियों को मार डाला है। उनमें से दो पादरी थे।"

ककाँबो जो द्वार पर रक्षक के रूप में खड़ा था यह देखने के लिए कि क्या हो रहा है, अन्दर आया। हम लोगों के पास कुछ नहीं बचा है, सिवा इसके कि हम लोग अपनी जिन्दगी बेचें।" उसके मास्टर ने कहा "कोई न कोई यहाँ जल्दी ही प्रवेश करेगा। हम लोगों को हाथ में तलवार लेकर भागना चाहिये।" लेकिन ककांबो ऐसी परिस्थितियों में बहुत बार रह चुका था, और चुप रहा। कुछ ही सेकिंडों में उसने बैरन का जीर्जिवट चिन्ह उतार लिया और कैंडिडे के सिर पर रख दिया। उसको मरे हुए आदमी का तीन कोने वाला हैट दिया और घोड़े पर सवार कर दिया।

"ऐड़ लगाओ मास्टर!" उसने कहा। "प्रत्येक व्यक्ति तुमको दौरे पर जाँच के लिए आया हुआ जीर्जिवट समझेगा। हम लोग उनके रवाना होने से पहले ही सीमा पार कर लेंगे।" वह तेजी के साथ सीधा स्पेनी भाषा में यह चिल्लाता हुआ भागा, "तुम जल्दी से रिवरेंट फादर कर्नल के पास जाओ।"

: १६ :

लड़कियाँ और बन्दर

उस समय जबकि जर्मन जीज्विट की मौत का समाचार ज्ञात हुआ, कैंडिडे और उसका नौकर सीमा के बाहर थे। ककांबो ने अपने झोले को काफी मात्रा में रोटी, चैकोलेट, हाम, फल और शराब की बोतलों से भर लिया था। वे लोग एक अनजान और मार्ग-विहीन प्रदेश में घोड़े पर तब तक भागते रहे, जब तक कि एक खूबसूरत बाग में न जा पहुँचे, जो कि चश्मों से कटा हुआ था। यहाँ

उन लोगों ने अपने घोड़ों को चरने के लिए छोड़ दिया। और ककांबो ने अपने स्वामी को भोजन करने की राय दी और स्वयं भी खाया। "तुम मुझ से हाम खाने की कैसे इच्छा करते हो?" कैंडिडे ने कहा, "जब कि मैंने उस महान् व्यक्ति के लड़के को मार दिया और क्यूनिगांदे को कभी न देखने को बाध्य हो गया हूँ। क्या यह हमको इस दयनीय अवस्था में खींच ले जायेगो, उससे बहुत दूर निराशा और दुःख में और जर्नल डी-ट्रोवाक्स[1] क्या कहेगा?" लेकिन फिर भी उसने खाया।

सूरज अब तक डूब चुका था। भटकने वालों ने कुछ दूर पर हल्की सी चिल्लाहटें सुनीं, जो औरतों द्वारा की गई मालूम होती थीं। वे लोग इस चिल्लाहट से पता नहीं लगा सके कि ये खुशी की चिल्लाहटें थीं या दुःख की। लेकिन वे अपने पैरों पर शीघ्रता से खड़े हो गये। उस अचम्भे से जो एक अनजान देश में अप्रत्याशित घटना से होता है।

चिल्लाहटें, जिनका उन्होंने अब पता लगाया, दो जवान औरतों की थीं, जो कि इस बाग के किनारे तेजी से दोड़ रही थीं, जिनका दो बन्दरों द्वारा पीछा किया जा रहा था और जो उनके काट रहे थे। कैंडिडे ने बल्गेरियनों से न्बदूक चलाने की कला सीखी थी और वह किसी भी झाड़ी में बिना पत्ती के छुए निशाना लगा सकता था। उसने अपनी दुनाली स्पेनी बन्दूक उठाई और दोनों बन्दरों को मार दिया। "भगवान् का भला हो, मेरे प्यारे ककांबो" उसने कहा मैंने इन दो जानों को भयानक खतरे से बचा लिया। यदि इंक्विजिटर और जीज्विट को मारना एक अपराध था तो उसे दो लड़कियों की जान बचा कर पूरा कर दिया। और शायद ये जवान औरतें अच्छे परिवार की हैं और यह घटना हम लोगों के लिए इस देश में लाभदायक हो सकती है।

"अचानक ही वह दो लड़कियों को देख कर चुप हो गया, जो कि मरे हुए दो जानवरों से लिपट कर विलाप कर रहीं थीं। "सचमुच" उसने कहा मैंने कभी भी इतनी क्रिश्चियन उदारता की आशा नहीं की थी।

[1]एक श्रेष्ठ साहित्यिक आलोचना, जो कि सोसाइटी ऑफ जोजेस के सदस्यों द्वारा १८ वीं शताब्दी के आधे भाग में सम्पादित की जाती थी।

"तुमने वहाँ पर एक अच्छा काम किया है स्वामी !" ककांबो ने कहा, "तुमने इन दो प्रेमियों को मार डाला है।"

"उनके प्रेमी !" तुम हँसी कर रहे हो ककांबो।"

"मेरे प्यारे स्वामी ? प्रत्येक वस्तु तुम्हें आश्चर्य में डाल देती है। तुम इसमें क्या आश्चर्य समझते हो कि एक देश में बन्दर औरतों की सहानुभूति प्राप्त करते हैं। ये एक चौथाई आदमी हैं, जैसे कि हम एक चौथाई स्पेनीयार्ड।"

"सचमुच !" कैंडिडे ने आह के साथ कहा, "मुझे याद है मेरा मास्टर पैंग्लौस मुझे बताया करता था कि ऐसी बातें पुराने ज़माने में बहुत प्रचलित थीं।"

"इस प्रकार के सम्बन्धों से रोम के देहाती देवता (जो कि आधा बकरा और आधा आदमी होता है) और जंगलों के देवता आदि उत्पन्न होते थे जो बहुत पुराने मनुष्यों ने सचमुच ही देखे थे, लेकिन मैं इन सबको झूठी कहानी मानता हूँ।"

"अब तुम देखते हो कि वे सत्य थे—और अगर मनुष्य ने शिक्षा न प्राप्त की हो, तो किस प्रकार व्यवहार करता है, लेकिन मुझे डर यह है कि ये औरतें हमसे कुछ शैतानी न कर बैठें।"

इस बुद्धिमानी वाले रिमार्क ने कैंडिडे को बाग छोड़ कर जंगल में भाग जाने को विवश कर दिया। उसने और ककांबो ने अपना भोजन समाप्त कर दिया। इंक्विजिटर को कोसते हुए, और ब्यूनोज आयर्स और बैरन के गवर्नर को गालियाँ देते हुए वे जमीन के निचले भाग में सोने चले गये।

जब वे जागे, तब वे हिल न सके। इस रात के बीच में ओरिलियनसों—यह उस प्रादेशिक जाति का नाम था—ने उन औरतों से उनकी उपस्थिति की खबर सुन ली थी और उन्होंने उनको रस्सियों से बाँध दिया था। अब वे पचास नंगे और धनुष बाण से सुसज्जित ओरिलियन्सों से घिरे हुए थे और जिनके पास फ्लिंट (खड़िया वाला पत्थर) से बनी हुई कुल्हाड़ियाँ थीं। कुछ लोग उबालने के लिए बड़े-बड़े पत्थर ला रहे थे और कुछ गर्म सलाखें तैयार कर रहे थे।

"एक जीज्विट !" वे चिल्लाये । "हम लोग बदला लेंगे । हम लोग आज अच्छा खाना खायेंगे । चलो हम लोग जीज्विट को खायें, जीज्विट को खाओ ।"

"मैंने तुमको बताया था स्वामी," ककांबो ने कहा कि "ये औरतें हमारे संग कोई भयानक तिकड़म खेलेंगी ।"

"सचमुच ही हम लोग या तो उबाले जायेंगे या आग पर सेके जायेंगे । आह पैंगलौस ने प्राकृतिक मनुष्य की अपने मौलिक अवस्था के इस व्यवहार के बारे में क्या उदाहरण दिया ? प्रत्येक वस्तु अच्छी है, वह कहता है लेकिन मैं कहता हूँ कि क्यूनिगांदे को खो देना और फिर अरिल्यिन्सों द्वारा सलाखों पर सेके जाना बहुत कठिन है ।"

"आशा मत छोड़ो । मैं इन लोगों की भाषा कुछ-कुछ समझता हूँ, और मैं इनसे बातें करूँगा ।"

"इनसे यह बताना याद रखो कि अपने ही समान मनुष्य को इस प्रकार उबालना और सेंकना कितनी पैशाचिता है, और यह क्रिश्चियन नियमों के कितना प्रतिकूल है ।"

"सज्जनों" ककांबो ने कहा "तुम बेशक यह मानते हो कि तुम आज एक जीज्विट को खाने जा रहे हो । यह बहुत ठीक है । सचमुच दुश्मन के साथ बर्ताव करने का कोई भी इससे दूसरा तरीका ठीक न होगा । प्रकृति का नियम हमको सिखाता है कि तुम अपने "पड़ौसियों को मारो", और इस उपदेश का समस्त संसार अनुसरण करता है । अगर हम लोग यूरोप में अपना खुद का उसे खाने का हक छोड़ते हैं तो वह इसलिए कि हम लोगों के पास अधिक अच्छा खाने को है । लेकिन तुम्हारे पास खाने को वैसे साधन नहीं हैं, जैसे हम लोगों के पास हैं । और निश्चय ही अपने दुश्मन को खाना अपनी विजय के फल को कौओं से बर्बाद कराने से अधिक अच्छा है ।

"लेकिन सज्जनों, तुम अपने मित्रों को खाना पसन्द नहीं करोगे । यह जीज्विट नहीं है, जिसे तुम भूनने की तैयारी कर रहे हो, बल्कि तुम्हारा रक्षक है । तुम्हारे

दुश्मनों का दुश्मन। जहाँ तक मेरा सवाल है, मैं तुम्हारे देश में ही पैदा हुआ था, यह सज्जन मेरे स्वामी हैं और इसीलिए बजाय खुद जीज्विट होने के इन्होंने हाल ही में एक को मार डाला है और उसी के उतारे हुए ये फटे कपड़े पहने हैं। इस प्रकार तुम एक ग़लती करने जा रहे हो।"

"मेरी सत्यता की जाँच के लिए, जो कि मैं कहता हूँ, इस चिन्ह को जीज्विट राजधानी के सबसे नजदीक ले जाओ, पता लगाओ कि मेरे स्वामी ने उनके एक अफ़सर को मार डाला है या नहीं। तुम्हारा थोड़ा समय लेगा और अगर मैंने तुमसे झूठ बोला है तो बाद में हमको हमेशा खा सकते हो। लेकिन मैंने तुमसे सत्य कहा है।"

ओरिलेन्सों ने इस भाषण को बड़ा तर्कपूर्ण समझा। उन्होंने अपने दो आदमियों को एक दम जाकर सत्यता जानने के लिए रवाना कर दिया। उन दोनों ने अपना कार्य चतुरतापूर्वक किया और जल्दी ही उनके पक्ष में समाचार लेकर वापस आये। ओरिलेंसों ने अपने कैदियों को छोड़ दिया। उनसे बड़ी सज्जनता से व्यवहार किया। उन्हें औरत और खाने को दिया और उनको अपने देश की सीमा में चिल्लाते हुए ले गये। "ये जीज्विट नहीं है, ये जीज्विट नहीं है।"

कैसे मनुष्य और कैसा उनका व्यवहार है···"कैंडिडे ने सोचा। अगर मैं क्यूनिगांदे के भाई के बदन के पार तलवार न कर देता तो मैं निर्दयतापूर्वक खा डाला गया होता। लेकिन आखिरकार पूर्ण प्राकृतिक मनुष्य भी कहने के लिए वह कुछ सभ्यता रखते हैं। इन लोगों ने जैसे ही उनको पता लगा कि मैं जीज्विट नहीं हूं मेरे साथ हज़ार सभ्यतापूर्ण व्यवहार किये।

: १७ :

इल डोराडो—१

"अच्छा" ककांबो ने स्वामी से कहा, जब कि वे ओरलियेन्सों की सीमा पर थे "जैसा यह आप देखते हैं, गोलार्द्ध, दूसरे से अच्छा नहीं है। मेरी राय मानिये और यूरोप को सबसे छोटे रास्ते से लौट चलिये।"

"लेकिन कैसे और कहाँ? मेरे अपने देश को बल्गेरियन्स और अबेरियन्स सब बरबाद कर रहे हैं। अगर मैं पुर्तगाल को लौटता हूं तो अवश्य जला दिया जाऊँगा। अगर हम यहाँ रहते हैं तो हम लोग हर समय भूने जाने के भय में हैं। लेकिन मैं संसार के उस भाग को कैसे छोड़ सकता हूं जहाँ पर क्यूनिगांदे है?"

"हम लोगों को साइने चलना चाहिए। वहाँ हम लोगों को फ्रांसीसी मिलेगें—वे हर जगह हैं और वे हम लोगों की मदद करने योग्य होंगे। शायद भगवान् हम लोगों पर दया कर दें।"

साइने पहुंचना कोई आसान नहीं था। वे अधिक-से-अधिक यह जानते थे कि किस मार्ग पर यात्रा करनी है। लेकिन मार्ग में पहाड़, नदियाँ, जंगल, खाइयाँ उनकी बाधक थीं। उनके घोड़े परिश्रम के कारण मर गये और उनका खाना समाप्त हो गया। एक मास तक वे जंगली फलों पर जीवित रहे।

आखिरकार वे लोग एक सोते के निकट पहुँचे जिसके किनारे नारियल के पेड़ लगे थे। इस दृश्य ने उनको नया जीवन और आशा प्रदान की। ककांबो ने जो कि बूढ़ी औरत के समान हर समय सलाह देने को तैयार था, "कहा हम लोग थक चुके हैं और अब आगे नहीं चल सकते। मैंने एक खाली नाव देखी है। हम लोग इसे नारियल से भर कर सवार हो जायें और नदी के बहाव के संग चल दें। एक नदी हमेशा किसी बसे हुए प्रदेश की ओर जाती है। अगर हम लोगों को आनन्द नहीं मिलेगा तो कम-से-कम हम लोग कुछ नई वस्तु अवश्य पायेंगे।"

"मंजूर, हम लोगों को अपने आपको भाग्य के हाथ में सौंप देना चाहिए।" कुछ दूर तक वे लोग जैसे किनारे के बीच बहते रहे, जो कि कभी फूलदार, कभी उजाड़, कभी समतल और कभी ऊबड़-खाबड़ थे। नदी बराबर चौड़ी होती गई, जब तक कि वह एक ऐसे स्थान पर नहीं पहुँच गई, जहाँ पर कि वह एक भयानक ढाल के नीचे एक ट्यूनल में समाप्त हो जाती थी। उन लोगों ने ट्यूनल के अन्दर जाने का साहस किया। नदी इस स्थान पर एक भयानक ट्यूनल के नीचे समाप्त हो जाती थी। उन लोगों को भयानक प्रवाह और शोर के साथ बहा ले गई।

चौबीस घंटे पश्चात् उन्होंने फिर दिन का प्रकाश देखा, लेकिन जैसे ही उन्होंने यह देखा, उनकी नाव किनारे के एक चट्टान से टकराकर टुकड़े-टुकड़े हो गई। काफी दूर तक उन्हें अपने को एक चट्टान से दूसरी चट्टान तक घसीटना पड़ा। तब वह खोह एक खुली जगह पर निकली, जो चारों तरफ से ऐसे पहाड़ों से घिरी थी जिन पर चढ़ना मुश्किल था।

यह प्रदेश बहुत ही खूबसूरत और फसलों से भरा दिखाई पड़ा। सड़कों पर बहुत सी गाड़ियाँ दिखाई पड़ीं जो बहुत खूबसूरती से और किसी चमकदार वस्तु की बनी थीं और जिनमें बहुत से स्त्री-पुरुष जा रहे थे और जिनको लाल रंग की भेड़ें खींच रही थीं। ये घोड़ों से भी अधिक गतिशील थीं।

"यह एक प्रदेश है जो कि वेस्टफेलिया को भी मात देता है।" केंडिडे ने कहा। वे नदी के किनारे से जो गाँव उनको सबसे पहले दिखाई पड़ा उसकी ओर बढ़े। कुछ बच्चे द्वार पर तारों से कढ़े कपड़े पहने हुए क्वोटिस नामक खेल खेल रहे थे। इन दो यूरोपियन्स ने देखा कि क्वोटिस बड़ी-बड़ी गोल पीली, लाल और हरी और कलापूर्ण रकाबियाँ थीं। असल में थे सोने की, रुबी (लाल कीमती पत्थर) और इमीराल्ड (हरा पत्थर) की बनी हुई थीं। यात्रियों के मन में उनमें से कुछ को इकट्ठा करने की प्रबल इच्छा हुई। ग्रेट मुग़ल के

तख्त का सबसे बड़ा आभूषण उनमें से सबसे छोटे द्वारा बनाया जा सकता था।

"ये बच्चे अवश्य ही इस देश के राजा के बच्चे होंगे" कक्कांबों ने कहा। इस समय गांव का अध्यापक उन बच्चों को उनके पाठ के लिए वापस बुलाने आया।" ये शाही खान्दान का खानदान है" कैंडिडे ने कहा।

उन शैतान बच्चों ने अपने क्वोटिस और दूसरे खिलौने जमीन पर पड़े छोड़ दिए। कैंडिडे ने उनको आदर के साथ उठाया और संकेत द्वारा अध्यापक को यह कहकर लौटा दिए कि ये शाही बच्चे अपने आभूषण भूल गये थे। अध्यापक मुस्कराया और उन चीजों को जमीन पर फैंक दिया। आश्चर्य के साथ कैंडिडे को देखा और बच्चों के साथ स्कूल चला गया।

यात्रियों ने होशियारी से खजाने को इकट्ठा किया। "कितना अद्भुत देश है ?" कैंडिडे ने कहा "यहाँ पर शाही बच्चों को बिल्कुल ठीक शिक्षा दी जाती होगी, जबकि उनको सोने और मूल्यवान पत्थरों से घृणा करना सिखाया जाता है।"

वे सबसे पहले गाँव की तरफ बढ़े, जो कि यूरोप के एक महल के समान बना था। वहाँ द्वार पर लोगों की एक भीड़ सी लगी थी और उससे भी अधिक अंदर थी। मन मोहक संगीत और खाना बनने की सुगन्ध घर से आ रही थी। कक्कांबो द्वार तक गया और वहाँ के लोगों को बातें करते सुना। यह उसकी मात्र-भाषा थी, जैसा कि पहले कहा जा चुका है कि वह टुकमान में पैदा हुआ था और उसके गाँव में केवल यूरोपियन ही बोली जाती थी।

"मैं आपका अनुवादक हूं" उसने कैंडिडे को बताया "यह एक सराय है। चलिए हम लोग अन्दर चलें।" दो सेवकों और दो औरतों ने सब सोने के कपड़े पहन रखे थे और बालों में रिबन्स बाँधे थे। उनको बैठने को आमांत्रित किया। खाना चार प्रकार के सूपों का था। हर एक में दो तोते, दो बढ़िया स्वाद वाले भुने हुए बन्दर, तीन सौ चिड़ियाँ एक प्लेट में, और छः सौ प्लाई कैचर्स दूसरी में और नई प्रकार के तरकारियों में मिले गोश्त और पेस्ट्री वगैरह थीं। सब खाना एक प्रकार के बने पत्थर के बर्तनों में था। सेवक चारों

तरफ नाना प्रकार की शराबें, जो कि गन्ने से बनी थीं, बाँट रहे थे।

इसमें अधिकतर फेरी वाले और गाड़ी खींचने वाले शामिल थे। वे बहुत ही अच्छे व्यवहार के थे। उन्होंने ककांबो से कुछ चतुर प्रश्न किए और उसने प्रश्नों के उत्तर इच्छापूर्वक दिये।

खाने के बाद कैंडिडे और ककांबो ने दो बड़े सोने के टुकड़े जो कि उन्होंने उठा लिए थे, मेज पर यह सोचकर जमा कर दिए कि ये उनके खाने भर के मूल्य के हो जायँगे। जमींदार और उसकी बीवी हंसी से फूट पड़े। "हम यह अंदाज लगाते हैं कि तुम लोग अजनबी हो सज्जनों!" जमींदार ने कहा "हम लोग इसके आदी नहीं हैं। इसलिए हम लोगों को हंसने के लिए माफ करो, क्योंकि तुम लोग हमको सड़क के पत्थर दे रहे हो। तुम्हारे पास यहाँ के राज्य के सिक्के नहीं हैं, पर तुम्हें खाने के लिए देने को आवश्यकता नहीं।

व्यापारियों की सुविधाओं के लिए बनी सब सराएँ सरकार के व्यय पर चलती हैं। तुमने यहाँ पर खराब खाना खाया है, क्योंकि यह एक गरीब गाँव है, लेकिन और सब जगह आपका उचित सत्कार होगा।"

ककांबो ने इस सबका अनुवाद कैंडिडे को सुनाया, जिसका आश्चर्य और सम्मोहन उसके नौकर के आश्चर्य के समान था। "यह किस प्रकार का देश है?" ककांबो ने कहा "दुनियाँ के प्रत्येक भाग से रिश्ता तोड़ दो। जहाँ पर यहाँ जैसा हमारे बीच में हो रहा है कहीं नहीं होता।"

"शायद यही वह देश है जहाँ सब चीज़ें अच्छी होती हैं, क्योंकि कहीं तो ऐसा देश होना ही चाहिए, और, चाहे पैंग्लोस ने कुछ भी कहा हो, मेरा अनुभव है कि वेस्टफेलिया में किसी भी प्रकार प्रत्येक वस्तु अच्छी नहीं थी।"

: १८ :

इल डोराडो—२

ककांबो जमींदार से प्रश्नोत्तर तब तक करता रहा जब तक कि जमींदार ने यह न कहा "मैं सब से अधिक अनिभिज्ञ मनुष्य हूँ और ऐसा होने पर सन्तुष्ट हूँ।

पर हमारे यहाँ एक बूढ़ा आदमी है जो कि पहले दरबार में था, जो अधिक ज्ञानी है, और राजधानी में किसी से भी अधिक वाक्चतुर है। वह ककॉबो को—जिस के साथ कैंडिडे भी था और वह अपने दास को मित्र जैसा अभिनय करने पर संतुष्ट था—बूढ़े आदमी के घर ले गया।"

यह एक साधारण सा मकान था। द्वार केवल चांदी के बने थे। और दीवारों के निचले भाग केवल सोने के, लेकिन दोनों ही ऐसी कारीगिरी से बने थे कि अत्यधिक आकर्षक लगते थे। बाहिरी दालान सादे रूबी और इमराती पत्थरों का था, लेकिन इससे भी अत्यधिक सादगी टपकती थी।

बूढ़े आदमी ने आगन्तुकों को एक सोफे पर बिठाया, जो कि हमिंग चिड़ियों के परों से भरा हुआ था। उसके लिए जवाहिरातों के बर्तनों में शराब लाया और जिज्ञासा को सन्तुष्ट करने के लिए तैयार हुआ।

"मैं एक सौ बहत्तर वर्ष का हूँ।" उसने कहा "मेरे स्वर्गीय पिता ने, जो कि राजा के यहाँ ईक्वेरी थे, मुझे अमेजन की आश्चर्यजनक क्रांतियों के बारे में बताया जो कि उन्होंने आँखों से देखी थीं। यह राजधानी, जिसमें कि आप बैठे हैं, पुराने समय का इनकास का देश है, जो कि बहुत नादानी के कारण इस को छोड़ कर दूसरे शहर में चले गये और जो स्वयं भी इसपेनीयार्डों द्वारा तहस-नहस कर डाले गये।

"शाही राजकुमारों में से कुछ अधिक बुद्धिमान थे और वे अपनी मातृभूमि में ही रहे। तुर्क लोगों की अनुमति से यहाँ उन्होंने यह कानून बनाया कि कोई भी निवासी हमारी यह छोटी सी राजधानी कभी नहीं छोड़ेगा। हम इसके लिए अपनी अज्ञानता और खुशी के अभारी हैं।

"स्पेनी इस देश के बारे में कुछ स्पष्ट ज्ञान रखते थे, जिसको कि वह इल-डोराडो कहते थे, और एक अंग्रेज, एक नाइट जिसका नाम रैले था करीब सौ वर्ष पहले इसके बहुत निकट आया। लेकिन चट्टानों और ऊँचाइयों ने, जिससे कि हम घिरे हैं, हमें हमेशा यूरोपीय राष्ट्रों के आक्रमण से अभी तक बचाया है, जो कि हमारे देश के पत्थरों और धूल से बहुत ही आकर्षित हैं, जिस के लिए वे

हमारे आखरी मनुष्य तक को मार-डालेंगे।

इसके बाद एक लम्बी बात-चीत देश की भूतपूर्व सरकार, इसके रीति-रिवाज, स्त्रियाँ जनता की कला के बारे में हुई। कैंडिडे ने, अपनी अध्यात्मविद्या में रुचि के अनुसार ककांबो द्वारा यह पता लगाया कि उनके देश में कोई धर्म था या नहीं।

बूढ़ा आदमी जरा लाल सा हुआ "क्या तुम इसमें शक कर सकते हो?" उसने कहा "क्या तुम हमें असभ्यय समझते हो?"

कैंडिडे ने आदर पूर्वक पूछा, "इलडोराडो का क्या धर्म है", और बूढ़ा मनुष्य लाल हो गया "तब क्या दो धर्म भी होते हैं? हम लोग, मैं समझता हूँ, वही धर्म मानते हैं जो कि सारी दुनियाँ मानती है। हम लोग भगवान् को पूजा सुबह से शाम तक करते हैं।"

"क्या आप एक परमात्मा को पूजते हैं?" ककांबो ने उसके अनुवाद का अभिनय करते हुए पूछा।

"अवश्य! हमारे यहाँ दो, तीन, चार भगवान् नहीं हैं। मैं यह कहूँगा कि तुम्हारे संसार के मनुष्य अजीब सवाल पूछते हैं।"

जो कुछ भी हो, कैंडिडे अपने प्रश्न पूछता गया। उसने पूछा, "इलडोराडो में मनुष्य किस प्रकार पूजा करते है?"

"हम लोग बिल्कुल पूजा नहीं करते। हम लोगों को भगवान् से कुछ नहीं माँगना है। उसने हम लोगों को वह सब दिया है जो हम चाहते हैं और हम उसे हमेशा धन्यवाद देते हैं।"

फिर कैंडिडे ने पूछा कि उसको उस देश के पुजारी कहाँ मिलेंगे? बूढ़ा मुस्कराया "मेरे दोस्तों" उसने कहा" हम सब पुजारी हैं। राजा और प्रजा के मुख्य अधिकारी हर सुबह धन्यवाद के भजन मिलकर गाते हैं।

"तब आप क्या शिक्षा देने, तर्क करने, राज्य करने, संघर्ष करने और जो उनसे मतभेद करते हैं उनको जताने के लिये मांक्स नहीं हैं?"

"क्या आप हमें पागल समझते हैं? हमारे बीच में कोई मतभेद नहीं हैं, मैं नहीं समझता कि आपका मांक्ष से क्या मतलब है !"

कैंडिडे प्रसन्न हुआ "यह वेस्टफेलिया से बहुत भिन्न है" उसने सोचा, "और राजा की गढ़ी से भी। अगर पैंग्लौस ने कभी भी इलडोराडो को देखा होता तो वह यह कभी न कहता कि थन्डर-हेन-ट्रांक की गढ़ी संसार में सर्वोत्तम वस्तु है। संसार देखने से बढ़कर और कोई चीज़ नहीं है, यह निश्चय है।"

बात-चीत के अन्त में बूढ़े ने यात्रियों के लिए एक छः भेडों द्वारा खींची जाने वाली गाड़ी मँगाई। जिसके साथ बारह दास थे, जो उनको दरबार लेजाने के लिए थे। "मुझे क्षमा कीजिए।" उसने कहा "मेरी उम्र आप लोगों का साथ देने के सौभाग्य से वंचित रखती है। राजा आप लोगों का उस प्रकार स्वागत करेगा जो कि आप को बिल्कुल बुरा नहीं लगेगा। अगर देश के कुछ रिवाज आपको पसंद न आयें तो, आशा है आप उनका बुरा न मानेंगे।"

छः भेड़ें उनको बड़े वेग से ले गये। और चार घंटे से पहले ही ककांबो और कैंडिडे शाही महल में पहुँच गये। द्वार दो सौ बीस फुट ऊँचा और सौ फुट चौड़ा था। जिन चीज़ों का यह बना था उसका वर्णन करना कठिन है। यह अनुमान किया जा सकता है कि जो कुछ भी हो यह उन पत्थरों और बालू से कहीं अधिक मूल्यवान था जिसको यूरोप में सोना और जवाहिरात कहते हैं।

गाड़ी छोड़ने पर ककांबो और कैंडिडे का बीस खूबसूरत दासियों ने, जो प्रतीक्षा कर रही थीं, स्वागत किया। वे उनको नहाने और हमिंग चिड़ियों के निचले भाग के बने कपड़ों की ओर लेगयीं। तब वे दोनों लिंगों के बड़े अफसरों द्वारा राजा के पास ले जाये गये। तब वे गायकों की दो कतारों के बीच से जिनमें हर एक में एक हज़ार आदमी थे, ले जाये गये। यह स्थानीय रीति के अनुसार था।

जब वह उपस्थित होने के कमरे में पहुँचे तो ककांबो ने एक अफ़सर से राजा

की अभिवादन करने का तरीका पूछा। क्या उनको घुटने टेकना चाहिए था, या सीधे पेट के बल लेटना चाहिए। क्या उनको अपने हाथ सिर के ऊपर रखने चाहिएँ या पीछे, संक्षेप में क्या रीति थी ?

"यह कायदा है" अफसर ने कहा "कि राजा को आलिंगन करो और उसके दोनों गाल चूमों।" केंडिडे और ककांबो ने यही किया और उनका राजा ने बड़ा आदर किया और अपने संग खाने पर आमंत्रित किया।

इसी बीच में उनको शहर दिखाया गया। जनता के मकान बादल को छूते मालूम पड़ते थे। बाज़ार हज़ारों द्वारों से सजे थे, चौराहों पर साफ़ पानी गुलाब-जल, गन्ने की शराबों के फुव्वारे छूट रहे थे, जो कि जवाहिरातों से जड़े थे; इत्र की तरह खुशबू दे रहे थे।

केंडिडे ने न्यायालय और लोक-सभा देखने के लिए कहा। उसे ज्ञात हुआ कि वहाँ ऐसी कोई वस्तु नहीं थी, और इलडोराडो में कोई कानून नहीं था। उसने पूछा कि वहाँ कोई कैदखाना है और उसे मालूम हुआ कि ऐसा वहाँ कुछ नहीं था। इसने उसे और चकित और हर्षित कर दिया। वहाँ विज्ञान का भवन था, जहाँ उसने दो हज़ार गज लम्बी एक गैलरी देखी जो कि गणित और विज्ञानों के औज़ारों से भरी थी।

दोपहर तक उन्होंने शायद शहर का हज़ारवाँ भाग देखा। तब वे वापस महल ले जाये गये। जहाँ पर वह राजा और कई महिलाओं के संग मेज़ पर बैठे। दावत बहुत बढ़िया थी, और राजा भी बड़ा हँसमुख था। ककांबों ने उसके मज़ाकों का अनुवाद किया, जेसा कि केंडिडे ने आश्चर्य से देखा बड़े ही चतुरतापूर्ण थे।

उन्होंने राजा के अतिथि की हैसियत से एक महीना गुजार दिया और केंडिडे ने ऊबना शुरू कर दिया। "मैं मानता हूँ" उसने ककांबो से कहा, "जिस गढ़ी में मैं पैदा हुआ था वह इसके बिल्कुल बराबर नहीं है, लेकिन जब सब हैं, क्यू-नीगांदे यहाँ नहीं है, और तुम्हारी भी यूरोप में बेशक कोई प्रेमिका है। अगर हम यहाँ रहेंगे तो केवल दूसरे निवासियों की तरह होंगे, जब कि हम लोग यूरोप में

केवल कुछ दर्जन लदी हुई भेड़ों के साथ इलडोराडो के पत्थर लेकर लौटने पर यूरोप के सब राजाओं से अधिक अमीर हो जायेंगे। हम लोगों को खोज की भी चिन्ता नहीं रहेगी। और हम लोग जल्द ही क्यूनिगांदे को खोज लेंगे।

कक्कांबो राज़ी हो गया। स्वतंत्र इधर-उधर जाने की इच्छा ने, अपने ही लोगों के बीच बड़ा बनने के लिए, और अपनी यात्राओं की कहानियों को बताने के लिए, इन भाग्यशाली व्यक्तियों को अपना अच्छा भाग्य छोड़ने पर विवश कर दिया। उन्होंने राजा से जाने की अनुमति माँगी।

"तुम बेवक़ूफी कर रहे हो "राजा ने कहा" मैं जानता हूँ कि देश बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन जब मेरे महल में कोई आराम से है तो उसे यहीं रहना चाहिए। मैं सचमुच आगंतुकों को रोकने का अधिकारी नहीं हूँ। यह हमारे जीवन के नियमों के विरुद्ध है और हमारे कानूनों, के दोनों के विरुद्ध होगा। सब मनुष्य स्वतंत्र हैं—जब तुम्हारी इच्छा हो जाओ।

लेकिन तुम इसको आसान नहीं पाओगे। जिस तेज़ नदी से तुम आश्चर्य-पूर्वक आये हो उसके बहाव के भीतर चढ़ना या चट्टानों से बने हुए ट्यूनल से निकलना असम्भव है, और पृथ्वी। पहाड़ जो कि मेरी समस्त राजधानी को घेरे हैं, दस हजार फीट से ऊँचे हैं और दीवारों के समान ढालू हैं। एक तरफ से दूसरी ओर तक उनमें रास्ता दस लीग का है; और दूसरी तरफ का ढाल ऊँची ऊँची चोटियों से भरा है।

कुछ भी हो जब तुम हम लोगों को छोड़ने पर तुले हो, तो मैं अपने मशीनों के सुपरिंटेंडेंट को तुम्हारी सहायता के लिए कह दूंगा। जब तुम इसके आगे हो जाओगे तब मेरा कोई भी आदमी तुम्हारे साथ न होगा, क्यों कि हम लोगों ने सीमा न पार करने की शपथ ली है और इसके तोड़ने के लिए हम राज़ी नहीं हैं। और जो चीज़ तुम माँगोगे तुम को मिल जायगी।"

"जो हम लोग आपसे मांगते हैं," कैंडिडे ने कहा, "वह है कुछ भेड़ों के साथ आपके देश की मिट्टी और पत्थर।"

राजा मुस्कराया, "मैं सोच नहीं सकता कि तुम यूरोपियनों को हमारी पीली मिट्टी क्या आनन्द देती है ? लेकिन जितनी ले जा सकते हो ले जाओ और यह तुम्हारा बहुत फायदा कर सकेगी।"

राजा की आज्ञा पर, उसके इंजीनियरों ने एक मशीन इन दो असाधारण व्यक्तियों को राजधानी से जाने के लिए बनाई। इसको तीन सौ इंजीनियर पंद्रह दिन में बना पाये, जिसकी कीमत में उस देश के सिक्कों के अनुसार तीस करोड़ स्टरलिंगपौण्ड लगे। कैंडिडे और ककांबो एक मशीन में बिठाल दिए गये और साथ में दो बड़ी लागत से सुसज्जित लाल भेड़ उनको पहाड़ पार करा देने के बाद लेजाने के लिए दीं, बीस भेड़ें पत्थरों से लदीं हुई, तीस उस देश की कलात्मक वस्तुओं की भेड़ें, सोना हीरे और उसे अभूषणों से लदी थीं।

जब वे और उनकी भेड़ें कुशलतापूर्वक पहाड़ों के पार हो गये तो इंजीनियरों ने उनसे विदा ली। कैंडिडे अपनी भेड़ों को क्यूनिगांदे को देने के विचारों में मग्न था "अब हम लोग ब्यूनस आयर्स के गवर्नर को सब कुछ अदा करने को तैयार हैं।" उसने कहा, "वह क्युनिगांदे को किसी भी शर्त पर छोड़ने को तैयार होगा। हम लोग सारनें चलें और वहाँ से एक जहाज़ लें और तब हम देखेंगे कि हम कौन सी राजधानी खरीद सकते हैं ?"

: १६ :

डच जहाज़ का स्वामी

पहले दिन की यात्रा आनन्ददायक थी क्योंकि दोनों यात्री यह सोच कर प्रसन्न थे कि उनके पास एशिया, यूरोप और अफ्रीका तीनों की इकट्ठी संपत्ति से अधिक संपत्ति थी। मधुर स्वप्नों में खोये हुए कैंडिडे ने पेडों पर क्यूनिगांदे का नाम खोद दिया।

दूसरे दिन उनकी दो भेंड़ें दल दल में अपने बोझ सहित धंस गईं। दो

और कुछ दिन बाद थकान के कारण मर गयीं। इसी तरह सात या आठ रेगिस्तान में भूख से मर गयीं और कुछ उदास होकर गिर पड़ीं। सौ दिन की यात्रा के पश्चात् उनके पास दो भेड़ें बचीं।

"मेरे मित्र! तुम देखते हो" केंडिडे ने ककांबो को बताया "यह धन कितना नाशवान है। सिवाय पवित्रता के और कुछ नहीं बचता और सिर्फ क्यूनिगांदे को फिर देखने की लालसा।"

"बेशक" ककांबो ने कहा "लेकिन तब भी हम लोगों के पास दो भेड़ें बची है, जो कि स्पेन के राजा से अधिक धन रखती हैं और आगे में एक जो कि मेरे खयाल से सूरी नामक डच बस्ती है। हम लोग अपनी कठिनाइयों के अन्त और खुशियों के आरम्भ में हैं।

शहर के पास उनको जमीन पर एक हब्शी लेटा मिला। वह केवल एक नीली लिनन की ब्रिजिश पहने था और उसकी बाँयी टाँग और दाहिना हाथ काट डाला गया था।

"मेरे परमात्मा" केंडिडे ने डच भाषा में कहा "इस दयनीय अवस्था में तुम यहाँ कौन हो मित्र?"

"मैं अपने स्वामी मिन हियर वानडेरेन्डर एक बड़े व्यापारी की प्रतीक्षा कर रहा हूं।" हबशी ने कहा।

"क्या यह वही है जिसने तुम को ऐसा कर दिया है?"

"हाँ जनाब यह यहाँ का रिवाज है। वे हमको साल में केवल दो बार एक जोड़ा लीनन की ब्रिजिस देते हैं। जब हम शक्कर-मिल में काम करते हैं और मशीन से उंगली कट जाती है तो वह एक हाथ काट देते हैं। जब हम भागने का प्रयत्न करते हैं तो वे एक टाँग काट देते हैं। मैंने इन दोनों दुर्भाग्यों का सामना किया है। यह आप लोगों के योरुप में शक्कर खाने का मूल्य है।"

लेकिन यह सोचना बड़ा आश्चर्यजनक है कि जब मेरी माँ ने मुझे गिनी-कोस्ट पर लाकर बेचा था तो उसने मुझ से कहा, "प्यारे बच्चे! हमारी

फेटिशस को हमेशा दुआएँ दो और उनको हमेशा पूजो। वह तुमको हमेशा प्रसन्न रखेंगे। तुम्हें हमारे लार्ड अंग्रेज के पास दास होने का गौरव प्राप्त है और तुम अपने माता-पिता का भाग्य बना रहे हो। अफसोस! मैं नहीं जानता कि मैंने उनका भाग्य बनाया कि नहीं पर उन्होंने मेरी तकदीर बनादी है। कुत्ते, बन्दर और तोते हज़ार बार मुझसे कम दुर्भाग्यशाली हैं! डच फेटिशस, जिन्होंने मेरी यह दशा की है, हर इतवार को यह बताते हैं कि प्रत्येक आदमी काले और सफेद आदमी का बच्चा है। मैं वंशक्रम विज्ञान के बारे में कुछ नहीं जानता, लेकिन अगर यह उपदेश देने वाले सत्य हैं तो हम लोग सब पहले भाई हैं— और तुम को यह मानना चाहिए कि हम से कोई और इससे अधिक भयानकता पूर्वक नहीं व्यवहार कर सकता—"

"आह पैंग्लौस!" कैंडिडे चिल्लाया "तुमने कभी ऐसे अत्याचार का अनुमान नहीं किया। यह अन्त है। मुझे तुम्हारे आशावाद को अवश्य त्याग देना चाहिए।"

"आशावाद" ककांबो ने कहा, "यह क्या होता है? यह प्रत्येक वस्तु को अच्छा कहने का पागलपन है, जब कि वह एक खराब वस्तु है। "कैंडिडे ने फिर हब्शी की ओर देखा और आँसुओं में फूट पड़ा और इस प्रकार रोते हुए सूरी ग्राम में प्रवेश किया।

उन्होंने तत्काल पता लगाया कि वहाँ बंदरगाह पर कोई जहाज़ था। जो कि ब्यूनस आयर्स जा सके। वह आदमी जिससे वे बोले, भाग्य से एक स्पेनी जहाज का स्वामी था, जिसने कुछ तर्क पूर्ण शर्तें रखीं और उनसे एक सराय में मिलने को तै किया। कैंडिडे और ककांबो अपनी दोनो भेंडों को साथ लेकर उस सराय में उसकी प्रतीक्षा करने के लिए गये।

जब वे मिले तो कैंडिडे ने, जो कि हमेशा अपने दिमाग़ की बात साफ़-साफ़ कह देता था, उस स्पेनी को अपनी यात्रा के बारे में बताया और उससे क्यूनिगांदे को भगा लाने का इरादा प्रकट कर दिया।

"इस स्थिति में मैं तुमको ब्यूनसआयर्स स्वप्न में भी ले जाने की न सोचूंगा" जहाज़ के स्वामी ने कहा "मैं और तुम दोनों फाँसी परलट का दिये जायेंगे। खूबसूरत

क्यूनिगांदे ब्यूनसआयर्स के गवर्नर की सबसे चाहती औरत है।"

कैंडिडे इस समाचार पर बहुत दुखित हुआ और बहुत देर तक रोया। तब वह ककांबो को एक ओर ले गया। "मैं तुम को बताऊँगा तुम्हें क्या करना चाहिए मेरे मित्र," उसने कहा "हम दोनों के पास जेबों में जवाहिरात हैं जिनमें पाँच या छः करोड़ का धन है। तुम मुझ से अधिक चतुर हो। तुम ब्यूनस आयर्स जाओ और क्यूनिगांदे को लाओ। अगर गवर्नर कोई आपत्ति करता है तो उसे एक करोड़ दे-दो। यदि रोकता है तो दो करोड़ दे-दो। तुमने किसी इंक्विज़िटर को मारा नहीं है, इसलिए उनके पास तुम्हारे खिलाफ कुछ नहीं है।"

"मेरे संबन्ध में, मैं वेनिस जाने के लिए एक दूसरा जहाज़ तय कर लूंगा और वहाँ जाकर तुम्हारी प्रतीक्षा करूंगा। वेनिस एक स्वतंत्र देश है, जहाँ हमें बल्गेरियनों, अबेरियनों या जिऊज या इंक्विज़िटर्स से डरने को कोई बात नहीं है।"

ककांबो इस प्रस्ताव से पूर्णतया सहमत हुआ। वह एक अच्छे स्वामी से अलग होने पर दुःखित था, जो कि उसका घनिष्ट मित्र हो चुका था, लेकिन उसकी सेवा करने के हर्ष ने उसके दुःख को कम कर दिया। वह उसी दिन चल दिया और उसी दिन कैंडिडे ने उसे फिर बूढ़ी औरत को न भूलने को याद दिला दिया। ककांबो एक बहुत सज्जन आदमी था।

कैंडिडे कुछ समय बाद तक सूरी नाम में दूसरे कप्तान की प्रतीक्षा में उसको और अपनी दो भेड़ों को इटली ले जाने के लिए ठहरा रहा। उसने नौकर रखे और लम्बी यात्रा के लिए उसको जो कुछ आवश्यक था उसने खरीदा। आखिरकार व्यापारी मिनहियर वानडिरिन्डर ने, जो कि उस बड़े जहाज़ का स्वामी था, उसको अपनी सेवायें प्रदान कीं।

"तुम क्या लोगे?" कैंडिडे ने कहा "मुझे ले जाने के लिए, मेरे नौकरों मेरा सामान और इन दो भेड़ों को सीधे बेनिस ले जाने के लिए?" जहाज के स्वामी ने दस हज़ार पायस्ट्रेज माँगे और कैंडिडे तुरन्त राज़ी हो गया।

"हो, हो" वान्डिरेन्डर ने सोचा "यह विदेशी अवश्य ही बहुत धनी होगा।" थोड़ी देर बाद वह फिर वापिस आया और कहा कि बीस हज़ार से कम पर नहीं चलेगा। "बहुत अच्छा तुम को ये मिलेंगे।" कैंडिडे ने कहा।

"आश्चर्य है?" जहाज़ का स्वामी बुदबुदाया। दूसरी बार लौट कर आने पर उसने मूल्य तीस हजार पायस्ट्रेज़ तक बढ़ा दिया। "तुम को वही मिलेंगे" कैंडिडे ने कहा।

"हो, हो" डच आदमी ने फिर सोचा, "तीस हज़ार पायस्ट्रेज़ इस आदमी के लिए कुछ नहीं हैं। ये भेड़ें अवश्य ही किसी बड़े खजाने से लदी होंगी। मैं उससे इस समय कुछ नहीं माँगूंगा, लेकिन उससे पहले तीस हज़ार देने के लिए कहूँगा और फिर हम देखेंगे।"

"कैंडिडे ने दो हीरों को बेच दिया, उनमें से छोटे का मूल्य जितना जहाज़ के स्वामी ने माँगा था उस सब के बराबर था और उसे पेशगी में अदा कर दिया। दोनों भेड़ें जहाज़ पर लाद दी गईं और कैंडिडे ने जहाज़ के साथ छोटी नावें जहाज़ को सड़कों से मिलाने के लिए रख लीं। जहाज़ के स्वामी ने उचित समय देख कर मस्तूल फहरा दिए और समुद्र में पन्नु की हवा में चल दिया।

सम्मोहित और ठगे से कैंडिडे को जल्दी ही जहाज़ दिखाई देना बन्द हो गया। "अफ़सोस" वह चिल्लाया। "यह चालाकी उस संसार के लायक है जहाँ कि मैं लौट रहा हूँ।" दुःख से भारी हो कर वह किनारे पर भाग आया। उसने बीस राजाओं के बराबर धन खो दिया था।

उसका दूसरा कार्य डच-मजिस्ट्रेट से मिलना था। कुछ गुस्से में होने के कारण उसने दर्वाज़े को जोर से खटखटाया और अपना सब किस्सा वर्णन करते समय आवश्यकता से अधिक ज़ोर से बोला। मजिस्ट्रेट ने इतना शोर मचाने पर दस पाइस्ट्रेज फाइन कर दिया; जिसके बाद उसने धैर्यपूर्वक सुना और उससे व्यापारी के लौटने के तुरन्त बाद ही मामले पर छान-बीन करने का वचन दिया और फिर दस हज़ार पायस्ट्रेज उसने उसकी बात सुनने के मूल्य में लीं।

इस व्यवहार ने कैंडिडे को घोर निराशा में डाल दिया। उसने अपने जीवन में इससे अधिक दुर्भाग्य का सामना न किया था, लेकिन मजिस्ट्रेट का अनादर पूर्वक व्यवहार, जहाज़ स्वामी की शत्रुता को भी पार कर गया। और उसके क्रोध को दूना कर दिया और वह घोर दुःख में डूब गया। मनुष्य की धोखेबाज़ी उसके सम्मुख प्रत्यक्ष आ चुकी थी और वह निराशा के विचारों से भर गया।

थोड़ी देर बाद उसको पता लगा कि एक फ्रांसीसी जहाज़ बोरडियूक्स जाने वाला था, जब कि उसके पास कोई भी भेड़ हीरों से लदी हुई न थी, उसने मुनासिब दामों पर एक केबिन खरीद लिया। उसने यह इश्तहार भी शहर में निकलवा दिया कि वह किसी भी ईमानदार आदमी को, जो कि उसकी यात्रा में साथ देगा, जाने का खर्च, जहाज में रहने का खर्च और दो हज़ार पायेस्ट्रेज देगा, लेकिन एक शर्त के साथ कि वह आदमी प्रान्त में सब से अभागा और अपने भाग्य से सबसे असंतुष्ट हो।

उम्मीदवारों की भीड़, जिन्होंने अपने को अर्पण किया, पूरे जहाज़ी बेड़े में जाने वालों से अधिक थी। भीड़ को कम करने की वजह से उसने बीस आदमियों को, जो सबसे अधिक ग़रीब प्रतीत हुए, अपनी सराय में खाने को निमंत्रित किया। उसने आग्रह किया कि उनमें से हर एक अपनी सच्ची जीवनी सुनाये। जब कैंडिडे ने वचन दिया कि वह उस आदमी को अपना साथी चुनेगा जो इसका सबसे अधिक पात्र होगा। उसने सब दूसरों को भी छोटी भेंट देने की प्रतिज्ञा की।

सारा दौर सुबह बारह बजे समाप्त हुआ। कैंडिडे को ब्यूनस आयर्स की यात्रा पर जो बुढ़िया ने कहा था उसकी याद आगई। जब कि उसने बताया था कि जहाज पर प्रत्येक आदमी ने किसी बड़े दुर्भाग्य का सामना किया था। जैसे-जैसे हर एक कहानी कही गई उसने अपने मन में सोचा पैंग्लौस के लिए इस बात को सत्यता देना कठिन होता, क्योंकि अवश्य ही अगर प्रत्येक वस्तु अच्छी है तो वह केवल इलडोराडो में हो सकती है, और कहीं नहीं।

कैंडिडे ने आखीर में एक विद्यार्थी को चुना, जिसने अमेस्टर्डम पुस्तक प्रकाशकों के यहाँ दस वर्ष काम किया था—कोई भी नौकरी उसने बताया कि उससे अधिक दुःखदायी नहीं हो सकती। यह विद्यार्थी जो कि एक अच्छी प्रकृति का आदमी था, अपनी स्त्री द्वारा लूट लिया गया था, अपने पुत्र द्वारा पीटा गया और पुत्री द्वारा तलाक दे दिया गया था, जो कि एक पुर्तगाली के साथ भाग गई। उसने वह अपनी छोटी सी नौकरी जिससे वह निर्वाह करता था, खो दी थी, और सूरी नाम के पादरियों द्वारा, जो कि उसको एक सोसिनियन समझते थे, दंडित किया जा रहा था।

यह भी मानना पड़ेगा कि प्रत्येक दूसरा उम्मीदवार कम-से-कम इसके समान अभागा अवश्य था। कैंडिडे का उसे चुनने का असली कारण यह था कि पढ़ा लिखे होने के नाते वह यात्रा की कठिनाइयों को दूर कर सकता था। और सब दूसरे उम्मीदवारों ने सोचा कि कैंडिडे उनके साथ अन्याय कर रहा था, लेकिन उसने उनको एक हज़ार पायस्ट्रेज देकर संतुष्ट किया।

: २० :

मैनीकियन मार्टिन

कैंडिडे और उस बूढ़े विद्यार्थी, जिसका नाम मार्टिन था, दोनों ने इतना दुःख सहा था कि अगर जहाज़ सूरी नाम से जापान की तरफ जाता हुआ केप आफ गुड होप द्वारा जाता तब भी नैतिक और शारीरिक बुराइयों का विषय उनको पूरी यात्रा भर तक बातों में व्यस्त रख सकता था।

कैंडिडे को मार्टिन से एक बडा लाभ था कि वह अब भी क्यूनिगांदे को देखने की आशा करता था जबकि मार्टिन के सम्मुख कुछ भी आशा के लिए न बचा था। कैंडिडे के पास बहुत धन और आभूषण थे। हालांकित उसने संसार के सब खजाने से बढ़ कर धन की लदी हुई अस्सी भेड़ें खो दी थीं। वह अभी तक डच जहाज के स्वामी की शैतानी पर क्रुद्ध था, तब भी वह जो कुछ भी उसको

जेब में बचा था उसके बारे में सोचता था, या क्यूनिगांदे के बारे में बातें करता था; अधिकतर रात के खाने के बाद—वह पैंग्लोस की डाक्टरनी के सम्बन्ध में बातें करना चाहता था।

"मुझे बताओ, मि० मार्टिन," उसने कहा, "इस सारे मामले में तुम्हारी क्या राय है ? तुम्हारा शारीरिक और नैतिक बुराइयों के बारे में क्या दृष्टिकोण है ?"

"जनाब, पादरी ने मुझे सोसीनियन होने के लिए अभियुक्त ठहराया है। पर सत्य यह है कि मैं एक मैनीकियान हूँ।"

"सचमुच ही तुम हास्य कर रहे हो। आजकल कोई भी मेनिकियान बाकी नहीं बचा है।"

"मैं यहाँ हूँ। मैं इससे हट नहीं सकता। मैं कोई और विश्वास धारण नहीं कर सकता।"

"तब तुम में अवश्य ही मानवीय अंश होगा।"

"शायद वह है। वह सांसारिक व्यवहारों में इतना विघ्न डालता है कि वह मेरे शरीर में उतना ही होगा जितना कि कहीं और। मैं मानता हूँ कि जब मैं इस पृथ्वी के बारे में सोचता हूँ या पृथ्वी के किसी भाग के बारे में विश्वास करता हूँ कि भगवान् ने इसको—सिवाय इलडोराडो के—किसी नीच जीव को दे दिया है।"

"मैंने मुश्किल से ऐसा कोई शहर देखा होगा जो कि अपने पड़ौसी की बर-बादी न चाहता हो, न कोई ऐसा परिवार जो पड़ौस के परिवार का बुरा न चाहता हो। हर जगह अशक्त शक्तिशाली से घृणा करते हैं, और शक्तिशाली कमज़ोरों से भेड़ों की तरह व्यवहार करते हैं। उनका ऊन और उनकी मृत देह बेचते हैं।"

"एक करोड़ फौजों ने कत्लेआम द्वारा योरोप को साफ़ किया है और अपनी जीविका के अधिकार हत्याओं से कमाये हैं, क्योंकि यह सबसे अधिक शानदार व्यापार माना जाता है।"

"शहरों में भी जो शांत प्रतीत होते हैं, जहाँ कला विकसित होती है, मनुष्य शत्रुता के साथ, एक शहर जो कि आत्मसमर्पण करता है, उसे भी बुरे तरीके से खाया जाता है। गुप्त षड्यंत्र खुली मुसीबतों से भी अधिक कटु होती है। संक्षेप में, मैंने इतना देखा और अनुभव किया है, मैनीकियान होने के नाते।"

"तब भी दुनियाँ में कुछ अच्छाई है।"

"सम्भव है, पर मैंने कभी नहीं देखी।"

यह वाद-विवाद, बन्दूक की ध्वनि के द्वारा, जो तेज होती गई, खंडित हो गया। अपने चश्मों को निकालते हुए उन्होंने दो जहाजों को लड़ते देखा, करीब तीन-तीन मील की दूरी से हवा उन जहाज़ों को फ्रांसीसी जहाज़ों के इतने निकट ले आई कि उस पर बैठे लोग आसानी से देख सकते थे। यह तब समाप्त हुई जब कि एक जहाज़ ने दूसरे को अपने अचूक निशाने से समुद्र के धरातल में भेज दिया। कैंडिडे और मार्टिन डूबते जहाज के चीखते और भयभीत लोगों को साफ़ देख सकते थे।

"अच्छा" मार्टिन ने कहा "तुमने देखा कि आदमी दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करता है?"

"वह सत्य है, इस कार्य में अमानुषिकता है।"

जब कैंडिडे बोल रहा था तो उसने जहाज़ के पास किसी तेज़ लाल चीज़ को चमकते देखा। लम्बी नाव, यह क्या है, इसकी खोज के लिए तैरा दी गई। यह कैंडिडे की भेड़ों में से एक थी। कैंडिडे ने इस एक जानवर को पाकर उन अस्सी भेड़ों के खो जाने के दुःख से अधिक प्रसन्नता का अनुभव किया, जो कि इलडोराडो के खजानों से लदी थीं।

फ्रांसीसी कप्तान ने बताया कि विजयी जहाज़ एक स्पेनी था और दूसरा एक डच समुद्री डाकुओं का। इसका कप्तान असल में वही था जिसने कैंडिडे को लूटा था। इस प्रकार वह अपार धन जो वह लाया था उसके साथ समुद्र में समा गया।

"तुम देखो," कैंडिडे ने कहा, "कि कभी-कभी अपराध भी अपनी सज़ा पा जाता है। डच कप्तान को वही भाग्य प्राप्त हुआ जिसके वह योग्य था।"

"हाँ, लेकिन जहाज़ के दूसरे यात्री क्यों बरबाद हों?" परमात्मा ने उस बद-माश को भले ही सजा दी हो, परन्तु उस लुटेरे ने दूसरों को भी डुबा दिया।"

फ्रांसीसी और स्पेनी जहाजों ने अपनी यात्रा जारी रखी और कैंडिडे व मार्टिन ने अपना विवाद जारी रखा। करीब पन्द्रह दिन तक वे बहस करते रहे और अन्त में वे वहीं पर थे जहाँ बहस आरम्भ हुई थी। जो कुछ भी हो, खास बात यह थी कि उन्होंने एक विचार-विनिमय किया और इसमें उन्होंने अपने दुःखों के लिए ढाढ़स पाया।

कैंडिडे ने बार-बार अपनी भेड़ को आलिंगन किया "जब कि मैंने तुमको दुबारा प्राप्त कर लिया है" उसने उससे कहा "मैं क्यूनिगांदे को भी फिर पा सकता हूं।"

: २१ :

मनुष्य की प्रकृति

"क्या तुम कभी फ्रांस में रहे हो, मि० मार्टिन ?" कैंडिडे ने पूछा। ये लोग तट के निकट ही थे।

"हाँ, मैं उसके कई प्रान्तों से गुजरा हूं, कुछ में आधे निवासी पागल हैं, कछ दूसरों में बहुत कलाकार हैं, कुछ अधिकतर सादे और बुद्धू हैं और कुछ चालाक होने का अभिनय करते हैं। जो कुछ भी हो सब का मुख्य पेशा प्रेम करना है, दूसरा झूठी बातें कहना और तीसरा बेवकूफ़ी की बातें करना।"

"लेकिन क्या तुमने पेरिस देखा है मि० मार्टिन ?"

"हाँ, मैं वहाँ रह चुका हूं। वहाँ पर उस सब प्रकार के लोग हैं जिनका मैंने वर्णन किया है, यह नरक है, जहाँ प्रत्येक आनन्द खोजता है, और जहाँ तक मैंने पाया है शायद ही कोई इसे पाता है।"

"मेरे वहाँ पहुँचने पर मेरा सारा धन जेबकतरों द्वारा सेंट जर्मन के मेले में लूट लिया गया। मैं स्वयं एक चोर की तरह कैद कर लिया गया और एक हफ्ते तक जेल में रहा। उसके बाद मैंने एक प्रकाशक के प्रूफरीडर का काम हालैंड तक वापस पैदल लौटने तक के लिए किया। मैं सब लापरवाही से लिखने वालों, गुप्त धार्मिक षड्यंत्रकारियों, और धार्मिक जंपिंग जैम्स[1] को जान गया। कुछ लोग बहुत नम्र कहे जाते हैं। मैं इसमें विश्वास करूँगा।"

"मेरे सम्बन्ध में," कैंडिडे ने कहा, "मैं फ्रांस नहीं देखना चाहूँगा। जैसा कि तुम अनुमान लगा सकते हो कि इलडोराडो में एक मास तक रहने के बाद संसार में देखने योग्य कोई भी वस्तु नहीं रहती, जिसको मैं देखना चाहूंगा--मिस्ट्रेस क्यूनिगांदे को छोड़कर। मैं उसके लिए वेनिस में प्रतीक्षा करने के लिए जा रहा हूँ, और फ्रांस से इटली जाते हुए गुजरूँगा। क्या तुम मेरे साथ नहीं चलोगे?"

"प्रसन्नता से, मैंने सुना है कि वेनिस में धनियों का जीवन ही सुखकर है। लेकिन यात्री, जिनके पास काफी धन है, उनका वे काफी स्वागत करते हैं। मेरे पास कुछ नहीं है, लेकिन तुम्हारे पास है, और मैं तुम्हारा अनुसरण करूँगा, जहाँ भी तुम जाओगे।"

"क्या तुम विश्वास करोगे कि पृथ्वी आरम्भ में समुद्र थी, जैसा कि कप्तान की बड़ी किताब में लिखा है?"

"यहाँ पर मैं इस प्रकार की किसी भी बात में उससे अधिक विश्वास नहीं करता जितना दूसरी कल्पनाओं में, जो हमारे ऊपर शताब्दियों से लाद दी गई हैं।

---

[1] फ्रांसीसी भाषा में, 'ला कैनिले कनवल्जनरे।' कनवल्जनरे लुईस १५ वाँ के राज्य में जैनसेनिस्ट्स के एक ग्रुप को दिया गया नाम था, जो कि समय-समय पर आधुनिक समय के हब्शी होली रोलर्स के समान धार्मिक फ़िट्स में खो जाते थे।

"लेकिन तुम्हारे अनुसार संसार के निर्माण का ध्येय क्या था ?"

"हमारे मस्तिष्क पलट देने के लिए।"

"क्या तुम उन दोनों लड़कियों की, जिनके दो बंदर प्रेमी थे, कहानी सुन कर आश्चर्य में नहीं पड़ गये थे ?"

"बिल्कुल भी नहीं। मैं ऐसे बेवकूफी के प्रेमों को कोई नई बात नहीं समझता। मैंने इतनी असाधारण चीजें देखी हैं कि अब कोई भी चीज मेरे लिए असाधारण नहीं है।"

"क्या तुम समझते हो कि मनुष्य हमेशा से ही एक दूसरे की हत्या करता था जैसी आज करता है ?"

"क्या वह हमेशा असत्यवादी, धोखेबाज, दगाबाज़ हत्यारा, अशक्त, कंजूस, डरपोक, ईर्ष्यालु, शराबी, कसाई, खूनी, अत्याचारी, सनकी, बनावटी और बेवकूफ था।"

"क्या तुम समझते हो कि बाज हमेशा हर झोंके पर कबूतर को मार खाते रहे हैं ?"

"बेशक।"

"अच्छा बाज़ अगर हमेशा वैसे रहे हैं, तो आदमी को बदलने की आवश्यकता क्या थी ?"

"आह, लेकिन यहाँ बहुत फर्क है, क्योंकि स्वतन्त्र इच्छा......"

वे जब बारड्येक्स पहुँचे तब भी वादविवाद कर रहे थे।

: २२ :

पेरिस में एक धनी अजनबी

कॅंडिडे बोरड्येक्स में केवल इतनी देर ठहरा जितने में वह इलडोराडो के पत्थर बेच सका, और दो आदमियों लायक एक बढ़िया घोड़ा-गाड़ी खरीद सका। अब उसको दार्शनिक मार्टिन का साथ अत्याज्य मालूम पड़ने लगा। वह जो कुछ

भी हो, अपनी भेड़ से पृथक होने पर, जो उसने बोर्डक्स की विज्ञान अकादमी को दे-दी थी, दुखित हुआ। अकादमी ने एक वार्षिक पुरस्कार उसे देने को तय किया जो भेड़ की ऊन के लाल होने के कारणों का पता लगाये। पुरस्कार उत्तर के एक वैज्ञानिक ने जीता, जिसने कि $\frac{A \times B - C}{Z}$ को उसके लाल होने के लिए आवश्यक बताया और यह कि वह रौट नामक बीमारी से मरेगी।"

केंडिडे इससे बहुत दुखित हुआ। उसको सराय की सड़कों पर जितने यात्री मिले सबने बताया कि वे पेरिस जा रहे थे। आखिरकार इस सर्वव्यापक इच्छा ने उसको शहर देखने के लिए उत्सुक कर दिया, जो कि वेनिस से बहुत नहीं था।

उसने फाबोयर्ग सेंट मारक्यू से प्रवेश किया, जो कि वेस्टफोलिया में सबसे खराब गाँव के समान था। सामान एक सराय में रखने के पश्चात् वह एक हल्के रोग से ग्रस्त हो गया। जो कि थकान के कारण था। वह अपनी एक उँगली में एक बड़ा हीरा पहने हुए था, और उसकी गाड़ी में एक बड़ा गहरा संदूक रखा था। उसकी डाक्टरों ने सेवा-सुश्रुषा की, जिनसे कि उसने कभी नहीं कहा और जो उसके अनेक मित्रों के साथ उसके साथ रहते थे और दो महिलाओं ने भी उसकी सेवा की जो कि उसके लिए उबले हुए गोश्त की तरी के प्यालों का हुक्म करती रहती थीं।

"मैं भी पेरिस में बीमार पड़ चुका हूं," मार्टिन ने कहा "लेकिन मैं गरीब था, इसीलिए मेरे पास कोई भी मित्र या डाक्टर, या नर्स नहीं थी। मैं ठीक हो गया।"

लहू बहते रहने के कारण केंडिडे की बीमारी भयानक हो गई। उस जगह एक पादरी[१] आया और उसने विनिमय का नोट लेजाने वाले को दूसरे संसार में प्राप्य माँगा। केंडिडे ने इस लेन-देन को मना कर दिया, यद्यपि उन दो

[१] 'बिलट्स डी कन्फेशन' का एक हवाला, जो कि वाल्टेयर के समय में कैथोलिक पादरी हमेशा मानते थे, इससे पहले कि वह अन्तिम उपदेश कहें।

औरतों ने उसे विश्वास दिलाया कि यह नवीनतम फैशन था। कैंडिडे ने उनको बताया कि वह फैशन को मानने वाला व्यक्ति नहीं था और मार्टिन ने पादरी को खिड़की से बाहर फेंकने की धमकी दी। पादरी ने शपथ खाई कि कैंडिडे को गाड़ा नहीं जायगा और मार्टिन ने शपथ खाई कि वह वही था जो पादरी को गाड़ेगा, अगर वह उनको लानतें देता रहेगा। बहुत बहस के बाद मार्टिन ने पादरी को कंधे से उठाकर कमरे के बाहर कर दिया। इसने बहुत संगीन मामला कर दिया और कैंडिडे के विरुद्ध अधिकारियों को एक शिकायत की गई।

कैंडिडे ठीक हो गया। उसके स्वस्थ्य होने के दौरान में उसके कई एक मित्र लगातार आये और उसके साथ भोजन किया। वे पुरस्कार के लिए ताश खेलते थे।

कैंडिडे के पास आने वाले लोगों में से एक छोटा सा पीरीगार्ड का पादरी भी था, जो वाक्‌चतुर और सदा ही आभारी और आज्ञाकारी लोगों में से एक था, जो कि आते-जाते यात्रियों की प्रतीक्षा करता था, उनको शहर की अफवाहों के बारे में बताता था और उनको विभिन्न दामों पर आनंददायक वस्तुएँ दिलाता था। यह कैंडिडे और मार्टिन को कौमिडी ले गया, जहाँ एक नया दुखान्त खेल खेला जा रहा था।

कैंडिडे की सीट उस मज़ाकिया दल के पास ही थी, लेकिन उसने इसके सुन्दर और हृदयवेधक दृश्यों को रोने से नहीं रोका। मध्यान्ह में उन में से एक बातूनी ने उसके पास बैठते हुए उस पर मज़ाक किया, "तुमको रोना नहीं चाहिए था। अभिनेत्री गरीब है और हीरो जोकि उसके संग खेलता है, उससे भी खराब हालत में है। और यह खेल अभिनेताओं से भी खराब है। लिखने वाले को अरबी का एक शब्द भी नहीं आता, लेकिन तब भी उसने दृश्य अरब में रखा है। और भी अधिक यह है कि वह मूल विचारों में विश्वास नहीं करता। कल मैं तुम्हारे पास एक स्कोर पर्चे लाऊँगा, जो उसके विरुद्ध लिखे गये हैं।"

इसके बाद कैंडिडे ने नये ऐबी से पूछा कि फ्रांस में कितने थियेटर हैं?"

"पाँच या छः हज़ार।"

"ये तो बहुत हैं। इनमें से कितने अच्छे हैं?"

"पंद्रह या सोलह।"

"यह संख्या भी बहुत बड़ी है।"

केंडिडे को एक अभिनेत्री पसन्द आई, जो कि देखने वालों में से एक थी। उसने अपना नाम कमा लिया था, ऐसा ऐबी ने उसके बारे में बताया। एक मामूली बोगस दुखान्त नाटक में रानी एलिजबेथ का अभिनय करने पर यह बढ़ गई, जो कि अब भी कभी-कभी खेला जाता है।

"मैं इस अभिनेत्री को पसन्द करता हूँ।" केंडिडे ने कहा "इसका रूप-रंग क्यूनिगांदे से बहुत मिलता है। मैं इसको अपना सम्मान देकर प्रसन्न हूँगा।"

एबी ने उसे अभिनेत्री के घर ले जाकर परिचय कराने का तय किया। केंडिडे ने जर्मनी में आकर यह जानने की इच्छा की कि वहाँ की रीतियाँ क्या थीं और एक स्टेज पर की इंग्लैंड की रानी के साथ फ्राँस में कैसा व्यवहार किया जाता है।

"यह स्थितियों पर निर्भर करता है?" एबी ने कहा "एक गाँव में हम उसे मदिरालय में ले जाते हैं। यहाँ पेरिस में जब वह खूबसूरत होती है तो उसके साथ बड़ा सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाता है, और जब वह मर जाती है तो उसे एक पहाड़ी पर फैंक दिया जाता है।"

"एक पहाड़ी पर फेंक दी जाती है!"

"हाँ एबी ठीक कहता है," मार्टिन ने कहा, "मैं पेरिस में था जब मेले मौनीमी इस संसार से दूसरे संसार में कूँच कर गई। तो उसे 'आनर आफ सिप्लेचर, जैसा कि वे यहाँ कहते हैं, नहीं दिया गया, तात्पर्य यह है कि उसको एक नीच कब्रिस्तान में कस्बे के सारे भिखारियों के साथ सड़ने का सुअवसर नहीं दिया गया। उसे रयूडी बोयर गोमन में दफनाया गया, जिसने उसे बहुत दुखित किया होगा, क्योंकि उसके बड़े ऊँचे विचार थे।"

"यह नम्रता से बहुत परे था" केंडिडे ने कहा।

"तुम क्या आशा करते हो कि ये लोग वैसे ही हैं। तुम अपने दिमाग में हर प्रकार की असमानताओं और अन्तर्विरुद्ध बातों को सोचो तो तुमको वे सब इस बेढंगे राष्ट्र की सरकार न्यायालयों, गिरजों और जनता में मिलेगा।"

"क्या यह सत्य है कि पारिसियन्स सदा हंसते रहते हैं?"

"हाँ" एबी ने कहा "लेकिन क्रोध में वे हर चीज़ की शिकायत हंसी के ज़ोरदार ठहाके से करते हैं। जब वे कभी अत्यधिक नीच व्यवहार करते हैं तब भी वे हँसते हैं।"

"वह कौन नीच था जिसने कि इस खेल की इतनी बुराइयाँ की, जिसने कि मुझे अप्रसन्न कर दिया।"

" वे जो किसी योग्य नहीं हैं और जो हर एक खेल और पुस्तक को गाली देते हैं, वे हर एक सफलता से नफ़रत करते हैं। जैसे कि हिजड़े महान् प्रेमियों से घृणा करते हैं। वे उन साहित्यिक कीड़ों में से हैं, जो फूल और विष पर जीवित रहते हैं—पत्रकार।"

"वह क्या होता है?"

"एक नीच जर्नलिस्ट, एक फ्रीरोन![1]"

जब कि वे बातें कर रहे थे, कैंडिडे, मार्टिन और एबी थियेटर की सीढ़ियों पर खड़े दर्शकों का जाना देख रहे थे। "यद्यपि मेरी एक इच्छा क्यूनिगांदे को फिर देखने की है" कैंडिडे ने कहा "तब भी मैं क्लेक्लैरीन के साथ खाना पसन्द करूँगा—"यह एक अभिनेत्री का नाम था जो पहले ही बताई जा चुकी है। "क्योंकि मैं उसकी बहुत प्रसंसा करता हूँ।"

असल में एबी क्लेक्लैरीन के, जो कि अपने साथियों में बड़ी व्यावहारिक थी, पास जाने का साहस न कर सका। "वह आज शाम को खाली नहीं है," उसने कहा "लेकिन में तुमको उस खूबसूरत औरत के पास ले जाने का सम्मान ग्रहण करूँगा, जहाँ तुम पेरिस को इतना जान जाओगे जैसे तुम यहाँ चालीस वर्षों से रह रहे हो।"

---

[1]एन लिटरेचर का संपादक और वाल्टेयर का पक्का दुश्मन।

कैंडिडे, जो कि नये अनुभवों के लिए हमेशा उत्सुक था, उस महिला के पास जाने को राज़ी हो गया, जो कि फावर्ग सेन्ट होनोर की गहराइयों में रहती थी। उसकी मित्र-मंडली फारो नामक खेल खेल रही थी। एक दर्जन निरुत्साहित जुआरी अपने सामने कार्ड रखे थे, जो कि इनकी चालों और बरबाद भाग्य का लेखा-पत्र था। कमरे में बड़ी भनभनाहट थी। जुआरी परेशान थे और बैंकर (पैसे रखने वाला) घबड़ाया हुआ था।

घर की महिला बैंकर की बगल बैठी हुई बिल्ली की भाँति उन शब्दों को सुन रही थी, जो कि "डबल" और "इसको सात बार उठाओ" की भनभनाहट से भरा हुआ था।

जब जुआरी ने अपने ताश का एक कोना झुका दिया तो उसने उसको सीधा करने को कहा। उसका ऐसा करने का तरीका सख्त था, लेकिन नम्र भी। उसने कोई क्रोध प्रकट नहीं किया, जिससे कि उसके ग्राहक डर न जायें।

यह महिला जिस नाम से प्रचलित थी वह मारक्विज डी पारोलिगनैक था। उसकी पंद्रह वर्षीया लड़की जुआरियों में से एक थी और जब भी, कोई अभागा खिलाड़ी अपने खराब दाँव को धोखे से जीतने की कोशिश करता, तो वह अपनी माँ को संकेत करती थी।

जब एबी, कैंडिडे और मार्टिन अन्दर आये तब न कोई खड़ा हुआ, न किसी ने उसका सत्कार किया और न उसकी ओर देखा ही। "माई लेडी! थंडर टेन ट्रॉंक की बैरोनेस इससे अधिक शिष्टता दिखाती।" कैंडिडे ने सोचा। एब्री ने मारक्वि ज से कुछ फुसफुसाया, जो कि कुर्सी से आधी उठी और उसने कैंडिडे को शानदार मुस्कराहट प्रदान की और मार्टिन को दूर से सिर झुका दिया। उसने एक कुर्सी और ताशों का एक गड्डा कैंडिडे के लिए लाने की आज्ञा दी। जिसने कि कुछ देर में पचास हजार फ्रैंक्स खो दिये। इसके बाद मण्डली ने भोजन किया। सब लोगों ने कैंडिडे के शांति पूर्वक खो देने की प्रशंसा की और उन्होंने फुसफुसाया कि वह अवश्य कोई अंग्रेज करोड़पति होगा।

भोजन पेरिस के अधिकतर भोजनों की भांति शांति से आरम्भ हुआ। जिसके बाद पहले एक भनभनाहट शुरू हुई और फिर कई मजाकों को दोहराया गया, जो कि अधिकतर नीरस और गलत गप्पें थीं। कुछ बिना ध्येय के विवाद, कुछ राजनीति और सब से अधिक बदमाशी की बातें थीं। वहाँ कुछ पुस्तकों के बारे में भी बातें हुईं। "क्या किसी ने डाक्टर आफ डिविनिटी सियूर गाचट की नई प्रेम-कहानी पढ़ी है?" एबी ने मंडली से पूछा।

"हाँ," अतिथियों में से एक ने जवाब दिया, "लेकिन मुझमें इसको पूरी पढ़ने का संतोष नहीं है। यह शहर बे-मतलब की कृतियों से भरा पड़ा है। लेकिन डा० गाचट सब को मात करता है। सचमुच मैं इस बेकार की बकवास से इतना उकता गया हूँ कि मैंने फारो की शरण ली है।"

"लेकिन आप आर्क डिकन ट्रयूबेल्ट्स के 'मिस लेनी' के बारे में क्या कहते हैं।"

"कितना मूर्ख जीव है," मैडम डी पैरोलिगनेक ने कहा। "वह आपको वह बताने का व्यर्थ कष्ट करता है, जो कि प्रत्येक जानता है, और कैसे वह उन बातों के लिए परिश्रम करता है जो कि बताने योग्य नहीं हैं। वह कितनी नीचता से दूसरों के दिमागों की बात चुराता है, क्योंकि उसके पास अपना कुछ नहीं है और वह कैसे चुराई हुई चीज़ को मिला कर रखता है। यह आदमी मुझे बीमार सा कर देता है। लेकिन अब वह अधिक ऐसा नहीं करेगा क्योंकि आरकिडिकन के कुछ पृष्ठ ही काफी हैं।"

अतिथियों में से एक, जो कि संयोग से पढ़ालिखा और अच्छी रुचि का आदमी था, मारक्वीज से सहमत हुआ। बातचीत खेलों में बदली और मारक्वीज ने पूछा कि ऐसा क्यों था कि इतने न पढ़ने योग्य नाटक खेले जा रहे थे।

उस रुचि के आदमी ने बतलाया कि बिना किसी गुण के नाटक भी कुछ मज़ेदार अवश्य होते हैं। एक लेखक के लिए यह काफी नहीं, कि वह दो या तीन स्थितियाँ जो कि हर प्रेम-कथा में पाई जाती हैं, ऐसी रख दे जो कि जनता

के लिए अपनी रुचि न खोदे। एक अच्छे नाटक को सदा नवीन होना चाहिए; बिना कहीं से नकल किये हुए। थोड़ा सा ऊँचे स्तर पर, लेकिन सदा प्राकृतिक होना चाहिए। लेखक को मनुष्य का हृदय और इस को कैसे बोलता हुआ बनाया जाय, जानना चाहिए। उसे एक कवि अवश्य होना चाहिए। उसे अपनी भाषा में दक्ष अवश्य होना चाहिए जिसका शुद्धता और अनुकूलता से प्रयोग करे और तुक बन्दी को अर्थ में बाधक न होने दे।

"जो भी इनमें से एक को भी भूलता है," उसने समाप्त करते हुए कहा, "यद्यपि वह जानता है कि प्रशंसा एक या दो नाटकों से पालेगा, लेकिन कभी भी अच्छे लेखकों में नहीं गिना जायगा। अच्छे खेल बहुत थोड़े हैं, कृतियों में से कुछ वादविवाद के रूप के नीरस हैं। कुछ अच्छी कविता में लिखे होते हैं। दूसरे राजनीतिक हैं जिनमें लोगों को नींद आ जाती है। या पिछली बातों को बढ़ाये हुए होते हैं, या केवल दुहराए हुए होते हैं। दूसरे फिर पागलों के स्वप्न होते हैं जो कि बेढंगे तरीके से लिखे होते हैं, जिनमें समयानुकूलता नहीं होती। लम्बे-लम्बे संवाद, क्यों कि लेखक अपने संग के लोगों से बात करने की कला नहीं जानता। झूठी बातें और कहावतें रखता है।"

कैंडिडे ने प्रशंसापूर्वक ध्यान देकर सुना। अब वह मारक्यूज की ओर झुका। उसने ऐसा प्रबन्ध किया था कि वह उसके पास बैठे—और पूछा "यह इतनी बढ़िया बात करने वाला कौन हो सकता है।"

"यह साहित्यिक आदमी है," मारक्यूज ने कहा "वह खेलता नहीं है, लेकिन एबी इसे कभी-कभी मेरे साथ खाने पर ले आता है। यह किताबों और नाटकों का बड़ा भारी निर्णय करने वाला है। इसने खुद भी एक नाटक लिखा है जो कि स्टेज पर से दुत्कार कर बाहर कर दिया गया और एक किताब, जिसने प्रकाशक की दूकान के बाहर पैर नहीं रखा—सिवाय उस प्रति के जो इसने मुझे उपहारस्वरूप दी थी।"

"एक सच्चा बड़ा आदमी," कैंडिडे ने कहा "एक दूसरा पैंग्लौस ।" तब अपने आप उस सज्जन को संबोधित करते हुए बोला, "जनाब," उसने कहा "मैं समझता हूँ कि आपका मत यह है कि प्रत्येक वस्तु नैतिक और शारीरिक अच्छाई के लिए संसार में है और यह कि प्रत्येक वस्तु ऐसी होनी चाहिए।"

"मैं जनाब, कोई बात ऐसी नहीं सोचता। मैं समझता हूँ कि इस संसार में प्रत्येक वस्तु एक ही तरफ झुकी है और कोई भी अपना स्तर, अपना कार्य नहीं जानता और न कि वह क्या करता है और न कि उसको क्या करना चाहिए और यह कि सिवाय खाने के समय, जो कि आनन्ददायक कार्य है और समानुकूलता उत्पन्न करता है, हमारा समय बेकार के झगड़ों में व्यतीत होता है। जानसेनिस्ट्स मॉलिस्ट्निस के विरुद्ध, पार्लियामेंट चर्च के विरुद्ध, देश-देश के विरुद्ध, धनी गरीबों के विरुद्ध और रिश्तेदार रिश्तेदारों के विरुद्ध, यह कभी न समाप्त होने वाला रणक्षेत्र है।"

"मैंने उससे भी खराब चीजें देखी हैं, जितनी कि तुमने बताईं," कैंडिडे ने कहा "तब भी एक ज्ञानी ने, जो कि फाँसी पर लटका दिया, मुझे सिखाया कि प्रत्येक वस्तु बहुत अच्छी है, और यह कि बुराइयाँ अच्छी तस्वीरों में केवल छाया स्वरूप हैं।"

"तुम्हारी फाँसी की चिड़ियाँ तुम पर व्यंग कर रही थी।" मार्टिन ने कहा, "ये छायाएँ, जैसा कि तुम उनको कहते हो, भयानक और हानिकारक हैं।"

"आदमी इनको भयानक नहीं बनाता है। वह जैसा करता है उसके सिवा कुछ नहीं कर सकता।"

अधिकतर खिलाड़ी इन सब बातों का एक शब्द भी नहीं जानते थे और पीने में व्यस्त थे। मार्टिन ने इस साहित्यिक से विवाद जारी रखा, जब कि कैंडिडे ने गृह स्वामिनी को अपने कुछ साहसपूर्ण कारनामे बताएँ।

भोजन के पश्चात् मारक्यूज कैंडिडे को अपने निजी कमरे में ले गई जहाँ पर उसने उसको एक सोफे पर बिठाया। "अच्छा" उसने कहा "क्या तुम अब भी क्यूनिगांदे को चाहते हो?"

"हाँ श्री मती जी ?"

मारक्वियज सहानुभूति से मुसकराई। "तुम एक वेस्टफोलिया के युवक की भाँति उत्तर देते हो।" एक फ्रेंच पुरुष यह कहता "यह सत्य है कि मैं क्यूनिगांदे को प्रेम करता हूँ, लेकिन जबसे मैंने तुम को देखा है मुझे भय है कि मैं उसे प्रेम नहीं करता।"

"अफसोस है श्रीमती जी, मैं वही उत्तर दूंगा जो आप पसंद करेंगी ?"

"जब तुम उसके प्रेम में वशीभूत हुए, मुझे यह बताया गया है तब तुमने उसका रूमाल उठाया था, अब तुम मेरा गार्टर उठाओगे।"

"बड़ी सहमति के साथ श्रीमती जी" केंडिडे ने वैसा ही किया। "लेकिन अब तुम्हें फिर से बाँधना चाहिए।" केंडिडे ने यह भी किया।

"देखो युवक, तुम यहाँ एक अजनबी हो। मैं पूरे पंद्रह दिन तक अपने कुछ पारसियन प्रेमियों को तड़पाती हूं, लेकिन तुमको पहली रात में ही आत्मसमर्पण कर रही हूँ, क्यों कि यह देश की कृतज्ञता है कि वेस्टफेलिया के एक युवक के साथ समुचित व्यवहार करूँ।"

जब वह बोल रही थी, सुन्दरी ने देखा कि विदेशी युवक दो बड़े हीरे पहने था। उसने उनकी इतनी अप्रभावित प्रशंसा की कि वे जल्द ही केंडिडे की उँगली से उसकी उँगली में आ जायें।"

जब वह मार्टिन और एबी के साथ घर लौटा तो उसे क्यूनिगांदे के प्रति अविश्वासी होने पर क्षोभ हुआ। एबी भी असंतुष्ट था। उसने केवल पचास हज़ार फ्रेंक्स का छोटा भाग जो कि केंडिडे खेल में हार गया था, पाया—, दो हीरों का तो सवाल ही न था— और वह यह यह सोच रहा था कि वह अपनी केंडिडे की जानपहचान को किस प्रकार, जितना संभव हो, अतिलाभदायक बनाये।

उसने क्यूनिगांदे के बारे में पूछना शुरू किया। केंडिडे ने बताया कि जब वह उसे दुबारा देखेगा तो नम्रतापूर्वक अपने विश्वासघात के लिए क्षमा

माँगेगा। एबी ने सहानुभूति के साथ ध्यान पूर्वक सुना। वह कैंडिडे की हर कही गई, की गई, या की जाने वाली बात में अत्यधिक रुचि लेता सा प्रतीत होता था।

"और इसीलिए जनाब आपको वेनिस में एक से मिलना है।"

"हाँ मिस्टर एबी, मुझे क्यूनिगांदे को अवश्य ढूँढना चाहिए।" अपनी प्रियतमा से बात करने के स्वप्न में खोकर उसने उस वेस्टफेलिनन युवती के साथ कुछ प्रेम से, जैसा कि वह अधिकतर करता था, कहना शुरू किया।

"मैं समझता हूँ," एबी ने कहा, "क्यूनिगांदे बड़ी ही वाक्चतुर है और बहुत आनंददायक पत्र लिखती है।"

"सचमुच मैंने कभी कोई पत्र प्राप्त नहीं किया। क्यों कि तुम को स्मरण रखना चाहिए कि अपनी गढ़ी से उसके प्रेम के कारण निकाले जाने पर मैं उसे लिख नहीं सका। इसके बाद ही शीघ्र मुझे पता लगा कि वह मर गई। मैंने फिर उसे पाया और फिर उसे खो दिया, और मैंने अब उसके पास एकसमाचार-वाहक भेजा है, यहाँ से क़रीब दो हज़ार लीग, और अब उत्तर की प्रतीक्षा कर रहा हूँ।"

एबी ने ध्यानपूर्वक सुना और दुखित सा प्रतीत हुआ। शीघ्र ही उसने बाद में कैंडिडे और मार्टिन का उत्साह से आलिंगन किया।

दूसरी सुबह कैंडिडे ने निम्न पत्र प्राप्त किया।

मेरे अत्यधिक प्रिय प्रेमी! पिछले सप्ताह से मैं इस शहर में रोगग्रस्त हूँ, मुझे मालूम हुआ है कि तुम यहाँ हो और यदि मैं स्वस्थ होती तो भाग चलते। मैं जब बोर्डक्ष्यक्स में थी, तब तुम्हारे पहुँचने का समाचार मिला था, जहाँ मैंने विश्वासनीय ककांबो और बुढ़िया को छोड़ दिया है।"

व्यूनसआयर्स के गवर्नर ने सिवाय तुम्हारे हृदय के और प्रत्येक वस्तु मुझसे लेली है। मेरे पास आओ। तुम्हारी उपस्थिति या तो मुझे नया जीवन देगी, या प्रसन्नता से मरने देगी।"

इस आनंददायक और बिना आशा के पत्र की प्रसन्नता और क्यूनिगांदे की बीमारी के दुःख के बीच में फंसे हुए कैंडिडे ने अपना सोना और जवाहरात लिये और एक कमरा, अपने और मार्टिन के लिए, उस होटल में, जहाँ क्यूनिगांदे थी, लिया। जब उसने कमरे में प्रवेश किया, वह काँपा। उसका हृदय ज़ोर से धक-धक करने लगा और उसकी आवाज़ काँपी। उसने पलंग के पर्दे पीछे खींचने शुरू कर दिये और रोशनी के लिए चिल्लाया।

"आह ऐसा करने से होशियार रहिए जनाब," कमरे की नौकरानी ने कहा" "मालकिन रोशनी बर्दाशत नहीं कर सकतीं।" उसने फिर से पर्दे खींच कर बंद कर दिये।

"सब से प्रिय क्यूनिगांदे!" कैंडिडे ने सिसकी भरी "तुम्हारी कैसी हालत है। यदि तुम मुझे देख नहीं सकतीं तो कम-से-कम मुझ से बोलो तो।"

"वह बोल नहीं सकती," औरत ने कहा।

औरत ने एक मोटा सा हाथ पर्दे के बाहर कर दिया। कैंडिडे ने उसको आँसुओं से गीला कर दिया और तब हीरों से भर दिया। उसने पलंग के पास सोने का एक बटुआ रख दिया।

एक अफ़सर कमरे में प्रविष्ट हुआ, उसके पीछे एबी और छोटा सा दल था। "क्या यही संदेहजनक विदेशी है?" उसने पूछा और आज्ञा दी कि वे बाँध लिये जायें और कैदखाने को लेजाये जायें।"

"यात्रियों के साथ इलडोराडो में इस प्रकार व्यवहार नहीं होता।" कैंडिडे ने कहा।

"मैं एक मानीकियन हूँ"। मार्टिन ने कहा

"लेकिन कृपा कर अधिकारी! यह बताओ कि तुम हमें कहाँ ले जा रहे हो?"

"एक नजरबंद कैदखाने में।"

मार्टिन ने अपनी बुद्धि से विचारा कि बनावटी क्यूनिगांदे, एबी, अधिकारी और यह सब षड्यंत्र था; और अधिकारी से सरलता से छुटकारा मिल सकता था।

उसने कैंडिडे को समझाया और कैंडिडे ने अपनी असली क्यूनिगांदे को देखने की बेसब्री में अधिकारी को तीन छोटे हीरों की घूस दी और प्रत्येक को तीन हज़ार पिस्टोल ।

"वाह जनाब" उस आदमी ने चेतावनी देते हुए कहा, "अगर आपने कई एक जुर्म किए होते तब भी आप सर्वश्रेष्ठ आदमी होते । तीन हीरे और कई हज़ार पिस्टोल ! मैं चकित हूँ । जनाब आपको जेल लेजाने की अपेक्षा मैं आपके लिये अपना जीवन दे दूँगा ।"

"सब विदेशियों के बंदी करने का आदेश है । लेकिन इसको मुझपर छोड़ दीजाए । नोरमण्डी में डिप्पा मेरा एक भाई है । मैं तुमको वहाँ पहुँचा दूँगा । अगर उसके लिए आपके पास हीरे हैं तब वह आपकी उतनी ही रक्षा करेगा जितनी कि मुझे करनी चाहिए ।"

"लेकिन वह विदेशियों को कैद क्यों कर रहे हैं ?"

- एबी की बात-चीत में टपक पड़ा ! एट्रीविटियन के एक निर्धन दानव ने कुछ निरर्थक कहानियाँ सुनाईं जिसने कि उसे अपने[1] पिता की हत्या के लिए जोश दिलाया । यह[2] सन् १६१० मई से भिन्न अपराध था, लेकिन [3] १५६४ की दिसम्बर की भाँति था और सचमुच कई एक अपराधों की जो विभिन्न माँसों और वर्षों को उन बदमाशों द्वारा किया गया जिन्होंने निरर्थक कहानियाँ सुनी थीं ।"

अधिकारी ने बताया कि एबी किस बारे में बात कर रहा था ।

"वह दानव है" कैंडिडे चिल्लाया "जो कि ऐसे भयानक कार्य ऐसे मनुष्यों में सोचे जो कि सदा नाचते-गाते हैं । मैं इस देश से कैसे छुटकारा पा सकता हूं जहाँ बंदर बाघों पर वार करते हैं ? भगवान् के लिए अधिकारी मुझे वेनिस ले चलो जहाँ मुझे क्यूनिगांदे की प्रतीक्षा करनी है ।"

---

[1]—१७५७ की ५ जनवरी को लुई १५ को कत्ल करने की कोशिश की गई ।

[2]—हेनरी चतुर्थ की हत्या ।

[3]—हेनरी चतुर्थ की हत्या का प्रयास ।

"मैं तुमको नारमण्डी के तट से दूर नहीं पहुँचा सकता" अधिकारी ने कहा। उसने कैंडिडे और मार्टिन की हथकड़ियों को खोलने का आदेश दिया और अपने आदमियों से बताया कि यह एक गलती हो गई थी और उनको भेज दिया। वह तब कैंडिडे और मार्टिन को डिप्पो ले आया, जहाँ उसने उनको अपने भाई की रक्षा में छोड़ दिया।

वहाँ मार्ग पर एक छोटा डच जहाज था, और अधिकारी के भाई ने जिसका विश्वास तीन हीरों द्वारा खरीद लिया गया था, मार्टिन और कैंडिडे को उस पर सवार करा दिया। जहाज़ इंग्लैंड में पोर्ट्स माउथ जाने के लिए तैयार था। वह वेनिस के सीधे मार्ग पर नहीं था। लेकिन कैंडिडे ने परवाह नहीं की। उसने महसूस किया कि वह नरक से छूटा था और अपनी यात्रा जारी रखते हुए किसी भी अवसर पर वेनिस जाने को तैयार हो गया।

: २३ :

दूसरों को उत्साहित करने के लिए

"आह पैंग्लौस, पैंग्लौस—आह, मार्टिन, मार्टिन—आह प्रियतमे क्यूनिगांदे—यह कैसा संसार है?" डच जहाज़ में कैंडिडे इस प्रकार आहें भरने लगा।

"कोई बहुत ही पगली और निंदनीय वस्तु।" मार्टिन ने कहा।

"तुम इंग्लैंड को जानते हो। क्या वहाँ भी ऐसे पागल हैं जैसे यहाँ फ्राँस में?"

"यह दूसरे प्रकार का पागलपन है। जैसा तुम जानते हो ये दो देश कैनाडा के कुछ एकड़ बर्फीली ज़मीन के पीछे लड़ रहे हैं और इस लड़ाई में अपना उतना सब खर्च कर रहे हैं जो कि समस्त कैनाडा से भी अधिक है। यह ठीक-ठीक कहना कि ये शायद एक देश की अपेक्षा दूसरे देश के लिए

अधिक योग्य हैं मेरी तुच्छ योग्यता की सीमा के परे है। जो मैं जानता हूं, वह यह है, साधारण रूप में, कि वे मनुष्य, जिनसे हम मिलने जा रहे हैं झगड़ालू स्वभाव के हैं।"

पोर्ट्स माउथ तट लोगों की भीड़ से भरा था, जो कि एक बड़े [१] आदमी की ओर उत्सुकता से देख रहे थे, जो कि डेक पर एक लड़ाई के आदमी के सामने घुटने टेके बैठा था। उसकी आँखों पर पट्टी बंधी थी। उसके सामने चार सिपाही खड़े थे, जिनमें से प्रत्येक ने क्रोधपूर्ण तीन-तीन गोलियाँ बड़े आदमी के सिर में मारीं। भीड़ तब संतुष्ट सी होकर तितर-बितर हो गई।

"यह सब क्या था?" केंडिडे ने कहा, "किस शैतान ने संसार पर दक्षता प्राप्त कर ली है?" उसने पूछा कि वह बड़ा आदमी कौन था? "एक एडमिरल"[१] उसको बताया गया।

"और यह एडमिरल क्यों मारा गया?"

"क्योंकि उसने स्वयं पर्याप्त आदमी नहीं मारे। वह एक फ्रांसीसी एडमिरल के साथ सहयोग से लड़ा और यह अनुमान है कि वह उससे पास से नहीं लड़ा।"

"तब अवश्य ही फ्रेंच एडमिरल उससे दूर था, जैसे कि वह दूसरे से दूर था।"

"यह इंकार नहीं किया जा सकता। लेकिन इस देश में कभी-कभी दूसरों को उत्साहित करने के लिए एक एडमिरल मारा जाता है।"

केंडिडे इतना दुःखित हुआ कि उससे तट पर पैर नहीं रखा गया। उसने डच कप्तान से एक सौदा--यह डरते हुए—कि वह भी सूरी नाम के डच कप्तान की तरह लूट न ले—सीधे वेनिस जाने के लिए किया।

जहाज़ दो दिन में जाने के लिए तैयार था। वे फ्रांस के तट के किनारे चले और लिस्बन के निकट से निकले, जिस पर कि केंडिडे काँप गया। वे मेडिटेरेनियन

[१] एडमिरल विंग जिसका वध १४ मार्च १७५७ को किया गया।

की खाड़ियों से गुजरे और वेनिस पहुँच गये।" "भगवान् की जय हो।" कैंडिडे ने मार्टिन का आलिंगन करते हुए कहा।

"यहाँ मैं क्यूनिगांदे को फिर देखूँगा। मैं कक्कांबो पर उतना ही विश्वास करता हूँ जितना कि अपने पर। प्रत्येक वस्तु अच्छी है, इतनी अच्छी जितनी की संभव हो सकती है।"

: २४ :

पैक्विटे और फ्रायर गिरोफली

वेनिस में कैंडिडे ने कक्कांबो को हर सराय और कॉफी-हाउस में और सब मनोरंजन प्रदान करने वाली महिलाओं के यहाँ ढूँढा, परन्तु उसको नहीं पा सका। वह प्रतिदिन खबर लाने के लिए भेजता था कि कौन-सा जहाज़ आया? तब भी कक्कांबो की कोई खबर नहीं।

"क्या"? उसने मार्टिन से कहा "मेरे पास सूरी नाम से बोर्डेक्स और तब पेरिस, वहाँ से डिप्पी, वहाँ से पोर्टसमाउथ मेडिटेरेनियन के निकट से निकले हुए, तब वेनिस में कुछ मास में रहने का समय था, और अभी तक क्यूनिगांदे नहीं पहुँची है। मैंने उसके स्थान पर जो कुछ भी पाया वह थी एक धोखे बाज़ औरत। क्यूनिगांदे सचमुच मर गई है और अब मुझे सिवाय उसका पीछा करने के और कुछ नहीं करना है।"

"अफसोस, इलडोराडो के स्वर्ग में ही रहना कितना अच्छा होता, अपेक्षाकृत इस यूरोप में लौटने के। तुम ठीक मार्ग पर हो, मेरे प्रिय मार्टिन, इस बदमाश दुनियाँ में सब कुछ दुःख और धोखा है।"

वह एक भयंकर दुःख में खो गया और उसने ओपेरा एल्ला मोडा में कोई भाग नहीं लिया और न किसी दूसरे मौसमी त्योहार में। उसकी ओर किसी औरत ने तनिक भी ध्यान नहीं दिया।

"मैं सत्य कहता हूँ," मार्टिन ने कहा कि "बहुत सीधे हो, जब यह सोचते हो कि एक मेस्टीजो दास अपनी जेब से पाँच या छः करोड़ रख कर संसार के अंत तक तुम्हारी क्यूनिगांदे की खोज में जायेगा और तुम्हारे पास वेनिस में उसे ले आयेगा। अगर वह उसको पा जायेगा तो वह उसको अपने लिए रख लेगा। अगर वह उसको नहीं पायेगा तो वह दूसरी ढूँढ लेगा। मैं तुमको अपने दास ककांबो और क्यूनिगांदे को भी भूल जाने की राय दूँगा।"

मार्टिन उसे कोई आराम न दे सका। कैंडिडे का दुःख बढ़ गया, जबकि मार्टिन उसके सामने यह सत्य प्रमाणित करने का प्रयत्न कर रहा था कि संसार में थोड़ा सुख और पवित्रता थी—सिवाय संभवतः इलडोराडो में—जहाँ कोई भी नहीं जा सकता।

एक दिन कैंडिडे ने पायजा डी सैन मारको पर एक युवा थैटीन फ्रायर को एक लड़की के साथ देखा। फ्रायर साफ रंग का, मोटा चमकीली आँखों वाला तगड़ा, सभ्य व्यवहार वाला, साहसी आत्मा वाला, बर्दाश्त करने वाला पुरुष था। लड़की, बहुत सुन्दर गा रही थी। कभी-कभी वह प्यार से अपने थियेटीन की ओर देखती थी और उसके गोल गालों में उँगली धुसा देती थी।

"तुम यह मानोगे" कैंडिडे ने मार्टिन से कहा "कम-से-कम दो मनुष्य प्रसन्न हैं। प्रत्येक जगह अभी तक—सिवाय इलडोराडो के मैं केवल अभागों से ही मिला हूँ, लेकिन इस जोड़े के विषय में मैं शर्त करता हूँ कि ये सब से प्रसन्न जीव हैं।"

"मैं शर्त करता हूँ कि यह नहीं हैं।"

"अच्छा हम लोगों को उनको केवल अपने साथ खाने को कहना है, फिर तुम देखोगे कि मैं ग़लत हूं या तुम।"

कैंडिडे ने उस जोड़े का स्वागत किया और झुक कर उनको अपनी सराय में खाने पर आमंत्रित किया, जिसके साथ क़ीमती शराबें थीं।

थियेटन ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया। लड़की शर्म से लाल हो गई। और वह अनिच्छा से फ्रायर से पीछे बार-बार कैंडिडे की ओर विस्मय और हर्ष से देखती हुई गई। उसकी आँखें आँसुओं से भरी हुई थीं। सराय में पहुँचने पर फ्रायर खाने से पहले पीने के लिए नीचे रुक गया, जब कि और लोग कैंडिडे के कमरे में गये। यहाँ लड़की ने उससे कहा "मास्टर कैंडिडे! क्या तुम पैक्विटी को नहीं पहचानते?"

कैंडिडे ने अभी तक उसको निकट से नहीं देखा था, क्योंकि उसको सिवाय क्यूनिगांदे के किसी और की चिंता नहीं थी। "आह मेरी प्यारी बच्ची" अब वह चिल्लाया "क्या यह तुम हो! क्या तुम वही हो जिसने डा० पैंग्लौस को उस अच्छी दशा में पहुँचाया था जिसमें मैंने उसे देखा था।"

"अफसोस, हाँ महाशय मैं वही हूँ, सचमुच मैं देखती हूँ कि हर बात जानते हो तुम। मुझे उन सब दुर्भाग्यों का पता लग चुका है जो बैरोनेस के पूरे परिवार और क्यूनिगांदे पर बीत चुका है। मैं तुम से शपथ खाती हूँ कि मेरा भाग्य भी कम दुःखी नहीं रहा है।"

"जब तुमने मुझे अन्त में देखा था तब मैं एक अच्छी लड़की थी। मैं एक फ्रांसीसी द्वारा व्यभचारित की गई, जो कि मेरा मालिक था, और परिणाम भयानक हुए। मुझे तुम्हारे बैरन द्वारा निकले जाने के थोड़े दिन बाद ही गढ़ी छोड़ने पर विवश होना पड़ा। अगर एक प्रसिद्ध सर्जन ने मेरे ऊपर दया न की होती तो मैं एक मरी औरत होती। शिष्टता के नाते कुछ दिन तक मैं उसकी दासी बन कर रहने लगी। उसकी पत्नी, जो कि बहुत ईर्षा करती थी, निर्दयता-पूर्वक मुझे रोज मारती थी और सचमुच मैं सबसे अधिक प्रसन्न थी, जो कि लगातार उस पुरुष के लिए पीटी जाती थी जिसे मैं प्रेम नहीं करती थीं।

आप जानते हैं महाशय! कि किसी चिड़चिड़ी और दोग़ली औरत का किसी डाक्टर से विवाहित होना कितना भयानक है। अपनी पत्नी के व्यवहार से क्रुद्ध होकर उसने एक अवसर का, जब कि उसको हल्की ठंड लग गई, लाभ उठाया

और उसको ऐसी ज़हरीली दवा दी कि वह दो घंटे में भयानक अवस्था में मर गई।"

उसके रिश्तेदार डाक्टर के विरुद्ध एक अपराधी की कार्यवाही लाये। वह भाग गया और मैं जेल में बन्द कर दी गई। मेरी निर्दोषता मुझे नहीं बचा सकती थी यदि मैं काफी खूबसूरत न होती। जज ने मुझे इस शर्त पर छोड़ दिया कि डाक्टर का स्थान वह लेगी, लेकिन जल्दी ही मेरा स्थान एक दूसरे दुश्मन ने ले लिया और मैं बिना एक फारदिंग दिये निकाल दी गई। मैं उस नीच व्यापार के लिए विवश हो गई जिसको तुम पुरुष बहुत ही आनन्ददायक समझते हो। लेकिन जो हमारे लिए कुछ नहीं है सिवाय दुःख के, एक तले रहित गड्ढे के।"

"मैं अपने पेशे के लिए वेनिस आई। आह, महाशय क्या तुम जानते हो कि प्रत्येक के साथ विवशता से लेटने पर क्या होता है—जो बूढ़े व्यापारी के साथ. मंत्रीगण, मौन्क्स, गोंडो लेयरों, एबी और उसके क्रोध और बेइज्जतियों के लिए तैयार रहे। और कभी-कभी एक पेटीकोट माँगने के लिए झुकना पड़े। केवल इस-लिए कि इसको कोई निरुत्साहित मनुष्य उठा ले और जो कुछ भी दूसरे से कमाया जाय वह एक आदमी द्वारा लूटा जाना। न्याय के अधिकारियों को घूस देना और सिवाय डरावनी बूढ़ी उम्र के और कोई लक्ष्य न रखना, एक अस्पताल या पहाड़ी पर मरना। क्या वह सब जानते थे कि तुम इस परिणाम पर पहुँचोगे। मैं सब से अधिक अभागे प्राणियों में से एक हूँ।"

मार्टिन ने कहा, "मैंने अपनी आधी शर्त जीत ली है।"

"लेकिन मैंने जब तुम्हें देखा था, तब तुम खुश और संतुष्ट मालूम पड़ती थीं। तुमने इस प्रकार क्यों गाया और थियेटन का इस प्रकार आलिंगन किया। मैंने तुमको उतना ही खुश समझा जितनी—जैसा कि अब मालूम पड़ता है कि तुम सत्य में दुःखी हो।"

"आह महाशय! वह पेशे के दुःखों में से एक है। कल मैं एक अधिकारी द्वारा मारी और लूटी गई थी। और आज मुझे एक मौन्क को प्रसन्न करने के लिए खुश दिखाई देना पड़ेगा।"

कैंडिडे ने काफी सुन लिया था। उसने मान लिया कि मार्टिन ने अपनी शर्त जीत ली, कम-से-कम जहाँ तक पैक्विटे संबंधित थी। वे लोग फ्रायर के साथ खाना खाने गये।

भोजन बड़ा आनन्ददायक था और खाने के अन्त में बड़ी खुल कर बातें कर रहे थे। "फादर!" कैंडिडे ने कहा, "आप एक बहुत प्रसन्न मनुष्य जान पड़ते हैं। आपका मुख स्वस्थ्य और प्रसन्नता के कारण चमकता है। आपका व्यक्तित्व आकर्षण के लिए सुन्दर है और आप फ्रायर होने पर बड़े संतुष्ट मालूम पड़ते हैं?"

"सत्य में महाशय" फ्रायर गिरोफली ने कहा "मैं चाहता हूं कि सब थियेटन समुद्र के धरातल में पहुँच जाँय। एक हज़ार बार मेरे मन में धार्मिक संस्था को आग लगा देने की और तुर्कों में बदल देने की इच्छा हुई।

मेरे माता-पिता ने पन्द्रह वर्ष की उम्र में मुझे यह पेशा स्वीकार करने को विवश किया, जिससे कि वे एक दलित बड़े भाई पर एक और दुःख छोड़ सकें, जिसको कि परमात्मा ने अन्धकार में छोड़ रखा था।

हमारी धार्मिक प्रणाली, ईर्ष्या, घृणा और क्रोध से भरी है। मैं कुछ निम्न सीखों का व्याख्यान देकर थोड़ा धन पा जाता हूं। फ्रायर उसमें से आधा मुझ से लूट लेता है, लेकिन बचा हुआ युवतियों के लिए काम आ जाता है। मैं अपना सर घर की दीवारों पर फोड़ने को तैयार हूं। और दूसरे सब, इसी पेशे के, मेरी ही तरह की स्थिति में हैं।"

"अच्छा" मार्टिन ने कहा, "मैं सोचता हूं कि मैंने अब शर्त को पूर्णतया जीत लिया है।"

कैंडिडे ने दो हज़ार पायस्टेज पैक्विटरी और एक हज़ार फ्रायर को दिये। "मेरा उत्तर है" उसने कहा "इस धन से वे लोग सुखी रहेंगे।"

"मैं विश्वास नहीं करता शायद ये पायेस्ट्रेज उनको और भी दयनीय बना देंगे।"

लेकिन वह जो कुछ भी हो मुझे एक बात बड़ा आराम देती है। मैं यह देखता हूं कि कभी-कभी एक आदमी उसको फिर देख पाता है, जिसको कि वह फिर कभी न देख पाने की आशा करता है। मैंने अपनी लाल भेड़ और पैक्टिव को फिर पाया। यह भी हो सकता है कि मैं क्यूनिगांदे को अवश्य फिर पा जाऊँ।"

"सचमुच मेरी इच्छा है कि एक दिन वह तुम्हारे लिए प्रसन्नता ला सकता है, लेकिन मैं इसमें बहुत शक करता हूँ।"

"तुम बहुत रूखे हो।"

"मैंने दुनियाँ देखी है।"

"लेकिन इन गोन्डोलियर्स को देखो। क्या ये हमेशा गाते नहीं रहते हैं?"

"तुम उनको घर पर पत्नी और बच्चों के साथ नहीं देखते। डोग के अपने दुःख हैं और इन नाविकों के अपने। यह सत्य है कि मुख्यतः नाविकों का भाग्य डोगों से अधिक अच्छा है, लेकिन अन्तर इतना भ्रमात्मक है कि ये खोज के योग्य नहीं हैं।"

"सिनेटर पोक्यूरानेट के बारे में कुछ बातचीत होती है, जो कि ब्रेन्टा के अच्छे घर में रहता है और जो कि विदेशियों से बड़ी सहानुभूति रखता है। उसके बारे में कहा जाता है कि उस मनुष्य ने कभी दुःख नहीं जाना।"

"मैं ऐसे असाधारण मनुष्य से मिल कर प्रसन्न होऊँगा।"

इस पर कैंडिडे ने सिनेटर को एक खबर भेजी, जिसमें कि दूसरे दिन उससे मिलने की आज्ञा माँगी थी।

: २५ :

सिनेटर पोक्यूरानटे

कैंडिडे और मार्टिन एक नाविक को ब्रेंटा पर सिनेटर पोक्यूरानटे के महल-घर ले गये। इस में बहुत से बाग थे और बढ़िया संगमरमर के पत्थरों की मूर्तियों

से सजे थे। महल स्वयं बहुत सुन्दर था, घर स्वामी ने, साठ वर्ष के एक पुरुष और बहुत धनी, इन दो दर्शकों का बहुत शिष्टता से स्वागत किया, लेकिन बहुत आवभगत नहीं की। कैंडिडे इस पर असंतुष्ट रहा, पर मार्टिन शायद प्रसन्न था।

साफ़ पोशाक में दो सुन्दर लड़कियाँ इनके लिए चाकलेट लाईं, जिसको कि उन्होने क्रीम में घोल दिया। कैंडिडे ने उनकी साफ पोशाक और शानदार सेवा पर ग़ौर किया।

"ये अच्छे जीव हैं," सिनेटर ने कहा "कभी-कभी मैं इनको अपने साथ लिटाता हूं, क्योंकि मैं शहर की औरतों, उनकी चापलूसी, उनकी ईर्ष्या, उनके झगड़े, उनके मज़ाक, उनकी नीचता, उनके घमंड, और उनकी मूर्खताओं का बड़ा शौकीन हूं। मैं इनके आदर में सानेट बनाते-बनाते और सानेट बनाने के लिए धन देते-देते थक गया हूं।

लेकिन अब, आखिरकार इन लड़कियों ने मेरे संतोष पर कर लगाना शुरु कर दिया है।"

भोजन के बाद वे लोग एक लम्बे दालान में चले गये। कैंडिडे ने तसवीरों की प्रसंशा की। पहली दो पर रुकते हुए उसने पूछा कि उनको किसने रंगा था। "वे रेफियल द्वारा बनी हैं।" सिनेटर ने कहा "मैंने उनको ऊँची कीमत पर सात साल पहले खरीदा था। केवल झूठी शान की बनी हैं। ये इटली में सबसे अधिक अच्छी कही जाती हैं। परन्तु ये मुझे पंसद नहीं हैं। रंग बड़े गहरे से हैं और दूसरी वस्तुएँ साफ-साफ नहीं दिखाई देतीं। वे अलग से दीखनी चाहियें। नीचे का कपड़ा असली नही है। संक्षेप में चाहे कुछ भी उनके बारे में कहा जाय वे मेरी राय में प्रकृति की सत्य प्रति-रूप नहीं हैं। मैं कभी कोई तसवीर पसंद नही करूँगा जब तक कि यह मुझे जैसे विश्वास न दिला दे मैं स्वयं प्रकृति को हाथ में लिए हूँ। वे ऐसी तस्वीर नहीं थीं। ऐसी मेरे पास बहुत हैं, पर मैं उनकी ओर कभी नहीं देखता।"

रात्रि के भोजन के पहले पोक्यूरानटे ने गाने की आज्ञा दी। कैंडिडे ने इसे

आनन्ददायक समझा। "यह शोर" पोक्यूरनटे ने कहा एक को "आधा घंटे तक प्रसन्न कर सकता है लेकिन जब वह समाप्त हो जाता है, तो वह प्रत्येक को भार सा प्रतीत होने लगता है, यद्यपि इसे कोई पाने का साहस नहीं करता। गाना आज कल केवल कठिन राग के गाने की कला के अतिरिक्त और कुछ नहीं रह गया है और जो कि केवल कठिन है और कुछ नहीं, देर तक आनन्द नहीं दे सकता।"

"मैं विश्वास करता हूँ कि मैं 'ओपेरा' में अधिक आनंद पा सकता हूं, अगर उन्होंने इसे घातक शैलियों में परिवर्तित न कर दिया हो। यह निम्न दुखान्त जो कि गाने में बदल दिये गये हैं—ये देखते हैं कि कौन उनको कह सकता है, जहाँ पर कि दृश्य किसी भी प्रयोजन से नहीं बनाये जाते, सिवाय अत्यधिक समानता से दो या तीन गाने किसी अभिनेत्री को अपने गले की शक्ति प्रदर्शन का अवसर देते हैं, उसे जो कि एक हिजड़े को सीजर के अभिनय द्वारा गाये और खेले गये अभिनय में देखकर बेहोश हो जाता है, होने दो। मेरे सम्बन्ध में, मैंने बहुत पहले इन पिछले प्रदर्शनों को देखना छोड़ दिया है, जो कि हमारे आधुनिक इटली का गौरव निर्मित करते हैं और जिसके लिए हमारे राजा इतना व्यय करते हैं।"

कैंडिडे ने इन खयालों के विरुद्ध बहस की, लेकिन बहुत थोड़ी और बुद्धिमत्ता के साथ। मार्टिन उनके साथ पूर्णतया सहमत था।

एक बढ़िया भोजन के बाद वे पुस्तकालय जाने के लिए तैयार हुए। जहाँ पर कैंडिडे ने बहुत खूबसूरती से बंधी हुई होमर की एक प्रति देखी। उसने सिनेटर को इस खज़ाने के रखने पर बधाई दी "यह किताब" उसने कहा, "पैंग्लौस, जर्मनी के सबसे बड़ा दार्शनिक, की पसंद में से एक थी।"

"यह मेरे लिए कोई अच्छी नहीं है" पोक्यूरानटे ने कहा "एक समय मैं सोचता था कि मुझे इस पुस्तक के पढ़ने में आनन्द आता था लेकिन लड़ाइयों का बार-बार विवरण जो वे सब देवता जो कि सदा शून्य को प्राप्त करने में व्यस्त हैं—उस 'हेलन' के समान हैं जो कि युद्ध का कारण है, तब भी

शायद ही कहीं लड़ाई में भाग लेते हों—वह कभी न समाप्त होने वाली और अप्रभाविक है, मैंने उनसे बहुत ही थका देने वाली पाया। मैंने कई बार सुशिक्षित मनुष्यों से पूछा कि क्या वे भी मेरी तरह इस से थक गये थे? सब ईमानदार लोगों ने स्वीकार किया कि वे इसको पढ़ते-पढ़ते सो गये थे। लेकिन अपने पुस्कालय में रखने को बाध्य थे, उस पुराने पदक के समान जिसका कि कोई भी व्यापारिक मूल्य नहीं होता।"

"लेकिन आपकी महानता अवश्य ही 'वरजिल' के बारे में ऐसी राय नहीं रखती होगी?" केंडिडे ने पूछा।

"मैं मानता हूँ कि दूसरो, चोथो, और छठवीं, पुस्तकें उसकी कृति एनीड की बहुत अच्छी हैं, लेकिन उसके पवित्र 'येनियाज' शक्तिशाली 'क्लोनथस' विश्वासनीय 'एकेटूस' छोटा 'एसकेनियस' और मन्द बुद्धि वाले राजा 'लेटिनस' उस गंदे 'अमाटा' से—बढ़ कर नीरस और कोई नहीं होगा। मैं 'टासो' और उन सोने वाले कथाकार 'आर्टिस्टो' को अधिक पसंद करता हूँ।"

"क्या मैं यह पूछने की स्वतंत्रता प्राप्त कर सकता हूँ महाशय, कि आप को 'होरेश' के पढ़ने में आनन्द नहीं आता?"

"इस लेखक में कुछ विशेषताएँ हैं, जिनसे कि एक सांसारिक मनुष्य कुछ लाभ उठा सकता है और उन कविताओं की प्रभावशाली शक्ति उनकी याद में जल्दी बिठा देती है, लेकिन मैं उसकी ब्रिडसी यात्रा की कम और उसके खराब भोजन के विवरण का या उसकी मछेरे स्त्रियों के रेपिलियस के साथ झगड़े, जिसके कि शब्दों को उसने ज़हरीली गन्ध कहा है, और कुछ दूसरे आदमियों की जिनके कि शब्द शराब में डूबे हैं, कम परवाह करता हूँ। मैं उसके बूटियां और भूति-नियों के विरुद्ध कटाक्षों से बड़ा दुखित हुआ। मैं उसमें वह विशेषता पाता हूँ जो कि उसने अपने मित्र मैकन्सि से बताया कि यदि वह उसे 'लिरिक' लिखने वाले व्यक्तियों की श्रेणी मे रखेगा तो उसका "ऊँचा सर" सितारों को छुएगा। मूर्खों में यह विश्वास करने की एक आदत होती है कि मशहूर लेखक

द्वारा लिखी गई प्रत्येक कृति प्रशंसनीय होती है। मेरे सम्बन्ध में मैं केवल अपने को प्रसन्न करने के लिए पढ़ता हूँ और वही पसंद करता हूं कि जो मेरी रुचि के अनुकूल होती है।"

कैंडिडे जो कभी अपनी स्वयं की धारणा नहीं बना सका था, इस सब पर चकित था। जो कुछ भी हो मार्टिन ने उसके विचार को बड़ा तर्कपूर्ण समझा।

"आह यहाँ एक सिजरो है।" कैंडिडे ने कहा, "इस महान् पुरुष को मेरे खयाल से तुम कभी पढ़कर नहीं थके होंगे।"

"मैंने उसको कभी नहीं पढ़ा। मैं उसकी रेबिलिवियस या लियूनटियस की दलीलों की क्या परवाह करता हूं? मैं उसकी दार्शनिक कृतियों को अच्छी तरह नहीं पढ़ता, सिवाय उसके, जब कि मैं उसको प्रत्येक वस्तु पर शक करते हुए पाता हूँ, मैंने निर्णय निकाला है कि मैं उतना ही जानता हूँ जितना कि वह जानता है। और अज्ञानता के लिए किसी भी निर्देशक की आवश्यकता नहीं रखता।"

"ओह, लेकिन वैज्ञानिक एकेडमी के मेमयर्स के चार भाग देखो," मार्टिन ने कहा, "शायद इन में कुछ अच्छी चीज़ हो।"

"हो सकती थी, यदि इस कूड़े के किसी एक संग्रहकर्ता ने पिन बनाने की कला का आविष्कार किया होता। लेकिन ये सब किताबें यों थोथी बातों से भरी हैं, बिना किसी एक प्रयोगिक लाभ के विषयों के।"

"नाटकों का कितना बड़ा संग्रह है।" कैंडिडे ने अलमारी के दूसरे ढेर की ओर बढ़ते हुए कहा "इटली स्पेनी और फ्रांसीसी भाषाओं में"

"हाँ, यहाँ इस प्रकार के तीन हजार नाटक हैं लेकिन तीन भी अच्छे नहीं हैं। और जहाँ तक इन धार्मिक शिक्षाओं के संग्रह का सम्बन्ध है, जो कि सब एक साथ रखने पर भी "सिनेका" के एक पेज के बराबर नहीं हैं और धर्म-शास्त्र के इन सब ग्रंथों को—तुम विश्वास कर सकते हो कि न तो मैं और न कोई दूसरा कभी खोलता है।"

मार्टिन ने कुछ अंग्रेजी किताबों की अलमारियाँ देखीं, "मैं सोचता हूँ" उसने सिनेटर से कहा कि "आप जैसे प्रजातंत्रवादी को इन ग्रन्थों में अवश्य रुचि रखनी चाहिए क्योंकि ये स्वतंत्र विचारों से भरे हैं।"

"हाँ, जो कुछ सोचता है उसको लिखना बहुत अच्छा है, यह मनुष्य की एक विशेषता है। समस्त इटली में हम लोग वह लिखते हैं जो कि हम सोचते नहीं हैं। सीजर और एन्टोनी की भूमि के आधुनिक लोग बिना जेकोवियन मोन्क की अनुमति के एक भी विचार रखने का साहस नहीं रखते।"

"मैं इंग्लैंड के स्वतंत्रता के ज्ञान से, जो कि उनकी प्रतिभा को उत्साहित करता है, प्रभावित होता, यदि उनकी इस स्वतंत्रता के गुणों में निम्न उत्तेजनाओं द्वारा व्यभिचार और दलबंदी की भावना न आ गई होती।"

कैंडिडे ने मिल्टन की कृतियों का एक संग्रह देखा और सिनेटर से पूछा कि क्या वह कवि को बड़ा मनुष्य नहीं समझता था? "कौन" पोरक्यूरानटे ने कहा, "वह जंगली, जो नीरस कविता को दस भागों में एक विवरण-सा जिनेसिस के पहले अध्याय पर लिखता है? ग्रीस के लोगों का पूर्णतया अनुसरण करने वाला, जिसने कि जीवोत्पत्ति की कहानी को निरर्थक और भद्दी बना डाला है? एक तरफ हम उसके मोजेज को देवता का प्रति-रूप पाते हैं। जो कि शब्द से संसार रचता है— तब भी उसका मसीहा यंत्रों का एक बड़ा जोड़ा स्वर्ग के निजी कमरे से उसका निश्चित कार्य ढूँढ़ने के लिए उठाता है।

मैं ऐसे लेखक की कैसे प्रशंसा कर सकता हूँ जिसने कि टास्सो के "हेल एण्ड डीबल" को बरबाद कर दिया है? जो कि लूसीफर को कभी एक मेंढक के बच्चे और कभी एक पिग्मी के रूप में परिणित कर देता है, जो कि एक ही विवाद को सौ बार दुहराता है और धार्मिक बन जाता है। एक लेखक, जो कि आर्येस्टो के अग्नि-हथियारों के हास्य नाटक से कथानक लेता है और नर्क में तोपें दागने वाले दानवों की कथा में परिवर्तित कर देता है।"

"न मैं, न कोई दूसरा इटली निवासी इन नीरस, निरर्थक बातों में रुचि लेगा। "दी मैरिज आफ सिन एण्ड डेव" और उसके गर्भाशय से निकलने वाले साँपों का निकलना किसी भी बुद्धिमान, किसी भी मनुष्य को मिचली की बात करा देगा। जहाँ तक एक अस्पताल के लम्बे विवरण का सम्बन्ध है, यह केवल एक सेक्स्टक के पढ़ने योग्य है।"

"उस कठिन, नीरस और अरुचि की कविता का पहले संस्करण में निरादर हुआ था। मैं कविता को केवल उतना ही मानता हूँ जितना कि उस के युग के लोगों को माना।"

"ऐसे मेरे विचार हैं। मैं अपना मस्तिष्क खोल कर रख देता हूँ और कभी इसकी परवाह नहीं करता कि दूसरे भी ऐसा सोचते हैं या नहीं, जैसा कि मैं सोचता हूँ।"

कैंडिडे दुखित हुआ, क्यों कि वह होमर का बड़ा आदर करता था और मिल्टन को बहुत चाहता था। "अफ़सोस" उसने मार्टिन से फुसफुसाया, "मुझे भय है कि यह आदमी हमारे जर्मन-कवियों से भी अवश्य घृणा करता होगा।"

"उसमें कोई बुराई की बात नहीं है," मार्टिन ने कहा, "कितना अच्छा मनुष्य है।" कैंडिडे अपने दाँतों के बीच में बुदबुदाया "पोरक्यूरानटे कितना प्रतिभाशाली है। कुछ भी उसके लिए अच्छा नहीं है।"

तब वे फिर नीचे बाग में गये और कैंडिडे ने सिनेटर की इसकी विभिन्न सजावटों के लिए प्रशंसा की। "ये सब खराब रुचि में हैं।" मालिक ने कहा, "यह केवल यूगाज़ का संग्रह है। लेकिन कल मैं एक बड़े संग्रह से एक दूसरा बनाऊँगा।"

जब कि दोनों दर्शकों ने उस महान् व्यक्ति से विदा ले ली, कैंडिडे ने मार्टिन से कहा, "अच्छा, मैं सोचता हूँ, कि अब तुम मानोगे कि हम सबसे अधिक सुखी प्राणी से मिले हैं—क्योंकि वह अपनी सब चीजों से अपने को बड़ा समझता है।"

"क्या तुम यह नहीं देखते ?" मार्टिन ने कहा "उसको हरेक वस्तु जो उसके पास होती है, घृणात्मक दीखती है । प्लेटो ने यह देखा है कि सर्वोत्तम पेट वह नहीं होते जो कि सब खाने को निकाल देते हैं ।"

"लेकिन चीजों की बुराइयाँ निकालने में अवश्य कुछ आनन्द आता होगा । उसमें बुराइयाँ देखना, जहाँ कि दूसरे सोचते हैं कि वे सुन्दरता देखते हैं, क्या है ?"

"तुम्हारा तात्पर्य यह है कि कोई भी सुख न भोगने में आनन्द है ।"

"अच्छा, अच्छा ऐसा प्रतीत होता है कि केवल मैं ही सुखी मनुष्य होऊँगा जब कि मैं क्यूनिगांदे को फिर से देखूँगा ।"

"आशा करना सदा अच्छा है ।"

लेकिन दिन और हफ्ते बीत गए बिना ककांबो की कोई खबर के । कैंडिडे दुःख से इतना ग्रस्त था कि उसने पैक्विटे और फ्रायर गिरोफ्ली की असभ्यता पर ध्यान तक न दिया, जो कि कभी उससे मिलने नहीं आये ।

: २६ :

छः राजाओं के साथ भोजन

कैंडिडे, मार्टिन और दूसरे अतिथि सराय में खाने जा ही रहे थे कि एक काले (जैसा कि जलने से हो जाता है) रंग का आदमी कैंडिडे के पीछे आया, उसको बाँह से पकड़ा और कहा, "हमारे साथ जाने के लिए तैयार हो जाओ, बिना किसी रुकावट के ।"

यह ककाँबो था, गरीब ! उसके पास जाकर प्रसन्नता के साथ कैंडिडे ने अपने प्रिय मित्र का आलिंगन किया । क्यूनिगांदे भी यहाँ अवश्य होगी, मैं

आशा करता हूँ। वह कहाँ है ? मुझे उसके पास ले चलो, जिससे कि उसकी उपस्थिति में सुख से मर सकूँ।"

"क्यूनिगांदे यहाँ नहीं है।" ककांबो ने कहा "वह कान्स्टैन्टिनोपल में है।"

"ओह भगवान्, कान्सटैन्टिनोपल ? कोई बात नहीं—अगर वह चीन में होती, मैं वहाँ उड़कर जाता। चलो हम लोग चलें।"

"हम लोग भोजन के बाद चलेंगे। मैं तुमसे इससे अधिक इस समय कुछ नहीं कह सकता। मैं एक दास हूँ और मेरा स्वामी मेरी प्रतीक्षा कर रहा है। मुझे वहाँ अवश्य जाना चाहिए। लेकिन एक शब्द मत बोलो, अपना भोजन करो और तैयार हो जाओ।"

उद्वेगों के आवेश में आकर—अपने विश्वासी नौकर से मिलने पर आनन्दित होकर और यह सुनकर चकित होकर कि वह एक दास था, अपनी प्रियतमा से मिलने के उपायों से निराश होकर—कैंडिडे मेज़ पर खाने बैठ गया। मेज़ पर उसके साथ मार्टिन था, जिसने बिना किसी उद्वेग के ककांबो के साथ उसकी बातचीत सुनी और छः नवागन्तुक थे जो कि वेनिस से मौसमी उत्सवों में भाग लेने आये थे।

ककांबो ने जो कि उनमें से एक आगन्तुक की सेवा में था, उससे भोजन के अन्त में कहा "महाशय", आप जहाँ चाहें जा सकते हैं, जहाज़ तैयार है।" यह कहने के बाद वह कमरे से चला गया। दूसरी मेज़ के अतिथियों ने एक दूसरे की ओर आश्चर्य से देखा, पर कुछ कहा नहीं।

दूसरा सेवक अपने स्वामी के पास गया और कहा "जनाब! पाडुआ में आपकी घोड़ा-गाड़ी है और बार्क[1] तैयार है।" स्वामी के एक संकेत पर नौकर चला गया।

मंडली का आश्चर्य बढ़ा। एक तीसरा दास तीसरे आगन्तुक के पास गया और कहा, "महाशय, विश्वास कीजिये, आपको इस स्थान पर नहीं ठहरना

---

[1] एक प्रकार का तीन मस्तूल वाला जहाज़, बाहर से लकड़ी से ढका हुआ।

चाहिये। मैं जाऊँगा और हर चीज़ तैयार रखूँगा।" यह दास भी बाहर चला गया।

कैंडिडे और मार्टिन ने विश्वास कर लिया कि ये लोग मौसमी मासकवेरड में भाग लेने वाले थे। एक चौथे नौकर ने चौथे स्वामी से कहा "आप जब चाहें जा सकते हैं" और वह भी बाहर चला गया। एक पाँचवाँ नौकर आया और पांचवें स्वामी से कहा। एक छठे नौकर ने, जिसका स्वामी कैंडिडे के बाद बैठा था—दूसरी बात कही, "महाशय वे आप पर अधिक विश्वास नहीं करेंगे और न मुझ पर ही। हम दोनों आज रात को जेल में भेजे जा सकते हैं। मैं जाता हूँ और अपना स्वयं का प्रबन्ध करता हूँ—इसीलिए जनाब विदा।"

छहों आगन्तुक और कैंडिडे तब तक चुपचाप बैठे रहे जब तक कि कैंडिडे ने मौन भंग नहीं किया। "महाशयों!" उसने कहा, "यह बड़ा रहस्य है, अब सब राजा कैसे बनें? मैं यह जानता हूँ कि मैं और मार्टिन केवल साधारण मनुष्य हैं।"

ककांबो के स्वामी ने कुछ दुखित आवाज़ में इटालियन में कहा, "मैं मज़ाक नहीं कर रहा हूं। मेरा नाम आकमेट[1] तृतीय है, बहुत दिन तक मैं बड़ा सुल्तान रहा। मैंने अपने भाई को गद्दी से उतारा, मेरे भतीजे ने मुझे गद्दी से उतार दिया, मेरे वज़ीर क़त्ल कर डाले गये और मैं अपने पतन के दिन पुराने सिराग्लियों में बिताता हूँ। मेरा भतीजा, बड़ा सुल्तान महोमत, मुझे अपने स्वास्थ्य के लिये कभी-कभी यात्रा की अनुमति दे-देता है और मैं वेनिस में उत्सव मनाने आया हूँ।"

एक युवक जो कि आकमेट के पास बैठा था, बोला, "मेरा नाम इवान[2] है। एक ज़माने में मैं सब रूसियों का ज़ार था, लेकिन अपने निजी स्थान में ही गद्दी

---

[1] यह १७०३ में अपने भाई मुस्तफा द्वितीय का उत्तराधिकारी बना और १७३० में जेनीसरीज द्वारा गद्दी से उतार दिया गया और १७३६ में मर गया।

[2] १७३० में पैदा हुआ, उसी साल गद्दी से उतार दिया गया और अन्त में १७६२ में मार डाला गया।

से उतार दिया गया। मेरे माता और पिता जेल में डाल दिये गये और मुझे कैद कर लिया गया। मैं कभी-कभी अपने वार्डरों के साथ यात्रा कर सकता हूँ और मैं वेनिस में मौसमी उत्सव मनाने आया हूं।"

एक तीसरे ने कहा, "मैं चार्ल्स एडवर्ड[1] हूँ। इंग्लैंड का राजा। मेरे पिता ने मेरे हित के लिए सिंहासन त्याग दिया। मैं अपने अधिकारों के लिए लड़ा हूँ और मेरे मित्रों में से आठ सौ का हृदय उनके शरीर में से निकाल कर उनके मुँह पर फैंक दिया गया। मैं आजकल जेल में बन्द हूँ। मैं रोम में अपने पिता बादशाह से मिलने जा रहा हूँ, जो कि मेरी और मेरे बाबा की तरह गद्दी से उतार दिया गया था और मैं वेनिस में उत्सव देखने आया हूं।"

चौथे ने कहा, "मैं पोलैंड का बादशाह हूं[2]। युद्ध के भाग्य ने मुझसे मेरी रियासतें छीन लीं। मेरे पिता ने भी इसी दुर्भाग्य का सामना किया। मैंने स्वयं को भाग्य की इच्छा पर छोड़ दिया है। सुल्तान अकमेट, जार इवान, और राजा चार्ल्स एडवर्ड की भांति, जिनकी भगवान् रक्षा करेगा, मैं वेनिस में उत्सव मनाने आया हूँ।"

पाँचवें ने कहा, "मैं भी पोलैंड का बादशाह हूं!"[3] लेकिन मैं इतना अवश्य हूँ जितना कि एक राजा होता है, यद्यपि इतना बड़ा एक राजकुमार नहीं हूँ।"

"मैंने दो दफा अपनी रियासत को खो दिया पर भाग्य ने मुझे रियासत दिला दी। जहाँ पर कि मैंने सब सारमाटियन राजाओं से अधिक अच्छा प्रबन्ध विस्टुला नदी के किनारे कर दिया है। मैं भी अपने को सब की तरह भाग्य के भरोसे छोड़ता हूं, और मैं वेनिस में उत्सवों में दिन व्यतीत करने आया हूं।"

---

[1] छोटा अधिकारी बोनी प्रिंस चार्ली। वह फ्लोरेंस में १७८८ में मर गया।

[2] अगस्टस, सेक्सोनी का एलेक्टर और पोलैंड का बादशाह। १७५६ की लड़ाई में अपनी राजधानी से निकाल दिया गया।

[3] स्टानिस्लास, लेस्किनिस्मी, लुई १५ वें का श्वसुर। पौलैंड की गद्दी खो देने के बाद 'बार' और 'लोटरानी' की रियासतों का वंश के क्रमानुसार राजा बना, जहाँ उसने 'बैनिफिशेंट' की उपाधि जीती।

छठे राजा ने कहा, "महाशयो, मैं इतना बड़ा राजकुमार नहीं हूं, जितने कि आप हैं, लेकिन फिर भी मैं किसी एक राजा के समान काफी हूं। मैं थियोडोर कोरिसिका[1] का निर्वाचित बादशाह हूं। मुझे 'मैजेस्टी' की उपाधि मिली थी और अब केवल सिगनर[2] की उपाधि ही रह गई है और मेरे पास एक फारदिंग भी नहीं हैं। मेरे पास दो सेक्रेट्री थे और अब मुश्किल से एक दास है। मैं कभी गद्दी पर बैठता था और अब लंदन की जेल में घास-फूँस के ऊपर लेटता हूं। मुझे भय है कि मुझे फिर वैसे ही दुर्भाग्य का सामना यहाँ भी करना पड़ेगा, यद्यपि मैं आपके साथ वेनिस का उत्सव देखने आया हूं।"

सबसे आखरी वाक्य ने दूसरे पाँच राजाओं को दया से भर दिया। उन में से हर एक ने थियोडोर को बीस सिक्केन कमीजें और कपड़ों के सूट, खरीदने के लिए दिये।

कैंडिडे ने उसे एक हीरा दो हजार सिक्केन के साथ दिया।

"यह कौन आदमी है?" राजाओं में से एक ने कहा, "जिसने कि ये दिये हैं—हम लोगों में प्रत्येक से सौ गुना अधिक दे सकने योग्य है। क्या आप भी एक राजा हैं, महाशय?"

"नहीं महाशय", कैंडिडे ने कहा "और मैं होना भी नहीं चाहता।" जब कि वे लोग मेज छोड़ रहे थे, चार सीरीन राजा अन्दर आये। उन्होंने भी अपनी रियासतें खो दी थीं और वेनिस में उत्सव मनाने आये थे। लेकिन कैंडिडे ने इन नवागन्तुकों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया और जो कुछ भी उसने फिक्र की वह क्यूनिगांदे की खोज में कोन्स्टैन्टिनोपल जाने की थी।

---

[1] बैरन थियोडोर, न्यूहोफ १६६० में पदा हुआ। भाग्यशाली सिपाही, जिसने कोरसिकोंस को जिनोइस के विरुद्ध बगावत करने में सहायता दी और उनका राजा घोषित किया गया, लेकिन आठ महीने बाद जिसने कत्ल के डर से कारसिका को छोड़ दिया। लंदन में १७५६ में मर गया।

[2] जर्मनी भाषा में मिस्टर को कहते हैं।

: २७ :

कोन्स्टैन्टिनोपल की यात्रा

ककाँबो ने कैंडिडे और मार्टिन के लिए उस तुर्की जहाज़ में केबिन किराये पर ले लिये जो कि सुल्तान एकेमेट को वापस कौन्सटैन्टिनोपल ले जाने को था। उस अप्रसन्न बादशाह के सम्मुख झुककर वे उसपर सवार हो गये।

"छः राजाओं के साथ भोजन करना कितना आश्चर्यजनक है!" कैंडिडे ने कहा, "जब कि वे लोग सवार होने जा रहे थे और उनमें से एक इतना गरीब कि मैंने उसको दान दिया। शायद अभी और भी अभागे राजकुमार होंगे!"

"मेरे सम्बन्ध में, मैंने जो अस्सी खज़ाने से लदी भेड़ों को खो दिया, और क्यूनिगांदे के पास जा रहा हूं। मैं एक बार फिर कहता हूँ मेरे प्यारे मार्टिन! पैंगलौस ठीक कहता था कि प्रत्येक वस्तु अच्छाई के लिए होती है।"

"मैं आशा करता हूँ कि हे"

"लेकिन सत्य ही क्या वह असम्भव वीरतायुक्त कार्य नहीं था? हम लोगों में से पहले किसी ने भी छः पदाच्युत राजाओं को एक साथ सराय में खाते देखा या सुना नहीं था।"

"यह उन सभी बातों से असाधारण नहीं है जो कि हमारे ऊपर बीत चुकी है और हमारा उनमें से छः के साथ जाने का सम्मान प्राप्त करना केवल साधारण है और किसी विशेष ध्यान देने योग्य नहीं है। किसी के साथ भोजन करने में क्या बात है, जब कि पैसा काफी है।"

कैंडिडे जहाज़ के ऊपर अपने पुराने साथी और सेवक ककाँबो की गर्दन पर गिर पड़ा "क्यूनिगांदे की क्या खबर है?" उसने कहा "क्या, अभी भी वह सुन्दरता की देवी है? क्या अभी भी वह मुझ से प्रेम करती है? वह कैसी है? क्या उसके लिए तुमने कोन्सटैन्टिनोपल में एक मकान खरीद लिया है?"

"मेरे प्यारे स्वामी प्रपौंटिस के किनारे क्यूनिगांदे तश्तरियाँ धोती है, एक

राजकुमार के घर में जिसके पास बहुत थोड़ी तश्तरियाँ धोने को हैं। वह एक भूत-पूर्व राजा राकोसी[1] की दासी है, जिसको कि बड़ा तुर्की तीन ताज रोज़ अपने निर्वासन में अपनी स्थिति बनाये रखने के लिये देता है, और भी बुरा यह है कि क्यूनिंगादे ने अपनी सुन्दरता खो दी है और वह बहुत कुरूप हो गई है।"

कुरुप हो या रूपवती, मैं आदरणीय आदमी हूँ, और उससे सदा प्रेम करने के लिए बाध्य हूं। लेकिन छः या सात करोड़ के साथ, जो कि तुम उसके पास ले गये थे, वह इस दयनीय अवस्था को कैसे प्राप्त हुई ?"

"मैं तुम को बताऊँगा। पहले मुझे दो हजार ब्यूनस आयर्स के गवर्नर को क्यूनिंगादे को अपने साथ ले जाने के लिए देने पड़े। तब एक समुद्री लुटेरे ने हमारे शेष धन को भी लूट लिया। क्यूनिंगादे और बुढ़िया अब उस राजकुमार के घर में हैं, जिसके बारे में मैंने तुमको बताया। मैं स्वयं पदच्युत सुल्तान का सेवक हूँ।"

"कितने भयानक दुर्भाग्यों की शृंखला है, लेकिन फिर भी मेरे पास कुछ हीरे बचे हैं। मैं क्यूनिगाँदे को सरलता से मुक्त कर सकता हूं··· यह खेद है कि वह कुरूप हो गई।"

"तुम क्या सोचते हो ?" कैंडिडे ने मार्टिन से पूछा, "सबसे दया के योग्य कौन है ? सुल्तान अकमेट, ज़ार इवान, राजा चार्लस एडवर्ड या मैं ?"

"मैं नहीं बता सकता। उत्तर पाने के लिए मुझे तुम्हारे समस्त हृदय में पैठना होगा!"

"आह, अगर पैंग्लौस यहाँ होता तो उत्तर जानता और हम लोगों को बताता।"

---

[1] फेरेजस राकोसी एक ट्रान्सी राजकुमार, जिसने हंगेरियों को हैप्स-वर्गीयों के विरुद्ध क्रांति के लिए भड़काया और सफलतापूर्वक लियोपोल्ड प्रथम और ज़ोज़फ के विरुद्ध लड़ा। अन्त में हार गया। टर्की में चला गया और राडोप्पे में १७३५ में मर गया।

"मैं नहीं जानता कि तुम्हारा पैंग्लौस किस तराजू पर मनुष्य के दुर्भाग्यों को तोल सकता है ? मैं समझता हूँ कि पृथ्वी पर करोड़ों मनुष्य हैं, जो कि चार्ल्स एडवर्ड, ज़ारइवान और सुल्तान अकमेट से सौ गुने दया के पात्र हैं।"

"यह अवश्य हो सकता है।"

कुछ दिनों बाद वे काले सागर के प्रवेश-स्थान पर पहुँच गये। कैंडिडे ने ककाँबों को छुड़ाने के लिए एक भारी रकम अदा की और वे और मार्टिन एक बड़ी सी खुली नाव पर सवार हो गये, जो कि उनको प्रपोन्टिस के तट पर ले जाने के लिए थी। क्यूनिगांदे चाहे कितनी भी कुरूप हो गई हो, कैंडिडे उसको ढूँढने के लिए दृढ़ था।

इस नाव पर कैदियों के गिरोह में से दो ऐसे थे, जो कि बड़े भद्दे तरीके से रहे थे। इसलिए कप्तान उनकी नंगी पीठ पर कोड़े लगाता रहा। कैंडिडे ने उनको खासतौर से देखा और उनके लिए दुखित हुआ। उनकी बिगड़ी हुई सूरतें पैंग्लौस और अभागे बैरन, क्यूनिंगादे के भाई के समान मालूम पड़ती थी। "सचमुच" उसने ककांबो से कहा, "मैंने अगर पैंग्लौस को फांसी पर चढ़ते न देखा होता और स्वयं बैरन की हत्या करने का दुर्भाग्य प्राप्त न किया होता तो मैं यह विश्वास करता कि वे नाविकों में ही हैं।"

पैंग्लौस और बैरन शब्द सुनने पर उन दो कैदियों ने एक चीख मारी और नाव खेना बन्द कर दिया। डांड़ों को बह जाने दिया। कप्तान उनके पीछे भागा और बैल के चमड़े के कोड़ों को और सख्ती से मारा।

"पकड़ो, पकड़ो महाशय!" कैंडिडे चिल्लाया, "मैं तुमको उतना धन दूंगा जितना तुम माँगोगे।"

"क्या यह कैंडिडे है ?" दोनों बन्दी आश्चर्य से चिल्लाये।

"क्या मैं स्वप्न देख रहा हूँ ?" कैंडिडे ने कहा। "क्या मैं जाग रहा हूं ? क्या सचमुच मैं इस नाव के ऊपर सवार हूं ? क्या यह मेरा लार्ड बैरन है, जिसको मैंने मार डाला और मास्टर पैंग्लौस जिनको मैंने फाँसी पर चढ़ते देखा ?

"हाँ हम वही हैं, हम वही हैं।"

"क्या यह वही महान् दार्शनिक है?" मार्टिन ने कहा। "सुनो कप्तान" केंडिडे ने कहा, "तुम बैरनवान, थंडर-ट्रेन ट्राँक के पहले बैरनों में से एक, और डा० पैंग्लौस, जर्मनी के सबसे बड़े आत्म-विज्ञानी की रिहाई के लिए कितना रुपया चाहते हो?"

"एक क्रिश्चियन का कुत्ता" कप्तान ने कहा "यदि ये दोनों क्रिश्चियनों के कुत्ते कैदी बैरन और आत्म विज्ञानी हैं, जो कि जर्मनी की बेशक सबसे ऊँची उपाधियाँ हैं, तब तुम मुझे पच्चीस हज़ार सिक्वन दो।"

"आपको वह मिलेंगे, महाशय, मुझे फिर बिजली की-सी शक्ति के साथ कौन्सटैन्टिनोपल ले चलो और तब तुमको फौरन ही अदा कर दिया जायगा। नहीं, मुझे पहले क्यूनिगाँदे के पास ले चलो।"

लेकिन कप्तान ने पहली आज्ञा सुनकर जहाज़ को कौन्सटैन्टिनोपल के किनारे की ओर मोड़ना शुरू कर दिया था। उसने जहाज़ नाविकों से इतने वेग से चलवाया कि नाव पक्षी के समान उड़ती प्रतीत होने लगी।

केंडिडे ने बैरन और पैंग्लौस का बार-बार आलिंगन किया।

"और यह कैसे हुआ मेरे प्यारे बैरन कि मैंने तुम्हारी हत्या नहीं की?"

"और तुम, मेरे प्रिय पैंग्लौस कैसे अपनी फाँसी के बाद जीवित हो गये? और तुम दोनों कैसे इस तुर्की नाव पर हो?"

"क्या यह सत्य है कि मेरी प्रिय बहन इस देश में है? क्या यह सचमुच मेरा प्रिय केंडिडे है?" बैरन और पैंग्लौस ने पूछा।

"हाँ, यह है," केंडिडे ने दोनों के उत्तर मे कहा। उसने दोनों का कक्काँबो और मार्टिन से परिचय कराया। और तब खूब प्रेम के साथ जोरदार बातचीत होने लगी।

नाव उनको जल्दी ही बन्दरगाह पर ले आई और एक यहूदी व्यापारी ढूँढ लिया गया। जिसको कि केंडिडे ने एक हीरा पचास हजार सीक्वन पर बेच दिया जो कि इससे दुगने मूल्य का था, यद्यपियहूदी ने इब्राहीम की शपथ लेकर कहा कि वह अधिक नहीं दे सकता। पैंग्लौस और बैरन छोड़ दिये गये। पहला अपना

उद्धार करने वाले के लिए पैरों पर गिर पड़ा, जब कि दूसरे ने अपना धन्यवाद उसको दिया और पहले ही अवसर में धन देने का वचन दिया।

"लेकिन क्या यह सम्भव है ?" बैरन ने पूछा, "कि मेरी बहन तुर्किस्तान में होगी ?"

"यह सम्भव से अधिक है। यह निश्चय है।" कॅंडिडे ने कहा, "वह एक ट्रांसी-लवानियन राजकुमार के घर में तश्तरियाँ धोती है।"

दो और यहूदी लाये गये। कॅंडिडे ने और हीरे बेचे और वे सब लोग एक दूसरी नाव में क्यूनिगांदे को स्वतंत्र कराने के लिए चल दिए।

: २८ :

गैली दासों की कथा

"एक बार मैं फिर आप से क्षमा माँगता हूँ रिवरेंड फादर !" कॅंडिडे ने कहा, "आपके शरीर में तलवार का आघात करने के लिए।"

"हम लोगों को उसके बारे में अब कुछ नहीं कहना चाहिए। मुझे खुद मानना चाहिए कि मैंने थोड़ी शीघ्रता की थी, लेकिन जब कि तुम यह जानना चाहते हो कि मैं किस दुर्घटनावश इस जहाज पर पहुँचा तो मैं तुम्हें बतलाऊँगा।

"डाक्टर ने मुझे तुम्हारे किये घाव से अच्छा कर दिया। कुछ समय बाद मेरे ऊपर आक्रमण हुआ और मैं एक स्पेनी टुकड़ी द्वारा कैद कर लिया गया, जिन्होंने मुझे ब्यूनॉजआयर्स की जेल में बन्द कर दिया। तब ही मेरी बहन ने उस शहर को छोड़ा था।

"मैंने रोज छुट्टी माँगी, अपने आज्ञा देने वाले जनरल को मिलने के लिए," जिसने मुझे कौन्सटैन्टिनोपल में फ्रांसीसी राजदूत का पादरी नियुक्त कर दिया था।

"अभी मुझे अपने नये दफ्तर में एक सप्ताह भी नहीं हुआ होगा, जब कि एक शाम को मैं एक बहुत सुन्दर जवान इकोगलान से मिला। मौसम गर्म था

और जवान आदमी की इच्छा नहाने की थी। मैंने भी उसी प्रकार नहाने के अवसर से लाभ उठाया। मैं नहीं जानता था कि एक ईसाई के लिए यह प्रमुख अपराध था कि वह एक जवान मुसलमान के साथ नंगा पाया जाय। एक क़ाज़ी ने मुझे पैर के तलों में सौ कोड़े खाने की आज्ञा दी और मुझे नाव पर भेज दिया, जो कि अत्यधिक भयानक अन्याय था।"

"लेकिन अब मैं यह जानना चाहूँगा कि मेरी बहन एक ट्रासीलवानियन राजकुमार के यहाँ दासी कैसे हो गई?"

"लेकिन तुम मेरे प्रिय पौंग्लौस" केंडिडे ने कहा, "यह कैसे हुआ कि मैं तुम को फिर देख रहा हूँ?"

"तुमने मुझे फाँसी लगते देखा, जैसे कि तुमने सोचा" पैंग्लौस ने कहा, "मुझे ठीक प्रकार से जला देना चाहिये था। लेकिन जैसा तुमको याद होगा कि जैसे ही वे मुझे भूनने जा रहे थे, मूसलाधार वर्षा शुरू हो गई। वे लोग आग तक न जला सके, इसलिए उन्होंने मुझे लटका दिया। क्योंकि वे इससे अधिक कुछ न कर सके।"

"एक सर्जन मेरा शरीर ले आया। मुझे अपने घर ले गया और मेरी चीर-फाड़ आरम्भ की। उसने बहुत नाजुक चीर-फाड़ मेरे पेट से लेकर कंधे की हड्डी तक की।"

"मैं बुरी प्रकार लटकाया गया था। डाक्टर ने जो एक छोटा-सा पादरी भी था, और जले हुए लोगों के लिए बहुत कुशल था, परन्तु जहाँ तक फाँसी का सवाल है वह कभी भी उसका उपचार नहीं करता था। रस्सी गीली थी और ठीक तरह फिसली नही थी और गाँठ कसी नहीं थी। संक्षेप में मैंने साँस लेना आरम्भ कर दिया। उस कड़ी चीर-फाड़ से मैं इतनी जोर से चिल्लाया कि सर्जन पीछे गिर पड़ा। उसने सोचा कि वह एक भूत की चीर-फाड़ कर रहा था। भय से भाग गया और सीढ़ियों के नीचे काँपने लगा। शोर के कारण साथ के कमरे से उसकी पत्नी आ गई। उसने मुझे कटा-पिटा मेज़ पर देखा और अपने पति से भी अधिक भयभीत हो गई और वह उसके ऊपर गिर पड़ी।

इस सब गड़बड़ी के बाद मैंने पत्नी को अपने पति से कहते सुना, "प्रिय तुमने एक धार्मिक को चीरने को कैसे सोचा ? क्या तुम नहीं जानते कि उनके शरीर में भूत होता है ? मैं सीधे एक पादरी के पास दौड़ कर जाती हूँ, जो उसको आकर वश में करे।"

मैं इस प्रस्ताव पर भयभीत हो गया और मैंने अपने चिल्लाने की समस्त शेष शक्ति बटोरी "दया ! दया !" आखिरकार पुर्तगाली सर्जन ने साहस बाँधा और मेरा घाव सी दिया। उसकी पत्नी ने मेरी सुश्रुषा की और पन्द्रह दिन में मैं अपनी टाँगों पर खड़ा हो गया।"

"सर्जन मुझे एक ऐसे स्थान पर लाया जो कि माल्टा के नाइट की थी, जो कि वेनिस जा रहा था। लेकिन इस आदमी के पास मेरी तनख्वाह के लिए पैसे नहीं थे, तो मैंने एक वेनिटियन की नौकरी कर ली और उसके साथ कान्स्टैन्टिनोपल चला गया।"

"एक दिन मैंने एक मस्जिद में जाने की ठानी। वहाँ कोई नहीं था, केवल एक इमाम और बहुत खूबसूरत जवान स्त्री, जो कि अपनी प्रार्थना कर रही थी, उसका गला नंगा था और उसकी छाती पर खूबसूरत फूलों के गुलदस्ते थे। उसने अपने हारों को गिरने दिया। मैंने उन्हें उठा लिया और अति सम्मानपूर्वक उसे लौटा दिया। लेकिन जब कि मैं उसे यथास्थान रखने जा रहा था तो इमाम क्रुद्ध हो उठा।"

"यह देखकर कि मैं ईसाई था, वह मदद के लिए चिल्लाया। वे मुझे एक काज़ी के पास ले गये, जिसने मुझे सौ कोड़े खाने की आज्ञा दी और मुझे नावों पर भेज दिया।"

"मैं उसी नाव में बाँध दिया गया और उसी बैंच पर बाँधा गया जिस पर कि वह लार्ड बंधा था। दल में दूसरे चार आदमी आर्सलीज़ थे, पाँच नैपोलिटन पादरी और दो मौन्क्स थे। मुझे अपने सह-बन्दियों से पता चला कि मेरे साथ हुई घटनायें बहुत साधारण थीं।

उस महान् पुरुष ने मुझसे सदा यह दावा किया कि उसने मझ से अधिक

अन्याय झेला था, लेकिन मैं सदा इस पर ज़ोर देता था कि किसी जवान औरत का हार किसी ठीक स्थान पर रखने की अधिक इजाजत थी बजाय इसके कि एक इकोग्लान के साथ नंगे पाया जाय। हम लोग इसी बात पर बराबर बहस कर रहे थे और बार-बार बैल के कोड़े से मारे जाते थे, लेकिन अन्त में घटनाओं के चक्र से हमारी नाव पर तुमको हमारे छुटकारे के लिए चढ़ाया गया।"

"मुझे यह बताओ प्यारे पैंग्लोस कि जब तुम लटकाये गये, चीरे गये और तुम्हारे कोड़े लगाये गये, और जब तुम एक चप्पू के साथ खींचा-तानी कर रहे थे, क्या तुम सदा यह सोचते रहे कि प्रत्येक वस्तु अच्छाई के लिए है।"

"मैं अपनी पुरानी राय को क़ायम रखता हूँ। आखिरकार मैं एक दार्शनिक हूँ और मैं अपनी ही बात को नहीं काट सकता। मैं गलती नहीं कर सकता और पूर्व स्थापित समानता का सिद्धान्त संसार में सर्वोत्तम वस्तु है, जैसे कि प्लीनम और मैटिरिया सब्टीलिस है।

: २६ :

क्यूनिगाँदे फिर मिली

जैसे ही दल टासीलबानियन राजकुमार के घर की ओर बढ़ा, उन्होंने क्यूनिगांदे और बूढ़ी औरत को एक कतार में कपड़े लटकाते देखा।

बैरन इस दृश्य से पीला पड़ गया और कैंडिडे भी भयभीत हो गया। खूबसूरत क्यूनिगांदे सूरज से जल कर काली हो गई थी, उसकी आँखें लाल पड़ गई थीं और उसकी गर्दन खराब हो गई थी। उसके गालों में झुर्रियाँ पड़ गई थीं और उसके हाथ लाल चकत्तों से भर गये थे। कैंडिडे एक बार पीछे हटा, लेकिन सभ्य आचरणों ने उसे आगे बढ़ने के योग्य बना दिया। क्यूनिगांदे और बूढ़ी औरत ने कैंडिडे और बैरन का आलिंगन किया। कैंडिडे ने तब दोनों औरतों को स्वतन्त्र कराया।

वहाँ पर पड़ोस में एक छोटा सा खेत था और बूढ़ी ने यह सम्मति दी कि केंडिडे को उस स्थान को अस्थाई रूप से दल के रहने के लिए किराये पर लेना चाहिए। क्यूनिगांदे यह नहीं जानती थी कि वह कुरूप हो गई थी, जैसा कि उसको किसी ने नहीं बताया था। केंडिडे अपनी प्रतिज्ञा पर इतना दृढ़ था और इतना सभ्य था कि उस अच्छे स्वभाव के युवक ने उसको त्यागने का साहस नहीं किया। उसने बैरन को बताया कि वह उसकी बहन के साथ शादी करने जा रहा है।

"मैं अपनी बहन के लिए कभी भी ऐसी नीचता सहन नहीं करूँगा" बैरन ने कहा, "तुम्हारी ऐसी धृष्टता, मैं कभी भी ऐसी बेइज्जती नहीं देख सकता। मेरी बहन के बच्चे क्यों न जर्मनी के सम्मानित घरों में बुलाये जायें, नहीं, मेरी बहिन किसी भी "रीच" के बैरन पदवी वाले मनुष्य से विवाह नहीं करेगी।"

क्यूनिगांदे रोती हुई अपने भाई के पैरों पर गिर पड़ी, लेकिन वह अटल था। "बेवकूफ आदमी" केंडिडे ने कहा क्या मैंने तुमको नावों से छुटकारा नहीं दिलवाया, तुम्हारे और तुम्हारी बहिन के छुटकारे के लिए धन नहीं दिया, जो कि तश्तरी धोने वाली है और बहुत बदसूरत है। मेरी उच्चता है कि मैं उसको पत्नी बना रहा हूँ और तुम अब भी इस जोड़ी के विरुद्ध अपने को बीच में खड़ा करते हो? अगर मैं अपने क्रोध को कार्यान्वित कर पाऊँ, तो तुम्हें फिर मार डालना चाहिए।

"तुम मुझे फिर मार सकते हो" बैरन ने कहा "लेकिन जब तक मैं जीवित हूँ तुम मेरी बहन से विवाह नहीं करोगे।"

: ३० :

प्रपौन्टिस पर दार्शनिकता

सच्चे हृदय से केंडिडे की क्यूनिगांदे से विवाह करने की कोई भी इच्छा न थी। लेकिन उसे बैरन की धृष्टता ने ऐसा करने पर मजबूर कर दिया और क्यूनिगांदे ने उससे इतने प्रेम के साथ अनुरोध किया कि वह इन्कार न कर सका।

उसने पैंग्लौस, मार्टिन और कक्कांबो से परामर्श किया। पैंग्लौस ने अन्तिम निर्णय दिया कि बैरन को अपनी बहन पर कोई अधिकार नहीं। और वह 'रीच' के कानूनों के अनुसार विधिपूर्वक कैंडिडे से विवाह कर सकती थी। मार्टिन ने बैरन को समुद्र में फैंक देने की सलाह दी। कक्काँबो ने सुझाव दिया कि उसको लिवान्टाइन कप्तान के पास फिर से नाव पर काम करने के लिए वापस लौटा देना चाहिए, जिसके बाद वह पहले जहाज़ द्वारा रोम में फादर-जनरल के पास भेजा जा सकता था।

इस सुझाव ने सब की स्वीकृति प्राप्त की। बुढ़िया को यह बता दिया गया और वह भी मान गई, पर क्यूनिगांदे को इस बारे में कुछ नहीं कहा गया। थोड़े ही दामों पर सौदा कर लिया गया और उनको एक जीज्विट को सताने और एक जर्मन बैरन के घंमड की सजा देने का दुगना आनन्द आया।

पाठक यह सोच सकते हैं कि कैंडिडे इतनी आपदाओं के पश्चात् अपनी प्रियतमा से विवाहित होकर खुश होगा। अपनी मित्र-मंडली, दार्शनिक पैंग्लौस, चालाक मार्टिन और बुढ़िया के द्वारा आशीर्वाद पाकर और इतने हीरे लेकर अब हमेशा सुख से रहेगा।

सचमुच जो हुआ वह यह था कि कैंडिडे को यहूदियों ने इतनी बुरी तरह धोखा दिया कि अन्त में उसके पास सिवाय छोटे खेत के और कुछ नहीं बचा। उसकी पत्नी जो दिन-प्रति-दिन बदसूरत हो रही थी, बड़ी कर्कशा और न सँभाल सकने योग्य हो गई थी। बूढ़ी बीमार हो रही थी और क्यूनिगांदे से भी अधिक चिड़चिड़ी हो गई थी। कक्काँबो जो कि बाग में काम कर रहा था, और इसमें हुई पैदावार को कान्सटैंटिनोपल के बाज़ार में बिक्री के लिए ले जाता था, परिश्रम से क्लांत हो गया था और बहुत दयनीय था। पैंग्लौस किसी जर्मन-विश्वविद्यालय का कोई विद्वान न होपाने के कारण, उदास हो गया था। जहाँ तक मार्टिन का संबंध था, वह इसमें विश्वास करता था कि चाहे कोई जहाँ भी हो, सदा दुःखी ही रहेगा। इसीलिए उसने प्रत्येक वस्तु को सब्र के साथ बर्दाश्त किया।

कैंडिडे, मार्टिन और पैंग्लौस कभी-कभी नैतिकता और आत्मविज्ञान पर विवाद करते थे। घर की खिड़की के नीचे नावें, बाशों पर लगे सिरों को, जो कि सबलाइम पोर्ट को उपहार स्वरूप भेजे जा रहे थे, ले जा रही थीं। ऐसे दृश्यों ने दार्शनिकों में विवाद के लिए उत्सुकता बढ़ा दी।

जब ये विवाद नहीं कर रहे थे, वह समय उनके लिए इतना दुर्भाग्यशाली हो गया कि एक दिन बुढ़िया ने कहा, "मैं आश्चर्य करती हूँ कि क्या अधिक खराब है, हब्सी डाकुओं से सौ बार बलात्कारित होना, एक नितम्भ का कट जाना, बल्गेरियनों की तलवार से छेदा जाना, चीरे-फाड़े जाना और नाविक-दास बनना या यहाँ बिना कुछ करते हुए ठहरना ?"

"यह" कैंडिडे ने कहा, "एक बहुत समझदारी का प्रश्न है।" इसने उन लोगों को आगे विवादग्रस्त कर दिया। मार्टिन इस निर्णय पर पहुंचा कि भय के दुःखों में रहना या उदासी की स्थिति में बैठना, आदमी का भाग्य है। कैंडिडे पूर्णतया सहमत नहीं हुआ, लेकिन अपनी राय नहीं बना सका। पेंग्लौस जबकि यह मान रहा था कि वह भयानक परिस्थितियों में रह चुका है, अब भी यह कहता था कि प्रत्येक वस्तु बहुत ही अच्छी है, यद्यपि वह इसमें विश्वास नहीं करता था।

एक ऐसी घटना हुई जिसने मार्टिन के घृणात्मक विश्वासों को पक्का कर दिया। कैंडिडे हमेशा से अधिक हिचकिचाने लगा और पैंग्लौस के आश्चर्य का कारण बना। यह पैक्विटे और फ्रायर गिरोफ्ली का आगमन था। उनके पास एक भी पेनी नहीं थी, और तीन हज़ार पैस्ट्रजज़, जो कैंडिडे ने उनको दिये थे, उन्होंने शीघ्रता से समाप्त कर दिये। वे अलग हो गये, फिर मित्र हुए और झगड़ बैठे। वे कैद भी हो गये थे और फिर भाग निकले थे। फ्रायर गिरोफ्ली तुर्की हो गया था जैसा कि उसने एक बार कहा था कि वह हो जायगा। पैक्विटी अपना पेशा जहाँ भी जाती थी चालू रखती थी, लेकिन इससे थोड़ा कमा पाती थी।

"मैंने तुमको बताया था" मार्टिन ने कैंडिडे से कहा "तुम्हारे उपहार का शीघ्र ही दुर्पयोग होगा और यह उनको पहले से अधिक दयनीय बना देगा। तुमने

और ककांबो ने करोड़ों पास्ट्रेज लुटाये हैं तब भी तुम लोग फ़ायर गिरोफ्ली और पेक्विटे से प्रसन्न नहीं हो।"

पैंग्लौस के पास पैक्विटी के लिए थोड़ा ही कहने को बचा था। "तो मेरी प्यारी बच्ची!" उसने कहा "ईश्वर तुमको हम लोगों के बीच फिर ले आया है। क्या तुम्हें मालूम है कि तुम्हारा मूल्य नाक का अगला भाग एक आँख और एक कान देकर चुकाना पड़ा है? ओफ! तुम किस दशा में बदल गई हो? और हमारा यह संसार कैसा है?"

इस नई घटना ने उन सब को पहले से भी अधिक विचार करने के लिए बाध्य कर दिया।

वहाँ पड़ौस में एक बहुत प्रसिद्ध मुल्ला रहता था, जो कि साधारणतया पूरे तुर्किस्तान में सर्वोत्तम दार्शनिक माना जाता था। एक दिन वे उससे परामर्श करने गये। पैंग्लौस उनके प्रतिनिधि के रूप में मुल्ला से बोला "मास्टर" हम आपके पास यह पूछने आये हैं कि आदमी ऐसा अद्भुत जानवर क्यों बनाया गया है?"

"आप इस मामले में क्यों रुचि रखते हैं?" मुल्ला ने कहा। "क्या यह आपका कोई पेशा है?"

"लेकिन पूज्यनीय पिता," कैंडिडे ने कहा "पृथ्वी पर भयानक पाप होते हैं।"

"इससे क्या मालूम होता है कि यहाँ पाप है या पुण्य है? जब सुल्तान मिश्र कोई चूहों का जहाज़ भेजता है तो क्या वह अपने सिर को कष्ट देता है कि पकड़े हुए चूहे आराम से हैं या नहीं?"

"तब एक मनुष्य को क्या करना चाहिए?"

"उसको मौन रहना चाहिए।"

"मैंने अपने को आपके सामने" कैंडिडे ने कहा "थोड़ा कारणों और प्रभावों से सम्बन्धित विवाद करने के लिए उपस्थित किया है और संसार में संभवतः श्रेष्ठ पापों की मूल उत्पत्ति आत्मा का स्वभाव, पूर्वस्थापित समानता और इसी प्रकार के विषयों के लिए हैं।"

इन शब्दों पर मुल्ला ने उनके सामने से द्वार बन्द कर दिया।

उसी दिन कौंस्टैटिनोपल से खबर आई कि बेंच के दो वज़ीर और ग्रेंड व्यक्तियों को फाँसी दे-दी गई और उनके कई मित्रों को सूली पर चढ़ा दिया गया। यह घटना कुछ घंटे के लिए कारण बनी। मुल्ला के यहाँ से अपने घर लौटते समय एक योग्य बूढ़े दार्शनिक से मिले ; जो अपने द्वार पर नारंगियों के पेड़ों के झुंड के नीचे हवा खा रहा था। पेंग्लौस, जो दार्शनिक होने के साथ गप्पों में भी बड़ी रुचि रखता था, उसने पूछा "क्या वे फाँसी दिए गये मुफ्ती का नाम जानता था ?"

"नहीं" बूढ़े ने कहा, "मैंने अपने जीवन में कभी किसी मुफती या वज़ीर का नाम नहीं सुना, ना ही मैं उस घटना के बारे में जानता जिसके बारे में तुम बातें कर रहे हो। मैं इस मत को मानता हूँ कि वे साधारणतया राजनीति में उलझे रहते हैं और उनका अन्त दुखदाई होता है और वे इस योग्य ही होते हैं। मैं कभी यह पता नहीं लगाता कि कौंस्टैन्टिनोपल में क्या हो रहा है ? मैं वहाँ अपने बाग़ के फलों की बिक्री के लिए जाता हूँ।"

उसने विदेशियों को अपने घर निमंत्रित किया, जहाँ उसकी दो लड़कियाँ और दो बेटे उनके लिए घर के बने तरह-तरह के शरबत, जिसके साथ सुगंधित शक्कर में सने चकोतरे नारंगियाँ, नींबू, सेब, खजूर, पिश्ते थे, जिसमें कि बटाविया या अमेरिकन नीची किस्म की कौफी नहीं मिश्रित थी। इसके बाद दोनों पुत्रियों ने अतिथियों की दाढ़ी को सुगंधित किया।

"आप के पास अवश्य बड़ी रियासत होगी" कैंडिडे ने बूढ़े से कहा।

"मेरे पास बीस एकड़ से अधिक नहीं है, जो कि मैं अपने बच्चों की मदद से जोतता हूँ। केवल तीन चीज़ों से दूर रहता हूँ—उदासीनता, ग़रीबी और नीचता।"

घर जाते समय कैंडिडे ने मार्ग में बूढ़े तुर्की के शब्दों पर विचार किया। "इस योग्य बूढ़े ने" उसने कहा "अपने लिए कहीं अधिक उत्तम जीवन निर्मित

किया मालूम होता है, जो उन राजाओं से अच्छा है जिनके साथ हमने भोजन किया था।"

"अधिक उत्थान" पैंग्लौस ने कहा "अधिकतर खतरनाक होते हैं। ऐसा सब दार्शनिक प्रमाणित करते हैं। इंगलौन मोआब का राजा आओद द्वारा कत्ल किया गया था। इसी प्रकार की संसार के इतिहास में और भी अनेकों मिसालें हैं।

"मैं यह भी जानता हूँ" केंडिडे ने कहा "कि हमें भी अपने बाग में अवश्य खुदाई करनी चाहिए।"

"तुम ठीक कहते हो," पैंग्लौस ने कहा, "क्योंकि जब पुरुष ईडन के बाग में नियुक्त किया गया था तो वह वहाँ "उट ओपरेचर इमन" की तरह रखा गया—इसी लिए कि वह उसको जोते, इसीलिए कि वह यह सिद्ध करता है कि पुरुष निकम्मा रहने के लिए पैदा नहीं हुआ।"

"तब हमें काम करना चाहिए और विवाद नहीं" मार्टिन ने कहा "जीवन को सहारे योग्य बनाने का केवल यही एक मार्ग है।"

इस छोटे से वर्ग के सभी सदस्य इस प्रशंसनीय योजना में अपनी भिन्न-भिन्न प्रतिभाओं को कार्यान्वित करने के लिए प्रविष्ट हुए। उनके छोटे से खेत ने अच्छी फसलें दीं। क्यूनिगांदे बहुत बदसूरत होती जा रही थी। बुढ़िया धोबिन बन गई थी। फ्रायर गिरोफ्ली लाभदायक हो गया, और बहुत बड़ा मित्र भी।

पैंग्लौस केंडिडे से अक्सर कहा करता था "इस सर्वोत्तम संसार में अवश्य ही घटनाओं का एक सिलसिला हैं, सोचो क्या तुम उस उत्तम गढ़ी से क्यूनिगांदे के प्रेम के कारण लात मार कर निकाले नहीं गये थे? क्या तुम कानूनी खोज के अन्तर्गत नहीं आ गये थे—क्या तुमने अमेरिका की पैदल यात्रा नहीं की? क्या तुमने बैरन के शरीर में आघात नहीं किया था? क्या तुमने इलडोराडो

की भेड़ों को खो नहीं दिया था ? क्यों तब तुम शक्कर से सने चकोतरे और पिश्ते खाने के लिए न आते।"

"यह उत्तम कथन है" केंडिडे ने कहा "लेकिन चलो हम लोग अपना बाग खोदेंगे।"

भाग २

केंडिडे फिर बाहर आता है

अन्त में जीवन में प्रत्येक वस्तु नीरस हो जाती है, धन उसके रखने वाले को उक्ता देता है। अभिलाषाएँ एक बार संतुष्ट हो जाने पर अपने पीछे केवल दुःख छोड़ जाती हैं। प्रेम का आनन्द सदा आनन्दायक नहीं होता।

केंडिडे वह आदमी, जो कि भाग्य के चढ़ाव-उतार में कुशल था, शीघ्र ही अपना बाग खोदते-खोदते उकता गया। "हम लोग भले ही सर्वोत्तम संसार में रह रहे हो पैंग्लौस!" उसने कहा "लेकिन तुम यह मानोगे कि मैं अपने सम्बन्ध में सुख के सब संभव भाग नहीं भोग पा रहा हूँ। यहाँ मैं प्रपौन्टिस के अनजान कोने में रहता हूँ। सिवाय अपने परिश्रम के और जीविका का कोई साधन नहीं है। सिवाय इस आनन्द के जो मैं क्यूनिगांदे से प्राप्त करता हूँ, और दूसरा कोई नहीं है। जो कि बहुत बदसूरत है और उससे भी खराब यह है कि वह मेरी पत्नी है। तुम्हारे सिवा और कोई साथी नहीं है, जिसको मैं कभी-कभी भार स्वरूप समझता हूँ—मार्टिन जो कि मुझे क्रुद्ध कर देता है—गिरोफ्ली जो बहुत देर में ईमानदार आदमी हो पाया है, पाक्विटी, जिसकी संगत के खतरे तुम जानते हो—और बुढ़िया जिसके एक नितम्भ है और जिसकी कहानियाँ सुनकर एक मनुष्य को नींद आ जाती है।"

"दर्शन शास्त्र हमें यह सिखाता है", पैंग्लौस ने कहा "कि मोनाड, एड इनफिनिटम में विभाज्य अपने आपको आश्चर्यजनक बुद्धिमत्ता से वे विभिन्न रूप, जो कि हम प्रकृति में देखते हैं, बनाने के लिए संयोजते हैं।"

नक्षत्र इत्यादि वे हैं, जो कि उनको होना चाहिए था। वे उस परिधि का विचरण करते हैं जो कि उनको करनी चाहिए। मनुष्य उस झुकाव का अनुसरण करता है जिसका कि उसको अनुसरण करना चाहिए। वह वही है जो होना चाहिए। वह वही करता है जो उसको करना चाहिए।

तुम कैंडिडे शिकायत करते हो, क्यों कि तुम्हारी आत्मा की गति उदासीन हो चुकी है। लेकिन उदासीन होने की अवस्था केवल आत्मा का परिवर्तन है और यह उस सत्य को नहीं बदलता कि प्रत्येक वस्तु अति उत्तम के लिए ही है। तुम्हारे और दूसरों दोनों के लिये।

तुमने मुझे दुःखों से घिरा देखा, तो दुःखों ने मेरे विचार को नहीं बदला; क्योंकि अगर पैक्विटी मेरे लिये प्रेम का आनन्द और लालसा के अनुभव का कारण न बनती तो मैं तुमसे हालैंड में न मिल पाता। मैंने एनावेपिस्ट जेम्स को उस प्रशंसनीय कार्य करने का अवसर न प्रदान किया होता, मैं लिस्बन में अपने पड़ोसी की उन्नति के लिए फाँसी पर न लटकाया गया होता, मैं अब यहाँ तुमको अपनी सम्मति से लाभ पहुँचाने के लिये न होता, जिससे कि तुम जीवित रह सको, और लिबनिज़ के एक शिष्य की भाँति मर सको।

जहाँ तक तुम्हारा संबंध है, वहाँ तक तुमको भी सर्वोत्तम गढ़ी में से फिर लात मार कर बाहर निकाल देना चाहिए। एक बार फिर कसरत, दाँव-पेंच सिखाये जाने चाहिएँ और तलवार से वार की कला, बल्गेरियनों के बीच में करने की कला, एक बार फिर उच्च औरत के उत्साह, शराब में चूर किये जाने चाहियें, अत्यन्त इन्क्वीजीशन द्वारा कोड़े लगाने चाहियें। फ्रांसीसियों और आरिलियन्सों के बीच भय में रखना चाहिए और संक्षेप में अगर तुम फिर नयी संभव विपदाओं को सहो तब भी तुम यह धारणा रखोगे कि प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम के लिए है।"

कैंडिडे, इस सत्य के बावजूद भी कि उसने तीन आदमी मार डाले थे, जिनमें दो पादरी भी थे, अत्यधिक दयावान प्राणियों में से था और इस सब

पर उसने कुछ नहीं कहा : लेकिन वह अपने डाक्टर और अपने गुरु से उकता गया था। दूसरे दिन तड़के ही उसने सफेद चिन्ह लिया और चल दिया किसी विशेष दिशा की ओर नहीं, ऐसे स्थान को देखते हुए जहाँ वह उदासीन न हो सके और जहाँ आदमी इलडोराडो के उत्तम लोगों के समान हों अर्थात् मनुष्य से कुछ भिन्न प्रकार के।

अनुभव करते हुए कि अब वह क्यूनिगांदे से प्रेम नहीं करता, उसने सफ़र किया—उन भिन्न-भिन्न प्रकार के लोगों की दयालुता पर निर्वाह करते हुए आगे बढ़ा।

इस समय तक कैंडिडे पूर्णतया थक गया था और उसके पास अपने बदन के लिए बहुत थोड़े कपड़े बचे थे। वह पैंग्लौस के मत पर दिन-पर-दिन विश्वास करता जा रहा था। तभी वह एक फ़ारसी से मिला, जिसने बड़ी नम्रता से उसको अपने घर पर आकर सम्मान बढ़ाने की प्रार्थना की।

"तुम मुझ पर व्यंग्य कर रहे हो" कैंडिडे ने कहा, "मैं एक गरीब आदमी हूँ, जिसने कि प्रवौन्टिस में एक छोटा सा मकान छोड़ दिया है, क्योंकि मेरी क्यूनिगांदे से शादी हो गई थी, जो कि बहुत बदसूरत हो गई है, और मेरा जीवन मृत्यु के समान नीरस हो गया था। मैं स्वयं भी कोई ऊँचा आदमी नहीं हूँ, जिसके लिए भगवान् को धन्यवाद है, क्योंकि यदि मैं ऐसा होता तो बैरन वान थन्डर टेन ट्रॉंक ने मुझे इन लोगों के लिए काफी अदा किया होता, जो कि उसने मुझे बड़े सम्मान से प्रदान की थीं या मुझे शर्म से मर जाना पड़ता—नहीं तो केवल अच्छा खासा दार्शनिक होता, इसके अलावा मुझे बड़े अपमान के साथ पवित्र इंक्वीजीशन के जल्लादों द्वारा और उन दो हज़ार नेताओं द्वारा जो कि साढ़े तीन पैन्स रोज़ाना पाते हैं, कोड़े लगाये गये। मुझे भिक्षा दो, अगर तुम्हारी इच्छा है तो, लेकिन मेरी निर्धनता की बेइज्जती हँसी उड़ा कर न करो, जो तुम्हारी दयालुता की सारी अच्छाइयों को ढक देगी।"

"मेरे स्वामी" फ़ारसी ने उत्तर दिया, "तुम चाहे एक भिखारी हो और सचमुच ऐसा प्रतीत होता है कि तुम हो, लेकिन मेरा धर्म मुझे दया के लिए

बाध्य करता है। यह काफी है कि तुम एक मनुष्य हो और ऐसी दयनीय अवस्था में हो कि मेरी आँखों की पुतलियों को तुम्हारे पैरों के नीचे बिछ जाना चाहिए।

"मैं जो तुम चाहोगे वही करूँगा।"

"आओ, तब अन्दर आओ।"

कुछ दिनों के अन्दर कैंडिडे अपने रक्षक द्वारा दिखाई गई सभ्यता पर चकित हो गया। दास उसकी इच्छाओं को पूरा करते थे और घर का सारा काम काज उसके सुख की सेवा करता प्रतीत हुआ। 'यदि यह हमेशा यही है', कैंडिडे ने सोचा "तो इस देश में प्रत्येक वस्तु बहुत बुरी नहीं है।" तीसरे दिन तक वह इस बात से फिर प्रभावित हो गया कि पैंग्लौस एक महान् दार्शनिक है।

: २ :

अतिथि-पूजक फारसी

अच्छी तरह खिलाये जाने, अच्छी तरह पहनाये जाने और सब चिन्ताओं से मुक्त कैंडिडे जल्दी लाल गाल वाला ताज़ा और खूबसूरत निकल आया, जैसा कि वह वेस्टफेलिया में था।

उसका स्वामी इस्माइल राब उसके इस परिवर्तन पर खुश हुआ। राब खुद छः फिट लम्बा पुरुष था। छोटी रक्त के समान आँखें और एक बड़ी नुकीली नाक थी, जो कि उसको मोहमत (मुहम्मद) के नियमों के प्रतिकूल सिद्ध करती थी। उसकी ठोड़ी के दोनों ओर के बाल देश भर में प्रसिद्ध थे। माताएँ प्रार्थना करती थीं कि उनके भी ऐसे पुत्र हों।

राब के कई पत्नियाँ थीं, क्योंकि वह धनी था। लेकिन उसकी रुचि उस प्रकार की थी जैसे कि पूर्व में साधारण है और योरुप के कुछ कालेजों में भी। "आप महाशय सितारों से भी अधिक खूबसूरत हैं।" उसने एक दिन धीरे से कैंडिडे को उसकी ठोड़ी पर हलकी चपट मारते हुए कहा, "तुमने बहुत-से दिलों को जीता होगा। तुम प्रसन्नता पाने और देने के लिए बने हो।"

"आह ! मैंने कल एक क्षण के लिए प्रसन्नता को देखा है और वह पर्दे के पीछे था, जहाँ पर कि मैं बेढंगे रूप से था। क्यूनिगांदे उस समय बहुत खूबसूरत थी···।"

"क्यूनिगांदे ! बेचारे, भोलेभाले मेरे साथ आओ।" केंडिडे ने वैसा ही किया। वे एक छोटे जंगल के बीच एक खूबसूरत मकान में पहुँचे—जो कि मालूम पड़ता था कि खामोशी और आनन्द को समर्पित था। यहाँ इस्माइल राब ने केंडिडे को प्रेम से आलिंगन किया और कुछ ही शब्दों में अपना वह प्रेम का जोश प्रकट किया।

केंडिडे चकित हो गया। "नहीं।" वह चिल्लाया, "मैं ऐसा अपमान कभी सहन नहीं करूँगा। कैसा कारण और कैसा भयानक प्रभाव। मैं मर भले ही जाऊँगा।"

"मर जाओगे तुम !" इस्माइल ने गुस्से में कहा, "ईसाई कुत्ते ! क्योंकि मैंने नम्रता पूर्वक तुमको सुख देना चाहा······या तो सीधे मुझे सन्तुष्ट करने की ठान लो या अति निर्दय मौत को सहने की तैयारी करो।"

केंडिडे अधिक देर तक नहीं हिचकिचाया। वह फारसी के "संतुष्ट होने" के साधन से भयभीत हो गया। लेकिन दूसरी ओर उसको एक दार्शनिक के समान मौत का भय था।

"हम लोग किसी भी वस्तु के आदी हो सकते हैं। अच्छा भोजन, अच्छी देख-रेख, लेकिन सदा की कड़ी निगरानी। केंडिडे पूर्णतया अपनी दशा से निराश नहीं था। अच्छा सुख और भिन्न-भिन्न प्रकार के इस्माइल के द्वारा दिये गये मनोरंजनों ने उसके दुःखों को भुला दिया। वह दुःखी तब होता था जब वह सोचता था और यह मनुष्य-जाति के साथ अधिकता में सत्य है।

इस समय तक रिवरेन्ड-इडइवान-बाल-डेन्क-कौन्सटैन्टिनोपल से फारस लौट आये थे। यह महात्मा साधू फारस के गिरजों के प्रमुख व्यक्तियों में से एक थे और समस्त मुसलमानों में सब से अधिक बुद्धिमान भी। इसके पास अरबी भाषा का कुशल ज्ञान था और यूनानी भाषा का भी—था उन दिनों में डिमोस्थनीज और

सोफोक्लोरा देशों में ग्रीक के लिए क्या हो रहा था। वह कौन्सटैन्टिनोपल रिवरेण्ड महमूद अब्राहम के साथ मतैक्य को उलझे हुए मत पर विवाद करने के लिए गया था। पर पैगम्बर ने आरकेन्जल गैब्रियल के पर में से तोड़ा गया है, गैबिरियल ने स्वतन्त्रतापूर्वक पैगम्बर को इसका उपहार बना दिया था।

उन्होंने इस पर बहत्तर घंटे तक बहस की। उस गर्मी के साथ जो कि दार्शनिकता के युग के समान थी। इडनइवान बाल डेन्क इस बात पर कायल होकर लौटा, अली के सब शिष्यों के समान, कि मोहम्मद ने मज़बूत पर तोड़ा था। मुहम्मद, सब अनुसरण कर्त्ताओं के समान इस बात पर कायल रहा कि मौफटे इतना नीच काम नहीं कर सकता था और गौबिरियल का पर का उपहार परिश्रम पूर्ण था।

कुछ समाचारों के अनुसार कौन्सटैन्टिनोपल में एक साहसी उत्तेजित आदमी ने यह सुझाव दिया कि पहले यह पता लगाना अच्छा होगा कि क्या कुरान, सचमुच ही, गैबिरियल के एक पर से लिखी गई थी ? उस पर पत्थर फैके गये।

फारिस में कैंडिडे के आगमन पर बहुत बातचीत चालू हो गई थी, बहुत से आदमी जिन्होंने उसको आकस्मिक अ-आकस्मिक प्रभावों पर बोलते सुना था, उस पर दार्शनिक होने का शक करने लग गये थे। इसकी खबर इड-इवान-बाल-डेन्क के पास पहुंची, जिसने उससे मिलने की इच्छा प्रगट की। राब ऐसे महत्व के आदमी को इंकार नहीं कर सका और कैंडिडे महापुरुष के सम्मुख ले जाया गया।

इडइवान-बाल-डेन्क, जिस तरीके से कैंडिडे ने शारीरिक बुराइयों और नैतिक बुराइयों पर बातचीत की, उससे बड़ा सन्तुष्ट हुआ। "मैं देखता हूँ कि तुम एक दार्शनिक हो" उसने कहा, "और यह काफी है, यह ठीक नहीं है कि तुम्हारे जैसे महान् पुरुष के साथ ऐसा नीच व्यवहार किया जाय जिसके कि मैंने किस्से सुने हैं। तुम एक परदेशी हो और इस्माइल राब का तुम्हारे ऊपर कोई अधिकार नहीं है। मैं तुम्हारा दरबार में परिचय कराने का निश्चय करता हूँ। तुम्हारा अच्छा स्वागत किया जायगा। सोफी विद्वानों के लिए उत्सुकता रखता है।

इसमाइल तुम इस युवा दार्शनिक को मेरे हाथों छोड़ दोगे या राजकुमार

को अप्रसन्न करने से डरो—अपने ऊपर स्वर्ग का कोई भी दंड न लाने दो और विशेषतया मौन्कस का। वह प्रेमी फारसी बिना किसी विरोध के भयभीय हो गया। केंडिडे ने स्वर्ग को और मौन्कस को धन्यवाद दिया और उसी दिन इड-इवान-बाल-डेन्क के साथ इसफान के लिए चल दिया जहाँ पर जनता ने उनका उत्साह से स्वागत किया।

: ३ :

सोफी का एक स्नेहपात्र

इड-इवान-बाल-डेन्क ने केंडिडे को बिना किसी विलम्ब के राजा के सम्मुख पेश किया। राजा खुश हुआ और उसने केंडिडे और दरबारी विद्वानों के बीच कई विवादों का आयोजन किया, जिन्होंने केंडिडे को एक मासूम मूर्ख समझा। इसने हिज मैजेस्टी को यह समझाने में बहुत मदद की कि केंडिडे एक महान् पुरुष था।

"आप लोग केंडिडे के विवादों को नहीं समझ पाते हैं।" राजा ने कहा, "इसीलिए आप मूर्खता की बातें करते हैं। लेकिन मैं जोकि उनको आपसे अधिक नहीं समझ पाता आपको विश्वास दिला सकता हूं कि वह एक महान् दार्शनिक है। मैं अपने हिस्कर्स की शपथ से इसको कहता हूं।" इस बात ने विद्वानों को मौन कर दिया।

केंडिडे महल में ठहराया गया और उसके पास दास और अत्यन्त शानदार कपड़े थे। सोफी ने आज्ञा दी कि वह जो कुछ भी कहे किसी को उसको काटने का साहस नहीं करना चाहिए। हिज मैजेस्टी ने कुछ और आगे कदम बढ़ाया। इड-इवान-बाल-डेन्क के बार-बार केंडिडे को तरक्की देने के लिए प्रार्थना करने पर उसने एक दिन उसको अपने अत्यधिक विश्वास पात्रों पर स्थान देने का निश्चय किया।

"भगवान् और देवताओं की जय हो।" इड-इवान-बाल-डेन्क ने केंडिडे से कहा, "मेरे पास तुम्हारे पक्ष में एक खबर है। तुम कितने भाग्यशाली हो, मेरे केंडिडे! तुम्हारा कैसे विरोध होगा। तुम धन में तैरोगे। तुम राज्य के उच्चतम पदों को प्राप्त होगे। याद रखो मेरे प्रिय मित्र कि यह मैं था जिसने तुमको यह स्थान दिलाया। जिसका कि तुम अब उत्तम आनन्द प्राप्त करोगे। राजा तुमको अपने स्नेह का अब वह चिन्ह दे रहा है जिसको कि कई लोगों ने कठिनाई से प्राप्त किया है। तुम वह दृश्य उपस्थित करोगे जिसका कि दरबार ने पिछले दो सालों से आनन्द नहीं उठाया है।"

"लेकिन वह लाभ क्या है जिसको राजकुमार इतना उदार होकर मेरे ऊपर न्योछावर कर रहा है?"

"आज के दिन तुम्हारे पैरों के तलवे पर भैंस के सींग से सौ चोटें राजा की उपस्थिति में की जायेंगी। हिजड़े जो कि तुमको सुगन्धित करने के लिए निश्चित हैं वे सीधी यहीं आयेंगे। अपने आपको इस छोटी सी परीक्षा को सहर्ष व्यतीत करने को तैयार करलो, और तब अपने को राजाओं के राजा के योग्य साबित करो।"

"राजाओं के राजा को अपने स्नेह और अपने पास रखने दो" केंडिडे गुस्से से चिल्लाया, "अगर किसी को उन्हें प्राप्त करने के लिए भैंस की सींग की सौ चोटें सहनी पड़ें तब?"

"यह शाही प्रथा है" इड-इवान-बाल-डेन्क ने निर्दयता से कहा "उनके साथ बरती जाती है जिनसे कि हिज मैजेस्टी का लाभ होता है। मैं तुमको बहुत प्रेम करता हूँ और तुम्हारे किसी भी विरोध पर ध्यान नहीं दूँगा। और तुम्हारा भाग्य तुम्हारी नाराजी रहने पर भी बनाऊँगा।"

हिजड़े पहुँच गये। वे हिज मैजिस्ट्री के निजी साधनों का एक्जीक्यूटर था, जो कि दरबार में सबसे लम्बे और शक्तिशाली लार्डों में से एक था। उसके विरोध और प्रयत्नों के बावजूद भी केंडिडे की टांगें सुगन्धित की गईं रीति के अनुसार

और चार हिजड़े उसको, सिपाहियों की दो कतारों के बीच में उत्सव के लिए निश्चित स्थान पर ले गये। इस बीच में गाना बजता रहा, तोपें दागी गई और इसफान की सब मस्जिदों में घंटे वजाये गये।

सोफी वहाँ पर पहले से ही अपने मुख्य अफसरों और दरबार के सब से अधिक महत्वपूर्ण लोगों के साथ था। केंडिडे सोने की मुलम्मे वाली छोटी बेंच पर लिटा दिया गया और निजी प्रसाधनों का एक्जीक्यूटर अपने काम में व्यस्त हो गया।

"मास्टर पैंग्लोस! मास्टर पैंग्लोस! काश तुम यहाँ होते" केंडिडे चिल्लाया, अपनी समस्त शक्ति से चिल्लाते और फड़फड़ाते हुए। यह बहुत ही बुरा माना गया होता यदि इड इवान-डेन्क ने यह न समझाया होता कि यह विरोध प्रदर्शन हिज़ मैजिस्टी को अधिक आनन्द देने के लिए किया गया था। राजा सचमुच एक सिड़ी की भाँति हँस रहा था और इतना प्रसन्न था कि जब पचास चोटें मार दी गईं तो उसने पचास और की आज्ञा दी। लेकिन प्रधान मंत्री ने असाधारण साहस से कि एक विदेशी के साथ ऐसा असाधारण व्यवहार उसकी प्रजा में असंतोष पैदा कर सकता था, राजा ने इसलिए अपनी आज्ञा वापस ले ली, और केंडिडे अपने कमरे में लेजाया गया।

उसके पैर शराब में धोये गये, और उसको बिस्तर पर लिटा दिया गया। सब दरबारी एक के बाद एक उसको बधाई देने के लिये आये। तब सोफी आया और रीत्यानुसार अपना हाथ चूमने के लिए देने के साथ ही उसके मुँह पर ज़ोरदार तमाचा मारा। राजनीतिज्ञों ने इससे यह परिणाम निकाला कि केंडिडे का यह जीवन बिना किसी उत्तराधिकारी के रहेगा और इसमें राजनीतिज्ञों के लिए असाधारण रूप में वे गलत नहीं थे।

: ४ :

कैंडिडे एक पैर गंवाता है

जब कैंडिडे के घाव ठीक हो गये, तब वह हिज मैजिस्टी के सम्मुख उसको धन्यवाद देने के लिए लाया गया। राजा ने उसका आदर के सर्वोच्च चिन्हों से सत्कार किया। बात के सिलसिले में उसके कान पर दो या तीन घूंसे मारने के साथ-ही-साथ वह उसको गार्ड रूम तक वापस बार-बार उसके पीछे लातें मारता हुआ ले गया। दरबारी ईर्ष्या के मारे करीब-करीब भुन गये। जब से हिज मैजिस्टी ने अपने स्नेह-पात्रों को पीछे लात मारने की प्रथा चालू की थी, किसी ने भी उससे पहले इतनी अधिक लातें खाने का सम्मान न प्राप्त किया था, जितना कि कैंडिडे ने। तीन दिन के बाद, कैंडिडे, जो कि स्नेह के इन चिन्हों द्वारा करीब-करीब पागल-सा हो उठा था और जिसने यह तय कर लिया था, इन सबके बावजूद भी कि प्रत्येक वस्तु बुरी थी—चुहिस्तान का गवर्नर नियुक्त कर दिया गया। उसे फर (समूर) की टोपी पहनने का अधिकार भी था, जो कि फारस में आदर का एक बड़ा तगमा है। सोफी से विदा लेने के बाद जिसने उसे कुछ आखिरी स्नेह से सम्मानित किया वह उसके लिये चल पड़ा, जो कि उसके प्रान्त की राजधानी थी।

कैंडिडे के राज-दरबार में पहली उपस्थिति से ही शाही दरबारियों ने इसके विरुद्ध षड्यंत्र किया था। उस असाधारण स्नेह ने, जो कि साफी ने उसको प्रदान किया था, उस तूफान को बढ़ा दिया—जो कि जल्दी ही उस पर आने वाला था। कैंडिडे ने इस मध्य में अपने को बड़ा भाग्यशाली समझा, विशेषतया इतनी दूर भेजे जाने पर जैसे कि उसने अपने आपसे अत्यधिक विश्वास से कहा।

"वह प्रजा खुश है जो कि राजा से दूर है।"

अभी भी जब कि वे इसफान से बीस मील से भी कम दूरी पर थे, कैंडिडे और उसके दल ने पाँच सौ हथियार बन्द घुड़सवारों से मुठभेड़ करके जीत लिया,

जिसने उनको लगातार तोपों से बधाई दी। कैंडिडे पहले समझा कि यह उसके सम्मान में था लेकिन बाद में एक गोली से जिसने उसकी एक टाँग तोड़ दी उसका भ्रम टूट गया। उसके आदमियों ने उसको अपनी बाहों में लिटा लिया और कैंडिडे अन्धा बेहोश एक दूर किले में ले जाया गया। उसका सम्मान, दास और काले और सफेद हिजड़े और साथ ही साथ छत्तीस औरतें, जिनको सोफी ने उसके निजी उपयोग के लिए दिया था, लुटेरों द्वारा तहस-नहस कर दी गईं। कैंडिडे की लात सड़ने से बचाने के लिए काट दी गई और वह बड़ी चिंतापूर्वक इससे अधिक क्रूर मौत के लिए जीवित रखा गया।

"आह पैंग्लौस, पैंग्लौस!" कैंडिडे बड़बड़ाया, जैसे ही वह बोलने योग्य हुआ, "अगर तुम मुझे अब एक टाँग रहित और अपने अति कटु दुश्मनों के हाथ में देखते तो तुम्हारे आशावाद का क्या होता? और जब मैं प्रसन्नता के मार्ग में प्रवेश कर रहा था, एक गवर्नर होने के नाते—या राजा, जैसा कि कह सकते हैं—पुरानी मीडीयान सत्ता के सबसे बड़े प्रांत का डंट दास काले और सफेद हिज़ड़ों के साथ और साथ में छत्तीस औरतों के साथ, जो कि मेरे उपयोग के लिए थीं, और जिनका मैंने उपयोग नहीं किया है······।"

इसी बीच में स्थिति उसके पक्ष में होती जा रही थी। प्रधान मंत्री को उसके विरुद्ध धावे का पता लग चुका था और उसने अनुभवी दलों को लुटेरों की खोज में भेजा। इड-इवान-बाल-डेन्क ने अपने साथी मौन्कस द्वारा यह खबर फैलवा दी थी कि कैंडिडे मौन्कस का आदमी होने के नाते ईश्वर का था। पादरी ने भी प्रीफेट के नाम पर एक प्रतिज्ञा-पत्र छपाया कि कोई जिसने सुअर का मांस खाया हो, शराब पी हो, कई दिनों तक न नहाया हो या कुरान के निषेधों के विरुद्ध कुसमय में औरतों के साथ संभोग किया हो, षड्यन्त्र के बारे में कुछ भी बताने पर छोड़ दिया जायगा। परिणाम यह हुआ, कि किला जहाँ पर कैंडिडे को कैद रखा गया था, शीघ्र ही ढूँढ निकाला गया और कब्जे में कर लिया गया, जबकि सारा मामला धार्मिक हो गया था, विजयी लोगों को समाप्त कर दिया गया।

भयंकर दुःख से स्वतंत्र होने पर, जो कि उसने कभी न पाया था, केंडिडे शवों के ढेर से होता हुआ अपनी जेल में से भाग निकला । और उसने और उसके दासों ने गवर्नरी के लिए यात्रा जारी रखी, जहाँ पर कि वह सुरक्षापूर्वक सत्कारित किया गया । इस नाते कि वह स्नेहपात्र हुआ जो बैल के सींगों से पैर पर पच्चीस चोटों द्वारा राजाओं के राजा के सामने सम्मानित किया गया था ।

: ५ :

गवर्नर केंडिडे

दार्शनिकता की महत्ता हमें अपने बन्धुओं से प्रेरित करने में है । पास्कल ही एक ऐसा दार्शनिक है, जो कि मालूम पड़ता है कि हमें उनसे घृणा करते देखना चाहता है ।

केंडिडे ने, यह उसका भाग्य था कि कभी पास्कल को नहीं पढ़ा था और वह दीन मनुष्य जाति को सम्पूर्ण हृदय से प्रेम करता था ।

केंडिडे के प्रान्त वाले सब अच्छी इच्छाओं वाले लोगों ने इसको अनुभव किया । पहले वे मिस्सी डोमिन्सी से अलग रहते थे लेकिन अब वे केंडिडे के सम्मुख एकत्रित होने और सलाह देने के लिए बिल्कुल राजी थे । उसने खेती बारी, जन-संख्या, व्यापार और कला के प्रोत्साहन के लिए कई अच्छे कानून बनाये, जिन्होंने लाभदायक प्रयोग किये उनको उसने पुरस्कृत किया और उनको भी प्रोत्साहित किया, जिन्होंने कुछ न बनाकर केवल किताबें लिखी थीं । "जब कि मेरे देश में सब मनुष्य संतुष्ट हैं," वह कहा करता था, "शायद मैं भी हो जाऊँगा ।"

केंडिडे मनुष्य-प्रकृति के बारे में बहुत कम जानता था । वह विषैले प्रति-वादों का निशाना बन गया और मनुष्य जाति का मित्र नामक किताब में उस पर बुरी तरह आघात किया गया । उसने देखा कि मनुष्य को प्रसन्न रखने के

प्रयत्न में उसने उनको केवल अकृतज्ञ बना दिया है। "यह कैसा प्लेग है," वह चिल्लाया, "उन असभ्य जन्तुओं पर राज किया जाय, जो कि पृथ्वी को कष्ट देते हैं। मैं अभी तक प्रपौन्टिस में मास्टर पैंग्लौस के साथ, कंकोवो भिस्ट्रेज क्यूनिगांदे, पोप अर्बन दशम की एक नितम्भ वाली कन्या, फ्रायर गिरोफली और भड़कीली पाकिवेट के साथ होता तो अच्छा था।"

: ६ :

कैंडिडे का रनिवास

कैंडिडे ने अपने आवेश में एक प्रभावशाली पत्र इड-इवान-चाल-डेन्क को लिखा, अपने दिमाग की दशा इतनी साफ लिखी कि मान्क उसके लिए दुःखी हुआ और सोफी के पास उसको उसके पद से छुटकारा दिलाने गया। उसकी सेवाओं के लिए हिज मैजिस्टी ने कैंडिडे को एक अच्छी पैंशन प्रदान की।

महत्वपूर्ण भारों से मुक्त होकर कैंडिडे ने निजी जीवन में पैंग्लोस के आशावाद को ढूँढने का निश्चय किया। अब तक दूसरों की सेवाओं में लीन होकर वह भूल गया था कि उसके पास एक रनिवास था। उसे अब यह याद आया—उस उत्तेजना से जो कि नाम मात्र से जाग उठती है "सबको तैयार होने दो।" उसने अपने मुख्य भाँड़ से कहा, "मेरे औरतों को देखने के लिये।"

"मेरे स्वामी" उस मधुर गायक ने कहा "अब आपकी मैजिस्टी सचमुच "बुद्धिमान् व्यक्तियों का खिताब पाने योग्य है क्योंकि जिनके लिये आपने इतना किया, आपकी इतनी चिन्ता के योग्य नहीं थे। लेकिन स्त्रियाँ, अब,......"

"यह हो सकता है" कैंडिडे ने सरलता से कहा, "एक बाग के मध्य में, जहाँ कला ने प्रकृति को अपना सौंदर्य दिखाने में सहायता की थी, एक साधारण और कलात्मक डिजाइन का एक घर था, यह अकेला ही यूरोप के अत्यन्त सुन्दर शहरों से अलग पहुँचाये जाने के लिये पर्याप्त था। जैसे वह घर के समीप बढ़ा

कैंडिडे लाल हुए बिना न रह सका। हवा एक मादक सुगन्ध से भरी थी। फूल जो कि सुन्दरता से सजे थे, आनन्द की प्रकृति से संचालित प्रतीत होते थे। उनकी शोभा, अधिकांश में, धीरे से मुरझाती थी। गुलाबों की लाल पंक्तियाँ, कभी न मलीन-सी प्रतीत होती थीं, चट्टान का वह दृश्य, जहाँ से पानी धीमा शोर करता हुआ फूट रहा था, आत्मा की उस कोमल भावना को उत्तेजित करता था जो कि इन्द्रिय-सुख का अगुआ था।

काँपते हुए कैंडिडे एक बड़े कमरे में दाखिल हुआ, जो कि रुचि और सुन्दरता से भरपूर था। उसकी इन्द्रियाँ किसी गुप्त शक्ति से सम्मोहित हो गईं। उसने जवान टेलामाकस को ओर देखा। केवल कैंवास पर, तब उसको ऐसा मालूम पड़ता था कि वह कालिफों की दरबार की अप्सराओं के बीच में साँस ले रहा था या नग्न डयाना में, जो कि उत्तेजित ऐडमियन के बाजुओं में उड़ रही हो या और भी अधिक क्रोध में एक वीनस में जो विश्वासपूर्वक इटली में उतार ली गई हो।

एकाएक उसको एक दैवी संगीत सुनाई पड़ा। जियोरियना कन्या की एक टोली अपने नकाब पहने हुए प्रविष्ट हुई और उसके चारों ओर एक नाटकीय रास में नाचने लगी। प्रदर्शन अत्यन्त कुशल था और उन अवसरों से कहीं अधिक सफल था, जब कि एक मनुष्य स्टेज पर उदाहरणार्थ, सीजर या पैम्पी की मृत्यु के बाद भड़कीले खेत देखता है।

एक संकेत किए जाने पर सब नकाब गिरा दिये गये। और उत्सव साफ और सुन्दर मुखड़ों के देखने पर और भी अधिक जीवित हो उठा। उन युवती सुन्दरियों ने सधे हुए तरीके से छलने की भावनाएँ दिखाईं, जो कि अभी तक अध्ययन नहीं किया गया था। एक ने अपनी निगाह में एक गहरी उत्तेजना प्रकट की, दूसरी ने वह कोमल सुस्ती जो कि आनन्द की बिना खोज के प्रतीक्षा करती है एक तीसरी जल्दी से आगे झुकी और अपने को फिर उठा लिया, उन कामुक आकर्षणों को एक झलक दिखाने के लिए जो कि पेरिस में स्त्रियाँ इतनी आजादी से दिखाती हैं। एक चोथी ने अपनी कमर का आधा कपड़ा खोल

दिया, अपनी टाँग दिखाने के लिए जो कि भावना के किसी भी आदमी को उत्तेजित कर सकती थी।

नाच रुक गया और सब औरतें आराम करने लगीं। इस रुकावट ने कैंडिडे की मूर्छा भंग कर दी। उत्तेजित इच्छाओं से भरे हुए उसने अपने चारों ओर लोभ से देखा—जलते ओठों और तैरती आँखों में चुम्बन अंकित कर दिए। अपने हाथों को उन गोलों के बीच गुजारा जो कि अलाबास्टर (एक प्रकार का पत्थर) से अधिक सफेद थे। जिनका ऊपर नीचे उठने का क्रम छूने से कठिनाई डालता था, बहुत सुर्ख उठी चीजों को महसूस किया और पूरी उत्तेजना से उनको चूमा ऐसे कि उसके ओठ उस स्थान पर चिपक गये हों। तब कैंडिडे खुद भी स्त्री के अंगों के आनन्दपूर्ण विचार में खो गया, कुछ शानदार, कुछ एकहरी और कुछ नाजुक। आखिरकार, उत्तेजना के आवेश में आकर, उसने अपना रुमाल उस युवती के पास फेंक दिया, जिसकी निगाहों को उसने लगातार अपनी ओर देखते पाया था। "मुझे इस हलचल का मतलब बताओ।" वह ऐसा कहते प्रतीत होती थी, "जिसको कि मैं नहीं समझ पाती।" और कहे शब्दों पर शर्म से लाल हो गई। और इस प्रकार हज़ार गुना अधिक सुन्दर होती हुई दीखी।

भाँड़ ने एक कमरे का दरवाजा खोल दिया, जिसमें प्यार के रहस्यों की प्रतिष्ठा थी, और प्रेमी उसमें प्रविष्ट हुए। "यहाँ पर सुख प्राप्त करेंगे।" भाँड़ ने कैंडिडे से कहा।

"सचमुच मैं ऐसी आशा करता हूँ" कैंडिडे ने उत्तर दिया। उस छोटे कमरे की छतें और दीवालें शीशे से ढकी थीं। फर्श के बीच में काले रेशम की कोच पड़ी थी। कैंडिडे ने जार्जियन युवती को उस पर लिटा दिया और विश्वसनीय गति से उसे नंगी कर दिया। उस खूबसूरत जीव ने उसे वैसा ही करने दिया, जो वह चाहता था, उसे केवल प्रेमपूर्ण चुम्बनों का दखल देते हुए। "मेरे स्वामी" उसने खास तुर्की लहजे में कहा—"आपकी दासी कितनी भाग्यशालिनी है, आपके प्रेम से कितनी सम्मानित है!"

उत्तेजना किन्हीं भी शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती, उनसे जो कि सत्यता में इसका अनुभव करते हैं। इन कुछ शब्दों ने केंडिडे को स्वप्न-संसार में फेंक दिया। उसने स्वयं को बिल्कुल नया आदमी अनुभव किया और जो भी वस्तु उसने देखी, उसको नई प्रतीत हुई। कितना अन्तर था मिस्ट्रेस क्यूनिगांदे, बदसूरत हुई और बल्गेरियिनों द्वारा बलात्कारित की गई में और जार्जियन लड़की में जो अठारह वर्ष की थी और कभी बलात्कारित नहीं की गई थी। केंडिडे को उसका आनन्द प्राप्त करने का प्रथम अवसर था।

उसकी लालसापूर्ण भूख की वस्तु का शीशों में प्रतिबिंब दिखाई देता था। जहाँ कि उसने देखा, काले गद्दे के ऊपर सब संभव गोरे और सुन्दर शरीरों से अधिक सुन्दर, इसकी भड़कती झलक रंगों में भेद से चमकती थी। गोल जाँघें, सुडौल और सख्त कमर का प्रशंसनीय गिराव, एक...लेकिन मैं अपनी भाषा की झूठी नम्रता का आदर करने को बाध्य हूँ। इतना कहना पर्याप्त है कि हमारे दार्शनिक ने सुख के उस भाग का बार-बार आनन्द लूटा, जिसका आनन्द लूटने योग्य वह था और वह जार्जियन लड़की शीघ्र ही उसकी लालसा संतुष्ट करने की वस्तु बन गई।

"आह प्रिय मास्टर पैंग्लौस!" केंडिडे खोया सा चिल्लाया—"यहाँ प्रत्येक वस्तु वैसी ही अच्छी है, जैसी इलडोराडो में थी। केवल एक अच्छी युवती ही आदमी की इच्छाओं को संतुष्ट कर सकती है। मैं उतना ही प्रसन्न हूँ जितना कि होना संभव है। लीबनिस ठीक कहता है और तुम भी एक महान् दार्शनिक हो।"

उदाहरणार्थ, उसने अपने को, जार्जियन को संबोधित करके कहना जारी रखा—"मैं उत्तर दूँगा क्योंकि यह तुम हो, मेरी प्यारी लड़की, जिसने सदा आशावाद की ओर झुकाव रखा है, क्योंकि तुम हमेशा प्रसन्न रही हो।"

"आह, नहीं" उसने उत्तर दिया—"मैं नहीं जानती कि आशावाद क्या है? लेकिन मैं कसम खाती हूँ कि आपकी दासी ने आज से पहले प्रसन्नता को

नहीं जाना। अगर लार्डशिप मुझे और अवसर दें, तो मैं इस बात का प्रमाण अपने अतीत जीवन के विवरण से दे दूँगी।"

अपने संपूर्ण हृदय से कैंडिडे ने कहा, "मैं कोई कथा सुनने के लिए पूर्ण संतुलित अवस्था में हूँ।"

: ७ :

जिरज़ा की कथा

"मेरे पिता एक ईसाई थे" जार्जियन ने कहा, "और मैं भी एक हूँ। या ऐसा ही उसने मुझे बताया था। कोटाटिस के पास, उसका एक छोटा मकान था, जहाँ पर उसने विश्वासी लोगों का स्नेह अपने संलग्न परिश्रम और मनुष्य-प्रकृति को प्रभाव पहुँचानेवाली तपस्या से प्राप्त किया था। औरतों की भीड़ उससे सम्मान प्राप्त करने आती थी और उसकी पीठ को नहलाने में विशेष संतोष प्राप्त करती थीं जो कि वह रोज चोटों से छिलवा डाला करता था। बेशक यह इन औरतों की अत्यधिक तपस्या ही है कि मैं जीवित हूँ।"

"मैं अपने पिता के घर के समीप एक सेपटीरेनियन खोह में पाली गई। मैं बारह वर्ष की थी और कभी भी इस कब्र को नहीं छोड़ा था—जैसा कि इसको कह सकते हैं—जब कि पृथ्वी एक भयानक शोर के साथ हिली, गुफा की छत अन्दर गिर पड़ी। और मैं ढेर में से अधमरी खींची गई। इस प्रकार मैंने पहली बार दिन का प्रकाश देखा।"

"एक बच्चे के समान, जो कि किसी विशेष ध्येय के लिए भगवान् द्वारा रक्षित हो, मेरे पिता अपने झोंपड़े में ले गये। लोगों ने मेरे बचने की प्रशंसा की। मेरे पिता इसे एक चमत्कार कह कर चिल्लाये और उन्होंने भी वैसा ही किया।"

"मेरा नाम जिरज़ा रखा गया, जिसका फारसी में तात्पर्य है "भाग्य का बच्चा"। मेरे खराब और थोड़े सौंदर्य की तत्काल देख-भाल की गई। उस घर

में औरतें बहुत कम आती थीं और आदमी बहुत अधिक। उनमें से एक ने ऐलान किया कि वह मुझसे प्रेम करता था।

"नीच" मेरे पिता ने कहा, "क्या तुम्हारे पास वह है जिससे उसको प्रेम करना चाहिए? बच्ची मुझे भगवान् द्वारा सौंपी गई खजाना है। वह मुझे पूजनीय योगी के रूप में इस रात को प्रकट हुआ है। और एक हज़ार सीक्विंस से कम में जुदा करने के लिए मना कर गया है। यहाँ से भाग जाओ, बदमाश। तुम्हारी अपवित्र साँस उसकी शोभा को न बिगाड़दे।"

"मेरे पास सिवा हृदय के और कुछ भी अर्पण करने को नहीं है।" मेरे प्रेमी ने कहा। "लेकिन यह बताओ नीच, कि क्या तुमको अपने लालच के लिए भगवान् से झूठ बोलने के लिए शर्म नहीं आती? किस मुँह से, नीच मनुष्य, तुम यह कहने का झूठा साहस करते हो कि भगवान् ने तुम से बात की? जीवों के निर्माता को तुम ऐसे आदमी से मिलना उसको धोखा देना है।"

"ओ नीच!" मेरा पिता क्रोध में चिल्लाया। "भगवान् ने स्वयं दोषारोपण करने वाले को पत्थर मारने की आज्ञा दी है।" वह मेरे अप्रसन्न आदमी की ओर झपटा और बार-बार घूँसों के प्रहार से उसको जमीन पर मुर्दा लिटा दिया। उसका लहू उछल कर मेरे चेहरे पर पड़ा।

यद्यपि मैं अभी तक नहीं जानती थी कि प्रेम क्या है। इस आदमी ने उसमें रुचि दिला दी और उसकी मृत्यु ने मुझे दुःख की अवस्था में फेंक दिया, जो कि इतना अधिक बुरा बन गया कि मेरे पिता का चेहरा देखना मेरे लिए असहनीय बना दिया। इसके बाद मैंने उसको छोड़ देने की ठानी और वह किसी प्रकार मेरे इरादे को भाँप गया। "एहसान फरामोश लड़की।" वह कहता है "मैं ही तुम्हारा सब-कुछ मालिक हूं। तुम मेरी पत्नी हो—और तुम मुझसे घृणा करती हो? लेकिन अब मैं तुम्हारी घृणा के योग्य होने जा रहा हूँ। तुमसे अत्यन्त क्रूरता के व्यवहार से।"

"उसने अपने शब्दों को अच्छी तरह निभाया। क्रूर मनुष्य! पाँच वर्षों में, जो कि मैंने आँसुओं और सिसकियों में काटे हैं, न मेरा यौवन और न मेरी

गिरती सुन्दरता उसका दिल पिघला सकी। कभी-कभी वह मेरे शरीर में पिनें चुभाता था और अवसरों पर वह कोड़ों की मार से मेरी पीठ लहूलुहान कर देता था......"

"लेकिन मैं सोचता हूँ कि वह तुमको पिनों से कम कष्ट देता होगा।" केंडिडे ने कहा।

"सचमुच मेरे स्वामी......आखिरकार मैं अपने पिता के मकान से भाग निकली। जब ऐसा कोई न था, जिसके यहाँ मैं ठहरने का साहस करती, मैं जंगलों में चली गई, जहाँ मैं तीन दिन तक बिना भोजन के रही। मैं भूख से मर जाती, लेकिन क्योंकि एक बाघ ने मेरे ऊपर भाग्य से कृपा की और अपने शिकार का भाग मुझे देने पर राजी हो गया, लेकिन मैं इस भयानक जानवर से छुटकारा पाने के लिए भयभीत थी, जो कि वह मेरे समीप मुझसे पुष्प छीनने आया, जिसे कि अभी आपकी लार्डशिप ने मुझसे मेरे अत्यन्त आनन्द और तकलीफ के लिये तोड़ा है।"

"मैं इस खराब भोजन से बीमार पड़ गई। जब मैं इससे ठीक हो गई, तब मैंने एक दासों के व्यापारी का साथ किया, जो कि टिफलिस जा रहा था। तब वहाँ प्लेग था और मैं भी ग्रस्त हो गई। इन सब दुर्भाग्यों ने, जो कुछ भी हो, मेरी निगाहों को कभी बर्बाद नहीं किया, न ही सोफी के व्यापारी को मुझे तुम्हारे उपयोग के लिये खरीदने से रोका।"

"तीन महीने में जब कि मैं तुम्हारी औरतों में से एक रही, मैं आँसुओं से भीगी-सी रही, मैं और मेरी साथिनें अपने को तुम्हारी डाँट की वस्तु समझती रहीं और अगर आपकी लार्डशिप जानती कि हिजड़े कितने दुःखी जीव हैं और लड़कियों को आनन्द देने में कितने कम योग्य हैं, जो कि फटकारी जाती हैं ....

"संक्षेप में, मैं अभी अठारह वर्ष की नहीं हूं और इनमें से बारह मैंने भयानक गुफा में काटे हैं। मैं एक भूकम्प में रह चुकी हूं। मैं उस आदमी के खून से भीग चुकी हूं जिसको मैंने पहली बार कुछ योग्य समझा। चार साल तक मैंने अत्यन्त क्रूर अत्याचार सहे हैं। मैं बीमार पड़ी और प्लेग ग्रस्त हुई। आखिरकार

मैंने इस रनिवास में तीन साल काटे । काले और सफेद राक्षसों के बीच में जो कि अभी तक था, जो कि मैंने भयानक बाघ से बचाया था और अपने भाग्य को कोसती रही । मैं पीलिया से मर जाती यदि आपकी लार्डशिप मुझे आलिंगनों से सम्मानित न करती ।"

"ओह भगवान्" कैंडिडे ने कहा, "क्या यह संभव है कि तुम जैसी कोमल आयु वाली इतने दुःख सह सके । पैंग्लौस क्या कहता ? अगर तुमको सुन पाता । लेकिन तुम्हारे दुर्भाग्य मेरे दुर्भाग्य के समान समाप्त हो गये हैं । प्रत्येक वस्तु अब बहुत बुरी नहीं है, या तुम क्या सोचती हो ?" कैंडिडे ने फिर इसके बाद उसको आलिंगन किया और वह डाक्टर पैंग्लौस के मत का अनुयायी हो गया ।

: ८ :

एब्बी

रनिवास के मध्य में बसकर, कैंडिडे ने अपनी रुचि सब में बाँट दी । भिन्न-भिन्न प्रकार के सुख भोगते हुए, परन्तु सदा ही नये उत्साह से भाग्य का शिष्य ही बना रहा ।

लेकिन यह बहुत दिन तक नहीं चला । जल्दी ही उसकी कमर में पीड़ा आरंभ होने लगी । उसका सुख के पीछे भागना उसको बरबाद-सा करता प्रतीत हुआ । जिरजा की छातियाँ कम गोरी और बनावट अधिक कम अच्छी लगने लगी । उसके नितम्भ कम कड़े और कम गोल लगने लगे । उसकी आँखों से चमक खोई-सी प्रतीत होती थी, उसका रंग, उसकी चमक, उसके ओठों की लालिमा, जो उसको कभी प्रसन्न करती थी । उसने देखा कि उसकी चाल खराब हो गई थी और उससे एक गंदी बदबू आती थी, वह अब उसके पैदायशी चिन्ह, जो उसके वीनस पर था, देख कर घृणा करता था, जिसको कि वह पहले पवित्र समझता था । उसका प्रेम उसके लिए एक मुसीबत हो गई ।

जैसे उसकी इच्छायें ठंडी पड़ती गईं, उसने अपनी दूसरी औरतों में वह खराबियाँ देखना शुरू कर दीं, जो पहले उसके ध्यान में नहीं आई थीं। वह उनमें कुछ नहीं देखता है, केवल शर्मनाक गंदापन। वह सबसे अधिक बुद्धिमान के कदमों के पीछे चल कर बहुत शरमाया। एट एनवेनिट एमरिमारैम मोर्ट मुरीलम।

इन सच्चे ईसाई नियमों को सोचते हुए कैंडिडे एक दिन अपना खाली समय सड़कों पर चक्कर बिता रहा था, जब कि एक कीमती वेष वाले घुड़सवार ने उसका नाम लेकर बुलाया और उसको छाती से लगा लिया। "क्या यह संभव हो सकता है ?" कैंडिडे चिल्लाया, "क्या तुम हो मेरे लार्ड ? नहीं, यह संभव नहीं है। तब भी तुम बहुत मिलते-जुलते हो मिस्टर एल एबी"

"हाँ ! सचमुच मैं वही हूँ" एबी ने कहा

कैंडिडे तीन पग पीछे हटा। "मिस्टर एबी मुझे यह बताओ" उसने सरलता से कहा "क्या तुम प्रसन्न हो ?"

"मेरे प्रिय क्या तुम्हें यह पूछने की आवश्यकता है ?" एबी ने कहा और अपने ताजे अनुभवों को बताने के लिए आगे बढ़ा। "जरा-सा धोखा, जो मैंने तुम को दिया था, मेरे लिए कुछ लाभदायक नहीं था। उसने कहा, "उसने मुझे कुछ दिन तक तो रोजगार दिया लेकिन मैं उनके साथ बाहर आ गिरा और पादरी की आदत को छोड़ दिया, जो कि अब ये मेरे लिए बिल्कुल लाभदायक नहीं था।"

"तब मैं इंग्लैंड चला गया, जहाँ पर मेरे पेशे वालों को अधिक अच्छी तनख्वाह मिलती है। मैंने जो कुछ भी आता था, सब कहा और अधिक जो कि मैं नहीं जानता था उस देश की ताकत और कमजोरियों के बारे में कहा, जिस को मैंने छोड़ दिया था। सबसे अधिक मैंने इस बात पर गौर किया कि फ्रांसीसी राज्य में मेल के सामान थे और अच्छी बुद्धि केवल लन्दन में पाई जा सकती थी।

"संक्षेप में मैंने अपना भाग्य खूब बनाया और अभी-अभी फारस-दरबार के साथ एक समझौता समाप्त किया है, जिसके द्वारा सोफी उन सब दरबारियों को निकालेगा, जो अंग्रेजों के मत में उनके सब देशों में कपास या रेशम के लालच में आये होंगे।"

"तुम्हारे मिशन का ध्येय बहुत प्रशंसनीय है" कैंडिडे ने कहा, "लेकिन मिस्टर एबी तुम एक बदमाश हो। मैं बदमाशों को पसंद नहीं करता और दरबार में कुछ प्रभाव रखता हूं। तुम इस पर काँप सकते हो कि तुम्हारा भाग्य अन्त पर है। तुम उस भाग्य को भोगोगे जिसके योग्य हो।"

"मेरे लार्ड कैंडिडे" एबी ने झुककर अपने घुटने टेकते हुए कहा "दया करो। मैं अनुभव करता हूं कि मैं किसी न हटाये जाने वाली शक्ति द्वारा बुराइयों की ओर खिंच रहा हूं। मैं इस भाग्यवश झुकाव को तब से अनुभव कर रहा हूं, जब से मैं मोश्यो वाल्स्प से मिला और फिलिस में काम किया।"

"फिलिस क्या है ?"

"यह बहत्तर पन्नों का अखबार होता है, जो कि जनता को गंदगी, दूसरों का मजाक और गालियों से मनोविनोद करता है। इसको निकालने वाले एक मनुष्य का, जिसकी इस कौम के लिये योग्यतायें यह थीं कि वह पढ़-लिख सकता था। जितनी देर तक उसने यह किया वह जीज्विट नहीं रह सका और सबसे बाद में अपनी पत्नी की खोज भगवान के डर से की। वह बच्चा पैदा करने को थी। उसकी मदद कुछ ईमानदार व्यक्ति कुछ आधे पेन्स और खराब शराब के कुछ पिन्टों से करते हैं।"

"यह मोशियो वाल्स एक बहुत ही हँस मुख क्लब का सदस्य भी है जो कि अपने को मनुष्यों को शराब पिलाने और एक दूसरे की निंदा करने में व्यस्त रहते हैं या किसी गरीब को सताने की उसका सम्मान तोड़ने की, उसको ललकारने की शिक्षा देते हैं। इन छोटे मजाकों को ये लोग "होक्सेज" कहते हैं–पुलिस को उनके बारे में जानना चाहिये।"

"संक्षेप में, यह उत्तम मोशिया वाल्स—हम लोगों के पास इसका अपना एक शब्द है कि वह कभी तख्त पर नहीं बैठा—जो कि एक पागलपन का शिकार है, जो कि उसकी अत्यन्त सरल और रूखे सत्य पर भी विमूढ़ बना देता है। वह उसके लिये केवल क्रूर तरीकों से ही ठीक किया जा सकता है।"

"मैंने इस प्रसिद्ध लेखक के नीचे काम किया, जब तक कि मैं स्वयं एक प्रसिद्ध लेखक नहीं बन गया। मैंने अभी-अभी मोशियो वाल्स को छोड़ा है, अपने-आप बनने के लिए, जब कि मैंने पेरिस में तुमसे मिलने का सम्मान प्राप्त किया था।"

"तुम एक बड़े उचक्के हो मोशियो एबी, लेकिन मैं तुम्हारी सच्चाई से प्रभावित हूँ, दरबार में जाओ रिवरेन्ड और इड-इवान-बाल-डेन्क का पता लगाओ। मैं तुम्हारे लिये लिख देता हूं लेकिन इस शर्त पर कि तुम एक ईमानदार आदमी बनने का वायदा करो और तुम कभी भी थोड़ी-सी रेशम और सूत के लिये हजारों मनुष्यों की हत्या न करो।"

एबी ने सब वायदे किये और वे मित्र हृदय से विदा हुए।

: ६ :

केंडिडे अपमानित होता है

एक बार दरबार में एबी ने अपनी सारी कल्पनाएँ प्रधान मन्त्री का पद प्राप्त करने के लिए और अपने भलाई करने वाले के लिए उपयोग कीं। दूसरी बात के लिये उसने यह गप्प उड़ा दी कि केंडिडे ने सोफी की दाढ़ी के बारे में अपमानजनक बातें बोलकर बड़ा भारी अपराध किया है। दरबारियों ने प्रार्थना की कि केंडिडे को धीमी आग पर भूना जाय। सोफी ने अधिक मनुष्यता के साथ उसे केवल सदा के लिए देश निकाले की सजा दी।

फारसी प्रथा ने बाध्य किया कि जाने से पहले केंडिडे को अपने अपराध लगाने वाले के पैर चूमने चाहियें। एबी ने सजा के इस भाग को जोर देने के लिये खुद रूस तक यात्रा की, उसने केंडिडे को अधिक तन्दुरुस्त और फिर एक बार आशावाद की ओर झुका पाया। "मेरे प्यारे मित्र" इंग्लैंड के गुप्तचर ने कहा "मैं दुख के साथ तुमको बताने आया हूँ कि तुमको यह देश एकदम छोड़ देना चाहिये और तुमको पहले मेरे पैर चूमना चाहिए और भयानक दुष्कर्मों के पछतावे से।"

"तुम्हारे पैर चूमना चाहिये मोशियो एल एबी" केंडिडे ने कहा "मैं ऐसे मजाक नहीं समझ सकता हूँ।" इस पर कुछ बहरे मौन व्यक्ति, जो कि दरबार से एबी के साथ आये थे, कमरे में प्रविष्ट हुए और एबी के जूते उतार दिये। केंडिडे को इशारों से समझाते रहे कि उसे नियत प्रथा के लिये अपने को अर्पण कर देना चाहिये या सूली पर चढ़ना चाहिये। केंडिडे ने अपनी नियत इच्छा का प्रयोग करते हुए एबी के पैरों को चूमा। तब उसको एक काला कपड़ा पहना दिया और एक जनता के जल्लाद द्वारा शहर के बाहर निकाल दिया गया। जो बार-बार पुकारता गया "एक गद्दार, एक गद्दार"। उसने सोफी की दाढ़ी में अनेक बातें कहीं—शाही दाढ़ी के खिलाफ।

इस समय इड-इवान-बाल डेन्क—वह प्रतिभाशाली व्यक्ति क्या कर रहा था जब कि उसका मित्र इस प्रकार अपमानित किया जा रहा था। राजाओं के स्नेह पर कौन भरोसा कर सकता है और मौन्कस के ऊपर कितना कम ? केंडिडे बिना ढाढ़स के अपने मार्ग पर चला। मैंने तो कभी राजा की दाढ़ी का जिक्र नहीं किया, उसने सोचा तब भी एक क्षण में भाग्य की उन्नत चोटी से नीचे गिरा दिया गया। सब एक नीच के कारण है, जिसने सब ज्ञात नियमों का स्वयं उल्लंघन किया है और मेरे विरुद्ध झूठा अपराध लगाया है। इस बीच में यह नीच, यह दानव, नैतिकता का दमन करने वाला—वह सुख प्राप्त कर रहा है।"

कई दिनों तक पैदल यात्रा करने के बाद केंडिडे तुर्किस्तान की सीमा पर

पहुँचा और प्रपौन्टिस में अपने बाग की दिशा की ओर, वहाँ अच्छाई के लिये बसने और अपने शेष दिन अपने बाग को खोदने के इरादे से, बढ़ा।

वह जब एक छोटे से कस्बे से गुजर रहा था, उसने उसकी जनता को शोर मचाते सुना। एक वयस्क राहगीर ने उसको इस शोर का कारण बताया। कुछ समय पहले धनी मोहमत ने जेनीसरी जामूद की लड़की से विवाह किया था और यह पाया कि वह पवित्र नहीं थी। प्राकृतिक रूप से और सारे कानूनी अधिकारों के साथ उसने उसकी मुखाकृति बिगाड़ दी, और उसके पिता के पास वापस भेज दिया। जामूद कुदरती तरीके से इस बेइज्जती पर बहुत क्रुद्ध हुआ और अपनी कटार खींचते हुए उसने विकृत मुख वाली बेटी का सिर काट डाला। उसका जेष्ठ पुत्र जो, और यह बिल्कुल कुदरती था कि वह अपनी बहिन से अत्यन्त प्रेम करता था, अपने पिता पर टूट पड़ा और उसके पेट में छुरा भोंक दिया। उसके बाद छोटे जामूद खून के दृश्य से सिंह के समान उत्तेजित होकर मोहमत के घर की ओर भागा, जहाँ कुछ दासों को काटने के पश्चात् जिन्होंने उसको रोका उसने मोहमत को कत्ल कर दिया, उसकी स्त्रियों को और उसके दो बच्चों को, जो कि अपने झूले में थे। यह सब कुदरती था यह देखते हुए कि वह भयानक गुस्से में था। उसने इस कथा को अपने पिता और शत्रुओं के खून से सने हुए छुरे से अपनी हत्या करके समाप्त कर दिया।

"ओह भयानक" केंडिडे चिल्लाया, "आह मास्टर पैंग्लौस तुम प्रकृति की इन बर्बरताओं को क्या कहते, सचमुच तुम यही कहते कि प्रकृति विषैली है कि जो कुछ भी हो प्रत्येक वस्तु नहीं......"

"नहीं वयस्क" अनजान ने कहा, "पूर्व स्थापित समानता के लिये......"

"आह भगवान्! क्या तुम मुझे धोखा नहीं दे रहे हो? क्या यह पैंग्लौस है, जिसे मैं देख रहा हूँ।"

"बिल्कुल वही, मैंने तुमको पहचान लिया था। लेकिन मेरी इच्छा अपने को प्रकट करने से पूर्व तुम्हारे भावों की गहराई में जाने की थी। आओ हम लोग

आकस्मिक प्रभाव पर थोड़ी बहस करें और देखें कि क्या तुमने बुद्धिमानी की कला में उन्नति की है।"

"सचमुच यह ऐसी बहस का समय नहीं है बल्कि मुझे यह बताओ कि क्यूनिगांदे और दूसरों का क्या हुआ ?"

"मैं उनके बारे में कुछ नहीं जानता। अब दो वर्ष हुए हैं जब कि मैंने तुम्हारी खोज में अपना घर छोड़ दिया था। मैंने करीब-करीब पूरे तुर्किस्तान का भ्रमण किया है और फारस के दरबार में जाने को तैयार था, जहाँ मैंने सुना कि तुम बड़े व्यक्ति बन गये थे। मैं इस छोटे शहर में नाविक का काम कर रहा हूं। इन अच्छे आदमियों के बीच में केवल अपनी यात्रा को चालू करने के लिए शक्ति इकट्ठा करने के लिये।

"लेकिन यह मैं क्या देखता हूँ तुमने एक हाथ खो दिया है।"

"यह कोई महत्व की बात नहीं है। इस संसार में कोई भी वस्तु इतनी साधारण नहीं है, जितने कि वे आदमी जो एक आँख और एक हाथ चाहते हैं। मैंने यह दुर्भाग्य मक्का से आते समय यात्रा में देखा। हमारे रक्षकों ने विरोध प्रकट करने की चेष्टा की और इस प्रकार अरबों को, जो कि हमसे ताकतवर थे, यह हक लड़ाई के अनुसार दिया कि वह हम सबको कत्ल करें। करीब पाँच सौ आदमी मार डाले गये। उनमें से करीब एक दर्जन औरतें, बच्चों के साथ थी। मेरे सम्बन्ध में मेरा थोड़ा-सा सर फट-सा गया और एक हाथ कट गया, मैं इससे मरा नहीं और अपना विश्वास कायम रखा कि प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम के लिए है। लेकिन तुम्हारा क्या हुआ मेरे प्रिय कैंडिडे ? तुम यह लकड़ी की टाँग कहाँ से लाये ?" कैंडिडे ने अपने रोमांचों का एक वर्णन किया और दोनों दार्शनिक प्रपौन्टिस लौट गये। अपनी यात्रा को शारीरिक और नैतिक बुराइयों, स्वतन्त्र इच्छा और पूर्व-ध्येय और पूर्व स्थापित समानता की बहस द्वारा सजीव बनाते हुए।

: १० :

पैंग्लौस और अधिकारी

"आह कैंडिडे, तुम अपने बाग को खोदते-खोदते क्यों थक गये ?" पैंग्लोस ने कहा, "हम लोग अपने चकोतरों और पिस्तों से क्यों न सन्तुष्ट हो सके ? तुम अपने सुख से क्यों उदासीन हो गये ?"

"वहाँ अवश्य ही एक आवश्यकता थी—जब कि संसार में, इस श्रेष्ठ संसार में प्रत्येक वस्तु श्रेष्ठ है तो तुम जूतों की सजा को क्यों माँगते ? अपनी एक टाँग भी कटवा डालते इस कारण कि ईसाइयों को सुखी बनाओ, आदमियों की नीचता देखो और कुछ शैतानों को उनके योग्य सजायें दो।" इस प्रकार से बातें करते हुए वे लोग अपने पुराने घर पहुँच गये, जहाँ उन्होंने मार्टिन और पाक्विटे को दासों के कपड़े पहने पाया। उनको स्नेह से आलिंगन करने के पश्चात् कैंडिडे ने इस कायाकल्प का कारण पूछा।

"अफसोस !" मार्टिन बोला, "अब तुम्हारे पास अपना कोई घर बाकी नहीं रह गया है। दूसरा तुम्हारे बाग खोदने में लगा है, वह तुम्हारे चकोतरे और पिस्ते खाता है और हमारे संग हब्शियों जैसा व्यवहार करता है।"

"यह कौन है ?"

"हाई एडमिरल, मनुष्यों में सबसे क्रूर सुल्तान, जो बिना किसी मूल्य के सेवायें चाहता था, यह बहाना बनाकर कि तुम उसके शत्रुओं के पास गये हो और हमको दासता के लिए छोड़ गये हो। उसने तुम्हारी सब चीजें हड़प ली हैं।

"मेरी राय लो और कैंडिडे अपने पथ पर बढ़ो। मैंने तुम को बताया है कि प्रत्येक वस्तु बुराई के लिए है और बुराइयों का जोड़ अच्छाइयों के जोड़ से कहीं अधिक अच्छा है। अपने रास्ते पर जाओ और हिम्मत न हारो, लेकिन तुम एक मानिकियन हो सकते हो अगर तुम नहीं हो तो।"

कैंडिडे ने पैंग्लोस की आवश्यकता के विरोध में क्यूनिगांदे और दूसरों बुढ़िया फ्रायर गिरोफली और ककांबो की खबरें पाकर विघ्न डाला।

"ककांबो यहाँ है।" मार्टिन ने कहा, "वह इस समय एक नाली साफ करने में व्यस्त है। बूढ़ी अपने पेट में उसके भाँड द्वारा लात मारे जाने से मर गई है। फ्रायर गिरोफली जैनिसरीज के संग मिल गया है। क्यूनिगांदे ने अपनी शोभा और गोलाई पा ली है, वह हमारे स्वामी के रनिवास में है।"

"दुर्भाग्यों की कैसी श्रृंखला है।" कैंडिडे ने कहा, "क्या यह जरूरी था कि क्यूनिगांदे मुझे मूर्ख बनाने से लिए फिर से खूबसूरत हो जाती?"

"यह थोड़े महत्व की बात है।" पैंग्लोस ने कहा, "चाहे मिस्ट्रेज़ क्यूनिगांदे खूबसूरत हो या बदसूरत, चाहे तुम्हारी बाहों में हो या दूसरे की, सब साधारण नियमों के लिए कुछ नहीं है। मेरे सम्बन्ध में उसे बहुत फलती देखना चाहिये। दार्शनिक अपने को इस बात से सम्बन्धित नहीं रखते कि औरतें किसके द्वारा बच्चे पैदा करती हैं, अगर उनके पास वे हैं, जनसंख्या का समस्त प्रश्न···"

"दार्शनिकों को" मार्टिन ने कहा "अपने को कुछ लोगों को सुखी बनाने के लिए व्यस्त रहना चाहिये, बजाय इसके कि दुखी लोग अपने को विभाजित करने के लिए भड़कायें।"

इस समय उन्होंने एक आकस्मिक शोर-गुल सुना। हाई एडमिरल एक दर्जन दासों को कोड़े लगवा कर आनन्द ले रहा था। पैंग्लौस और कैंडिडे डर गये। वे दुःख के साथ अपने मित्रों से विदा हुए और कान्स्टैन्टिनोपल के लिए जल्दी से रवाना हो गये।

उन्होंने राजधानी को दुःखग्रस्त पाया। पीरा के प्रान्त में आग लग गई थी और पाँच या छः सौ घर जला डाले गये थे और दो से तीन हज़ार आदमी मार डाले गये गये थे। "यह कैसी विपत्ति है?" कैंडिडे ने कहा।

"सब सर्वोत्तम के लिए है" पैंग्लौस ने कहा, "ये छोटी दुर्घटनाएँ प्रति-वर्ष होती हैं। लकड़ी के बने हुए मकान कुदरती आग पकड़ लेते हैं और अपने

आप जल जाते हैं—इसके साथ इसका तात्पर्य उन आदमियों को समाप्त करना है, जो अभी तक दुःख में पले हैं—"

"मैं यह क्या सुन रहा हूँ।" सबलाइमपोट के साथ के एक अफसर ने कहा, "कैसे नीच तुम यह कहने का साहस करते हो कि सब सर्वोत्तम के लिए है जब कि आधा कौन्स्टैन्टिनोपल लपटों में है। जाओ कुत्ते प्रोफेट तुमको शाप दें। अपनी नीचता की सजा प्राप्त करो।" उसने पैंग्लोस को कमरे से उठा लिया और लपटों में फेंक दिया। कैंडिडे भय से भयभीत होकर दूसरे जिले में चला गया, जहाँ वस्तुतः अधिक शान्ति थी।

: ११ :

कैंडिडे और लैप पत्नी

"मेरी केवल इच्छा" कैंडिडे ने कहा, "एक दास बनने की है या तुर्कीस्तान जाने की। सुख ने मुझे सदा के लिए त्याग दिया है।"

"एक पगड़ी ने मेरे सारे सुखों को गंदा कर डाला। मैं अपवित्रताओं से भरे किसी धर्म में कभी कोई शान्ति नहीं पा सका हूँ। और ना ही उसमें, जिसका स्वार्थ के नीच सुख के लिए आलिंगन करता। नहीं, मैं कभी भी आराम से नहीं रह सकूँगा, अगर मैं ईमानदार न रहूँगा।"

उसने अपने स्वामी के रूप में एक अमेरिकन व्यापारी को चुना। एक अच्छी प्रकृित का आदमी, जो कि ईमानदार प्रसिद्ध था, जितना कि एक अमेरिकन हो सकता है। उसने कैंडिडे को उसकी स्वतंत्रता के लिए दो सौ सिक्वन्स दिए।

संयोगवश अमेरिकन इस समय नौखे जा रहा था। उसने कैंडिडे को अपने साथ लिया, यह उम्मीद करके कि दार्शनिक उसके व्यापार में लाभदायक रहेगा। हवाओं के पक्ष में होने के कारण रास्ते ने साधारण समय से कम समय लिया।

इनको लेपलैंड के जादूगारों से वायु खरीदने की आवश्यकता भी नहीं पड़ी, जिनको इन्होंने कुछ भेंट दे दी थी, अपने भाग्य को इन दोनों द्वारा बरबाद होने से बचने के लिए जो कि ये लोग कर सकते थे। अगर कोई मारेरी के शब्दकोश में विश्वास करता है तो।

वहाँ पहुँचने पर अमेरिकन ने ह्वेल मछली की चर्बी का माल खरीदा और कैंडिडे को देश-भ्रमण करने और मछली का माल खरीदने की आज्ञा दी। कैंडिडे ने अपने से जितना हो सकता था किया और व्यापार के अड्डे पर माल से लदे कई बारहसिंगे लेकर पहुँचा। जब वह एक लैप्प परिवार के संग एक रात के लिए ठहर रहा था, उसको लैपलैंड प्रथाओं के बीच देखने योग्य विभिन्नताओं का एक अवसर मिला। घर की स्त्री—एक छोटी जीव—जिसका शरीर उसके सिर से छोटा था, लाल आँखें, चपटी नाक और बड़ा-सा मुँह, ने उसको बड़े प्रेम और स्नेह से बधाई दी। "मेरे छोटे लार्ड," उसने कहा—उसकी ऊँचाई बाईस इंच थी। "मैं सोचती हूँ कि तुम बहुत खूबसूरत हो। प्रार्थना है, इतने दयालु हो जाओ कि मुझे भी थोड़ा-सा प्रेम करो। वह कूदी और अपने हाथ उसकी गर्दन के चारों ओर डाल दिए।

कैंडिडे ने उसको घृणा से दूर धक्का दे दिया। वह चिल्लाई और उसका पति कई दूसरे लैप्पों के संग प्रविष्ट हुआ। "इस चिल्लाहट का क्या तात्पर्य है?" उसने कहा।

"यह अजनबी," उस छोटी जीव ने कहा—"अफसोस, मैं दुःख से ग्रस्त हूँ। यह मुझे गाली देता है।"

"तो यह बात है।" पति ने कहा "तुम असभ्य, बेईमान, बर्बर, नीच, पामर, बदमाश, तुमने मेरे परिवार को लज्जित किया है। तुमने मेरा बड़ा अनादर किया है। तुमने मेरी पत्नी के साथ लेटने से इनकार किया है।"

"मुझे तुम्हारी सफलता की पूर्णतया कामना करनी चाहिए थी लेकिन अब तुम केवल मेरे क्रोध के योग्य हो।"

उसने केंडिडे की पीठ पर भारी लाठी से प्रहार शुरू कर दिया। दुःखी पति के रिश्तेदारों ने बारहसिंगे को कब्जे में कर लिया। केंडिडे इस भय से भाग गया कि उससे अधिक खराब हो सकता था। उसने अपने अच्छे स्वामी को फिर से देखने की आशा छोड़ दी, क्योंकि उसकी उसके समक्ष बिना ह्वेल की चर्बी, बिना स्टाक फिश और बिना बारहसिंगे के जाने का साहस न हुआ।

: १२ :

न्यीटनियन और माता-पिता की हत्यारी

केंडिडे थोड़े समय तक बिना ध्येय के इधर-उधर घूमता रहा और तब डेन्मार्क जाने का निश्चय किया, जहाँ उसने सुना था कि प्रत्येक वस्तु काफी अच्छी थी। उसके पास थोड़ा धन था जो कि अमेरिकन ने उसको दिया था और आशा थी कि वह यात्रा के अन्त तक रहेगा। वह भविष्य की आशाओं द्वारा दुःख और दर्द से सुरक्षित था और तब भी पूर्णतया खुश था।

एक दिन जब कि एक सराय में ठहरा था, उसने तीन यात्रियों को उत्सुकता पूर्वक बहस करते सुना। जिसके दौरान में उसके 'प्लीन्नम' और 'मेटिरिया सबटिलिस' शब्द पकड़ लिये। "यह बहुत उत्तम है" उसने सोचा और उसमें भाग लेने का निश्चय किया। "सज्जनों" उसने कहा, "एक प्लीन्नम के साथ प्रतियोगिता नहीं की जा सकती। प्रकृति में कोई रिक्त स्थान नहीं है और मेटिरिया सबटिलिस एक सुकल्पित अनुमान है।"

"तब तुम एक ईसाई हो?" यात्रियों में से एक ने कहा। "हाँ और एक लिबलिसियन।"

"इतने अधिक खराब हो तुम" नम्बर दो यात्री ने कहा, "डेकर्ट्स और लिबिनीज़ मूर्ख थे। हम लोग न्यूटोनियन्स हैं और हमें इस पर गर्व है। अगर हम लोग

बहस करते हैं तो यह केवल हमारे अपने मतों को दृढ़ करने के लिए है, क्योंकि हम सब समान सोचते हैं। हम लोग न्यूटन के पथ पर सत्य खोजते हैं और यह मानते हैं कि न्यूटन एक महान् पुरुष है।"

"ऐसे ही डेकार्ट्स और लिबिनीज और पैंग्लौस भी हैं।" कैंडिडे ने कहा "यह महान् पुरुष दूसरों के समूहों के योग्य हैं।"

"तुम एक गुस्ताख मूर्ख हो।" मेरे मित्र यात्री नंबर तीन ने कहा "क्या तुम किरण वक्रता, खिंचाव और चाल के नियम जानते हो? क्या तुमने डाक्टर क्लार्क द्वारा तुम्हारे लीबिनीज़ को बेकार बताये हुए दोषारोपण को नहीं पढ़ा? क्या तुम "सेंटीफ्यूगल" और "सेंट्रीपीटल ताकत" के मतलब नहीं जानते? क्या तुम्हें रोशनी या आकर्षण-शक्ति के नियमों का कोई ज्ञान है? क्या तुम्हें पच्चीस हजार नौ सौ बीस वर्षो के समय के बारे में मालूम है, जो अभाग्यवश हमारे स्थापित वंशानुक्रमांक को उथल-पुथल कर देता है?

"नहीं, यह तय है कि तुम इन सबसे अनभिज्ञ हो। तब शांति रखो, नीच, मूर्ख, और सावधान रहो कि तुम किस प्रकार महापुरुषों की इन पिग्मीज़ से तुलना करके बेइज्ज़ती करते हो।"

"अगर पैंग्लौस होता महाशयो," कैंडिडे ने कहा "वह तुमको ठीक कर देता। क्योंकि वह एक महान् दार्शनिक है। वह तुम्हारे न्यूटन से अधिक घृणा करता है। इसीलिए उसका शिष्य होने के नाते मैं भी तुम्हारे न्यूटन की कम कद्र करता हूँ।"

इस पर वे तीनों यात्री कैंडिडे पर टूट पड़े और दार्शनिकता के क्रोध से उसको बेहाल कर दिया। इसके पश्चात् उनका जोश ठंडा पड़ गया। उन्होंने कैंडिडे से उनके भावों की गर्मी को क्षमा करने की प्रार्थना की। यात्री नम्बर तीन ने सादगी पर एक सुन्दर वक्तव्य दिया।

एक बड़ा फ्यूनरल सराय के सामने से गुजरा और चारो दार्शनिकों का, मनुष्य की मूर्खता-पूर्ण शान पर, बहस करने का कारण हुआ। "क्या यह अधिक तर्क संगत न होगा," यात्री नम्बर दो ने कहा "कि मृत के सारे रिश्तेदार और

मित्र पूरी सादगी के साथ जनाज़ा लेकर चलें, सचमुच यह अन्तिम क्रिया उनको मृत की याद दिला कर उन, पर एक बहुत ही अच्छा और दार्शनिकता का प्रभाव डालेगी।"

"यह शरीर, जो मैं ले जा रहा हूँ, एक आदमी कह सकता है, मेरे एक रिश्तेदार के मित्र का है। वह अब नहीं है और मुझे भी उसकी तरह समाप्त हो जाना चाहिये। ऐसा भाव इस संसार को बहुत-से जुर्मों से बचा सकता है और उन गुणों को वापस ला सकता है जो आत्मा की पवित्रता में विश्वास करते हैं।"

"मनुष्य मृत्यु के विचार को कुछ दूर रखने के लिए बाध्य है और इसीलिए इसका शक्तिशाली रूप में उनके मस्तिष्क में उपस्थित रहने का कोई भय नहीं रहता है। तब क्यों रोती हुई स्त्रियाँ और माताऐं मृत्यु के प्रभाव से दूर रखी जाती हैं? प्रकृति की साधारण तान, निराशा की हृदय विदारक चीखें, मृतक की राख को अधिक सम्मान दे सकेंगी, बजाय इन सिर से पैर तक काले कपड़े से ढके लोगों के, इन बेकार शोक प्रगट करने वाली औरतों के, या सब सरकारी पादरी जो कि अन्तिम संस्कार की कवितायें पढ़ रहे हैं, जिनका कि अर्थ वे स्वयं नहीं समझते।"

"खूब कहा" कैंडिडे ने उत्तर दिया, "क्या तुम सदा ही इतना अच्छा बोलते थे? जनता को सिर धुनने के लिए अच्छा न समझते हुये तुम एक महान् दार्शनिक होगे।"

तीनों न्यूटेनियन्स से मित्र के भाव से विदा लेते हुए कैंडिडे ने डेन्मार्क की ओर अपनी यात्रा जारी रखी। जंगल के बीच से गुजरते समय वह उन सब दुर्भाग्यों को सोचने लगा, जो उसके ऊपर इस सर्वोत्तम संसार में आ पड़े थे। नतीजा यह हुआ कि वह मुख्य सड़क से अलग हट गया और उसने अपने को खो दिया। इस समय झुटपुटा हो गया था जबकि उसको गलती पता लगी। निराशा से उसने अपनी आँखें स्वर्ग की ओर उठाईं। एक पेड़ के तने पर झुक गया और इस प्रकार आत्मभाषण करने लगा।

"मैंने आधे संसार का भ्रमण किया है। मैंने धोखेबाजी और हत्या के भयंकर रूप को देखा है। मैंने केवल मनुष्य-जाति की सेवा के लिए ही प्रयत्न किया है

और मैं बुरी तरह दलित किया गया हूँ। एक महान् राजा मुझे अपने स्नेह से स्वागत करता है और भैंसों की सींगों की पचास चोटों से मैं लकड़ी की एक टाँग सहित पहुँचता हूँ एक बहुत बढ़िया प्रान्त में। वहाँ बहुत दुःख और कष्ट सहने के पश्चात् मैं कुछ सुख भोगता हूँ। अब ऐबी आता है। मैं उसकी रक्षा करता हूँ। वह मेरा उपयोग अपने आपको दरबार में उच्च पद प्राप्त करने के लिए करता है और नतीजा यह होता है कि मुझे उसके पैर चूमने पड़ते हैं ......! मैं अपने गरीब पैंग्लौस से मिलता हूँ, और उसको केवल जलते देखने के लिए मैं अपने को दार्शनिकों के साथ पाता हूँ। सब जानवरों से अधिक दयावान और सामाजिक, और मुझे निर्दयतापूर्वक पीटते हैं ....। तब अवश्य ही सब सर्वोत्तम के लिए होगा क्योंकि पैंग्लौस ने यह कहा है; लेकिन कुछ भी हो, में सबसे अधिक दुःखी हूँ।"

उसकी विचारधारा पास की एक चीख द्वारा विच्छेदित हो गई और वह उसका कारण जानने के लिए चला गया। एक जवान औरत अपने बाल गुस्से में नोंच रही थी। "तुम कोई भी क्यों न हो", उसने कहा, "अगर तुम्हारे हृदय है तो मेरा अनुसरण करो।" ये कुछ गज तक साथ-साथ चले और कैंडिडे ने एक औरत और आदमी को जमीन पर सीधे लेटे देखा। उनके मुख से आत्मा और पैदाइश की योग्यता टपक रही थी और उनकी मुखाकृति में, यद्यपि वह दुःख और दर्द से खराब हो गई थी, कुछ ऐसी रोचकता थी कि कैंडिडे ने एक गहरी सहानुभूति अनुभव की। उसने आतुरता के साथ पूछा कि उनके दुःख का क्या कारण था? "ये मेरे माता-पिता हैं" जवान औरत ने कहा, मेरे दुःखों के विधाता! ये एक सख्त और अन्यायपूर्ण सजा से भागे हुए थे। वह उनके साथ गई, उनके भाग्य में प्रसन्नता से भाग लेने के लिए, इस मधुर आशा के साथ जंगलों में जहाँ हम अपने आपको छिपायेंगे। मेरे कमजोर हाथ उनकी आवश्यक सहायता कर सकेंगे।

"हम लोग यहाँ कुछ विश्राम के लिये ठहरे, और मैंने एक पेड़ देखा। इसके फल ने मुझे धोखा दिया। आह जनाब, मैं अपने और संसार के लिये भय की वस्तु हूँ। तब घसीटो, माता-पिता की हत्या और पवित्रता का बदला लेने के लिये—मारो......यह फल, मैंने अपने माता और पिता को दे दिया। उन्होंने इसको प्रसन्नतापूर्वक खाया। मैं उनकी इस प्यास को मिटाकर प्रसन्न हुई, जिससे कि वे दुःखी थे..... दुख है, यह मौत थी जो मैंने उनको दी, यह फल विष है......"

कैंडिडे काँपा। उसके रोंयें खड़े हो गये और वह ठंडी मधुरता में बाहर आ गया। वह उस सदवाता को धीरे-से उठकर खोजने लगा, जो इस अभागे परिवार को दे सकता था। लेकिन ज़हर अब तक बहुत चढ़ चुका था और सर्वोत्तम दवा भी बेकार हो जाती।

"प्यारी बच्ची, हमारी केवल आशा" पिता ने कहा, "अपने को क्षमा करो। जैसा हम तुमको क्षमा करते हैं। यह तुम्हारा अत्यधिक प्रेम था, जिसने हमारी हत्या की है।"

"अच्छे आगन्तुक" माँ ने कहा, "इसकी रक्षा की शपथ लो। इसका हृदय ऊँचा है और पवित्रता के लिए बना है। यह धन है, जो हम तुम्हारी रक्षा में छोड़ते हैं। उस भाग्य से भी अधिक मूल्यवान् जो हमारे पास कभी था....."

"प्रिय जिनोइदा", पिता ने कहा, "हमारा अन्तिम आलिंगन ग्रहण करो। अपने आँसुओं को हमारे से मिला दो। आह भगवान्! हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि सचमुच यह समय प्रसन्नता का है। अन्धकारमय कारागार के द्वारा, जिसमें हम चालीस वर्ष तड़पते रहे, अब खुले हैं।"

"मधुर जिनोइदा" माँ ने कहा, "हमारा आशीर्वाद ग्रहण करो। तुम वे उपदेश कभी भी न भूलो जो कि हमने वर्षों में तुम्हें सिखाये हैं। वे तुम्हें उन दुःखों से बचायेंगे जो हम तुम्हारे पैरों के पास देख रहे हैं।"

शीघ्र ही बाद में दोनों, माँ और बाप, मर गये, जिनोइदा मूर्छित हो गई, जिसको ठीक करने के लिए कैंडिडे को बड़ी कठिनाई पड़ी। चाँदनी का स्थान प्रातः

काल ने ले लिया था। इससे पहले कि वह होश में आई, जैसे उसने आँखें खोलीं, उसने केंडिडे से शवों के लिए गढ़ा खोदने को कहा और आश्चर्यजनक स्फूर्ति के साथ काम में हाथ बटाया। जब यह कर्तव्य समाप्त हो गया तो उसने अपने को खूब रोने दिया।

केंडिडे इस दुःख के दृश्य से जिनोइदा को जितनी जल्दी हो सकता था, हटाने के लिये व्यग्र था। वे लगातार चलते रहे जब तक कि वे एक छोटे झोंपड़े में नहीं पहुँच गये। इसके स्वामी एक बूढ़े दम्पति थे जो जंगलवासियों की भाँति सदा दुःखग्रस्त लोगों को जितनी सहायता दे सकते थे, देने को तैयार थे। ये बूढ़े लोग दैवी कथाओं के फिलमियन और बासिस की भाँति थे। पचास वर्षों तक उन्होंने विवाहित जीवन का आनन्द लूटा था बिना इसे कोई कटु अनुभव किये हुए। अच्छा स्वास्थ्य, साधारण जीवन और शाँति मस्तिष्कों का परिणाम था, कभी न समाप्त होने वाला इमानदारी और सादगी का खजाना। और सब पवित्रतायें, जिनका कि मनुष्य स्वयं ऋणी है, उनके लिये यही स्वर्ग का दहेज था। उनकी प्रशंसा समीप के गाँवों में की जाती थी, जिनके निवासी शायद अगर वे कैथोलिक होते-बहुत ही सज्जन थे। गाँव वालों ने तय किया था कि अगाटन और सुनामा—ये उस बूढ़े दम्पति के नाम थे—को कभी किसी चीज की आवश्यकता अनुभव न होने देंगे और उनकी सहृदयता आगन्तुकों तक के लिए बढ़ गई थी।

"आह पैंग्लौस" केंडिडे ने सोचा, "कितने विशाद का विषय है कि तुम जला दिये गये हो। तुम सचमुच ठीक थे। चाहे कुछ भी हो, तुम्हारा मत कि "प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम के लिए है" योरुप और एशिया के उन सब भागों के लिए समान नहीं हैं, जो हमने और तुमने एक साथ देखे हैं लेकिन केवल इलडोराडो में, जहाँ कोई नहीं जा सकता और इस झोंपड़े में जो कि इस रूखे और ठंडे प्रदेश में स्थित है।

"यह कितनी प्रसन्नता की बात होती मेरे प्रिय पैंग्लौस" केंडिडे खोया-सा बड़बड़ाया, "यदि तुम भी यहाँ होते, पूर्व स्थापित समानता पर विवाद करने

के लिये.....मैं इन ईमानदार लूथरियनों के बीच में अपने सारे दिन काटने के लिए बड़ा प्रसन्न होऊँगा.....लेकिन तब मुझे मास खाना छोड़ देना चाहिए और "जोरनल क्राटियन" द्वारा टुकड़े करवाने से बचना चाहिये।"

कैंडिडे जिनोइदा की कथा सुनने को बड़ा आतुर था लेकिन उसकी दशाओं के विचार ने उसको ऐसा करने से रोक दिया। उसने इसका अनुभव किया और उसे एकदम अपनी कथा सुनाई।

: १३ :

जिनोइदा की कथा

"मैं", जिनोइदा ने कहा, "डेनमार्क के एक पुराने परिवार से आई हूँ। मेरे पुरुषों में से एक-एक दावत में समाप्त हो गये, जहाँ पर शैतान किंग क्रिश्चियन ने कई दरबारियों को मार डाला।"

"मेरे परिवार द्वारा संग्रह किये गये धन और आदर ने केवल उनके दुर्भाग्यों को और भी बढ़ा दिया। मेरे पिता ने एक महान् पुरुष से सत्य बोलकर अप्रसन्न करने की ढ़िठाई की थी। झूठी शपथ खाने वाले, दोषारोपण करने वालों ने उनके खिलाफ झूठे अपराध लगाये थे। उनके जजों को धोखा दिया गया—कौन न्यायाधीश सदा निर्दोष के विरुद्ध फुस्लाई गई निन्दा का पता लगा सकता है? मेरे पिता ने, फाँसी की सज़ा सुनाये जाने पर, एक मित्र के घर में शरण ली—या शायद जिसे वह शानदार पदवी के उपयुक्त समझते थे।"

"कुछ समय तक हम लोग उस महल में छिपकर रहे, जो कि समुद्र तट पर उस आदमी का है और हम अभी तक वहीं होते अगर उस नीच पापी ने हमारी नम्रता का लाभ उठाकर एक घृणात्मक मूल्य में अपनी सेवाओं का मूल्य चुकाने की कोशिश न की होती। उस कुप्रसिद्ध दानव ने मेरी माँ और मेरे लिए एक प्रकार की लालसा अनुभव की और हमारी पवित्रता पर वह प्रयत्न किये जो कि एक

आदरणीय मनुष्य के लिए अत्यन्त अनुपयुक्त हैं। उसकी इस बर्बर लालसा से बचने के लिये हम दुबारा भागने के खतरों का सामना करने के लिए बाध्य हो गये। बाकी आप जानते हैं।"

जिनोइदा फिर रोई। केंडिडे ने उसके आँसू पोंछे और उसको सांत्वना देते हुए कहा, "मेडम, प्रत्येक वस्तु अच्छाई के लिए ही है, अगर तुम्हारे पिता विष से न मर गये होते, तो वे अवश्य ही ढूंढ़ निकाले गये होते और अपना सिर गँवाते। तुम्हारी माँ शायद दुःख से मर जातीं और मैं और तुम इस छप्पर के नीचे न होते, जहाँ कि प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम महलों से कहीं अच्छी है।"

"अफसोस, जनाब, मेरे पिता ने मुझे कभी नहीं बताया कि प्रत्येक वस्तु अच्छाई के लिए है। हम सब परमात्मा के हैं, जो हमें प्यार करता है लेकिन जिसने हमें दुःखों से दूर किया है, उन क्रूर दुर्भाग्यों और अगणित बुराइयों से, जो कि मनुष्य-जाति को दुःखी करती हैं, छुटकारा नहीं दिया है। अमेरिका में क्विनीन और विष साथ-साथ पैदा होता है। सबसे अधिक प्रसन्न जीव भी रोना जानता है। सुख और दुःख के मिश्रण को ही हम जीवन कहते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि निश्चित् समय का एक युग बुद्धिमानों की निगाह में सदा बहुत लम्बा होता है, जिसे हमें उस जाति की अच्छाई के लिए उपयोग करना चाहिये, जिसमें कि हम पैदा हुए हैं और सर्वशक्तिमान के कार्यों का आनन्द उठाने में बिना मूर्खतापूर्वक उनके पीछे कारणों को खोजते हुए अपने व्यवहारों को अपनी चेतना द्वारा नेतृत्व करते हुए और सबसे अधिक धर्म का आदर करते हुए प्रसन्न हों, यद्यपि कभी-कभी होता है, जब हम इसके अनुसार न रह सकें।"

"यह सब मेरे पूज्य पिता किया करते थे। वह उतावले, अभागे और गुस्ताख लेखक थे।" वह कहते थे, "जो सर्वशक्तिमान् के भेदों के जानने का प्रयत्न करते हैं, इस सिद्धान्त पर कि परमात्मा उन अगणित अणुओं द्वारा सम्मान चाहता है, जिसको उसने जीवन दिया है। आदमी ने आदरणीय सत्य और मूर्खतापूर्ण बातों को मिला दिया है। तुर्किस्तान में डेरविस, भारत में ब्राह्मण, चीन में बोन्ज, बर्मा में टालोपाइन, ये सब देवताओं की पूजा हमसे भिन्न-भिन्न रूप में करते हैं,

लेकिन उस अन्धकार के बीच में जिसमें कि वे गिर पड़े हैं और उसमें वे आत्मा की शान्ति का सुख प्राप्त करते हैं जो इस अन्धकार को दूर करने की खोज करता है, उनके विरुद्ध काम करता है। अन्धविश्वासों के राज्य से आदमियों को हटाने पर वह उनपर कोई दया नहीं करता।

"तुम एक दार्शनिक के समान बोलती हो।" कैंडिडे ने कहा, "क्या मैं तुम से पूँछ सकता हूँ मेरी प्रिय स्त्री, कि तुम किस धर्म की हो?"

"मैं लूथिरिन्ज़ में पाली गई थी, यह मेरे देश का धर्म है।"

"प्रत्येक वस्तु, जो तुमने कही है, वह मेरी आत्मा से सम्बन्धित एक किरण थी। तुम मुझे उत्साह और प्रशंसा से भर देती हो···लेकिन आश्चर्य है कि इतनी प्रकाशमय बुद्धि इतने सुन्दर शरीर में कैसे आ गई? मैं सत्य कहता हूँ, मिस्ट्रेज, मैं तुम्हारी इतनी प्रशंसा करता हूं कि···"

कैंडिडे कुछ और शब्द हकलाया। जिनोइदा उसकी घबड़ाहट का अनुभव करके चली गई। उस समय से वह उसके साथ अकेले रहने से दूर रहने का प्रयत्न करती रही।

कैंडिडे दूसरी ओर, या तो जिनोइदा के साथ अकेले रहने का या स्वयं अकेले रहने का मौका ढूँढता रहा। वह बिना किसी खुशी के दुःख में डूब गया। यद्यपि वह प्रेम में निराश था, उसने स्वयं अपने से अपनी उत्तेजना छिपाने का प्रयत्न किया। उसकी निगाहों ने जो कुछ भी हो, उसके हृदय के रहस्य को धोखा दिया, "आह!" वह प्रायः अपने से कहा करता था, "अगर मास्टर पैंग्लौस यहाँ होते, तो मुझे अच्छी सम्मति देते, क्योंकि वह एक महान् दार्शनिक थे।"

: १४ :

जिनोइदा से प्रेम

कैंडिडे की केवल सान्त्वना जिनोइदा के साथ लोगों के सामने बात करने में थी। "यह कैसे हुआ," उसने उससे एक दिन कहा, "कि राजा, जिससे

तुम्हारा मेल था तुम्हारे परिवार के साथ ऐसा अन्याय सहन कर सका ? तुम उससे घृणा करती हो, तुम्हें मानना पड़ेगा।"

"कैसे ?" जिनोइदा ने कहा। "अपने राजा से कौन घृणा करता है। कौन उसके लिए सिवाय प्रेम के और कुछ अनुभव कर सकता है, जिसके साथ कानून की चमकती धार है ? राजा देवताओं की जीवित प्रतिमायें हैं, हमको उसके व्यवहारों को कभी दोषी नहीं ठहराना चाहिए। आज्ञाकारी होना और सम्मान करना अच्छी प्रजा का कर्तव्य है।"

"मैं तुम्हारे निश्चय की और अधिक प्रशंसा करता जा रहा हूँ। कृपया, मिस्ट्रेज़, क्या तुम महान् लिबनीज को जानती हो या महान् पैंग्लौस को जो कि फाँसी से बचने के पश्चात् जला दिया गया था ? क्या तुम मोनाडास् से मेटिरिया सबटिलिस से और बोराइसिस से परिचित हो ?"

"नहीं जनाब ! मैंने अपने पिता को इनके बारे में कभी कुछ नहीं कहते सुना। उसने मुझे शाही दर्शन का अर्थ दिया है और मुझे उन सब दर्शनों से घृणा करना सिखाया है जो कि सीधे मनुष्य की प्रशंसा में योग नहीं देते। जो कि उसको अपने स्वयं और अपने पड़ौसियों के लिए कर्तव्य का झूठा मार्ग दिखाती है, जो उसे आत्मसंयम नहीं सिखाता, जो उसके मस्तिष्क को केवल बर्बर भावों और उत्तेजित अनुमान से भरता है। या जो उसे प्राणियों के निर्माता का साफ रूप देने में सफल रहती है और बजाय इसके कि वह उसके कार्यों और उसके आश्चर्यों से लाभ पा सकें। जो कि हमारी आँखों के सामने रोज दिखाये जाते हैं।"

"मैं फिर कहता हूँ, मैडम, कि तुम मुझे प्रशंसा से भर रही हो, तुम मुझे मोहित कर रही हो, तुम मुझपर बलात्कार कर रही हो, तुम स्वर्ग से भेजी गई देवी हो, जो मास्टर पैंग्लौस के सोफिज्म (मत) की निन्दा करने के लिए भेजी गई हो।"

"आह मैं कितना मूर्ख जानवर था। मेरी पीठ पर लातें पड़ीं, बंदूक के गजों से पीटा गया, और भैंस के सींग से मारा गया। मैं एक भूकम्प में

था। मैंने पहले डा० पैंग्लौस का लटकते और फिर जलते देखा। एक नीच फारसी द्वारा बहुत ही दर्दनाक तरीके से मुझपर बलात्कार हुआ। दीवान की एक डिग्री द्वारा लूट लिया गया, मैं दार्शनिकों के समूह द्वारा लथेड़ा गया और तब भी मैं विश्वास करता था कि प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम के लिए है। अब मैं पूर्णतया धोखा खा गया।"

"कुछ भी हो, जब से मैंने तुमको देखा है, तबसे अभी तक प्रकृति मुझको इससे अधिक सुन्दर नहीं लगी। चिड़ियों का यह ग्रामीण राग मेरे लिए एक लय है, जो कि मैंने कभी पहले नहीं जाना। भावों का वह प्रकाश, जो मुझे मोहित कर रहा है, प्रत्येक वस्तु में इसकी प्रतिछाया दिखाई पड़ रही है।"

"मैं अब वह सुस्ती नहीं अनुभव कर रहा हूँ जो कि मैंने रूस में अपने बागों में की थी। वह उत्साह जो मैं तुम से पा रहा हूँ, पूर्णतया भिन्न है।"

"चुप चुप?" जिनाइदा ने कहा, "तुम उस सीमा तक जा रहे हो, जो मेरी कोमलता को आघात करती-सी प्रतीत होती है, जिसका तुमको सम्मान करना चाहिए।"

"मैं अवश्य चुप रहूँगा, लेकिन मेरे भाव अधिक तीव्र हो जायेंगे। कैंडिडे ने एक-टक जिनोइदा की ओर देखा, जो शर्म से लाल हो गई थी। एक अनुभवी आदमी होने के नाते उसने उसको एक अच्छा चिन्ह समझा। जवान लड़के ने जो कुछ भी हो, अपनी कार्यवाही जारी रखी।

एक दिन जब कैंडिडे बाग में इधर-उधर-चक्कर काट रहा था, वह भावावेग में चिल्लाया, "आह, यह सोचना कि मेरे पास अब इलडोराडो की भेड़ नहीं है, कि अब मेरी शक्ति एक छोटी-सी राजधानी भी खरीदने की नहीं है, क्योंकि यदि मैं राजा होता......"

"तब मैं तुम्हारी क्या होती?" एक आवाज ने कहा, जो कि कैंडिडे के हृदय को पार कर गई।

"यह तुम हो, खूबसूरत जिनोइदा।" उसने अपने घुटने के बल गिरते हुए कहा "मैं अपने को अकेला समझता था। कुछ शब्द जो कि मैंने अभी तुमको कहते

सुना है, ऐसा प्रतीत होता है कि वह प्रसन्नता की प्रतीक्षा करते हैं, जिसके लिए मैं आतुर हूँ। मैं कभी भी राजा नहीं होऊँगा। शायद मैं कभी भी धनी न हो सकूँगा। लेकिन यदि तुम मुझसे प्रेम करती हो............ मुझसे वह सुन्दर नयन न फेरो, मुझे उनमें वह स्वकृति पढ़ लेने दो, जो केवल मुझे प्रसन्न बना सकती है।"

"प्रिय जिनोइदा, मैं तुम्हारी आराधना करता हूँ। अपनी आत्मा दुःखित होने के कारण खोलो. . . मैं यह क्या देखता हूँ? तुम रोती हो? आह, मेरा सौभाग्य उससे अधिक बड़ा है, जितने के लिए मैं योग्य हूँ।"

"हाँ तुम सौभाग्यवान हो।" जिनोइदा ने कहा "कोई कारण नहीं है कि मैं अपने भावों को उस व्यक्ति के लिये छिपाऊँ जिसके लिए उपयुक्त हूँ। अब तक तुम मेरी किस्मत से केवल मानवीय दयालुता के कारण बंधे थे। अब वह समय है कि उन बंधनों को और पवित्र बंधनों से बाँधा जाय। मैंने अपनी सम्मति ले ली है। क्या तुम अपनी ओर से दृढ़ता से कहते हो? स्मरण रखो कि सबसे अधिक, मुझ से विवाह करने पर, तुम मेरी रक्षा पर बाध्य हो जाते हो। मेरे संग, उन दुखों में भाग लेने और उनको मधुर बनाने के लिए, जो कि भाग्य ने मेरे लिए अभी भी रख छोड़ें हैं।"

"तुम से विवाह करने के लिए" कैंडिडे ने कहा "इन शब्दों ने मेरे व्यवहार पर मेरे ज्ञान-नेत्र-खोल दिये हैं। अफसोस, मेरे जीवन की प्रिय आराध्य मैं तुम्हारी अच्छाई के योग्य नहीं हूँ। क्यूनिगांदे अभी जीवित है......"

"क्यूनिगांदे——यह कौन है?"

"मेरी पत्नी।"

कुछ क्षणों तक कोई भी प्रेमी एक शब्द न कह सका। रोते हुए उन्होंने बोलने का प्रयत्न किया। कैंडिडे ने अपने हाथों में जिनोइदा का हाथ ले लिया, अपने हृदय पर उसे दबाया और बार-बार उसको चुम्बन किया। वह इतना साहसी हो गया था कि उसने अपने हाथ अपनी प्रेमिका की छाती पर रख दिये और अनुभव किया कि वह साँस लेने के लिये काँप रही थी। जिसकी आत्मा उसके होठों

पर आ गई और उसके होठों ने उसके होठों को दबाया। उस युवा—डेनिस सुन्दरी को अचेतना से वापस ले आते हुए।

उसने सोचा कि वह उसकी आँखों में क्षमा पढ़ सकता था। "प्रिय प्रेमी," उसने कहा "मैं तुम्हारे लिए क्रोध से उन शब्दों को वापस करके अनुचित करूँगी। लेकिन फिर भी याद रखो, तुम मुझे संसार के ख्याल में बरबाद कर दोगे और शीघ्र ही मुझसे प्रेम करना छोड़ दोगे। इसलिए उसको आशा छोड़ दो और मेरी कमजोरी को बचाओ।"

"कैसे, क्यों कि यह मूर्ख कहते हैं कि एक स्त्री अपना सम्मान उसको प्रसन्नता प्रदान करने पर खो देती है, जिससे वह प्रेम करती है और जो उससे प्रेम करता है उस मधुर झुकाव का अनुसरण करने पर जिसमें संसार का स्वर्ण युग......"

यह कहना काफी है कि कैंडिडे की चतुर-वाकपटुता ने वह सब प्रभाव डाला जो कि एक गर्म खून वाली महिला-दार्शनिक के ऊपर आशा की जा सकती है।

दुःख और उदासीनता के दिन समाप्त हो गये थे और दोनों प्रेमियों ने अपना समय लगातार सुख के नशे में बिताया, प्रेम की शानदार सुरा उनकी नसों में बहने लगी। सुनसान जंगल, कटीली झाड़ियों से ढके जंगल और ढालों से भरे हुए जंगल, बर्फ से जमे हुए मैदान और ऊबड़-खाबड़ खेत उनके प्रेम की आवश्यकता को और अधिक बढ़ाते जाते थे। उन्होंने इन डरावने बंजर के स्थानों को कभी न छोड़ने की ठान ली।

लेकिन भाग्य, जैसा कि दूसरे अध्याय में देखोगे, अपने गर्भ में दुःख छिपाये था।

: १५ :

बोलहाल विघ्न डालता है

कैंडिडे और जिनोइदा ने डीटी के कार्यों का बखान किया। आदमी, जो कि उसकी पूजा करता है, वह उसके साथियों के साथ कर्तव्य और खासतौर से दयालुता जो—सब गुणों से अधिक अच्छा है।

वे खोखले शब्दों से संतुष्ट नहीं थे। कैंडिडे ने पड़ौस के लड़कों को नियम के पवित्र बन्धनों का आदर करना सिखाया। जिनोइदा ने लड़कियों को उनके प्रति माता-पिता के लिए कर्तव्य सिखाया। इन्होंने मिलकर इन युवा-हृदयों में धर्म के लाभदायक बीज बोये।

एक दिन सुनामा जिनोइदा को बताने आई कि एक बूढ़ा सज्जन घर पर नौकरों पर एक बड़े समूह के साथ पहुँचा है। एक मनुष्य की खाज करता हुआ, जो उसके विवरण के अनुसार जिनोइदा स्वयं ही थी, वह बहुत सज्जन बहुत नज़दीक से पीछा कर रहा था और इससे पहले कि वह द्वार बन्द करती, वह युवक-दम्पति के कमरे में पहुँच गया।

जिनोइदा उसको देखते ही अचेत हो गई। लेकिन बोलहाल ने, जो इस बूढ़े आदमी का नाम था, एक दम जिनोइदा को हाथ से पकड़ लिया और उसको पैरों पर इतने जोर से घसीटा कि वह फिर से होश में आ गई, जिस पर वह आँसुओं में फूट पड़ी।

"तो श्रीमती जी" बोलहाल ने कहा एक व्यंग भरी मुसकराहट के साथ, "मैं तुम्हें अच्छे हाथ में देख रहा हूँ। मैं आश्चर्य नहीं करता कि तुम इस धन से सम्पन्न कर दोगी, मेरे घर को और अपने परिवार को।"

"हाँ जनाब," जिनोइदा ने कहा "मैं क्रूरता और नीचता की अपेक्षा सादगी और सत्यता का जीवन अधिक पसन्द करती हूँ। मैं उस जगह सिवाय भय के और कुछ नहीं पा सकती, जहाँ मेरे दुर्भाग्यों का जीवन प्रारम्भ हुआ था, जहाँ

मैंने तुम्हारे हृदय की कालिख के कई सबूत पाये थे और जहाँ सिवाय तुम्हारे और मेरा कोई रिश्तेदार नहीं है।"

"आओ मैडम!" बोलहाल ने कहा "मेरा अनुसरण करो। अगर तुम चाहती हो तो, क्योंकि तुम चाहोगी कि तुम फिर से सचेत हो जाओ।" उसने उसे घर से बाहर घसीटा और उसे प्रतीक्षा में खड़ी एक गाड़ी में ढकेल दिया। उसके बाद केवल कैंडिडे से अपना पीछा करने को कहने और अपने जिजमानों को आशीर्वाद देने और उनकी दयालुता को पुरस्कृत करने का वचन देने का ही समय था, तब गाड़ी भाग गई।

बोलहाल के नौकरों में से एक को कैंडिडे के दुःख पर दया आ गई। यह समझते हुए कि जिनोइदा में उसकी रुचि केवल पवित्रता के दुःख में होने के कारण है, दास ने कोफेनागन यात्रा करने की सम्मति दी और उस यात्रा की दिशायें बता दीं। उसने बाद में यह भी राय दी कि अगर कैंडिडे के दास जीवन के और कोई जीवन न था तो वह बोलहाल के दासों में रखा जा सकता था।

कैंडिडे ने इसको एक उत्तम सम्मति समझा। जब वह कैफेनागन पहुँचा तो दास ने, जिसने उसको मित्र बना लिया था, बोलहाल के समक्ष अपने एक रिश्तेदार की तरह उपस्थित किया, जिसका उसने यह उत्तर दिया।

"बदमाश" बोलहाल ने कैंडिडे से कहा "मैं तुमसे अपने जैसे आदमी की सेवा करने का आदर स्वीकार करता हूँ। मेरी इच्छाओं के लिए, जिसके गहरे सम्मान के तुम ऋणी हो, उनको कभी मत भूलना। तुमको सचमुच उनको पूरा करना चाहिए। अगर तुम्हारे पास ऐसा करने की योग्यता है। इसका ध्यान रखो कि मेरे जैसा एक व्यक्ति तुम्हारे जैसे जीव से बात कर अपना अपमान कर रहा है।"

कैंडिडे सम्मतिपूर्वक राज़ी हो गया और उसी दिन अपने नये स्वामी का आश्रित हो गया।

जिनोइदा ने जब अपने प्रेमी को अपने चाचा के नौकरों में पहचान लिया तब उसकी प्रसन्नता का अनुमान लगाना सहज न था। उसने उसको बहुत से अवसर दिये जो कि कैंडिडे ने सम्मानपूर्वक स्वीकार किये। उन्होंने अचल सच्चाई की

शपथ ली। जिनोइदा की स्वयं कुछ कमजोरियाँ थीं। कभी-कभी वह कैंडिडे के लिए अपने प्रेम पर शर्म करती थी और कभी-कभी वह उसे अपने झखपन से परेशान कर देती थी, लेकिन कैंडिडे उसकी आराधना करता था और जानता था कि कोई भी पुरुष और स्त्री उससे भी कम पूर्णतया दोषरहित नहीं हो सकते। उसकी बाहों में जिनोइदा फिर हंसमुख हो जाती थी। उनकी विवशता ने उनके सुख के पलों को और भी अधिक उत्तेजनापूर्ण बना दिया। वे अब और भी प्रसन्न थे।

: १६ :

ईर्ष्यालु क्यूनिगांदे

इस नये जीवन में कैंडिडे की केवल कठिनाई उसके स्वामी का अहंकार था और उसकी मिस्ट्रेज के स्नेह की अदायगी के लिए यह सस्ता मूल्य था।

अभाग्यवश, प्रसन्न प्रेमी अपने कृत्यों को इतनी सरलता से नहीं छिपा सके, जितना कि कभी-कभी सोचा जाता है। जिनोइदा और कैंडिडे शीघ्र ही खुल गये और उनका सम्बन्ध केवल बोलहाल को छोड़कर घर के किसी प्राणी से छिपा नहीं रहा। कैंडिडे के मित्र और नौकर अपनी प्रत्यक्ष बधाई से उसको डराते थे। वह समझ गया कि दुःख आने वाला है।

उसको यह शक नहीं था कि जो कुछ भी हो वह दुःख उस आदमी द्वारा शीघ्र लाया जायगा जो कभी उसका बड़ा प्रिय था। कई दिनों तक उसने समय-समय पर सड़कों पर एक औरत को देखा जो क्यूनिगांदे के समान थी। तब उसने उसे बोलहाल के बरामदे में देखा। वह बहुत खराब कपड़ों में थी और यह कोई सम्भावना नहीं थी कि धनी मुसलमान का स्नेह बरामदे में कौफिनागन में प्रकट होगा। कुछ भी हो यह अपमानजनक वस्तु कैंडिडे की ओर जोर से घूरने के पश्चात् आई और उसको बालों से पकड़ते हुए उसके कानों पर जोर से घूँसा दिया।

"तो यह तुम हो।" केंडिडे चिल्लाया, "भगवान् किसने यह सोचा था! तुम यहाँ क्या ढूँढ़ रही हो? तुमने स्वयं मुहम्मद के शिष्य द्वारा बलात्कार सहन किया है। जाओ, अविश्वसनीय पत्नी मैं तुमको नहीं जानता।"

"तुम मुझ को मेरे क्रोध द्वारा जान जाओगे।" क्यूनिगांदे ने कहा, "मैं तुम्हारे उस जीवन से परिचित हूँ, जो तुम बिता रहे हो। तुम्हारा अपने स्वामी की भतीजी के साथ प्रेम, और तुम्हारी मेरे लिए घृणा।"

"अफसोस! तीन महीने हो गये हैं जब से मैंने तुम को छोड़ा है। क्योंकि मैं उस महल में अब किसी योग्य नहीं रह गई थी। एक व्यापारी मुझे अपनी लीनन सिलने के लिये ले आया और मुझे अपने साथ इन समुद्र-तटों की यात्रा पर ले गया।" मार्टिन ककांबो और पाक्विटी, इन सबको भी उसने खरीदा है, हमारे साथ हैं। डा० पैंग्लौस अति संयोगवश उस जहाज़ का यात्री था हमारा जहाज़ यहाँ से कुछ मील दूर टूट गया। मैं डूबने से बच गई, उस विश्वसनीय ककांबो के साथ, जिसकी त्वचा उतनी ही अच्छी थी जितनी तुम्हारी।

"*मैं अब तुमको फिर पा गई हूँ और तुम्हें झूठा पाया है। अब अपनी घायल* पत्नी के भय से काँपो।"

केंडिडे इस स्पर्शी दृश्य से इतना सम्मोहित हो गया कि उसने क्यूनिगांदे को जाने दिया, बिना यह सोचे हुए कि उस व्यक्ति के साथ व्यवहार करने में कितनी सहूलियतें बर्तनी चाहियें, जो कि एक आदमी भेद जानता हो। थोड़ी देर बाद ककांबो बरामदे में प्रविष्ट हुआ। वह और केंडिडे प्रेम से आलिंगन-बद्ध हो गये। केंडिडे ने इस सत्य के बारे में पूछताछ की, जो कि क्यूनिगांदे ने उसको बताया था और यह जानकर बहुत दुखी हुआ कि पैंग्लौस फाँसी और लपटों से बचने के बाद सचमुच डूब गया था।

वे पुराने मित्रों के समान बात कर रहे थे जब कि जिनोइदा ने खिड़की से एक छोटा-सा पत्र फेंका। केंडिडे ने इसे खोला और पढ़ा, जैसा कि नीचे है।

"भाग जाओ मेरे प्रेमी! सब कुछ खुल गया है। एक निर्दोश झुकाव, जो कि प्रकृति के आज्ञानुसार है और जो कि समाज को कोई हानि नहीं पहुँचाता।

अन्धविश्वासी और क्रूर आदमियों की दृष्टि में जुर्म है। बोलहाल अभी मेरे कमरे से गया है, मेरे साथ अति अमानुषिक व्यवहार करके। वह तुमको कैद में डालने की आज्ञा प्राप्त करने गया है और वहाँ समाप्त करने के लिए। भाग जाओ। अफसोस, मेरे अत्यधिक प्रेमी उस जीवन की रक्षा करो, जो कि अब तुम मेरे पास नहीं बचा सकते। वे सुख के क्षण अब नहीं हैं, जहाँ मेरा आप से प्रेम ·····। आह! अभागी जिनो...इदा! भगवान्! तुमने कितनी बुरी तरह प्रहार किया है। इतना कड़ा भाग्य देखने के लिए। लेकिन मैं भटक रही हूँ। सदा अपनी प्रिय जिनोइदा को याद रखना। प्रिय प्रेमी, तुम सदा मेरे हृदय के पास रहोगे। नहीं, तुमने कभी नहीं जाना कि मैं तुमको कितना प्रेम करती थी···। ओह, तुम मेरे जलते अधरों पर अन्तिम विदा प्राप्त करते और मेरी अन्तिम आह देखते। मैं अपने अभागे पिता का अनुसरण करने को तैयार हूँ, दिन का प्रकाश मेरे लिए घृणायुक्त है। यह केवल नीचताओं पर चमकता है।"

ककांबो ने जो सदा की भाँति चतुर और कार्य-कुशल था, कैंडिडे को जो कि करीब-करीब अपने होश से बाहर था, साथ में लिया और उसको शहर के बाहर ले गया। जब तक कि वे कोफिनागन से कई मील दूर न निकल गये, कैंडिडे ने अपना मुँह नहीं खोला। तब अपने को आलस्य से उठाता हुआ और ककांबो की ओर घूरता हुआ वह इस प्रकार बोला।

: १७ :

कैंडिडे आत्महत्या के लिये सोचता है

"प्रिय ककांबो, मेरे पूर्वदास, लेकिन अब मेरे समान और सदा मेरे मित्र, तुमने मेरे कुछ दुर्भाग्यों में भाग लिया है। तुमने मुझे आदरणीय सम्मति दी और तुमने क्यूनिगांदे के लिए मेरे प्रेम को रोका है।"

"अफसोस, मेरे पूर्व स्वामी!" ककांबो ने कहा "यह वही है जिसने तुम्हारे साथ अति निन्दनीय छल खेला है। जब उसको तुम्हारे मित्र दासों से यह पता

लगा कि तुम जिनोइदा से प्रेम करते हो और तुमको भी प्रेम मिला, उसने क्रोधी बोलहाल के सामने सब प्रकट कर दिया।"

"अगर ऐसा है तब मुझे मरने के सिवा और कुछ नहीं करना है। कैंडिडे ने एक चाकू निकाला और पुराने रोम निवासी या एक अंग्रेज़ के उपयुक्त निर्दयता से तेज़ करना शुरू कर दिया।

"तुम क्या करने जा रहे हो?" ककांबों ने पूछा।

"अपना गला काटने।"

"ऐसा क़दम उठाने के लिए सोचने में कोई हानि नहीं है," ककांबो ने शीघ्रता से कहा, "लेकिन बुद्धिमान पुरुष इसे बिना दृढ़ निश्चय के नहीं करते। तुम अपने को किसी भी समय समाप्त कर सकते हो। यदि तुम ऐसा करना चाहो तो मेरी राय मानो, प्रिय स्वामी और इसको कल तक के लिए छोड़ दो। जितना अधिक तुम इस काम को टालोगे उतना ही अधिक यह साहसपूर्ण हो जायगा।"

"मैं तर्क सहमत हूँ और साथ-साथ यदि मैं अपना ही गला काट लूँगा तो जनरल डी टीवोक्स मेरी याद का अपमान करेगा। तब यह मान लिया गया कि मैं अपना बध दो या तीन दिन बाद करूँगा।"

वे एलिसनोर में पहुँच गये। एक कस्बा छोटे आकार का और कोपनागेन से दूर नहीं। यहाँ वे एक सराय में ठहर गये। दूसरे दिन ककांबो ने हर्ष से देखा कि रात के विश्राम ने कैंडिडे को काफी लाभ पहुँचाया था। दिन निकलने पर उन्होंने कस्बे को छोड़ दिया।

कैंडिडे ने अभी भी दार्शनिक होने के नाते—क्योंकि युवावस्था में पड़ी आदतें छोड़ी नहीं जा सकतीं—ककांबो को आत्मीय और शारीरिक बुराइयों, जिनो-इदा की चतुर बातों और उसकी बातों द्वारा उसने जो सत्य निकाले थे, उन में उलझा रखा।

"भगवान् मुझे", उसने कहा "मानीकियन होने से बचाओ। मेरी मिस्ट्रेज ने मुझे अपारदर्शक पर्दे की इज़्ज़त करना सिखाया है, जिसके द्वारा देवता अपने कार्य हमारे बीच में रखता है। शायद मनुष्य-जाति स्वयं उस क्षण के पतन के

लिए उत्तरदायी है, जिसमें पड़ा वह अब आहें भर रहा है। एक असभ्य जानवर को मनुष्य ने स्वयं मांसाहारी बना दिया है। वे जंगली, जिनको कि हमने अमेरिका में जीता था, केवल जिड़यूटों को खाते हैं और एक दूसरे के साथ शांतिपूर्वक रहते हैं और दूसरे जंगलों में—अगर ऐसे कोई हैं जो जंगलों में रहते हैं, और जो जड़ों और जंगली फलों पर जीवित हैं, बेशक अब भी बहुत सुखी हैं।

"जिन अपराधों को मनुष्य-जाति ने जन्म दिया है, इस समाज में, ऐसे, मनुष्य हैं जो अपनी दशा के कारण दूसरों की मृत्यु की कामना करने को बाध्य हैं। एक जहाज़ का टकराना, एक घर का जलना, लड़ाई में हार, एक भाग में दुःख और दूसरे में सुख का कारण होते हैं।"

"प्रत्येक वस्तु बहुत बुरी है मेरे प्रिय ककांबो और दार्शनिक के लिए कुछ नहीं बचा है। सिवाय अपने गले को जितने संभव हो सके उतने दर्द से काट डाले।"

"तुम ठीक कहते हो" ककांबो ने कहा, "लेकिन मैं एक मदिरालय देख रहा हूँ। तुम अवश्य प्यास अनुभव कर रहे थे। आओ मेरे पुराने स्वामी हम लोग एक-एक गिलास पियें और उसके बाद अपना दार्शनिक विवाद जारी रखेंगे।"

मदिरालय में उन्होंने एक ग्रामीण जत्थे को एक टूटे हुए बाजे की तान पर नाचते देखा। वे सब मुस्करा रहे थे और दृश्य तारीफ़ के योग्य था। एक जवान स्त्री ने कैंडिडे को हाथ पकड़ कर अपने साथ नाचने के लिए आमंत्रित किया। "मेरी खूबसूरत स्त्री" कैंडिडे ने कहा, "जबकि एक पुरुष ने अपनी स्त्री को खो दिया हो और फिर पा लिया हो और सुना भी हो कि महान् पैंग्लौस मर भी गया है, वह नाचना-गाना नहीं पसन्द करता और इसके अतिरिक्त मैं अपने को कल सुबह समाप्त करने वाला हूँ, और तुम समझती हो कि एक पुरुष जिसके पास जीने के लिए चंद घंटे हों तो नाँचने में उनको बेकार नहीं करना चाहिये।"

"महान् दार्शनिक" ककांबो बीच में बोला "सदा अपने मित्र-जनों से ऊँचा

बनने की कोशिश करते थे ! उटिका के कैदी ने एक नींद के बाद अपने को मार डाला। सुकरात ने अपने मित्रों से अलग होकर विषपान कर लिया था। कई अंग्रेज़ों ने खाने के पश्चात् अपने मस्तिष्क निकाल कर बाहर फेंक दिये हैं। लेकिन मैंने अभी किसी ऐसे महान् पुरुष को नहीं सुना, जिसने अपना गला नाचने के बाद काटा हो। यह तुम्हारे लिए है। मेरे प्रिय स्वामी ! यह असाधारणतः तुम्हारे लिए सुरक्षित है। मेरी राय मानो, शराब के बाद हम लोगों को नाचना चाहिए। तब हम लोग अपना वध करेंगे।"

"क्या तुमने नहीं देखा, ?" कैंडिडे ने कहा "यह युवा गंवार लड़की बड़ी सुन्दर है ?"

"उसके चेहरे के चक्कर में कोई आकर्षक-सी वस्तु है।" ककांबो ने कहा।

"उसने मेरा हाथ दबाया था।"

"क्या तुमने देखा है कि नाच की जल्दी में उसका रुमाल एक तरफ़ गिर पड़ा है, जिसमें से दो तरफ दो सुन्दर छातियाँ निकल आई हैं ?"

"हाँ, मैंने वह देखा है। देखो, यदि मेरा हृदय जिनोइदा से न भरा होता' ' '"

ब्रनेट फिर कैंडिडे की ओर बढ़ी और अपने साथ एक बार नाचने की प्रार्थना की। वह उसकी ज़िद को मान गया और बड़ी कुशलता और चतुरता से नाचा। तब उसने ग्रामीण स्त्री को चूमा और अपनी सीट पर लौट गया, बिना, अभाग्य वश, नाच की रानी को अपने संग नाचने के लिए पूछे।

वहाँ एक आम भनभनाहट हो गई। सब नाचने वाले और दर्शक अपमान के इस टुकड़े पर बड़े चौंके। कैंडिडे को पता नहीं था कि उसने कोई ग़लती की है और इसीलिए कोई क्षमा न माँग सका। एक तगड़ा बदमाश आया और उसकी नाक पर एक घूँसा मारा और ककांबो ने बदमाश के पेट पर लात मारी। कुछ ही सेकिंडों में सारे बाजे टूट गये। औरतों ने अपनी टोपियाँ गंवा दीं और कैंडिडे और ककांबो बलपूर्वक लड़े परन्तु, अंत में हार मानने के लिए बाध्य हो गये। जख्मी होने पर लहू बहने लगा।

"मैं वह हूँ जिसके लिए प्रत्येक वस्तु विश्व में परिवर्तित हो जाती है।" कैंडिडे ने ककांबो को अपना हाथ देते हुए कहा "मैंने कई दुर्भाग्य झेले हैं। लेकिन एक देहाती कन्या की अपनी प्रार्थना पर नाचने के लिए पीटे जाने की कभी आशा नहीं की थी।"

: १८ :

पैंग्लौस का अन्त

ककांबो और उसके किसी समय के स्वामी ने निराशा और निःसाहस अनुभव किया और उस आत्मीय अन्धकार के वशीभूत हो गये जो सब ज्ञानतंतुओं को बेकार कर देता है। वे राहगीरों के एक अस्पताल में आये और ककांबो के मतानुसार रोगी के समान उसमें प्रविष्ट हुए।

उन्होंने ऐसी जगहों का प्रचलित प्रचार किया। कहने का तात्पर्य है उनके साथ मुफ़्ती मरीज़ों की तरह व्यवहार हुआ—और अधिक विवरण आवश्यक नहीं है, थोड़े समय में उनके घाव ठीक हो गये। लेकिन उनके खुजली हो गई। इस रोग से उन्होंने देखा, पीछा छुड़ाना कठिन है। "तुमने मुझे अपना गला नहीं काटने दिया" कैंडिडे अपनी आँखों में आँसुओं के साथ अपने को नोचते हुए बोला। "तुम्हारी ग़लती ने मुझे फिर अनादर और अभाग्य में फेंक दिया है अगर मैं अपना गला उसी समय काट डालता तो **जर्नल डी टोवेक्स** अवश्य कहता, "वह एक कायर था जिसने अपनी हत्या कर ली। केवल क्यों कि उसको खुजली थी।" तुम देखो कि तुम मुझे कहाँ ले आये हो अपनी गलती से।"

"हमारे दुःख बिना छुटकारे के नहीं हैं।" ककांबो ने कहा "अगर तुम मुझे प्रसन्नतापूर्वक सुनोगे तो हम लोगों को यहाँ भाइयों के समान निश्चय कर लेने दो। मैं थोड़ी चीरफाड़ जानता हूँ और मैं अब अपनी दुरावस्था को दूर करने का वायदा करता हूँ।"

"सारे बुद्धू गधों को यम ले जाय।" कैंडिडे ने कहा "और विशेषतया सब सर्जन गधों को, मनुष्यता के उन हीरों को, मैं तुम्हारे संग वह भोगना पसंद नहीं करूँगा जो कि तुम नहीं हो। मैं डरता हूं कि ऐसा धोखा हमें पता नहीं कहाँ ले जायगा।"

"इसके अतिरिक्त अगर तुम यह जान पाते कि यह कितना कठिन है एक अच्छे प्रान्त के राज्यपाल रहने के पश्चात् एक दूसरे समय ने राज्य खरीदने योग्य धनी रहने के बाद, और एक समय में मिस्ट्रेज़ जिनोइदा के स्नेह प्रेमी रहने के बाद इन सबके पश्चात् एक सगे भाई के समान एक अस्पताल में नौकरी करना......"

"मैं इसे कठिन समझ सकता हूँ लेकिन मैं यह भी समझ सकता हूँ कि भूख से मरना कितना कठिन है। यह ध्यान रखो कि मेरा प्रस्ताव ही शायद क्रुद्ध बोलहाल की खोज और उसने तुम्हारे लिये जो सजा निश्चित की है, उससे बचने के लिए केवल मार्ग है। अस्पताल के एक नर्स-ब्रादर ने बताया कि ब्रादर्स अच्छा रहन-सहन और काफी स्वतन्त्रता का आनन्द लेते थे। कैंडिडे प्रभावित हुआ। उन्होंने प्रार्थना-पत्र दिया और उन्हें काम मिल गया। इस प्रकार इन दो अभागों ने अपने समान दूसरों की सेवा प्रारम्भ की।

एक दिन जब कैंडिडे एक बदज़ायके का पतला शोरवा बाँट रहा था, एक फीके चेहरे वाले बूढ़े के पास पहुँचा, जिसके बाहर भाग से ढके थे। आँखें सिर पर आधी चढ़ गई थीं, और मृत्यु की छाप उसके धंसे गालों पर थी।" "गरीब आदमी" कैंडिडे ने कहा "मैं तुम्हारे लिए कितना दुखित हूं। तुम्हारी याचनायें अवश्य भयानक होंगी।"

"सचमुच वे हैं" एक डूबती हुई आवाज़ ने कहा "वे बताती हैं कि मुझे एक आदल है, और हड्डियों में दमा है। अगर वे सब सत्य हैं तो मैं बहुत बीमार हूँ। तब भी सब चीज़ें अच्छी हैं और यही मेरी सांत्वना है।"

"क्या केवल डाक्टर पैंग्लौस स्वयं इस दयनीय अवस्था में आकर भी आशा के मत को मान सकते थे ? कोई दूसरा मनुष्य इस अवस्था में केवल पेस्स की ही शिक्षा देता।"

"वह निन्दनीय शब्द मत बोलो। मैं वही पैंग्लौस हूँ, जिसके बारे में तुम बोल रहे हो। प्रत्येक वस्तु अच्छी है और प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम के लिए है।"

इन शब्दों को बोलने का प्रभाव उसके अन्तिम दाँत का मूल्य था जो उसने अपने नष्ट फेफड़ों के टुकड़े के साथ थूका। कुछ क्षण पश्चात् वह मर गया। कैंडिडे ने उसकी मृत्यु पर शोक किया। क्योंकि वह सहृदय मनुष्य था। उसके अपने मतों की दृढ़ता, कैंडिडे के सारे रोमाँच को, जो उसने उसके साथ पहले देखे थे, इसके सोचने का कारण बनी।

इस सारे समय तक क्यूनिगांदे कापिनागन में रही जहाँ उसने, कैंडिडे को मालूम हुआ, पुराने कपड़ों की सिलाई में एक बड़ी मशहूरी प्राप्त कर ली थी। कैंडिडे ने इस समय तक यात्रा करने का सारा शौक खो दिया था। उसके पास अच्छा मित्र ककांबो था और उसे भाग्य से कोई शिकायत नहीं थी। "मैं जानता हूं" वह कहता था, "कि सुख मनुष्य के भाग्य में नहीं है। सुख केवल इलडोराडो के शहर में है, जहाँ कोई नहीं जा सकता।"

: १६ :

क्यूनिगांदे का अन्त

कैंडिडे इतना अभागा नहीं रहा था क्योंकि उसने मैस्टिजो दास के अन्दर एक ऐसी चीज पाली थी जो कि एक मनुष्य योरुप भर में नहीं पा सकता, एक सच्चा मित्र शायद अमेरिका में, जहाँ प्रकृति ने वे जड़ी-बूटियाँ पैदा कर दी हैं, जो कि हमारे देश के शारीरिक विकार दूर कर सकतीं हैं। शायद इस नये संसार में हम लोगों से बिल्कुल नये प्रकार के मनुष्य हैं, मनुष्य जो स्वार्थ के दास

नहीं हैं, आदमी जो कि मित्रता की गौरवपूर्ण प्रशंसा के योग्य हैं। कोई यह कैसे सोच सकता था कि इन्डिगो और कोचिनियल—सारे खून से लथपथ व्यापारी जहाज़ हमारे पास इनमें से कुछ आदमियों को ले आयेंगे।

ककांबो के लिये कैंडिडे इलडोराडो की एक दर्जन पत्थरों से लदी लाल भेड़ों से अधिक मूल्यवान था। हमारे दार्शनिक ने फिर एक बार जीवन-क्रिया में आनन्द लेना शुरू कर दिया। उसने मनुष्य-जीवन को सुरक्षित रखने में सलाह देने और समाज के एक लाभदायक सदस्य होने में सुख अनुभव किया। भगवान् ने उसके पवित्र विचारों पर उसे और ककांबो को अच्छा स्वास्थ्य देकर पुरस्कृत किया। अब उनके खुजली नहीं थी और कठिन कार्य भी आनन्द के साथ कर सकते थे।

भाग्य ने, जो भी हो, उनकी उस आराम और शान्ति को उनसे शीघ्र ही लूट लिया। क्यूनिगांदे ने अपने पति को दुख देने का निश्चय अपने हृदय में कर लिया था और कोपिनागन को उसकी तलाश में छोड़ दिया। वह अचानक ही एक अस्पताल में पहुँचा। एक आदमी के साथ, जिसको कैंडिडे पहचानता था, बड़े आश्चर्य के साथ—वह बैरन-वान-थन्डर-टेन ट्राँक था।

बैरन ने बताया कि वह वहाँ कैसे आया। "मैं बहुत दिनों तक ओट्टोमन के छापेखाने में नहीं रखा गया।" उसने कहा, "जिस्ज्यूट को मेरे दुर्भाग्यों का पता लग गया और समाज के सम्मान के लिये मुझे छुड़ा लिया। मैंने तब जर्मनी की यात्रा की, जहाँ मैंने अपने पिता के उत्तराधिकारी से सहायता प्राप्त की। मैंने अपनी बहन को पाने में कोई कोशिश नहीं छोड़ी, और तब कौन्स्टैन्टिनोपल से एक संवाद मिला कि वह एक जहाज़ पर चली गई जो कि डेन्मार्क के तट पर टकरा गया था। मैंने तब नकली रूप धारण किया और सिफारिश के कई पत्र डैनिस व्यापारियों से, जो कि उस समिति-पत्र से व्यवहार रखते थे, प्राप्त किये।

परिणाम यह हुआ कि मैं उसे पा गया। वह अब भी तुम से प्रेम करती है, जब कि तुम उसके सम्मान के योग्य नहीं हो और तब भी तुमने उसके साथ झूठे

होने की नीचता की। मैं शादी के अपराधों को ठीक करने की अनुमति देता हूँ, या इसके नये उत्सव की। तुम समझते हो कि मेरी बहन अपना केवल बायाँ हाथ देगी, जोकि बहुत ठीक है क्योंकि उसके पास बहत्तर क्वार्टरिंग्स हैं और तुम्हारे पास एक भी नहीं है।"

"अफसोस!" कैंडिडे ने कहा, "संसार के सारे क्वार्टरिंग्स बिना सुन्दरता के हैं—मिस्ट्रेज़ क्यूनिगांदे उस समय बहुत बदसूरत थी, जिस समय मैंने उससे विवाह करने की नादानी की थी। बाद में वह फिर सुन्दर हो गई और दूसरे ने उसकी सुन्दरता का उपयोग किया। अब एक बार फिर वह भद्दी हो गई है और तुम उसका हाथ मेरे हाथ में दूसरी बार देना चाहते हो। नहीं, सचमुच रिवरेंड फादर, उसको प्रपौन्टिस के रनिवास में वापस भेज दो। उसने इस वेश में काफी बदमाशी की है।"

"भाग जाओ, अहसान फरामोश नीच।" क्यूनिगांदे ने कहा, "उसका मुँह डर और क्रोध से तमतमा उठा।" बैरन को, जो कि साथ ही साथ पादरी भी है, अपनी बेइज्जती को धोने के लिए हम लोगों को मार कर हमारे खून से हाथ रंगने के लिए मत उकसाओ। क्या तुम मुझे इस योग्य विश्वास करते हो कि मैंने अपनी स्वामिभक्ति, जिसकी मैं तुम्हारी ऋणी थी, खो दी। मैं उस आदमी के विरुद्ध क्या कर सकती थी जो मेरा स्वामी था और मुझे सुन्दर समझता था? न मेरे आँसू, न मेरी कराहें ही उसकी बर्बरता को ठण्डी कर सकीं। यह देखकर कुछ भी नहीं किया जा सकता था। मैंने बलात्कार के लिए जितनी कम असुविधा सम्भव हो सकती थी, अपने को समर्पण कर दिया। कोई दूसरी औरत भी यही करती।"

"यह मेरा अपराध तुम्हारे क्रोध के योग्य नहीं है, एक बड़ा अपराध यही तुम्हारी आँखों में जो है, तुमको अपनी मिस्ट्रेज से पृथक् करने का। लेकिन इस अपराध को तुम्हें मेरे प्रेम के पक्ष में समझना चाहिए। आओ मेरे प्रिय! यदि मैं कभी सुन्दर हुई, अगर मेरा वक्षस्थल जो कि अब ढुलका गया है, कभी अपनी कड़ाई या लचक पा सका, तब यह केवल तुम्हारे लिए होगा। प्रिय कैंडिडे अब

तुर्किस्तान में नहीं हैं और मैं तुम से सत्यता के साथ शपथ खाती हूँ कि फिर अपने साथ बलात्कार नहीं होने दूँगी।"

इस वक्तव्य ने केंडिडे पर थोड़ा प्रभाव डाला। उसने निश्चय करने के लिए कुछ घण्टों का समय माँगा, जो उसने ककांबो के साथ सलाह में व्यतीत किये। बहुत विवाद के पश्चात् उन्होंने जिस्यूट और उसकी बहन के साथ जर्मनी जाने का निश्चय किया।

वे एक समूह में अस्पताल से रवाना हुए, पैदल नहीं, लेकिन अच्छे घोड़ों पर बैरन द्वारा जर्मनी से लाये गये। जब वे डेनिस-सीमा पर पहुँचे तो एक बड़े दुष्ट प्रकृति के व्यक्ति ने केंडिडे की ओर घूरा। "यह वही आदमी है" एक छोटे कागज की ओर देखते हुए कहा, "महाशय मेरी उत्सुकता को क्षमा कीजिये। क्या आपका नाम केंडिडे नहीं है?"

"हाँ महाशय, यही मेरा नाम है।"

"आप यह सुनकर प्रसन्न होंगे कि आपका विवरण गलत नहीं है। सचमुच आपके काली भौंहें हैं, आँखें न निकली हुई, न धँसी हुई, मध्य श्रेणी का एक गोल ताजे रंग का चेहरा और मुझे ऐसा लगता है कि आप पाँच फुट पाँच इंच अवश्य ऊँचे होंगे।"

"हाँ महाशय, मेरी यही ऊँचाई है। लेकिन मेरी आँख और ऊँचाई से क्या मतलब?"

"महाशय! हम अपने कार्यालय में बहुत सावधान नहीं रह सकते। मुझे अपने से कुछ प्रश्न पूछने की अनुमति दीजिये। क्या आप मेरे लार्ड बोलहाल की सेवा में नहीं थे?"

"सचमुच महाशय मैं नहीं समझता······।"

"वह हो सकता है, लेकिन मैं अपनी ओर से यह समझता हूँ कि आप वही व्यक्ति हैं, जिनका विवरण मेरे पास भेजा गया है। कृपया गार्डरूम में चलिए···। आदमियो, इन महाशयों की निगरानी रखो। ब्लैकहोल तैयार करो और लुहार के लिए इन महाशय को चालीस पौंड की अच्छी-सी जंजीर बनाने के लिए भेजो।

"मास्टर कैंडिडे तुम्हारे पास अच्छा घोड़ा है। मुझे ऐसे रंग के घोड़े की आवश्यकता है। मैं कह सकता हूँ कि हम इस पर राजी हैं।"

बैरन यह कहने से डर रहा था कि घोड़ा उसका है। कैंडिडे ले जाया गया और क्यूनिगांदे पूरे पन्द्रह मिनट तक रोई। जिस्यूट बिल्कुल भी विचलित नहीं हुआ। "मैं उसको या तो मार डालता या तुम से फिर विवाह करा देता।" उसने अपनी बहन से कहा, "सब देखकर यह प्रतीत होता है कि जो कुछ हुआ है सब हमारे परिवार के लिए उत्तम है।"

क्यूनिगांदे ने अपने भाई का जर्मनी तक अनुसरण किया। ककांबो ने, जो भी हो, अपने मित्र को नहीं छोड़ा।

: २० :

प्रत्येक वस्तु अति बुरी नहीं है

"आह पैंग्लौस!" कैंडिडे ने आह भरी, "यह दुःख की बात है कि तुम मर गये हो। तुम मेरे दुर्भाग्य के एक भाग के केवल साक्षी थे। और समय के साथ मैं तुम्हारे कथन का जो तुमने अंतिम स्वाँस तक कायम रखा, निवारण करने की आशा करता था।"

"किसी मनुष्य ने मुझसे अधिक दुर्भाग्य नहीं देखे हैं और जैसा कि पोप अरबन की पुत्री ने ठीक ही कहा था, एक भी मनुष्य ऐसा नहीं है जिसने अपने जीवन को मुझसे अधिक बार धिक्कारा हो...मेरे साथ क्या होने जा रहा है ककाँबो?" उसने अपना सिर मित्र की ओर घुमाते कहा हुए, जो कि उसके साथ कैदी था।

"सचमुच मैं नहीं बता सकता। मैं यह जानता हूँ कि मैं तुमको कभी नहीं छोड़ूँगा।"

"तब भी क्यूनिगांदे ने मुझे छोड़ दिया है। एक पत्नी एक मित्र के समान नहीं है, चाहे वह मेस्ट्रोजो क्यों न हो।"

तत्पश्चात् वे कोपिनागन वापस ले जाये गये। जहाँ कैंडिडे ने एक भयंकर भाग्य की आशा की, वह जैसा कि पता लगा, गलत था। कोपिनागन में भय नहीं वरन् सुख उसकी प्रतीक्षा में था। अपने पहुँचने के तत्काल बाद ही उसे मालूम हुआ कि बोलहाल मर गया था। किसी ने भी इस बरबर और क्रूर आदमी के लिए अफसोस नहीं किया। कैंडिडे को, दूसरी ओर सब लोग बहुत चाहते थे। उसे बंधन-मुक्त करके स्वतंत्र किया गया और वह जिनोइदा के पास शीघ्र पहुँचने योग्य हो गया। पहले वे भावावेश के कारण बोल न सके। लेकिन रोये और चुम्बन किया। ककांबो, जो कि उनके मिलन पर उपस्थित था, उसके मित्र होने के नाते प्रभावित हुआ।

"प्रिय ककांबो, आराधनीय जिनोइदा" कैंडिडे ने कहा, "तुम लोग मेरे हृदय से मेरे दुर्भाग्य की गहरी लकीरों को दूर कर रहे हो। प्रेम और मित्रता मेरे लिए सुख और आनन्द के दिन लायेंगे। इस सुख को प्राप्त करने के लिए मैंने कितने कष्ट झेले हैं। लेकिन वे सब भूल-से गये हैं। प्रिय जिनोइदा! मैं तुम्हें एक बार फिर पा रहा हूँ और तुम मुझसे प्रेम करती हो। प्रत्येक वस्तु सर्वोत्तम के लिए है। प्रकृति में प्रत्येक वस्तु अच्छी है।"

"बोलहाल की मृत्यु ने जिनोइदा को अपने भाग्य की स्वामिनी बना दिया था। अदालत ने उसे उसकी पिता की छीनी गई रियासतों से पेंशन दी, और इसका उसने कैंडिडे और ककाँबो के साथ भाग बाँटा। उसने इन दोनों को अपने घर में ठहराया, प्रत्येक को यह बता कर कि वह इन दोनों की बहुत ऋणी थी और इस कारण उनके इस जीवन के सुख और आनन्द को प्राप्त करना चाहती थी, जिससे कि उनके कष्टों को पूरा कर सके।

कुछ लोगों ने इस वक्तव्य पर गौर किया जो कि बहुत कठिन नहीं था। यह देखकर कि जिनोइदा का कैंडिडे के साथ पुराना संबन्ध जनता की दृष्टि में बुरा था, अधिकतर लोगों ने उसे भला-बुरा कहा, लेकिन कुछ समझदार लोगों ने उसके व्यवहार का समर्थन किया।

जिनोइदा, जो कि मूर्खों के विचारों से अधिक विपन्न नहीं थी, कुछ अप्रसन्न थी। क्यूनिगांदे की मृत्यु ने, किसी प्रकार जिसकी खबर, जिस्यूट ट्रेडिंग फैक्ट्री द्वारा कोपिनागन पहुँचा दी गयी थी, ने जिनोइदा को अपने स्नेह पाने योग्य बना दिया। उसने कैंडिडे का वंशक्रम बनाया, जिसने कि उसका स्थान योरुप के अति प्राचीन परिवारों में दिखाया था। वंशक्रम विशेषज्ञ ने यह भी बताया कि कैंडिडे का असली नाम केन्यूट था जो कि डेन्मार्क के एक राजा का नाम था। यह बिल्कुल विश्वसनीय माना गया। इस छोटी तबदीली से कैंडिडे एक महान् लार्ड हो गया। उसने जिनोइदा के साथ आम जनता के समक्ष विवाह कर लिया और वे इतने सुख से रहे जितना कि कोई रहने की आशा कर सकता है। ककाँबो, जिनोइदा और कैंडिडे का मित्र हो गया। कैंडिडे प्रायः यह कहता था "प्रत्येक वस्तु इतनी अच्छी नहीं है, जितनी की इल्डोराडो में है। लेकिन प्रत्येक वस्तु अति बुरी भी नहीं है।"